54 वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2015-16

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)
(सू.ल.म.उ. मंत्रालय भारत सरकार का संगठन, आईएसओ **9001-2008** प्रमाणित)
NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES (ni-msme)
(An organisation of Ministry of MSME Govt. of India, An ISO 9001-2008 Certified)
यूसुफगुडा, हैदराबाद - **500045.** तेलंगाना.
Yousufguda, Hyderabad - 500045. Telangana.

54 वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2015-16

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्सmे)
(सू.ल.म.उ. मंत्रालय भारत सरकार का संगठन, आईएसओ **9001-2008** प्रमाणित)
NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES (ni-msme)
(An organisation of Ministry of MSME Govt. of India, An ISO 9001-2008 Certified)
यूसुफगुडा, हैदराबाद - **500045.** तेलंगाना.
Yousufguda, Hyderabad - 500045. Telangana.

उद्यमिता संस्कृति की वृद्धि में
सहायता करने और सूलम उद्यमों का
विकास करने के लिए।

विषय सूची

1. संक्षिप्त विवरण

पृष्ठभूमि 01
प्रमुख उपलब्धियाँ : प्रशिक्षण 02
उत्कृष्ट अनुसंधान और परामर्श 02
ग्राहक 04

2. संस्था का प्रबंधन

संगठनात्मक स्वरूप 05
सांविधिक बैठकें 05
जनसेवाओं की गुणवत्ता के प्रति समर्पण 07
महत्वपूर्ण क्षेत्र 07
गतविधियाँ 08
उत्कृष्टता के स्कूल 09
बौद्धिक विकास सुविधाएँ 09
कर्मचारियों की संख्या 10

3. उपब्धियाँ 2015-16

समग्र कार्य-निष्पादन 11
प्रशिक्षण 12
अनुसंधान एवं परामर्श सेवा 28
प्रलेखन एवं प्रकाशन 31

4. राजभाषा का कार्यान्वयन 32

5. सिटीजन्स चार्टर और सूचना का अधिकार कानून 34

6. स्वच्छ भारत 35

7. राष्ट्रीय उत्सव और अन्य गतिविधियाँ

राष्ट्रीय उत्सव 37
अन्य गतिविधियाँ 39

8. अतिथि दीर्घा 42

9. अनुबंध

1. शासी परषिद के सदस्य 49
2. कार्यपालक परिषद के सदस्य 51
3. अधिकारियों के पते 52
4. महानिदेशक और संकाय दल 53
5. कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति 56
6. स्थापना से लेकर कार्यप्रदर्शन के संकेतक 57
7. अंतर्राष्ट्रीय पूर्व प्रतिभागी 59

10. वित्तीय विवरण

1. लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 63
2. 31 मार्च 2016 के अंत तक का तुलन-पत्र 67
3. आय एवं व्यय लेखा 68
4. प्राप्तियाँ और भुगतान 82

संक्षिप्त विवरण

पृष्ठभूमि

उद्भव : भारत सरकार ने तीसरी पंचवर्षीय योजना में लघु उद्योगों पर गठित कार्य समूह की सिफारिशों का पालन करते हुए अक्तूबर 1960 में **''केंद्रीय औद्योगिक विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (सीआईईटीआई)''** का गठन नई दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत केंद्र सरकार के विभाग के रूप में किया। स्थापना के समय सीआईईटीआई का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय लघु उद्योग संगठनों के साथ ही राज्य सरकारों के उद्योग विभाग के कर्मचरियों को प्रशिक्षण प्रदान करना था।

संस्था में रुपांतरण : वर्ष 1962 में सीआईईटीआई को हैदराबाद में स्थानांतरित कर एक स्वायत्त संस्थान के रूप में परिवर्तित किया गया और हैदराबाद सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत ''लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान'' (सिएट) के रूप में पंजीकृत किया गया। 30 जून 1962 को सीआईईटीआई को समाप्त किया गया और उसके सभी कार्यों का दायित्व में सिएट ने संभाल लिया।

उत्कृष्टता के केंद्र : लघु उद्योगों के विकास में सिएट के निरंतर किये गये प्रयासों का संज्ञान लेते हुए यूनीडो ने 1984 में अपनी सेंटर ऑफ एक्सलेंस योजना के अंतर्गत सिएट को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में चीह्नित किया और उसे अपनी सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय दर्जा और नाम परिवर्तन : 30 अगस्त 1984 को सिएट का नाम परिवर्तित कर राष्ट्रीय लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (निसिएट) रख दिया गया। सू.ल.म.उ. अधिनियम 2006 का पालन करते हुए 11 अप्रैल 2007 से पुनः इसका नाम संशोधित कर राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) रख दिया गया।

उद्यमों और उद्यमियो के लिए प्रशिक्षण संस्थान के रूप में अपनी स्थापना से लेकर **निम्समे** ने अपनी गतिविधियों का विस्तार करते हुए परामर्श, अनुसंधान, विस्तार और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं को भी अपने दायरे में समा लिया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम और कार्यकारियों को **निम्समे** में समकालीन विषयों पर आयोजित कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का काफी लाभ मिला है।

पिछले कई वर्षों से **निम्समे** ने अपनी पहुँच समूचे विकासशील विश्व तक विस्तारित की है। अब तक 142 विकासशील देश इसकी प्रभावशीलता, ज्ञान और संसाधनों से लाभान्वित हो चुके हैं। संस्थान के कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हैं और समकालीन ज़रूरतों को ध्यान में रखकर इन्हें समय-समय पर उन्नत कियाा जाता है। हर वर्ष विश्वभर से लगभग 300 कार्यकारी इन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और विभिन्न मेलों तथा संभावनाओं से लाभान्वित होते हैं। यह संस्थान यूनिडो, यूनेस्को, आईएलओ, कॉमन वेल्थ फंड फॉर टेक्निकल को-आपरेशन (सीएफटीसी), संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनिसेफ), एफ्रो-एशियाई रूरल रीसर्च आर्गनाइज़ेशन (एएआरआरओ) और एआरबी बैंक (घाना) तथा गिझ जैसे वैश्विक निकायों से भी जुड़ा हुआ है। संस्थान की ओर से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों तथा संस्थानों के साथ किये गये साझा प्रयासों के कारण इसके कार्य अधिक परिणामोन्मुख साबित हुए हैं।

निम्समे में मौजूद आधारभूत सुविधाएँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हैं। इन सुविधाओं से निम्समे की विशेषता और प्रत्येक गतिविधि को योग्य बनाने वाली स्वाभाविक उत्कृष्ठता का परिचय मिलता है। **निम्समे** ने वर्तमान परिदृश्य के अनुकूल अपनी कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए कुशलता एवं अनुकूलनशीलता की तकनीकियों को भी अपनाया है। इसकी अत्याधुनिक सुविधाएँ, सुहावना परिसर आधुनिक अकादमिक आधारभूत सुविधाओं से परिपूर्ण सिद्ध कार्य-प्रणाली, अनुभवी संकाय, निपुण परामर्शदाता और विशेषज्ञ संसाधक इसे श्रेष्ठ बनाते हैं। इसके अतिरिक्त समकालीन और सृजनात्मक दृष्टिकोण से परिपूर्ण संस्थान का दशकों के अनुभव ने इस प्रकार की विशिष्टता से भरपूर सेवाओं को संभव बनाया है। निम्समे को प्रशिक्षण, अनुसंधान और विस्तार की सेवाएँ प्रदान करने वाले विश्वभर के सर्वोत्कृष्ट संस्थानों में से एक के रूप में पहचाना जाता है।

निम्समे चार्टर : प्रारंभिक चरण में संस्थान का प्राथमिक उद्देश्य प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (टीओटी) प्रदान करना था। आज देश की अर्थव्यवस्था में आधुनिक प्रौद्योगिकी के विकास और गतिशीलता के परिप्रेक्ष्य में संस्थान की भूमिका का व्यापक और विस्तारित हो चुकी है। वर्तमान में **निम्समे** प्रशिक्षण के अलावा परामर्श, अनुसंधान, विस्तार और सूचना सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रारंभ ने **निम्समे** के विस्तारित परिदृश्य को सही अर्थ प्रदान किया है :

- सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विशिष्ट मुद्दे पर विशेष ध्यान के साथ आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों पर खास ज़ोर।
- ग्राहक चलित पहुँच में प्रतिमान का स्थानांतरण और अभिनव अंतःक्षेप।
- मूल्यांकन अध्ययन और प्रकाशन

उद्योगों और उद्यमशीलता पर काफी अधिक ध्यान देने के साथ ही **निम्समे** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वर्तमान में महसूस की जा रही चुनौतियों को सुलझाने के लिए सहायता करने के अलावा उद्योगों के विकास में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते रुझानों की ओर लगातार ध्यान आकर्षित कर रहा है। **निम्समे** विश्वभर में कार्यक्रमों का संचालन करने के मामले में अग्रस्थान पर है और अनोखे अध्ययनों में इसकी गतिशीलता ने इसे प्रशिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के मामले में विश्व के प्रमुख सक्षमकर्ता के रूप में पहचान दिलाई है। **निम्समे** विभिन्न शेष अनुसंधान और परामर्श अध्ययनों के संचालन करने वालों के लिए मददगार है।

महत्वपूर्ण पड़ाव :

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भारत में पहली कार्यकारी प्रयोगशाला का गठन किया। (1964)
- लघु और मध्यम आकार के उद्योगों (एसएमई) के विकास के लिए पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। (1967)
- यूगांडा, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, नाइजीरिया, सूड़ान, केमरून और घाना के साथ क्रेता से क्रेता लेन-देन। (2000-2007)
- बैंक ऑफ घाना के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (2006-08)
- 28 अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रमों का अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान, जिनमें से पाँच खास तौर पर अफ्रीकी देशों के लिए थे। (2007-08)
- सू.ल.म.उ. क्लस्टर विकास पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजन (2008)
- इंडिया-अफ्रीका फोरम सम्मिट के अग्रदूत के रूप में अफ्रीकी महिला कार्यकारियों के लिए आउटरीच कार्यक्रम। (2008)
- बांग्लादेश स्मॉल एंड कॉटेज इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन (बीएससीआईसी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम। (2008-09)
- सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम। (2009-10)
- पंजीकृत भवन निर्माता और अन्य निर्माण के श्रमिकों कौशल उन्नतीकरण कार्यक्रम। (2012-13)
- इंडिया-अफ्रीका फोरम सम्मिट के अंतर्गत अफ्रीकियों के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।
- एनआईएफटीईएम के कार्यक्रम (2013-14)
- प्राकृतिक रंग द्रव्यों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (2013-14)
- तनाव प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम। (2014-15)
- उत्तर-पूर्वी राज्यों के अजा/ अजजा के युवाओं के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम।(2014-15)
- सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों (सुरक्षा कार्मिक) के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण और जेसीओस/ ओआर के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम) पर पुनर्वास प्रशिक्षण।
- सौर ऊर्जा पर उद्यमिता/ करियर अभिमुख प्रशिक्षण। (2015-16)
- पुष्प खेती में बांग्लादेश की महिला उद्यिमयों/ किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम। (2015-16)
- सार्क देशों में दर मुक्ती बाधाओं (एनटीबी) और दर-मुक्ती मानदंडों (एनएमटी) के माहौल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कोलम्बो (श्रीलंका), ढाका (बंग्लादेश) और भूटान, नेपाल में (2015-16)
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : कौशल 2015 (2015-16)
- प्रशिक्षण नियमावली की रचना : सार्क क्षेत्र में शुल्क मुक्ती मानदंड और शुल्क मुक्ती की बाधाएँ (2015-16).

अन्य

- लघु उद्योग राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र (सेन्डॉक) नामक सूचना केंद्र की स्थापना की गई। (1971)
- तंज़ानिया की सरकार को लघु उद्योग विकास संगठन (सिडो) की स्थापना में सहायता की। (1974)
- गुवाहाटी में एक क्षेत्री. केंद्र के रूप में शाखा की स्थापना की। (1979)
- आत्मनिर्भरता की प्राप्ति (2001-02)
- बौद्धिक संपदा अधिकार सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) की स्थापना । (2009)
- स्वर्ण महोत्सव मनाया। (2013-14)

उत्कृष्ट अनुसंधान और परामर्श अध्ययन

- प्रो. डेविड मैक्लेलैंड के साथ काकीनाड़ा एक्सपिरमेंट के दौरान प्रोत्साहन उपलब्धियों में पथप्रदर्शक अनुसंधान अध्ययन का संचालन किया। (1964)
- भारतीय उद्योग में सटीक प्रौद्योगिकियों की संकल्पना का विकास किया। (1969)
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) उद्यमियों के लिए केस स्टडीज़ और वीडियो डॉक्यूमेंट्रियों का निर्माण किया। (1986)

- एसआईएम एसआईएम पर पहले कम्प्यूटरीकृत सॉफ्टवेयर का निर्माण किया। (1987)
- परियोजना आकलन (अप्राइज़ल) और मूल्यांकन (सीएपीई) (1996)
- यूनेस्को चेयर (1997)
- अरुणाचल प्रदेश के वस्त्रोद्योग और हस्तशिल्प क्षेत्र में प्रौद्योगिकी - आर्थिक सुविधा अध्ययन। (2001)
- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विशिष्ट संसाधन आधार के लिए परियोजना के अभिनिर्धारण के बारे में अध्ययन। (2003)
- मॉरशिस में महिला सशक्तीकरण पर विजन डॉक्यूमेंट (2003)
- मॉरिशस में लघु एवं मध्यम उद्यमों पर परियोजना रूपरेखा निर्माण (2004)
- लघु और मध्यम उद्यमों की आवश्यकताओं की जानकारी (2005)
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्लस्टरों के मार्गदर्शन, निगरानी और कार्यान्वयन (2004-2007)
- पारम्परिकउद्यमों के पुनर्निर्माण के लिए निधि योजना (स्फूर्ति) का मार्गदर्शन (2006 से)
- तमिलनाडु राज्य में एनबीसीएफडीसी की जारी योजनाों का मूल्यांकन । (2008)
- पुडुचेरी, गोवा और केरल में एनबीसीएफडीसी की योजनाओं का मूल्यांकन । (2009-10)
- भगवतुला चैरीटेबल ट्रस्ट (बीसीटी) द्वारा राजीव विद्या मिशन के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टणम में संचालित स्कूलों के बारे में अभिनव और प्रयोगात्मक कार्यप्रणाली का मूल्यांकन। (2009-10)
- आम्बेडकर हस्तशिल्प विकास योजना (एएचबीवाई) के अंतर्गत अधिक प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मूल्यांकन अध्ययन। (2009-10)
- आवास निर्माण और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय (एमएचयूपीए), भारत सरकार के लिए प्रशिक्षण नियमावली का निर्माण। (2009-10)
- आवास निर्माण और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय (एमएचयूपीए) द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययनों का कार्यान्वयन। (2009-10)
- हस्तशिल्प के लिए पारम्परिक पेंटिंग संसाधन केंद्र । (2010-11)
- आंध्र प्रदेश के 37 और केरल के 24 क्लस्टरों के लिए क्लस्टर संसाधन-सह-निगरानी एजेंसी। (2010-11)
- विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) द्वारा संचालित हस्तशिल्प निर्यात प्रोत्साहन (पैकेजिंग और निर्यात के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम) योजना का मूल्यांकन। (2013-14)
- गिझ के एमएसएमई अम्ब्रेला प्रोग्राम के भाग के रूप में भारत में व्यापार सदस्य संगठनों (बीएमओ) का क्षमता विकास। (2013-14)
- विकास आयुक्त (हथकरघा) द्वारा प्रायोजित पोचमपल्ली हैण्डलूम सेंटर का मूल्यांकन। (2013-14)
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, ओडिशा सरकार के ज़िला उद्योग केंद्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्गठन पर मूल्यांकन अध्ययन। (2014-15)
- छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले में आजीविका आय सृजन एनएमडीसी-सीएसआर के लिए आधारभूत सर्वेक्षण। (2014-15)
- असम, केरला, लक्षद्वीप और तेलंगाना राज्यों में प्रधानमंत्री रोज़गार गारंटी कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्राप्त इकाइयों की 100% भौतिक जाँच। (2014-16)
- ओडिशा सरकार के ज़िला उद्योग केंद्रों (डीआईसीएस) और क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्रों (आरआईसीएस) के पुनरुद्धार के लिए अध्ययन। (2014-16)
- एपसेट के लिए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन। (2015-16)
- एनएमडीसी के लिए संगठनात्मक माहौल और कर्मचारियों की संतुष्टी के बारे में अध्ययन (2015-16)
- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के केआरडीपी क्लस्टर कार्यक्रम के अंतर्गत गोंदिया, नागपुर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण (2015-16)
- हरिहर खादी क्लस्टर, दावनगेरे (कर्नाटक), कोत्तूर इकत हथकरघा बुनकर क्लस्टर, नलगोंडा (तेलंगाना) पेड़ना कलमकारी ब्लॉक क्लस्टर, पेड़ना (आंध्र प्रदेश), कोंडापल्ली वुडक्राफ्ट क्लस्टर, विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश), पेम्बर्ती मेटलवेयर क्लस्टर, वरंगल (तेलंगाना) और ईज़ा गद्वाल सिल्क क्लस्टर महबूबनगर (तेलंगाना) के लिए सॉफ्ट इंटरवेंशन (2015-16)
- हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एनबीसीएफडीसी की प्रशिक्षण योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन। (2015-16)

निम्नलिखित तालिका में वर्ष 1962-63 से 2015-16 की अवधि में संचालित कार्यक्रमों प्रशिक्षित कुल प्रतिभागियों की संख्या और पूरी की गई अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाओं की संख्या दर्शाई गई है।

तालिका 1 : वर्ष 1962-63 से 2015-16 के दौरान संचालित कुल कार्यक्रम	
प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	14,034
प्रशिक्षित सहभागियों की संख्या	4,62,393
अनुसंधान और परामर्श कार्यक्रम	909

प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या में आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों अतिरिक्त क्रमशः वित्त मंत्रालय और विदेश मंत्रालय द्वारा टीसीएस को - प्लान और आईटीईसी। एससीएएपी के अंतर्गत प्रायोजित नामितों के लिए खास तौर पर संचालित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग ले चुके 142 विकासशील देशों के 9,133 कार्यकारी भी शामिल हैं।

संस्थान के ग्राहक

तालिका क्र. 2 : निम्समे के महत्वपूर्ण ग्राहक	
केंद्रीय मंत्रालय/ विभाग	**राज्य सरकारें**
सूलम उद्यम मंत्रालय वाणिज्य एवं उद्यम मंत्रालय खाद्यान्न प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय विदेश मंत्रालय वित्त मंत्रालय भवन निर्माण एवं शहरी विकास मंत्रालय वस्त्र मंत्रालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आर्थिक सहायता एवं विकास निगम	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघायल, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, प. बंगाल तथा अंदमान एवं निकोबार। **राज्यों के निकाय/ स्वायत्त निकाय** आंध्र प्रदेश भवन निर्माण तथा अन्य निर्माण कार्य श्रमिक कल्याण बोर्ड औद्योगिक विकास निगम वित्त निगम राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
बैंक	**निगम**
रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक नाबार्ड एक्ज़िम बैंक सभी राष्ट्रीयकृत बैंक और वाणिज्यिक बैंक	एचडीएफसी केयर हॉस्पिटल्स एनएमडीसी एचपीसीएल एनटीपीसी **गैर सराकारी संगठन** : बैक्सिस, एपीएमएएस, उद्योग संगठन
शिक्षा संस्थान	**अंतर्राष्ट्रीय संगठन**
कृषि विज्ञान केंद्र जन शिक्षण संस्थान	गिज़, एएआरडीओ, आईएएफएस, एआरबी बैंक ऑफ घाना, बीएससीआईसी, आईएलओ, यूनिडो

संस्था का प्रबंधन

संगठनात्मक स्वरूप

निम्समे का गठन भारत सरकार द्वारा संस्था के नियमों और विनियमों के तहत किया गया। संस्था के कार्यों के कार्यों का संचालन भारत सरकार द्वारा संस्था नियम और विनियम के नियम 22 (क और ख) के तहत गठित शासी परिषद के प्रबंधन, प्रशासन और निर्देशों के अनुसार किया जाता है।

श्री कलराज मिश्र, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार **निम्समे** संस्था के अध्यक्ष हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव शासी परिषद के उपाध्यक्ष तथा कार्यकारी समिति के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) कार्यकारी समिति के उपाध्यक्ष हैं। श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी, संस्था के महानिदेशक हैं। शासी परिषद और कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची क्रमशः **अनुबंध 1 और 2** में दी गई है। महानिदेशक **निम्समे** के अकादमिक और कार्यकारी प्रमुख हैं। वे शासी परिषद और कार्यकारी समिति के निर्देशों के मार्गदर्शन के अनुसार कार्य करते हैं। अकादमिक गतिविधियों का आयोजन उत्कृष्टता के विभिन्न अकादमिक स्कूलों के माध्यम से किया जाता है और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संपूर्ण प्रशासन के प्रमुख हैं और महानिदेशक के मार्गदर्शन के अनुसार कार्य करते हैं।

सांविधिक बैठकें

शासी परिषद और वार्षिक सामान्य सभा (एजीएम)

शासी परिषद की 9 वीं बैठक का आयोजन 8 जनवरी 2016 को नई दिल्ली में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता शासी परिषद के पदेन अध्यक्ष एवं **निम्समे** संस्था के अध्यक्ष मा. श्री कलराज मिश्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार ने की। इस बैठक में उपस्थित रहे अन्य सदस्यों में डॉ. अनूप के. पुजारी, भा.प्र.से., सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, शासी परिषद के पदेन उपाध्यक्ष और **निम्समे** संस्था के पदेन उपाध्यक्ष, डॉ. भारती एस. सिहाग, भा.प्र.से. एवं वि.स., श्री सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी, भा.प्र.से. सहायक सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.), श्री बी.एच. अनिल कुमार, भा.प्र.से., संयुक्त सचिव (ए.एंड.आर), श्री मनोज जोशी, भा.प्र.से. संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्यम), श्री ए.के. झा, आईईएस, सीईओ, केवीआईसी, श्री रविंद्रनाथ, मुख्य प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, श्री पी. सत्यनारायणा, मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम), ग्रामीण गैर कृषि क्षेत्र, नाबार्ड, श्री रमेश धर्माजी, मुख्य महाप्रबंधक, मुख्य प्रबंध निदेशक के प्रतिनिधि, सिडबी, लखनऊ शामिल थे।

श्री टी. श्रीनिवास राव, उप महाप्रबंधक, आंध्रा बैंक, नई दिल्ली मुख्य प्रबंध निदेशक, आंध्रा बैंक, हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्री हेमंत मेहतानी, पूर्व अध्यक्ष उद्योग संघ, इंदौर मध्य प्रदेश तथा श्री अनूप कुमार, बेसिक्स, माइक्रो फाइनांस, लाइवलीहुड़ इन्स्टीट्यूट, हैदराबाद एवं अन्य मनोनीत सदस्य भी इस बैठक में उपस्थित थे।

कार्यपालक समिति

अधिदेश के अनुसार संस्थान की भविष्य की गतिविधियों में सुधार और आधारभूत संरचना के बारे में निर्णय लेने के अलावा पिछली बैठकों में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा के लिए समय-समय पर बैठकों का आयोजन करती है। कार्यपालक समिति की 17 वी बैठक 3 नवम्बर 2015 हैदराबाद में हुई।

निम्समे की संगठनात्मक रचना

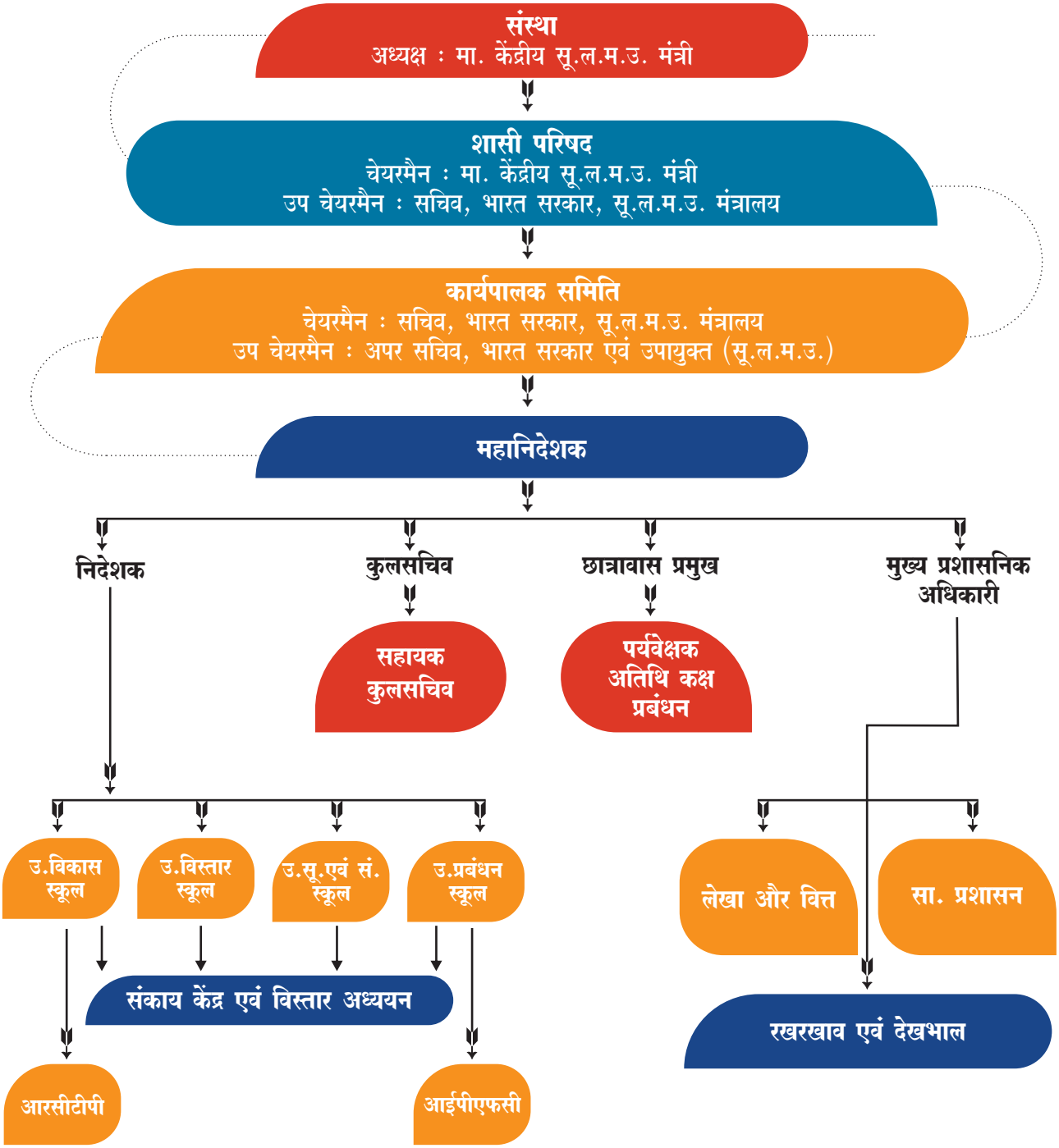

जनसेवाओं की गुणवत्ता के प्रति समर्पण

संस्थान का उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारियों के साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम सेवा प्रदाओं के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों अथवा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना है। यह उद्यमों के विकास और विस्तार के लिए कार्यकारी अनुसंधान कार्यक्रमों, परामर्श परियोजनाओं का कार्य हाथ में लेकर उन्हें कार्यान्वित करता है। युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है और सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों से संबंधित जानकारी अपने ग्राहकों और आम नागरिकों को प्रदान करता है।

संस्थान सभी नागरिकों और सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों को पारदर्शिता एवं सौजन्य के साथ प्रभावपूर्ण सहायता प्रदान करता है। संस्थान परियोजनाओं के संचालन और नीतियों की समीक्षा के दौरान अपने ग्राहकों साझेदारों द्वारा दी जाने वाली व्यक्तिगत अथवा व्यवसाय संबंधी जानकारी की गोपनीयता अति उच्च स्तर तक बनाई रखता है।

शिकायत प्रकोष्ठ

जन शिकायत समाधान में पारदर्शिता एवं निगराणी प्रणाली लागु करने के उद्देश्य से **निम्समे** ने एक शिकायत प्रकोष्ठ तथा सूचना एवं सहायता केंद्रों का गठन किया है। जनशिकायतें संस्थान के प्रबंधन प्रणालियों और नीतियों की कार्यक्षमता एवं प्रभावशीलता को आंकने के पैमाने का काम करती हैं, जबकि शिकायत प्रकोष्ठ और प्रशासन के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों के काउंटर इन शिकायतों का समाधान करने के उद्देश्य से स्थापित किये गये हैं। शिकायतों की सुपुर्दगी शिकायत प्रकोष्ठ में की जा सकती है और जानकारी सुविधा केंद्रों से प्राप्त की जा सकती है। पतों का विवरण अनुबंध २ में दिया गया है। अनुबंध 3

मुख्य क्षेत्र

औद्योगीकरण के माध्यम से आर्थिक विकास के राष्ट्रीय लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए और उपलब्ध विशेषज्ञता के आधार पर **निम्समे** ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचन की है, जिन्हें प्राधान्य देना तथा उनके बारे में अन्वेषण करना आवश्यक है।

- उद्यमिता विकास
- प्रौद्योगिकी का उन्नतीकरण और हस्तांतरण
- नीतिगत मामले
- गैर सरकारी संगठनों का नेटवर्क
- पर्यावरण के ध्यान योग्य पहलु
- क्लस्टर विकास
- कौशल विकास
- गुणवत्ता प्रबंधन सेवाएँ परामर्श
- गुणवत्ता प्रबंधन
- वित्तीय सेवाएँ
- सूचना सेवाएँ
- बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)

उद्यम प्रोत्साहन और उद्यमिता विकास निम्समे के मुख्य रूप से उभारे जाने वाले कार्यों में शामिल हैं। संस्थान ने निम्नलिखित क्षेत्रों की कार्यनिर्वाह क्षमताओं में विकास किया है :

- उद्यम सृजन को सक्षम बनाना
- उद्यम विकास और निरंतरता के लिए क्षमता निर्माण
- उद्यम संबंधी ज्ञान का सृजन, विकास और प्रसार
- नीतियों सुसूत्रीकरण के लिए निदानात्मक और विकास अध्ययन

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के प्रसार तथा विकास में गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला शामिल रहती है, जिसे समुचित रूप से और सही समय पर चलाया जाना चाहिए। **निम्समे** यह सुनिश्चित करता है कि अपने अनुभवों का उद्यमियों को लाभ मिलना चाहिए और उनके उद्यमों की वृद्धि एवं सफलता में योगदान दिया जाना चाहिए। **निम्समे** गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला का संचालन करता है : राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों के लिए नियमित सामग्री के प्रकाशन के अलावा प्रशिक्षण सर्वेक्षण, अध्ययन, परामर्श, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएँ।

संस्थान के प्रयासों का दायरा निम्नलिखित आलेख में दिखाया गया है :

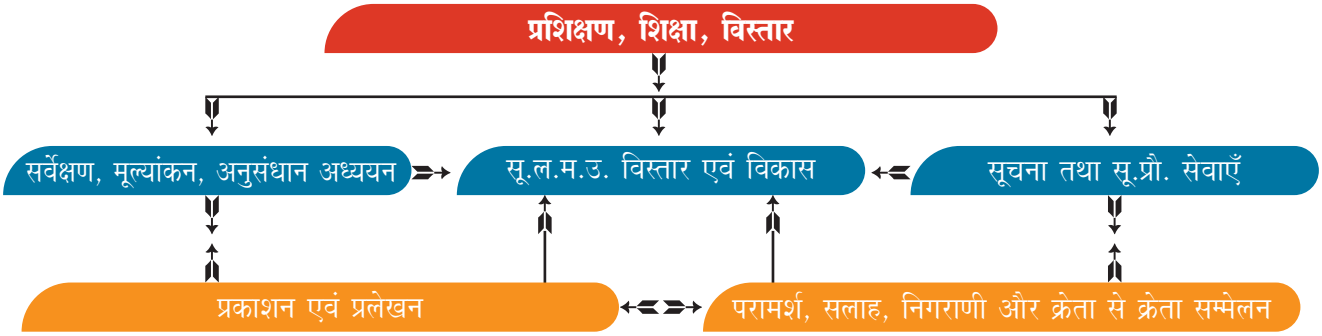

गतिविधियाँ

संस्थान की गतिविधियों की जानकारी पूर्व खंड में दी गई है, जिसमें मुख्य रूप से (अ) प्रशिक्षण, (आ) अनुसंधान एवं परामर्श, (इ) सूचना सेवाएँ शामिल हैं। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारियों के लिए प्रशिक्षण घोषित एवं प्रायोजित कार्यक्रमों के अतिरिक्त संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के माध्यम से भी दिया जाता है।

निम्समे द्वारा वर्ष 2009-10 से मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं को सहायता योजना का भी कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस योजना में युवाओं को उद्यमिता तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न चीह्नित और अनुमोदित व्यवसायों के प्रशिक्षण की परिकल्पना की गई है। इसके अलावा इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में संलग्न प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

घोषित : **निम्समे** द्वारा भारत तथा अन्य विकासशील देशों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास के लिए विभिन्न नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है । विभिन्न विषयों के बारे में संचालित किये जाने वाले यह पाठ्यक्रम ग्राहक संगठनों की आवश्यकता के अनुसार एक से दो सप्ताह तक की अवधि वाले होते हैं। संस्थान शिक्षित बेरोज़गार युवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी उनके कौशलों में निखार लाने के लिए सूचना सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यक्रमों का भी संचालन करता है। प्रायोजक संगठनों के कार्यकारियों अथवा कर्मचारियों के लाभ के लिए भी सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

प्रायोजित : ग्राहक संगठनों के निवेदन के अनुसार उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है। इस तरह के कार्यक्रम संस्थान परिसर में अथवा संस्थान के परिसर से हटकर अन्यत्र भी आयोजित किये जाते हैं। विभिन्न जिलों अथवा राज्यों के लघु उद्योग संघों द्वारा प्रायोजित अथवा बताये गये उद्यमियों और उद्योगपतियों को उनके द्वारा बताये गये स्थानों पर प्रशिक्षण सुविधा प्रदान की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

विकासशील देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दीर्घावधि पाठ्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है। सीएफटीसी, विदेश मंत्रालय, आईएलओ और यूनिडो, बांग्लादेश स्मॉल एंड कॉटेज इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन (बीएससीआईसी) एवं गिज़ जैसे प्रायोजक संगठनों के निवेदन पर विशिष्ट रूप से निर्मित कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ

संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ शीर्षस्थ कार्यकारियों और अधिकारियों के लिए नया उत्साह प्रदान करने वाले होते हैं, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित समकालीन मुद्दों पर जानकारी देते हैं।

अनुसंधान और परामर्श

निम्समे को अनुसंधान अध्ययनों का संचालन करने का काफी गहन अनुभव है, जो संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने में काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ है। अब तक आयोजित अनुसंधान परियोजनाएँ लघु उद्योगों के प्रबंधन, विस्तार, विकास और प्रोत्साहन के लघु एवं दीर्घ पहलुओं से संबंधित थे।

मूल्यांकन, निरूपण, प्रभाव, समस्या पहचान, निदान एवं समस्या समाधान के मार्ग, बर्ताव संबंधी पहलु, विपणन और अन्य प्रबंधकीय पहलुओं, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि अनुसंधान गतिविधियों के कारण **निम्समे** अपने ग्राहकों को लगातार सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

सूचना और ग्रंथालय सेवाएँ

निम्समे के सेन्डॉक को घरेलु स्थितियों के बारे में व्यापक डेटाबेस के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों, व्यापार संबंधी पूछताछ, नियामक प्रणालियों आदि के बारे में डेटाबेस मुहैया कराने के लिए काफी उचित रूप से मज़बूत किया गया है, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बहुमूल्य है। यह डेटाबेस भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संघों को ऑनलाइन भी मुहैया किया जाता है।

संस्थान की ग्रंथालय सेवाओं का लाभ कार्य समय के दौरान प्राप्त करने के साथ ही कार्यसमय से पूर्व और बाद भी ग्रंथालय सदस्य बड़ी संख्या में उठा रहे हैं।

प्रकाशन

निम्समे द्वारा अपनी अकादमिक गतिविधियों के हिस्से के अंतर्गत अनुसंधान त्रैमासिक सेडमे का प्रकाशन किया जाता है। संस्थान द्वारा पुस्तकों के साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में नियमावलियों का भी प्रकाशन किया जाता है, जो प्रशिक्षण के लिए आवश्यक सामग्री की कमियों की पूरक होती हैं। इसके अलावा हर माह एक समाचार बुलेटिन का भी प्रकाशन किया जाता है, जिसमें पिछले माह में सम्पन्न गतिविधियों की जानकारी होती है।

उत्कृष्टता के स्कूल

निम्समे की गतिविधियों का संचालन चार स्कूलों के माध्यम से चलाया जाता है, जसिनमें से प्रत्येक स्कूल अपने अधीनस्त केंद्रों और प्रकोष्ठों ते माध्यम से मूल विषय पर ध्यान केंद्रित कर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। **निम्समे** के संकाय सदस्यों का दल **अनुबंध-4** में दिया गया है। चार स्कूलों की जानकारी निम्नलिखित तालिका में दी गई है :

उद्यम विकास स्कूल (सेड)

- उद्योग नियोजन और विकास केंद्र (सी-आईपीडी)
- **निम्समे** गैर सरकारी संगठन नेटवर्क (एनक्यूब)
- नीति अनुसंधान केंद्र (सी-पीआर)
- राष्ट्रीय सू.ल.म.उ. क्लस्टर विकास संसाधन केंद्र (एनआरसीडी)
- पारम्परिक पेंटिंग के लिए संसाधन केंद्र (आरसीटीपी)

उद्यम विस्तार स्कूल (सी)

- उद्यमिता और औद्योगिक विस्तार केंद्र (सीईआईई)
- महिला अध्ययन प्रकोष्ठ (डब्ल्यूएससी)
- परामर्श और सलाह केंद्र (सी-सीसी)

उद्यम सूचना एवं संचार स्कूल (सिक)

- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (सी-सीआईटी)
- राष्ट्रीय लघु उद्योग प्रलेखन केंद्र (सेन्डॉक)

उद्यम प्रबंधन स्कूल (सेम)

- आधुनिक प्रबंधन आचरण प्रेत्साहन केंद्र (सी-पाम्प)
- बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी)
- पर्यावरणीय संज्ञान केंद्र (सी-ईको)
- औद्योगिक ऋण और वित्तीय सेवा केंद्र (सी- सीआईएफएस)

बौद्धिक विकास सुविधाएँ

अपनी स्थापना से लेकर **निम्समे** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। **निम्समे** की बौद्धिक गतिविधियों का संचालन इसके उत्कृष्टता के चार स्कूलों द्वारा उनके अधीनस्त ग्यारह केंद्रों, जिनमें दो विशिष्ट विषय पर आधारित और विशिष्ट शिक्षण के लिए समर्पित दो प्रकोष्ठ भी शामिल हैं, के माध्यम से किया जाता है।

ये स्कूल अपने आप में अंतर विषयी स्वरूप के हैं, जो खास तौर पर प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, शिक्षण, विस्तार और उनकी विशेषज्ञता से संबंधित उद्योग क्षेत्र के बारे में सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं को भी खास महत्व देते हैं। जिनका लाभ संबंधित ग्राहक संगठनों, उद्यमियों, संघ नेताओं, सरकारी अधिकारियों, नौकरशाहों, जन-निजी-भागीदारी (पीपीपी) के कंपनी कार्यकारियों, प्रशिक्षकों को दिया जाता हैं।

प्रकृति की गोद में आधारभूत संरचना : किसी भी संगठन को बेहतर और प्रभावशील कार्यसंचालन की रूपरेखा प्रदान करने का काम आधारभूत संरचना करती है। **निम्समे** की सुविधाएँ वृक्ष संपदा से परिपूर्ण कई एकड़ों पर फैले क्षेत्र पर फैली हुई हैं, जो विश्व स्तर पर सर्वोत्कृष्ट के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों में से एक है। शिक्षण और प्रशिक्षण सुविधाओं के अलावा संस्थान बेहतर ग्रंथालय सुविधा भी प्रदान करता है, जिसमे चौबीसों घंटे इंटरनेट की सुविधा और संदर्भ सह वाचन कक्ष सुविधा शामिल है। विस्तीर्ण

और अत्यंत आधुनिक वातानुकूलित कक्षाओं, सम्मेलन सभागृहों और अत्याधुनिक अनदेशात्मक तथा कार्यात्कम उपकरण, सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी पाठ्यक्रमों के लिए वर्तमान युग के अनुकूल विशिष्ट सॉफ्टवेयरों से युक्त कम्प्यूटरों, अत्याधुनिक लैपटॉप और अनुदेशात्मक उपकरणों के कारण **निम्समे** में पढ़ाई एक सुखकर अनुभव महसूस होता है। संस्थान की आधारभूत सुविधाओं में शामिल हैं :

- सभागृह : 350 लोग बैठने की क्षमता
- सम्मेलन कक्ष : 125 लोग बैठने की क्षमता
- 18 व्याख्यान कक्ष : प्रति 30-40 लोग बैठने की क्षमता
- सहायक सेवाओं के साथ संकाय सदस्यों के कार्य केंद्र

अतिथि कक्ष भवन समूह : संस्थान के साफ-सुथरे और आरामदेह अतिथि कक्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण हैं, जिनमें 260 से भी अधिक अतिथियों के ठहरने का प्रबंध है। इस भवन समूह में साफ-सुथरी और स्वास्थ्यकर खान-पान की भी व्यवस्था है। यहाँ पर उपलब्ध क्षुधावर्धक व्यजनों के कारण यह भवन समूह सहभागियों के लिए अपने घर दूर रहने पर भी अपने ही घर का अहसास दिलाता है। अतिथ्य सत्कार शाखा की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :

- तीन भोजन कक्षों की सुविधा के साथ बहु व्यंजन शैली युक्त भोजनालय
- आवास सुविधा - 140 कमरे, जिनमें 280 लोगों को ठहराया जा सकता है।
- अतिथि तथा सहभागियों के लिए वातानुकूलित और गैर वातानुकूलित कमरों में ठहरने का इंतज़ाम किया जाता है।
- अतिथि अति विशिष्ट हस्तियों तथा उच्चाधिकारियों को विशेष कमरों के सेट।
- सभी कमरे टीवी, वाई-फाई तथा टेलीफोन सुविधाओं से परिपूर्ण हैं।

क्लोज्ड सर्किट कैमेरे : निम्समे परिसर में लगातार निगरानी रखने के लिए सीमित मॉनिटर सेट के साथ क्लोज्ड सर्किट (सीसी) कैमेरों का इंतज़ाम कुछ अहम स्थानों पर किया गया है।

खेल-कूद : निम्समे परिसर में सहभागियों के उपयोग के लिए जॉगिंग ट्रैक और जिम की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान में टेनिस और फुटबॉल (आउट डोर खेल) तथा बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम के रूप में इंडोर खेलों की सुविधा भी उपलब्ध है।

चिकित्सा देखभाल : संस्थान में एक फिजिशियन एक विशिष्ट समयावधि के दौरान उपलब्ध रहता है तथा स्वास्थ्य संबंधी मामलों को सुलझाने के लिए फोन पर 24/7 घंटे उपलब्ध रहता है।

मनोरंजन सुविधाएँ : एम्पीथिएटर **कलांगन** सहभागियों के मनोरंजन कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए और सहभागियों की सृजनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिए एक बेहतर मंच है।

म्यूज़िंग्ज एक अन्य आउटडोर स्थान परिसर में उपलब्ध है, जो ऊँचे पेड़ों से घिरा है और जलसों के आयोजन के लिए अनुकूल है। **उत्सव** इंडोर अथवा आउटडोर कार्यक्रमों या फिर सामाजिक सम्मेलनों के लिए एक अनोखा स्थान है। **हर्बल विस्टा** में कई तरह की औषधि ओर सुगंधी वनस्पतियों का काफी बेहतर रखरखाव किया जा रहा है, जिनका सभी आगंतुक प्राकृतिक माहौल में आनंद उठा सकते हैं।

जल प्रक्रिया संयंत्र : कैंटीन के सबसे ऊपरी माले पर जल प्रक्रिया संयंत्र स्थापित किया गया है। इस संयंत्र की स्थापना परिसर में स्थित भवनों में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों के साथ संस्थान के सभी कर्मचारियों को शुद्ध पेयजलापूर्ति करने के उद्देश्य से की गई है।

पार्किंग : परिसर में दो नई सुविधाएँ शामिल की गई हैं, जिनमें नये प्रशिक्षण भवन से भोजनालय समूह (डायनिंग ब्लॉक) को जोड़ने वाले एक आच्छादित पदचालन पथ (वाक वे) तथा चौपहिया और दुपहिया वाहनों के लिए आच्छादित पार्किंग स्थल शामिल हैं। संयोगवश परिसर की ज़मीन को भी समतल बनाकर भूमि के स्वरूप के अनुसार उसे क्रमबद्ध किया गया है।

कर्मचारियों की संख्या

31 मार्च 2016 तक की संस्थान के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है। वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए संस्थान के कर्मचारियों का विवरण **अनुबंध-5** में दिया गया है।

तालिका 3 : 31 मार्च 2016 तक की कर्मचारियों की संख्या

समूह	मंजूर पद	पदों पर भर्ती	रिक्त पद
क	23	08	15
ख	06	04	02
ग	96*	54	42
कुल	125	66	59

* एक पद मंत्रालय द्वारा दी गई सलाह के अनुसार खत्म किया गया है।

उपलब्धियाँ 2015-16

समग्र कार्यनिष्पादन

लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान के रूप में स्थापना से लेकर संस्थान वार्षिक आवर्ती और अनावर्ती व्यय के लिए भारत सरकार पर निर्भर था।

व्यय सुधार आयोग द्वारा 5 वीं रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के अनुसरण और भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार संस्थान ने आय के नये स्रोतों की पहचान की, जो संस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध हुए। परिणामस्वरूप संस्थान वर्ष 2001-02 से अपने अवर्ती व्यय स्वयं वहन कर रहा है। हालाँकि व्यय की पूर्ति करने के लिए विशिष्ट उद्देश्यों के लिए एक मुश्त अनुदान और प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता योजना (एटीआई) के अंतर्गत पूर्व निर्धारित घंटों के आधार पर मंत्रालय द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

निम्समे अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों के अलावा मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता योजना (एटीआई)के अंतर्गत हर वर्ष अनुमोदित और प्रदान किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करने के साथ ही अनुसंधान और परामर्श अध्ययन आदि का संचालन करता है। बीते वर्ष में संचालित गतिविधियों और पूर्व वर्ष की गतिविधियों का तुलनात्मक अध्ययन निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका - 4 : गतिविधियाँ

गतिविधियाँ	2015-16			2014-15		
	कार्यक्रम	प्रशिक्षु	आय (लाख रु.में)	कार्यक्रम	प्रशिक्षु	आय (लाख रु.में)
(अ) एटीआई योजना के अंतर्गत कार्यक्रम	1075	31874	2430.45	1599	47136	4070.52
(आ) **एटीआई के अलावा**						
1. राष्ट्रीय कार्यक्रम	862	27267	1463.58	488	21585	1248.65
2. अंर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	21	357	395.70	17	351	439.40
3. संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	36	2390	67.29	58	3624	15.65
4. अनुसंधान एवं परामर्श	24	--	210.88	09	--	14.76
5. अन्य	--	--	347.91	--	--	263.40
पूर्ण योग (आ) एटीआई के अलावा	**943**	**30014**	**2485.36**	**572**	**25560**	**1981.86**
कुल योग	**2018**	**61888**	**4915.81**	**2171**	**72696**	**6052.38**

कार्यक्रम

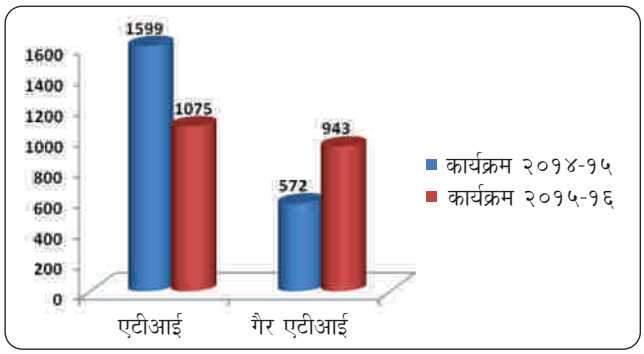

सहभागी

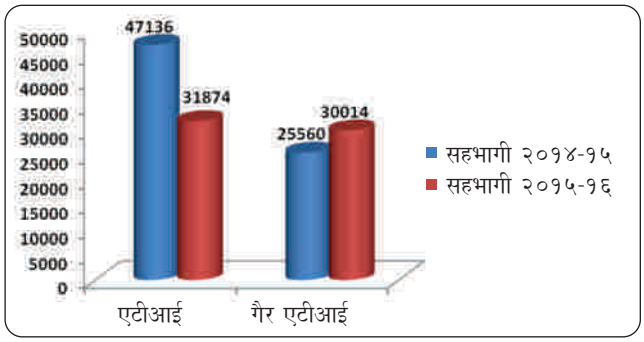

वर्ष 2015-16 में कुल 2018 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये, जबकि कुल जबकि कुल सहभागियों की संख्या 61,888 थी। इसकी तुलना में वर्ष 2014-15 में 2171 कार्यक्रम संचालित किये गये, जबकि सहभागियों की संख्या 72,696 थी। कार्यक्रमों तथा सहभागियों की संख्या में कमी मुख्य रूप से मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015-16 में एटीआई योजना के अंतर्गत कम कार्यक्रमों को मंजूरी देने के कारण रही।

वित्तीय उपलब्धियाँ : संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कुल 4915.81 लाख रुपये की आय का सृजन किया जिसकी तुलना में पिछले वर्ष 2014-15 में 6052.38 लाख रुपये की आय का सृजन किया गया था। आय में हुई यह गिरावट मंत्रालय द्वारा एटीआई योजना के अंतर्गत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों में की गई कटौती के कारण आयी। हालाँकि एटीआई के अतिरिक्त गतिविधियों में 6 5% की बढ़ोतरी दर्ज हुई, जबकि वर्ष के दौरान इसमें 2 4% तक वृद्धि दर्ज की गई।

गतिविधियों से आय

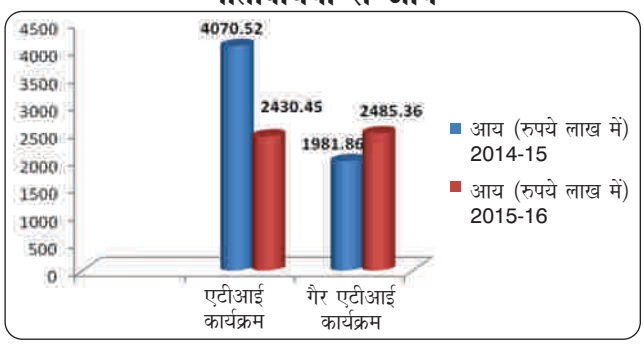

समग्र प्रदर्शन

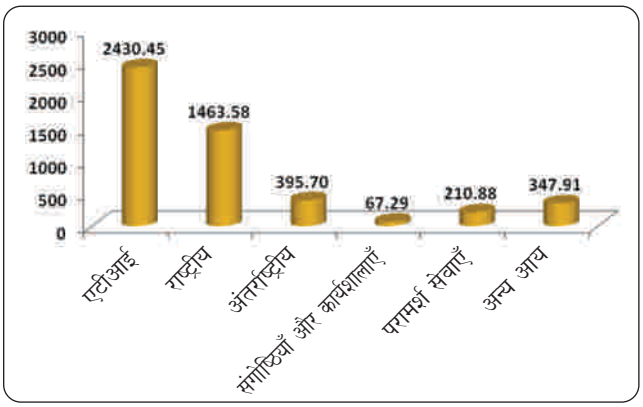

प्रशिक्षण

संचलित गतिविधियाँ : वर्ष के दौरान मंत्रालय की एटीआई योजना के माध्यम से 864 राष्ट्रीय कार्यक्रम, 36 संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ तथा 1075 कार्यक्रमों का संचालन किया गया। इनमें कुछ निम्नलिखित अनुच्छेदों में दर्शाये गये हैं।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

केरल के अधिकारियों के लिए अधिष्ठापना कार्यक्रम

- केरल सरकार के उद्योग विस्तार अधिकारियों के लिए सू.ल.म. उद्यम विस्तार के बारे में छह सप्ताह के अधिष्ठापना प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 अप्रैल से 31 मई 2015 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में केरल सरकार के तीस कार्यकारियों ने भाग लिया।

- केरल सरकार के 30 उद्योग विस्तार अधिकारियों के लिए 4 सप्ताह के अधिष्ठापना प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 4-29 जनवरी 2016 के दौरान संस्थान परिसर में किया गया।

पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के लिए सू.ल.म. उद्यमों के बारे में प्रशिक्षण

प. बंगाल सरकार के राज्य उद्योग अधिकारियों के लिए सू.ल.म. उद्योगों पर एक सप्ताह के पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन 1-5 फरवरी 2016 के दौरान किया गया। यह कार्यक्रम सू.ल.म. उद्यम निदेशालय, प. बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित था। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न इलाकों के 15 अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में शामिल किये गये मुद्दों में मुख्य रूप से भारत और पश्चिम बंगाल में सू.ल.म. उद्यमों के प्रकार, विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) की योजनाएँ, निजी प्रभावशीलता, क्लस्टर विकास, निर्यात विपणन, परियोजना आकलन, संपूर्ण गुणवत्ता नियंत्रण और आईएसओ मानक, ज़िला उद्योग केंद्रों का पुनर्गठन तथा बौद्धिक संपदा अधिकार थे।

कयर बोर्ड के प्रबंधकों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

कयर बोर्ड के प्रबंधकों के लिए दो दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन 25-16 सितम्बर 2015 को संस्थान में किया गया। इस कार्यक्रम में 37 अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कयर उद्योग के विकास के लिए वर्तमान कार्यनीतियों का स्वीकार और सॉफ्ट स्किल्स के विकास के अलावा नई अभिनव बाज़ार विपणन के साथ कयर उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए मार्गों की पहचान के बारे में जानकारी दी गई।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम

वर्ष के दौरान उद्यमिता विकास के बारे में 3 संकाय विकास कार्यक्रम, 4 महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा 3 प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम विभिन्न तिथियों पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये गये।

देश के विभिन्न स्थानों पर कर्नाटक सरकार के सार्वजनिक उद्योग विभाग के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम

(अ) कोलकाता में प्रभावी नेतृत्व गुणों के विकास के माध्यम से आपदा प्रबंधन

कोलकाता में 15-19 फरवरी 2016 के दौरान नेतृत्व गुणों के विकास के माध्यम से संकटकाल में प्रबंधन विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

(आ) सीएसआर, कार्पोरेट गवर्नेंस और सूचना के अधिकार के बारे में पुडुचेरी में प्रशिक्षण

पुडुचेरी में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, कार्पोरेट गवर्नेंस और सूचना के अधिकार का नियोजन तथा कार्याचरण के बारे में एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 8-12 मार्च 2016 के दौरान किया गया।

एनएमडीसी के लिए कार्यक्रम

1. **निम्समे** द्वारा प्रबंधकीय उद्यमिता विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर में 29 जून से 4 जुलाई 2015 के दौरान किया गया। यह कार्यक्रम एनएमडीसी द्वारा प्रायोजित किया गया था तथा उनके मध्यम स्तर के कार्यकारियों के लिए प्रबंधकीय और उद्यमिता कौशलों को ग्रहण करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। इस कार्यक्रम में भाग ले चुके प्रशिक्षुओं में 26 कार्यकारी शामिल थे, जिनमें उप महा प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, वरिष्ठ महाप्रबंधक, प्रबंधक और उप महाप्रबंधक शामिल थे।

2. एनएमडीसी के बाचेली, किरंडुल, दोनीमलाई, पन्ना, नागरनार तथा कार्पोरेट कार्यालय के 25 कार्यकारियों के लिए एक अन्य बैच का आयोजन 24-30 सितम्बर 2015 के दौरान किया गया। संस्थान परिसर में एनएमडीसी के कुल 79 नये भर्ती हुए कार्यकारियो ने अधिष्ठापना प्रशिक्षण प्राप्त किया।

3. एनएमडीसी के नये भर्ती हुए अधिकारियों के लिए 24-30 सितम्बर 2015 के दौरान सात दिवसीय अधिष्ठापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान परिसर में एनएमडीसी के कुल 79 नये भर्ती हुए अधिकारियों ने अधिष्ठापना प्रशिक्षण प्राप्त किया।

4. एनएमडीसी के 89 कार्यकारियों के प्रशिक्षण के लिए एक अन्य बैच का आयोजन 2-4 नवम्बर 2015 के दौरान किया गया। इस आयोजन के 2 नवम्बर को आयोजित उद्घाटन समारोह में श्री नरेंद्र कोठारी चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एनएमडीसी) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

5. तीसरी बैच का आयोजन 20-22 जनवरी 2016 के दौरान किया गया, जिसमें 27 कार्यकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

सिंगरेणी कोलरीज़ के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

(अ) अधिकारियों के लिए परियोजना आकलन और वित्तीय विश्लेषण के बारे में कार्यक्रम

सिंगरेणी कोलरीज़ के अधिकारियों के लिए परियोजना आकलन और वित्तीय विश्लेषण के बारे में तीन दिवसीय विशेष रूप से निर्मित कार्यक्रम का आयोजन 03-05 सितम्बर 2015 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना को व्यवहार्य बनाने के लिए खास तौर पर वित्तीय पहलुओं, संवेदनशीलता के विश्लेषण, मूल्य राशि लाभ विश्लेषण तथा वित्तीय अनुमान के साथ रिपोर्टिंग, भविष्य के बारे में नियोजन, पूर्वानुमान लगाना, दीर्घ भविष्य नियोजन आदि के बारे में जानकारी दी गई।

(आ) कार्पोरेट गवर्नेंस और सूचना का अधिकार अधिनियम

संस्थान परिसर में कार्पोरेट गवर्नेंस अधिनियम और सूचना का अधिकार अधिनियम के बारे में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 12-13 फरवरी 2016 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में खदानों के 23 जन सूचना अधिकारियों ने भाग लिया।

पोर्ट ब्लेयर में व्यर्थ सामग्री के पुनर्चक्रण (रिसाइकलिंग) के बारे में प्रशिक्षण

दक्षिण अंदमान में लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में 'व्यर्थ सामग्री की रिसाइकलिंग' विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 4-9 मई 2015 के दौरान किया गया, जो उद्योग निदेशालय, मिडिल प्वाइंट, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन द्वारा प्रायोजित था। श्री आनंद प्रकाश, भा.प्र.से. मुख्य सचिव अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते हुए द्वीप को कचरामुक्त बनाने के लिए नियोजनबद्ध ढंग से व्यर्थ सामग्री के व्यवस्थापन की आवश्यकता जताई। इस कार्यक्रम का लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करना था, जिसमें व्यर्थ सामग्री के व्यवस्थापन को लाभकारी बना सके। इस दौरान सहभागियों से प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने की भी अपील की गई।

लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में व्यर्थ सामग्री की रिसाइकलिंग

लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में व्यर्थ सामग्री की रिसाइकलिंग विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 23 से 27 नवम्बर के दौरान किया गया। यह कार्यक्रम कर्नाटक सरकार के सार्वजनिक उद्योग विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साझेदारों के साथ ही समुदाय में एसी व्यर्थ सामग्री की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाना था जिसका समय पर वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थापन नहीं करने पर वह मानव जीवन के साथ ही पर्यावरण के लिए भी घातक सिद्ध हो सकती है।

कयर बोर्ड अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

कयर बोर्ड के अधिकारियों के लिए दो दिवसीय आवासीय कार्यक्रम का आयोजन 6 तथा 7 जून 2015 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 37 अधिकारियों ने भाग लिया।

क्लस्टर विकास पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

संस्थान परिसर में क्लस्टर विकास पर एक सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन 6 से 10 जुलाई 2015 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों के लाभ के लिए किया गया, जिसमें स्फूर्ति कार्यक्रम के बारे में खास तौर पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के विभिन्न राज्यों में स्थित संभागीय कार्यालयों के 32 अधिकारियों ने भाग लिया।

पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन में वर्तमान आवश्यकताएँ : प्रक्रिया और कार्यप्रणालियाँ

पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) - प्रक्रिया आर कार्य प्रणालियाँ विषय पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर में 20-22 जुलाई 2015 के दौरान किया गया।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, तमिलनाडु,मेघालय, दिल्ली एवं पोर्ट ब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार) के विकास एजेंसियों, परामर्श फर्मों आदि के उनतीस सहभागियों ने भाग लिया।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर स्थानांतरगमन (रिसेटलमेंट) प्रशिक्षण

- भारतीय सेना के ज्यूनियर कमिशन्ड ऑफिसर्स / ऑदर रैंक के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (सप्लाई चेन मैनेजमेंट) के बारे में 16 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिकंदराबाद स्थित ए.ओ.सी. पर 5 मई से 21 अगस्त 2015 के दौरान किया गया। मेजर जनरल रजनीकांत जग्गा, वीएसएम, जीओसी 54 इन्फंट्री डिवीजन इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं डॉ. एन. श्रीलक्ष्मी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एओसी सेंटर के कमांडर ब्रिगेडियर दलीप सिंह इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। इस कार्यक्रम में सेना के 40 अधिकारियों ने भाग लिया।

- भारतीय सेना के ज्यूनियर कमिशन्ड ऑफिसर्स / ऑदर रैंक के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कार्यक्रमों की श्रृंखला का दूसरे बैच 4 जनवरी से 22 अप्रैल 2016 के दौरान चलाया गया। इस कार्यक्रम में स्थानांतरगमन महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के 23 सैनिकी अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

आंध्र प्रदेश के निर्माण कार्य में संलग्न श्रमिकों के लिए विशेषीकृत कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, पूर्व गोदावरी, कर्नूल, प्रकाशम एवं गुंटूर जैसे विभिन्न जिलों में भवन एवं निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों के लिए कौशल उन्नयन के 611 विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों में कुल 18431 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का प्रायोजन आंध्र प्रदेश भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्य बोर्ड द्वारा किया गया था।

सामाजिक न्याय एवं साधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अनु. जा. तथा अन्य पिछड़ी जातियों के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क अध्यापन

अनु. ज.जा. के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क अनुशिक्षण सामाजिक न्याय एवं साधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कुल 50 अनु. जा./ अनु. ज.जा. के उम्मीदवारों को कम्प्यूटर प्रोग्राम तथा प्रशासनिक सेवाओं की प्रवेश परीक्षाओं के बारे में अनुशिक्षण प्रदान किया गया।

सौर प्रौद्योगिकी के बारे में उद्यमिता / करियर अभिमुख कार्यक्रम

संस्थान द्वारा आठ कार्यक्रमों का संचालन किया गया। बिजली के उपयोग लगातार हो रही बढ़ोतरी और पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों की महसूस की जा रही भारी कमी को देखते हुए नवीनीकरण ऊर्जा क्षेत्र ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में विभिन्न तरह के उद्यमिता और रोज़गार के अवसरों की लम्बी श्रृंखला मुहैया की है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया है कि नवीनीकरण ऊर्जा खास तौर पर सौर ऊर्जा मेगावैट से गीगावैट की ओर बढ़ रही है। ऊर्जा बाज़ार में हो रहे इस स्थानांतरण को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने वर्ष के दौरान विभिन्न स्थानों पर आठ कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनके बारे में विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया जा रहा है:

क्र.सं.	कार्यक्रमों के संचालन की तिथियाँ	उपस्थित सहभागियों कीसंख्या	कार्यक्रमों के आयोजन स्थान
1	30-10-2015 से 01-11-2015	19	हैदराबाद, तेलंगाना राज्य
2	20-11-2015 से 22-11-2015	20	हैदराबाद, तेलंगाना राज्य
3	18-12-2015 से 20-12-2015	41	बैंगलूरू, कर्नाटक राज्य
4	09-01-2016 से 11-01-2016	17	गुड़गाँव,हरियाणा राज्य
5	15 to 17 January 2016	20	मुंबई, महाराष्ट्र
6	20 – 21 Feb 2016	28	नई दिल्ली
7	20 – 21 Feb 2016	21	मुंबई, महाराष्ट्र राज्य
8	27 – 28 Feb 2016	27	नई दिल्ली

मंत्रालय की एटीआई योजना के अंतर्गत कार्यक्रम

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय देशभर में सूक्ष्म और लघु उद्यमों को प्रोत्साहन दे रहा है, जिसका उद्देश्य स्वरोज़गार के अवसरों का सृजन करना तथा मौजूदा और संभाव्य उद्यमियों के संबंधित कौशलों का उन्नयन करना है। नये उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और नये उद्यमियों की उद्यम इकाइयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंत्रालय की ओर से विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

इस प्रकार की योजनाओं के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009-10 की अंतिम तिमाही में 'प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता' (एटीआई) योजना शुरू की गई, जिसका उद्देश्य नये उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के अलावा उन्हें नये उद्यमों की शुरुआत करने के लिए आवश्यक योग्यता से परिपूर्ण बनाना है। यह उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता विकास संस्थानों के माध्यम से उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण मुहैया कर हासिल किया गया। इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए **निम्समे** ने एक स्वायत्त संस्थान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मंत्रालय द्वारा कुल 1075 कार्यक्रम अनुमोदित और आवंटित किये गये थे, जिनमें से वास्तव में 321 कार्यक्रम साझेदार संगठनों के माध्यम से संचालित किये गये, जिनमें 9,275 लाभार्थियों को, जबकि संस्थान द्वारा 754 कार्यक्रमों का संचालन किया गया, जिनमें 22, 599 लाभार्थियों को शामिल किया गया। इन कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित कुल 2430.45 लाख रुपये की आर्थिक सहायता जारी की जा चुकी है।

कार्यक्रम और लाभार्थी : संस्थान द्वारा 2009-10 से 2015-16 के दौरान संचालित कार्यक्रम, प्रशिक्षित सहभागी तथा स्वरोज़गार अथवा वैतनिक रोज़गार ढूँढ लेने में सफल रहे प्रशिक्षितों की संख्या की निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गयी है।

कार्यक्रम (आंकडों में)	प्रशिक्षित (आंकडों में)	वर्ष	उपलब्धियाँ (सफलता दर)				
			वैतनिक रोज़गार प्राप्त		स्वरोज़गार प्राप्त		कुल %
			संख्या	%	संख्या	%	
07	170	2009-10	-	-	-	-	-
411	11,166	2010-11	3,041	27.23	2,619	23.46	50.68
536	15,390	2011-12	3,219	21.00	3,091	20.00	41.00
972	28,443	2012-13	7,394	26.00	5,398	19.00	45.00
1,045	30,910	2013-14	8,111	26.24	8,781	28.41	54.65
1,599	47,136	2014-15	10,358	21.97	6,358	13.49	35.46
1,075	31,874	2015-16	14,130	44.30	6,313	19.18	64.10

जॉब मेले : निम्समे द्वारा स्वयं तथा अपने साझेदार संगठनों के माध्यम से वर्ष के दौरान विभिन्न स्थानों पर करीब 83 जॉब मेलों का आयेजन किया गया।

जॉब मेलों का मुख्य विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

राज्य	आयोजित जॉब मेलों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित उम्मीदवार
आंध्र प्रदेश	13	74	6613	1218
तेलंगाना	4	103	9937	3434
तमिलनाडु	4	28	996	148
कर्नाटक	4	29	2768	1489
महाराष्ट	5	27	2148	910
ओडिशा	10	136	2994	676
केरल	42	348	24379	6397
उत्तर प्रदेश	1	27	3779	802
कुल	**83**	**772**	**53614**	**15074**

दावणगेरे (कर्नाटक) में दो दिवसीय महा जॉब मेले का आयोजन 23-24 अगस्त 2015 को दावणगेरे के जिला प्रशासन तथा रोज़गार और प्रशिक्षण विभाग, केवीटीएसडीसी, बैंगलुरू के साथ समन्वय में किया गया। मा. केंद्रीय सू.ल.म. उद्यम मंत्री श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि केरुप मेंउपस्थित थे, जबकि श्री जी.एम. सिद्धेश्वर, राज्य मंत्री, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने सडी आवेदकों से आग्रह किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अपने खुद के उद्यम शुरू करें और रोज़गार प्रदाता बनें।

मा. केंद्रीय सू.ल.म.उ. मंत्री श्री कलराज मिश्र ने देवरिया (उ.प्र.) में 26 एवं 27 मार्च 2016 को आयोजित दो दिवसीय जॉब मेले में भी भाग लिया। देवरिया में सम्पन्न यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था।

निम्समे परिसर में ज्ञान साझेदार जॉब्स डायलॉग डॉट कॉम के साथ 19-20 मार्च 2016 को एक जॉब मेले का भी आयोजन किया गया, जो भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित था।

ई-लर्निंग

निम्समे ने प्रशिक्षण सुलभ बनाने के उद्देश्य से एक समर्पित पोर्टल **ई-लर्निंग** के रूप में बेहतर मंच मुहैया किया है। इस पोर्टल पर फैशन डिज़ाइनिंग, बेकरी उत्पाद, मूलभूत सिलाई और एम्ब्रॉयडरी कौशल, वेब डिज़ाइनिंग के मूलतत्व, कॉस्मेटोलॉजी एंड ब्यूटीशियन, कम्प्यूटर परिचय (इंट्रोडक्शन टू कमप्यूटर्स), मैट्रिक्स ऑफ एम्प्लायबिलिटी, सफेद बटन मशरूम संवर्धन आदि जैसे विभिन्न व्यवसायों के बारे में ईलर्निंग मॉड्यूल उपलब्ध किये गये हैं। यह पोर्टल खास तौर पर महिला उद्यमियों को लक्ष्य रखकर तैयार की गई है, जो एक ऐसे मंच के रूप में भूमिका निभाती है, जहाँ पर वे यह पाठ्यक्रम सीख सकती हैं और घर पर बैठकर ही अपना करियर शुरू कर सकती है। इन पाठ्यक्रमों को वार्षिक आधार पर आद्यतन किया जाएगा। इच्छुक उम्मीदवारों को अपना नाम इस पोर्टल पर पंजीकृत करवाना होगा । इन पाठ्यक्रमों को सीखने के इच्छुक उम्मीदवारों को पंजीकरण के लिए किसी भी तरह की शैक्षिक योग्यता की शर्त नहीं है। यदि कोई उम्मीदवार किसी एक पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करता है, लेकिन किसी अन्य पाठ्यक्रम के लिए भी अपना नाम दर्ज करना चाहता है, तो वह समान यूजर अकाउंट अर्थात समान लॉगइन और पासवर्ड से दूसरा पाठ्यक्रम भी निःशुल्क रूप से पढ़ सकता है।

प्राप्त की गई प्रगति : वर्ष के दौरान कुल 5,079 उम्मीदवारों ने अपने नाम पंजीकृत करवाये और 31 मार्च 2016 तक 4,051 उम्मीदवारों ने अपने पाठ्यक्रम पूरे किये। पंजीकृत और उत्तीर्ण उम्मीदवारों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

तालिका 5 : ई-लर्निंग प्रणाली में पंजीकृत उम्मीदवारों का विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल पंजीकृत	कुल पूर्णकर्ता
01.	सफेद बटन मशरूम संवर्धन	317	266
02.	मैट्रिक्स ऑफ एम्ब्रॉयडरी	845	726
03.	कम्प्यूटर परिचय	1219	951
04.	मूलभूत सिलाई और एम्ब्रॉयडरी कौशल	123	79
05.	बेकरी उत्पाद	685	583
06.	वेब डिज़ाइनिंग के मूल तत्व	1192	995
07.	कॉस्मेटोलजी एंड ब्यूटीशियन	647	419
08.	होटल रिसेप्शनिस्ट	03	03
09.	कम्प्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग	05	04
10.	टैली ईआरपी 9	11	07
11.	सीएडी विथ प्रो-ई	03	02
12.	रीटेल मैनेजमेंट	06	03
13.	कम्प्यूटर नमरिकल कंट्रोल (सीएनसी)	06	03
14.	दोपहिया वाहन रखरखाव और मरम्मत	07	04
15.	खाद्य प्रसंस्करण	05	02
16.	फैशन डिज़ाइनिंग	05	04
	कुल	**5079**	**4051**

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

निम्समे द्वारा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ ही विदेशी प्रमोटरों और अधिकारियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, विस्तार और सूचना सेवाओं के माध्यम से मूल्य वर्धित सेवाएँ मुहैया की जा रही हैं।

मुहैया किये जा रहे कार्यकारी विकास कार्यक्रम मुख्य रूप से विकासशील देशों के विभिन्न व्यवसायों के लिए तैयार किये गये हैं, जो विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक निगम (आईटीसी)। स्पेशल कॉमन वेल्थ असिस्टंस फॉर अफ्रीका प्रोग्राम (एससीएएपी)/ एफ्रो-एशियन रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (एएआरडीओ)/ टेक्निकल को-ऑपरेशन स्कीम ऑफ कोलम्बो प्लान (टीसीएस ऑफ कोलम्बो प्लान) के तहत प्रायोजित किये जाते हैं। यह कार्यक्रम आठ से बारह सप्ताह की अवधि के होते हैं, जो चार चरणों में चलाये जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को वर्ष के दौरान मुहैया किये गये कार्यक्रम निम्नलिखित है :

1. प्रथम चरण के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (12 सप्ताह) 10 अगस्त से 30 अक्तूबर 2015

1. अंग्रेज़ी में संभाषण कौशल और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का विस्तार
2. अंग्रेज़ी में संभाषण कौशल तथा पर्यटन और अतिथि सत्कार प्रबंधन

इन दो विभिन्न कार्यक्रमों में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित फेलोशिप के अंतर्गत कुल 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

2. चरण 2 के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (8 सप्ताह)

1. गरीब लोगों के लिए वैकल्पिक आजीविका अवसर मुहैया कराने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, तथा
2. माइक्रो फाइनांस के माध्यम से उद्यम विकास

इन दो विभिन्न कार्यक्रमों में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई फेलोशिप के अंतर्गत 15 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

3. चरण 3 के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (8 सप्ताह)

1. उद्यमों के माध्यम से महिला साधिकारिता (ईडब्ल्यूई)
2. प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण की पद्धतियाँ और कौशल
3. संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन और आईएसओ 9001 : 2008/ 14001/22000/ 27000 और सिक्स सिग्मा (टीक्यूएम)
4. लघु और मध्यम उद्यम वित्तापूर्ति - पद्धतियाँ कार्यनीतियाँ (एसएमईएफएएस), और
5. लघु तथा मध्यम उद्यमों के विकास के लिए अभिनव कार्यपद्धतियाँ (आईएसएसडी)

इन पाँच कार्यक्रमों में कुल 99 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन सभी प्रतिनिधियों को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईटीसी। एससीएएपी। टीसीएस कोलम्बो प्लान और एएआरडीओ फेलोशिप के अंतर्गत प्रायोजित किया गया था।

4. चरण 4 - अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (8 सप्ताह)

1. सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा (पीओएमई)
2. कृषि और खाद्यान्न उद्यमों की योजना और बढ़ावा
3. उद्यमिता और कौशल विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी-ईएसडी) और
4. पर्यटन तथा अतिथ्य सत्कार प्रबंधन (टीएचएम)

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई फेलोशिप के अंतर्गत विभिन्न देशों के प्रायोजित 77 प्रतिनिधियों ने इन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

विशेष अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

बांग्लादेश के किसानों के लिए पुष्प खेती के बारे में प्रशिक्षण

संस्थान परिसर में 9-22 सितम्बर 2015 के दौरान दो सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एग्रीकल्चर वैल्यू चेन प्रोजेक्ट, डीएआई, यूएसएआईडी, बांग्लादेश द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम की रूपरेखा कक्षाओं में सैद्धांतिक जानकारी के सत्रों के अलावा न्यूनतम आवश्यकताओं के बारे में प्रदर्शन आधारित दौरों के माध्यम से जानकारी प्रदान करने का उद्देश्य ध्यान में रखकर की गई थी।

इस कार्यक्रम में कुल 10 सहभागियों ने हिस्सा लिया और इस बैच के लिए खास तौर पर एक दुभाषियों को नियुक्त किया गया था। इस समूह के लिए विभिन्न पुष्प उत्पादन प्रतिष्ठानों, नर्सरियों, ग्रीन हाउसों टिश्यू कल्चर इकाइयों तथा कर्नाटक और महाराष्ट्र के बिना पुष्प वाले साज-सज्जा के पौधों वाले खेतों के प्रदर्शन दौरे आयोजित किये गये।

इस समूह के सदस्यों ने अधिकारियों के साथ ही जरबेरा, गुलाब, मैरिगोल्ड, चमेली, गुलनार, लिलियम आदि उत्पादन करने वाले किसानों के साथ बातचीत भी की। प्रतिष्ठानों का दौरा कराने के अलावा इन सदस्यों को बैंगलूरू, पुणे और हैदराबाद के फूल बाज़ारों में फूलों का निर्यात करने के लिए कार्यरत पृथकीकरण केंद्रों और अंतर्राष्ट्रीय थोक बाज़ारों का दौरा कराया गया।

सार्क क्षेत्र में नॉन टैरिफ बैरियर्स एनवायरनमेंट पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की नियमावली

फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (बीएमज़ेड) की ओर से कार्यरत और अंतर्राष्ट्रीय विकास में विशेषज्ञता रखने वाली जर्मन कंपनी जर्मन कार्पोरेशन फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन (गिज़) के सहयोग से यह नियमावली तैयार की गई ।

दि फेडरेशन ऑफ चेंबर्स एंड कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ श्रीलंका (एफसीसीआईएल) द्वारा नेपाल के काठमांडू में स्थित सार्क ट्रेड प्रमोशन नेटवर्क के सहयोग से नॉन टैरिफ बैरियर्स (एनटीबीएस) तथा 'नॉन टैरिफ मेजर्स (एनटीएमएस) एन्वायरनमेंट इन सार्क रीजन' विषय पर श्रीलंका के कोलम्बो में 7-10 दिसम्बर 2015 और 29 फरवरी -1 मार्च 2016 के दौरान प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का सफलता पूर्वक आयोजन किया।

ढाका, बांग्लादेश में 10-13 जनवरी 2016
तथा 15-16 मार्च 2016 के दौरान

भूटान, नेपाल में 7-10 मार्च 2016 और 26-27 मार्च 2016 के दौरान

इस मॉड्यूल पर कार्यक्रम का संचालन करने का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के भीतर व्यापार के लिए उभरती चुनौतियों के बारे में सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के आवश्यक ज्ञान प्रदान करना था, ताकि वे भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों का आयोजन करने के लिए योग्य बन सकें, जिससे सार्क देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके, जिसके लिए एफसीसीआईएसएल अपना सहयोग प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम ने प्रशिक्षुओं को सार्क क्षेत्र में प्रबल होने वाले नॉन टैरिफ बैरियर्स तथा नॉन टैरिफ मेजर्स एन्वायरनमेंट के बारे में ज्ञान प्रदान किया और साथ ही उन्हें भविष्य में एक अच्छा प्रशिक्षक बनने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने हेतु अपने सॉफ्ट स्किल उन्नत करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध हुआ।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के टीसीएस कोलम्बो प्लान के तहत संस्थान परिसर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए 'बौद्धिक संपदा अधिकार प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का उपकरण' (आईपीसी एमएसएमईएस) विषय पर तीन सप्ताह के विशेष अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, श्रीलंका और मलेशिया के बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यालयों तथा लघु और मध्यम उद्यम संगठनों में कार्यरत 9 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के विषयों में बौद्धिक संपदा अधिकार, उपयोगिता और महत्व, प्रलेखन और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पद्धतिय के मुद्दों को शामिल किया गया था।

निम्समे परिसर में आईटीईसी समारोह

निम्समे द्वारा अपने कलांगण में 10 दिसम्बर 2015 को शाम को आईटीईसी (इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन) के स्वर्ण महोत्सव का आयोजन किया गया। श्री अरुम कुमार साहू, भाविसे, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रमों के तीसरे चरण में शामिल 34 देशों के 99 सहभागियों ने शिरकत की।

आईटीईसी स्वर्ण महोत्सव के प्रारंभ में मुख्य अतिथि श्री साहू ने दीप प्रज्वलित कर समारोह को संबोधित किया। आईटीईसी के कार्यक्रम के महत्व की जानकारी देते हुए उन्होंने विकासशील देशों की आवश्यकताओं से संबंधित उसके उद्देश्यों को रेखांकित किया और आपसी लाभ के लिए अन्य देशों के साथ भारत के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में **निम्समे** के प्रयासों की भी सराहना की।

समारोह की झाँकियाँ

संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ

निम्समे द्वारा विभिन्न राज्यों के उद्योग विभाग के अधिकारियों के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के साझेदारों, सेवा प्रदातों और उद्यमियों के लिए विभिन्न विषयों पर 36 संगोष्ठियों, कार्यशालाओं का आयोजन किया। इनमें से कुछ की जानकारी नीचे दी गई है :

'नवीनीकृत स्फूर्ति' पर राष्ट्रीय कार्यशाला

'नवीनीकृत स्फूर्ति' योजना के बारे में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन 8 मई 2015 को **निम्समे** एवं कयर बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

श्री सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी, भा.प्र.से. और संयुक्त सचिव(लघु एवं मध्यम उद्योग), सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में कयर उद्योगों का क्लस्टरीकरण करना कारीगरों को पेशेवर जानकारी देकर उनकी आय बढ़ाने की कार्यनीति है। ग्रामीण कारीगर विभिन्न तरह के कार्य करने वाले कारीगर होते हैं। कुछ काम एक व्यवसाय का करते हैं, तो कुछ काम दूसरे का। हालांकि उत्पाद और उन्हें बनाने का तरीका उनके कौशल की प्रकृति के अनुरूप होना आवश्यक है। इसका मुख्य लक्ष्य ग्रामीण कयर कारीगरों को सहायता पहुँचाना है, जो बाज़ार का प्रत्यक्ष रूप से मुकाबला करने के कारण योजना के केंद्र में हैं। इस अभिसरण (कन्वरजेंस) में योजना के साथ ही पेशवर ज्ञान भी शामिल होना चाहिए। लाभ अर्जन के बारे में व्यावसायियों के लचीलेपन को स्फूर्ति की ओर अभिमुख किया जाना चाहिए। आर्थिक लाभ के माध्यम से अभिमुखीकरण को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है और विश्वास को मज़बूती के साथ स्थापित किया जा सकता है। इस योजना की अवधि खत्म होने से पूर्व क्लस्टरों को आत्मनिर्भर बनाया जाना चाहिए।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बौद्धिक संपदा (आईपी) जागरूकता

संस्थान परिसर में 30 जून 2015 को बौद्धिक संपदा जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 32 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें संभावित तथा मौजूदा उद्यमी शामिल थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी उद्यमियों को बौद्धिक संपदा की संकल्पनाओं तथा अंशों के बारे में परिचित कर उनमें अपनी बौद्धिक संपदाओं की रक्षा की पद्धतियों के बारे में जागरूकता लाना था, जिससे वे अपने उद्यमों को लाभाकारी इकाइयों में तब्दील कर सकें।

विश्व युवा कौशल दिवस

विश्व युवा कौशल दिवस (वर्ल्ड युख स्किल्स डे) का आयोजन संस्थान में 15 जुलाई 2015 को भारी उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षित तथा अपना खुद का उद्यम शुरू कर सफल हो चुके उद्यमियों के साथ एक जलसे का आयोजन किया गया ।

अपव्यय रहित विनिर्माण (लीन मैन्युफैक्चरिंग) योजना पर कार्यशाला

अपव्यय रहित विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता योजना (लीन मैन्यूफैक्चरिंग कम्प्यूटिटिवनेस स्कीम) के कार्यान्वयन के बारे में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संस्थान परिसर में 8 सितम्बर 2015 को किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बून मैनेजमेंट कन्सल्टंट्स प्रा. लि. (बीएमसीपीएल), मुंबई के सहयोग से किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों के बीच जागरूकता लाना तथा उन्हें तकनीकी सेवाएँ मुहैया कर योजना के कार्यान्वयन में सहयोग करना है। इस कार्यशाला में हैदराबाद प्रिंटिंग क्लस्टर और सिरसिल्ला टेक्सटाइल क्लस्टर के 50 उद्यमियों ने भाग लिया।

कौशलों के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संस्थान परिसर में 19 एवं 20 नवम्बर 2015 को 'लाइफ स्किल्स एंड लाइवलीहुड स्किल्स - रियलाइजिंग एंड सस्टेनिंग क्लीन इंडिया' विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में आठ देशों से लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता कार्यप्रारूप (एनएसक्यूएफ) के अनुपालन पर कार्यशाला

राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता कार्यप्रारूप (एनएसक्यूएफ) पर एक कार्यशाला का आयोजन संस्थान में 4 नवम्बर 2015 को किया गया, जिसमें **निम्समे** के 13 संकाय सदस्यों, परामर्शदाताओं, तथा समन्वयकों के साथ 22 साझेदार संस्थाओं के 25 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रारंभ निम्समे के संकाय सदस्य श्री जी. जयकर राव ने स्वागत संबोधन के साथ किया। इसके बाद कार्यशाला की शुरुआत में **निम्समे** के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. जी. पी. वल्लभ रेड्डी ने संबोधित करते हुए **निम्समे** के अलावा साझेदार संगठनों के लिए राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता कार्यप्रारूप की आवश्यकता की जानकारी देने के साथ ही 1 से 10 तक का कार्य प्रारूप के महत्व पर प्रकाश डाला।

भारतीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए), नई दिल्ली की सुश्री मोनिका मिश्रा ने सहभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता कार्यप्रारूप (एनएसक्यूएफ) के अनुपालन तथा राष्ट्रीय कौशल विकास विकास एजेंसी की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कौशल गुणवत्ता कार्यप्रारूप की संकल्पना में गुणवत्ता के प्रकारों, प्रमाणन शिक्षा परिणाम (एक्रिडिटेशन लर्निंग आउटकम), पूर्व अभ्यास मान्यता (आरपीएल), कार्यप्रदर्शन मानदंड, उद्योग प्रमाणन, कामकाज की भूमिका गुणवत्ता रजिस्टर शामिल है। अपने संबोधन के बाद उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब देने के अलावा उन्हें विस्तारपूर्ण स्पष्टीकरण दिया। **निम्समे** को भी प्रत्यायन (एक्रिडेटिंग) निकाय बनाना प्रस्तावित है और इस बारे में राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी को सूचित किया जाएगा। **निम्समे** द्वारा प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई) योजना के अंतर्गत सभी व्यवसायों के लिए आवश्यक योग्यता के अपने मानदंडों के आधार पर आवेदन भर लेने की भी योजना बना रहा है। इस उद्देश्य के लिए एक कोर टीम का गठन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का समापन श्री जयकर राव द्वारा किये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

घातक व्यर्थ सामग्री प्रबंधन पर कार्यशाला

निम्समे के उद्यम विकास स्कूल (सेड) द्वारा 29-30 दिसम्बर 2015 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में औद्योगिक व्यर्थ सामग्री प्रबंधन' विषय पर किया गया। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) तथा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रौद्योगिकी विकास और प्रसार के लिए ज्ञान अभिगमन (ए2के+) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रायोजित था।

इस कार्यक्रम की रूपरेखा लघु उद्यमियों में उनके उद्योगों में उत्पन्न व्यर्थ सामग्री के व्यवस्थापन के लिए उपयुक्त उपकरणों। संयंत्रों के उपयोग की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाने के उद्देश्य से बनाई गई थी।

प्रधानमंत्री के रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के बारे में कार्यशाला

निम्समे परिसर में 18-19 जनवरी 2016 के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सहभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

ईएमई डिपो बटालियन, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों केलिए उद्यमिता और व्यापार के बारे में अभिविन्यास कार्यक्रम

- सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों के लाभ के लिए 13 अप्रैल, 13 मई, 12 जून और 10 जुलाई 2015 को एक दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- 14 और 15 अप्रैल, 14 और 15 मई, 15 और 16 जून तथा 15 और 16 जुलाई 2015 को उद्यमिता के बारे में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रत्येक कार्यशाला में सेना के लगभग 20-30 सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रदर्शनियों और मेलों में सहभागिता

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम डीईएफ प्रदर्शनी

यह प्रदर्शनी एक उद्योगी रक्षा उद्योग छावनी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। यह मेला जहाज़, अभियांत्रिकी, धातुशोधन, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय विनिर्माण तल की संस्थापना के साथ ही उसका उपयोग करने की क्षमता विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

सू.ल.म.उ. डीईएफ प्रदर्शनी 2015 रक्षा, नागरिक उड्डयन, वैमानिकी तथा मातृभूमि सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्रों में घरेलु तथा अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के लिए सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम क्षेत्र की सेवाओं तथा उत्पादों का प्रदर्शन करने वाला आयोजन रहा। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) की ओर से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार और कर्नाटक सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था। **निम्समे** तथा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) इस प्रदर्शनी के सहयोगी साझेदार थे। इस कार्यक्रम का आयोजन कर्नाटक की राजधानी बैंगलूरू स्थित व्हाइट ऑर्किड कन्वेंशन सेंटर, मान्यता टेक पार्क में 10-12 दिसम्बर 2015 के दौरान किया गया।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मा. श्री कलराज मिश्र, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार ने किया। इस उद्घाटन समारोह में शामिल सभी गणमान्य व्यक्तियों ने **निम्समे** के स्टॉल का अवलोकन किया। इन प्रमुख हस्तियों में श्री मनोज जोशी, भा.प्र.से., संयुक्त सचिव, लघु और मध्यम उद्यम, श्री रविंद्रनाथ, मुख्य प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, श्री पी. रविकुमार, महा प्रबंधक (दक्षिण क्षेत्र) कर्नाटक के उद्योग और वाणिज्य विभाग के राज्य मंत्री आदि शामिल थे।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ)

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2015 का आयोजन 14 से 27 नवम्बर तक किया गया, जिसका उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति के हाथों 14 नवम्बर को किया गया। एमएसएमई एक्सपो 2014 का उद्घाटन हॉल नं. 7 एबीसी में केंद्रीय सू.ल.म.उ. मंत्री श्री कलराज मिश्र ने किया। श्री गिरीराज सिंह, केंद्रीय सू.ल.म.उ. राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री अनूप कुमार पुजारी, सचिव (सू.ल.म.उ.) अन्य सरकारी अधिकारी तथा **निम्समे** के महानिदेशक श्री एम चंद्रशेखर रेड्डी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान द्वारा एस एक्सपों में एक स्टॉल लगाकर सक्रिय रूप से भागीदारी की गई। **निम्समे** के स्टॉल का अवलोकन करने वालों में मंत्रियों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे।

अधिकारियों के साथ ही गैर सरकारी संगठनों, उद्यमियों और विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में इस स्टॉल का अवलोकन किया, जबकि संस्थान के संकाय सदस्यों ने उन्हें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बारे में जानकारी दी। इस स्टॉल में **निम्समे** द्वारा प्रकाशित विभिन्न सामग्री भी प्रदर्शित की गई।

आईटीएफ की संकल्पना 'मेक इन इंडिया' थी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत की उपलब्धियों, सामाजार्थिक विकास, निर्यात की संभावनाओं की सभी को जानकारी देने के अलावा व्यापार लेन-देन, उत्पाद बाज़ार में उतारने तथा विपणन की जाँच करना और अपने पड़ोसी देशों को प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण करने के लिए नये मार्ग उपलब्ध करना था, ताकि संयुक्त उपक्रमों की संभावनाओं की खोज की जा सके। निम्समे के स्टॉल का प्रबंधन निम्समे के समन्वयक श्री जनपा रेड्डी रविंदर और श्री आर. नागराजेश ने किया।

परामर्श सेवा

निम्समे द्वारा वर्ष 2015-16 के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और संगठनों द्वारा प्रायोजित कुल 24 परियोजनाओं का संचालन किया गया, जिनमें से 14 मूल्यांकन अध्ययनों तथा 10 क्लस्टर विकास गतिविधियों से संबंधित थी। इनमें से कुछ का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है।

मूल्यांकन अध्ययन

हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में राष्ट्रीय पिछड़ी जाति वित्त एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) की मूल्यांकन योजनाएँ

इस कार्यक्रम में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में राष्ट्रीय पिछड़ी जाति वित्त एवं विकास निगम (एनबीसीएफडीसी) के कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत पॉवर फाइनांस कार्पोरेशन द्वारा कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पहलों के माध्यम से वस्त्र सिलाई और डिज़ाइनिंग सेंटरों द्वारा प्रशिक्षित उम्मीदवारों के मूल्यांकन आवश्यक था।

यह परियोजना राष्ट्रीय पिछड़ी जाति वित्त एवं विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित थी। इसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का अध्ययन किया गया । इन चारों राज्यों के विभिन्न इलाकों में स्थित वस्त्र सिलाई एवं डिज़ाइनिंग प्रशिक्षण केंद्रों में कुल 2700 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया गया।

इस अध्ययन में 2025 प्रशिक्षु उम्मीदवारों के नमूने एकत्रित किये गये, जिनमें से 189 उत्पादन अनुवीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण (पीएसक्यूसी) पाठ्यक्रम, 430 जीसीटी पाठ्यक्रम 229 एसओटी पाठ्यक्रम, 41 एसएसओटी पाठ्यक्रम और 1136 एसओबी + ए पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित थे। एटीडीसी द्वारा संचालित पाँच प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लाभार्थियों के बड़े समूह ने सिलाई मशीन के संचालन (मूलभूत और उन्नत) का प्रशिक्षण प्राप्त करने का फैसला किया। इससे वस्त्र सिलाई पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं के वस्त्रों की सिलाई के मूलभूत तत्वों की बेहतर समझ और वस्त्र विनिर्माण के प्रति उनके रुझान का पता चलने के साथ ही यह भी साफ हो गया कि प्रशिक्षण की पूर्ति पर यह उनके लिए रोज़गार के अवसरों का सृजन करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रशिक्षित उम्मीदवारों में से 53.4% वैतनिक रोज़गार, जबकि शेष 17.7% स्वरोज़गार प्राप्त कर सकते हैं। इससे राष्ट्रीय पिछड़ी जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुदानित योजनाओं की सफलता का पता चलता है। यह अध्ययन पूरा किया गया तथा इसकी रिपोर्ट एनबीसीएफडीसी को सौंप दी गई।

असम राज्य में वर्ष 2011-12 और 2012-13 के लिए प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की 100% भौतिक जाँच-पड़ताल

यह अध्ययन खादी और ग्रामोद्योग आयोग, गुवाहाटी असम की ओर से प्रायोजित था। इस अध्ययन में पीएमईजीपी के 9,835 लाभार्थियों की जाँच-पड़ताल की गई। इसके अंतर्गत जाँच-पड़ताल करने वाले दल ने भौतिक जाँच-पड़ताल सुव्यवस्थित ढंग से पूरी करते हुए ज़िला उद्योग केंद्र, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड तथा खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा राज्य के सभी 27 ज़िलों वर्ष 2011-12 और 2012-13 से संबंधित मुहैया की गई लाभार्थियों की सूचियों में शामिल सभी लाभार्थियों से आवश्यक जानकारी एकत्रित की।

असम राज्य में प्रधानमंत्री रोज़गार गारंटी योजना के अंतर्गत वर्ष 2011-12 और 2012013 के दौरान वित्त पोषित इकाइयों की भौतिक जाँच-पड़ताल के दौरान यह पाया गया कि इस योजना का कार्यान्वयन काफी बेहतर तरीके से किया गया है और यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार का सृजन कर सकती है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस योजना की नोडल एजेंसी के रूप में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के साथ ही खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला उद्योग केंद्र तथा बैकों ने लाभार्थियों की पहचान करने के अलावा परियोजनाओं को अनुमोदित करने और आर्थिक सहायता प्रदान करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। यह अध्ययन पूरा किया गया और संबंधित रिपोर्ट खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, असम को सौंप दी गई। इस अध्ययन का समन्वयन उद्यम विकास स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. जी.पी. वल्लभ रेड्डी और एन. आर. प्रसाद रेड्डी ने किया।

तेलंगाना राज्य में प्रधानमंत्री रोज़गार गारंटी कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों 100 प्रतिशत भौतिक जाँच

तेलंगाना राज्य में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग। खादी एवं ग्रामोद्योग विकास बोर्ड और ज़िला उद्योग केंद्रों के माध्यम से वित्तपोषित की जा रही प्रधानमंत्री रोज़गार गारंटी कार्यक्रम इकाइयों की भौतिक जाँच करने का कार्य खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने संस्थान को सौंपा था।

क्लस्टर विकास गतिविधियाँ

नवीनीकृत स्फूर्ति योजना का निम्समे की ओर से कार्यान्वयन

पारम्परिक उद्योगों के उत्थान के लिए पुनर्नवीनीकृत निधि योजना (स्फूर्ति) के प्रसार और विकास के लिए पिछली 11 वीं पंचवर्षीय योजना के कार्यान्वयन के लिए **निम्समे** द्वारा तकनीकी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग तथा कयर बोर्ड के अलावा मंत्रालय ने इस योजना के कार्यान्वयन के लिए **निम्समे** को भी एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया है। अब **निम्समे** तकनीकी एजेंसी के साथ ही नोडल एजेंसी के रूप में भी भूमिका निभा रहा है।

नोडल एजेंसी के रूप में निम्समे

प्रारंभ से ही संस्थान को छह तकनीकी एजेंसियों के समूह में शामिल किया गया है, जिनमें आईएल एंड एफएस क्लस्टर्स इनिशिएटीव लिमिटेड, फाउंडेशन फॉर एमएसएमई क्लस्टर्स, ग्रैंट थोरोटोन इंडिया प्रा. लिमिटेड, एपिटको लिमिटेड, महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र (सीएफएडी) और एपेक्स क्लस्टर डेवलपमेंट सर्विसेज़ प्रा. लिमिटेड शीमिल हैं। **निम्समे** की ओर से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग तथा राज्य सरकारों के सहयोग से हैदराबाद में तथा महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र के सहयोग से औरंगाबाद में नवीनीकृत स्फूर्ति योजना के बारे में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रमुख साझेदारों को आमंत्रित किया गया था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार तथा महाराष्ट्र राज्यों के संभावनापूर्ण क्लस्टरों की पहचान करने, विभिन्न साझेदारों के विचार आमंत्रित करने और राज्य सरकारों सम्मति प्राप्त करने एक राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति (एसएलएससी) का गठन किया गया।

नोडल एजेंसी के रूप में **निम्समे** ने तकनीकी एजेंसियों, कार्यान्वयन एजेंसियों तथा अन्य साझेदारों के माध्यम से 59 क्लस्टरों की पहचान की है। **निम्समे** ने तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में स्थित 8 जबकि पंजाब राज्य के 5 क्लस्टरों के बारे में परियोजना प्रस्ताव रिपोर्टें ग्रैंट थ्रोटोन के माध्यम से स्क्रीनिंग कमेटी को सौंप दी हैं। मंत्रालय द्वारा कुल पाँच क्लस्टरों को अनुमति प्रदान की गई है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 3, तेलंगाना के 8 और आंध्र प्रदेश के 7 क्लस्टरों के बारे में विचार किया जा रहा है तथा उनके बारे में विस्तृत परियोजना रिपोर्टों और नैदानिक अध्ययन रिपोर्टों की तैयारी काम प्रगति पर है।

तकनीकी एजेंसी के रूप में निम्समे

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने **निम्समे** को चार क्लस्टरों के लिए नामित किया है, जिनमें हरिहर खादी क्लस्टर, कर्नाटक, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के संचालन वाला श्रीकालहस्ती कलमकारी क्राफ्ट्स क्लस्टर शामिल है। इसके अलावा सामूहिक सुविधा केंद्र की भी शुरुआत की गई है। जोन्नाडा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर तथा हरिपालेम मेस्टा और पाम उत्पाद क्लस्टर के बारे में नैदानिक अध्ययनों की रिपोर्टें तैयार करने का कार्य जारी है। **निम्समे** के संकाय सदस्यों ने कारीगरों तथा राज्य सरकार एवं खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों के साथ विशेष मुद्दे पर आधारित बैठकों का आयोजन कर आवश्यक जानकारी एकत्रित करने का भी कार्य किया है। कयर बोर्ड ने **निम्समे** को महाराष्ट्र के पेंडूर और सावंतवाड़ी तथा आंध्र प्रदेश के चित्तूर, विशाखापट्टनम, विजयनगरम एवं पश्चिम गोदावरी के रूप में चार क्लस्टर सौंपे हैं। उपरोक्त के अलावा **निम्समे** द्वारा आंध्र प्रदेश के अन्य आठ कयर क्लस्टरों का भी मूल्यांकन किया जा रहा है।

मंत्रालय ने महाराष्ट्र के सावंतवाड़ी और पेंडूर कयर क्लस्टरों तथा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम कयर क्लस्टर के लिए अनुमति प्रदान की है।

पुनरुज्जीवित स्फूर्ति क्लस्टर

संस्थान द्वारा 11 वीं पंचवर्षीय योजना से पारम्परिक उद्योगों के क्लस्टरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पारम्परिक उद्योगों के पुनरुज्जीवन के लिए निधि (स्फूर्ति) योजना के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी सेवाएं मुहैया कर रहा है। मंत्रालय ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) तथा कयर बोर्ड के अलावा **निम्समे** को भी इस योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। **निम्समे** नोडल एजेंसी के साथ ही तकनीकी एजेंसी के रूप में भी भूमिका निभा रहा है।

नोडल एजेंसी के रूप में

प्रारंभ से ही संस्थान को छह तकनीकी एजेंसियों के समूह में शामिल किया गया है, जिनमें आईएल एंड एफएस क्लस्टर्स इनिशिएटीव्स लिमिटेड, फाउंडेशन फॉर एमएसएमई क्लस्टर्स, ग्रैंट थोरोंन्टोन इंडिया एलएलपी, एपिटको लिमिटेड, महाराष्ट्र सेंटर फॉर एंटरप्रेन्यूअरशिप डेवलपमेंट तथा एपेक्स क्लस्टर डेवलपमेंट सर्विसेज़ प्रा. लि. शामिल हैं। संस्थान ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को लाभान्वित करने के उद्देश्य से नवीनीकृत स्फूर्ति योजना के अंतर्गत राज्य सरकारों के सहयोग से हैदराबाद में विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन भी किया, जिनमें प्रमुख साझेदारों को आमंत्रित किया गया था। इसी तरह की कार्यशालाओं का आयोजन महाराष्ट्र सेंटर फॉर एंटरप्रेन्यूअरशिप डेवलपमेंट, औरंगाबाद में भी किया गया।

संभावनाओं से परिपूर्ण क्लस्टरों की पहचान करने के लिए विभिन्न साझेदारों से सुझाव लिये गये तथा राज्य सरकारों की सम्मति से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, उत्तर प्रदेश बिहार और महाराष्ट्र राज्यों के लिए एक राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी (एसएलएससी) का गठन किया गया।

एक नोडल एजेंसी के रूप में तकनीकी एजेंसियों, कार्यान्वयन एजेंसियों और अन्य साझेदारों के माध्यम से 59 क्लस्टरों की पहचान की गई। इनमें से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मौजूद 8 क्लस्टरों के बारे में प्राथमिक परियोजना रिपोर्ट आईएल एंड एफएस के माध्यम से, जबकि पांजाब में मौजूद 5 क्लस्टरों के बारे में प्राथमिक परियोजना रिपोर्ट ग्रैंट थोर्टोन योजना के माध्यम से योजना की संचालन समिति को सौंपी गई हैं।

कुल मिलाकर मंत्रालय द्वारा पांछ क्लस्टरों के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 3, तेलंगाना के 8 और आंध्र प्रदेश के 7 क्लस्टरों के बारे में सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और उनके बारे में नैदानिक अध्ययन रिपोर्टें । विस्तृत परियोजना रिपोर्टें बनाने का काम चल रहा है।

तकनीकी एजेंसी के रूप में

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने **निम्समे** को आंध्र प्रदेश के चार क्लस्टरों के लिए तकनीकी सेवाएँ मुहैया कराने के लिए नियुक्त किया है। इनमें कर्नाटक के हरिहर खादी क्लस्टर, श्रीकालहस्ती कलमकारी शिल्पकला क्लस्टर, जोन्नाड़ा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर और हरिपालेम अंबाडी तथा पाम उत्पाद क्लस्टर शामिल हैं। मंत्रालय ने हरिहर खादी क्लस्टर और और श्रीकालहस्ती कलमकारी शिल्पकला क्लस्टर के लिए अनुमोदन प्रदान किया है, जिसके आधार पर इन क्लस्टरों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करने के अलावा सामुहिक सुविधा केंद्रों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। जोन्नाड़ा खाद्यान्न प्रसंस्करण क्लस्टर और हरिपालेम अम्बाड़ी तथा पाम उत्पाद क्लस्टर के बारे में नैदानिक अध्ययन रिपोर्टें तैयार करने का काम किया जा रहा है। **निम्समे** के संकाय सदस्यों ने आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए कारीगरों, अधिकारियों, राज्य सरकार और खादी और ग्रामविकास आयोग (केवीआईसी) के साथ के साथ उद्देश्य केंद्रित सामूहिक बैठकों का भी आयोजन किया है।

कयर बोर्ड ने संस्थान को महाराष्ट्र में दो क्लस्टरों क्रमशः पेंडूर तथा सावंतवाड़ी और आंध्र प्रदेश में चार क्लस्टरों क्रमशः चित्तूर, विसाखापट्टनम, विजयनगरम चछा पश्चिम गोदावरी शामिल हैं। उपरोक्त के अलावा आंध्र प्रदेश के संभावनापूर्ण आठ क्लस्टरों के लिए नियुक्त करने के बारे में **निम्समे** के बारे में विचार किया जा रहा है। मंत्रालय ने तीन परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया है, जिनमें महाराष्ट्र के सावंतवाड़ी तथा पेंडूर और आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम कयर क्लस्टर शामिल है।

गोंदिया मुरमुरा क्लस्टर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपने खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी) के अंतर्गत निम्समे को गोंदिया मुरमुरा क्लस्टर के बारे में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की **निम्समे** को ज़िम्मेदारी सौंपी है। प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत करीब 4000 कारीगर क्लस्टर क्षेत्र में हैं तथा इनमें से करीब 700 कारीगरों को प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाने की उम्मीद है। इसके अंतर्गतर गोंदिया के साथ ही आस-पास के 40 गाँवों में मौजूद कारीगरों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन कारीगरों में ज्यादातर जनजातीय से संबंधित महिलाएँ शामिल हैं, जो काफी सक्रिय, गतिशील और सरकारी सहायता उम्मीद पर निर्भर हैं। इस बारे में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, नागपूर के अधिकारियों के साथ चर्चा के बाद तैयार की गई है। आवश्यक जानकारी क्षेत्र की जाँच-पड़ताल करने के बाद कारीगरों के कार्यस्थल का दौरा करने और प्रमुख कारीगरों के साथ बैठकों के बाद एकत्रित की गई है।

समस्याप्रधान क्षेत्रों के आधार पर कुछ हस्तक्षेपों का सुझाव दिया गया है, जिनमें क्लस्टर कार्यशैली के बारे में जागरूकता, मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में संवेदनशीलता, सिंधुदुर्ग खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर के प्रदर्शन दौरे, सामूहिक खरीदी के लिए स्वसहायता समूहों के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन सामूहिक सुविधा केंद्र और वितरण उपकरणों के अलावा प्रक्रिया और उत्पाद सुधार के लिए उत्पादन प्रक्रिया की समीक्षा के लिए तकनीकी और वित्तीय परामर्शदाताओं की तैनाती शामिल है।

गदवाल हथकरघा पार्क पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

हथकरघा और वस्त्र उत्पादन विभाग,तेलंगाना सरकार ने राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**), हैदराबाद को गदवाल हथकरघा पार्क के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की ज़िम्मेदारी सौंपी है। यह पार्क बुनकर समुदाय की समाजार्थिक स्थितियों में सुधार करने के अलावा उत्पादन क्षमता तथा गुणवत्ता में सुधार के लिए सहायता प्रदान करेगा। अधिकारिक मार्गवरोधों की पहचान के लिए दो बैठकों का आयोजन किया गया। इनमें से एक हथकरघा संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की गई, जिसमें क्रमशः प्रियदर्शिनी महिला हथकरघा सहकारी संस्था (पीएमएचडब्ल्यूसीएसएल), गदवाल हथकरघा बुनकर सहकारी संस्था, श्री राजराजेश्वरी मिक्स्ड फैब्रिक्स हैण्डलूम वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड शामिल थे, जबकि एक अन्य बैठक गदवाल में बुनकरों के साथ आयोजित की गई। क्षेत्र में की गई जाँच-पड़ताल के दौरान पहचाने गये मुद्दों, अधिकारियों, बुनकरों और क्लस्टर विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों के आधार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर तेलंगाना सरकार को सौंपी गई है।

प्रलेखन और प्रकाशन

निम्समे में लघु उद्योग राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र है, जिसकी स्थापना घरेलु के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों, व्यापार के बारे में पूछताछ, नियमन प्रणालियों आदि के बारे में व्यापक डेटाबेस उपलब्ध कराना है, जो सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमियों के लिए बहुमूल्य है। इस प्रकार की डेटाबेस सेवाएँ भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संघों को ऑनलाइन मुहैया की जा रही है।

संस्थान की ग्रंथालय सेवाओं का उपयोग मात्र संकाय सदस्यों द्वारा ही नहीं, बल्कि अन्य सदस्यों द्वारा भी कार्यालयीन अवधि के दौरान तथा पश्चात उठाया जा रहा है।

सूचना संसाधन आधार

पुस्तकें : पुस्तकों तथा संस्थागत प्रकाशन सूचना का एक प्रमुख स्रोत है। उपरोक्त रिपोर्ट की अवधि के दौरान **निम्समे** ने 160 पुस्तकों एवं अन्य दस्तावेज़ों को अपने संग्रह में शामिल किया है।

पत्र-पत्रिकाएँ : वर्ष के दौरान **निम्समे** ने 50 भारतीय और विदेशी पत्र-पत्रिकाओं की खरीदी की। 25 पत्रिकाएँ लेन-देन और मानार्थ आधार पर प्राप्त हुई, जबकि 15 समाचार पत्रिकाएँ विभिन्न संस्थानों। संगठनों से प्राप्त हुई।

हिन्दी अनुभाग : निम्समे द्वारा कर्मचारियों और सहभागियों के लाभ के लिए हिन्दी पुस्तकों का पृथक संग्रहण और रख-रखाव किया जा रहा है।

प्रकाशन

निम्समे द्वारा सेडमें त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन करने के अलावा समाप्त माह की गतिविधियों के बारे में मासिक समाचार बुलेटिन का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

निम्समे द्वारा मंत्रालय के लिए भी पुस्तकों का प्रकाशन किया जा रहा है। समाप्त वर्ष के दौरान प्रकाशित सामग्री इस प्रकार है :

	शीर्षक
1	एमएसएमई योजनाएँ (अंग्रेज़ी और हिन्दी)
2	एमएसएमई एक नज़र (अंग्रेज़ी और हिन्दी)
3	सू.ल.म. उद्यमों के पुनरुद्धार और पुनर्गठन के लिए फ्रेमवर्क (अंग्रेज़ी और हिन्दी)
4	उद्योग आधार (अंग्रेज़ी और हिन्दी)
5	युवा सशक्तीकरण योजनाएँ (अंग्रेज़ी और हिन्दी)

मोबाइल एप

नवम्बर 2015 में अपने दौरे के अवसर पर डॉ. अनूप कुमार पुजारी, भा.प्र.से., सचिव, सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने सी-डैक, हैदराबाद द्वारा तैयार किये गये मोबाइल ऐप का उद्घाटन किया। डॉ. भारती एस सिहाग, भा.प्र.से. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार तथा श्री सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

एमएसएमई मोबाइल एप नीचे दिये गये लिंक का उपयोग कर डाउनलोड किये जा सकते हैं -
अ. एमएसएमई योजनाएं : https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cdac.msme_schemes
आ. एमएसएमई परियोजना प्रोफाइल्स : https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cdac.nimse_projectProfiles

राजभाषा का कार्यान्वयन

राजभाषा विभाग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्सme**) द्वारा विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।

अ.क्र.	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण
1.	15 अप्रैल 2015	हिन्दी में कामकाज के लिए सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री श्रीराम सिंह शेखावत, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने सहभागियों को सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।
2.	14 मई 2015	हिन्दी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रवीण और प्राज्ञ के लिए नामित कर्मचारियों के लिए मॉडल परीक्षा तथा हिन्दी प्रशिक्षण कक्षाओं के समापन कार्यक्रम आयोजन किया गया। श्रीमती तरुण शेखावत, प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना ने मॉडल परीक्षा का संचालन किया।
3.	15 जून 2015	'अनुवाद में सुविधा के लिए मंत्रा सॉफ्टवेयर का उपयोग' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. दिब्येन्दू चौधरी,संकाय सदस्य ने विषय विशेषज्ञ के तौर पर इस कार्यशाला में जानकारी दी।
4.	14 जुलाई 2015	कर्मचारियों के लिए राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के बारे में मासिक आंकड़ों के संकलन के बारे में प्रपत्र संबंधी मार्गदर्शन परक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन हिन्दी अनुवादक डॉ. शिरीष कुलकर्णी ने किया।
5.	14 अगस्त 2015	'प्रशासनिक शब्दावली' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. शिरीष कुलकर्णी, हिन्दी अनुवादक ने प्रशासनिक शब्दावली और उसके प्रयोग के बारे में जानकारी दी।
6.	14 सितम्बर 2015	हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा सप्ताह का उद्घाटन किया गया। 14 से 18 सितम्बर तक आयोजित इस सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
7.	14 अक्तूबर 2015	'हिन्दी टंकलेखन : मूलभूत सिद्धांत और सावधानियाँ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री राजेश कुमार वर्मा, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना ने इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में मार्गदर्शन किया।
8.	14 नवम्बर 2015	हिन्दी शिक्षण योजना द्वारा दिसम्बर 2015 में आयोजित प्राज्ञ पाठ्यक्रम की परीक्षा के लिए नामित कर्मचारियों के लिए मॉडल परीक्षा का आयोजन किया गया।
9.	14 दिसम्बर 2015	हिन्दी टंकलेखन, पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामित कर्मचरियों के लिए अभ्यास सत्र का आयोजन संस्थान के सेन्डॉक भवन में स्थित कम्प्यूटर प्रयोगशाला में किया गया। डॉ. शिरीष कुलकर्णी हिन्दी अनुवादक ने इस सत्र का संचालन किया।
10.	14 जनवरी 2016	नये प्रशिक्षण भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 'राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2015-16 के लिए निर्धारित लक्ष्य' विषय पर किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन हिन्दी अनुवादक डॉ. शिरीष कुलकर्णी ने किया।

11.	15 फरवरी 2016	'हिन्दी टिप्पण और आलेखन' विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन नये प्रशिक्षण भवन के कमरा संख्या 104 में किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. शिरीष कुलकर्णी, हिन्दी अनुवादक ने हिन्दी टिप्पण और आलेखन के बारे में मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि सू.ल.म.उ. मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार हिन्दी टिप्पण और आलेखन अधिक से अधिक संख्या में लिखा जाना चाहिए।
12.	14 मार्च 2016	हिन्दी दिवस मनाया गया तथा कार्यालयीन कामकाज में सरल, सुबोध और सुगम हिन्दी का प्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. अरुण कुमार इंगले, मुख्य प्रबंधक, (रा.भा.), भारतीय स्टेट बैंक स्थानीय कार्यालय, कोठी, हैदराबाद ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

संस्थान द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। इस समिति की तिमाही बैठकों का आयोजन 13 मई, 02 सितम्बर 05 नवम्बर 2015 तथा 11 फरवरी 2016 को किया गया।

'राजभाषा सप्ताह' 14 सितम्बर से 18 सितम्बर 2015 को मनाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें संस्थान के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। सप्ताह के दौरान हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

सिटीजन्स चार्टर और सूचना का अधिकार कानून

निम्समे का सिटीजन्स चार्टर

जैसा कि रिजल्ट फ्रेमवर्क डॉक्यूमेन्ट (आरएफडी), सेवोत्तम कम्प्लेंट सिटीज़न चार्टर के रूप में सेवोत्तम शिकायत निवारण व्यवस्था अनिवार्य है। तदनुसार संस्थान द्वारा एक सिटीज़न चार्टर अंगीकृत किया गया है और वह संस्थान की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है।

संस्थान के उद्देश्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारियों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के सभी सेवा प्रदाताओं के कर्मचारियों के लिए कार्यक्रमों अथवा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना है। यह उद्योगों के विकास के लिए अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं का उत्तरदायित्व संभालने के साथ ही उनका निष्पादन करता है, युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है और नागरिकों और ग्राहकों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवश्यक जानकारी मुहैया करता है।

सूचना का अधिकार अधिनियम

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के अंतर्गत नागरिक **निम्समे**, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045 के नये प्रशिक्षण भावन में स्थित (तल मंज़िल, कुलसचिव के कार्यालय), जन सूचना अधिकारी (आरटीआई) से किसी भी कार्य दिन के दौरान सम्पर्क कर सकते हैं।

वर्ष 2015-16 में संस्थान को 28 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 27 का निपटारा किया गया।

स्वच्छ भारत

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के अनुरूप **निम्समे** द्वारा 25 सितम्बर से 31 अक्तूबर 2015 तक स्वच्छता अभियान मनाया गया। इसके अंतर्गत संस्थान के प्रमुख स्थानों पर बैनर प्रदर्शित किये गये। स्वच्छता माह के दौरान साफ-सफाी कार्यों को अंजाम दिया गया।

पहले

बाद में

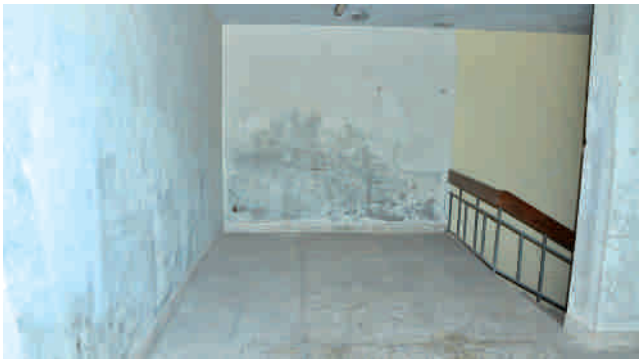

सेन्डॉक भवन की पहली और दूसरी मंज़िल पर स्थित ग्रंथालय पुस्तर संग्रहण परिसर की साफ-सफाई की गई, जिसके अंतर्गत उपयोग में लाये गये कागज़ तथा पुस्तकों आदि के साथ अन्य सामग्री और इकट्ठा हुई धूल को हटा दिया गया। इसके अलावा संस्थान परिसर की सफाई के लिए अतिरिक्त मजदूर लाकर उनसे बिखरे सूखे पत्तों तथा टूटी टहनियों को हटाने के अलावा समय पूरा हो चुके अभिलेखों हटाने, अभिलेख कक्ष की सफाई और अभिलेखों को करीने से लगाने और निरूपयोगी दस्तावेज़ों की बारीकी से जाँच के बाद उन्हें जलाने के अलावा अनुभागों । अलमारियों में हुए मकड़ी के जालों को हटाया गया।

पर्यावरण अनुकूल गतिविधियाँ

बेहतर ढंग से विकसित किया गया संस्थान का हरियाली और भव्य पेड़ों से परिपूर्ण परिसर कई तरह स्थानीय तथा पक्षियों का पसंदीदा निवास स्थान है। इन पक्षियों में खास तौर पर मोर, मोरनी, कोयल, कबूतर, तोते तथा अन्य किस्म के रंग-बिरंगी पक्षी शामिल हैं, जो अपना चहक और उल्लास से सहभागियों के साथ ही इस परिसर में पधारने वाले हर किसी का अनायास ही ध्यान आकर्षित कर लेते हैं।

पंखों वाले इन जंतुओं की सुविधा के लिए बहुमुखी आकार वाले एक निरुपयोगी जलाशय का पुनर्नवीनीकरण किया गया। इन कदमों से न केवल संस्थान परिसर को मनोहर सुंदरता में इज़ाफा हुआ, बल्कि परसिर में रहने वाले पंछियों के लिए भी प्यास बुझाने का एक स्थान उपलब्ध हो गया। संस्थान परिसर के सौंदर्य को द्विगुणित करने वाले इस आकर्षक स्थान का उद्घाटन महानिदेशक श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी ने 13 जुलाई 2015 को किया। इस अवसर पर संस्थान के सभी कर्मचारी उपस्थित थे। इसी जोश और उत्साह की भावना से संस्थान की पश्चिमी दिशा की प्रहरी दीवार की कुल 461 फीट की दूरी तक मरम्मत कर उसे पलस्तर कर उसे मज़बूत बनाया गया स्नोसेम चूने से रंग दिया गया।

राष्ट्रीय उत्सव और अन्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय उत्सव

69 वाँ स्वतंत्रता दिवस और अन्य समारोह

संस्थान द्वारा 69 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन 15 अगस्त 2015 को उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी ने तिरंगा ध्वज फहराया, जबकि अन्य सभी ने उसका वंदन किया। इस समारोह में संस्थान के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार सदस्यों ने इस समारोह में भाग लेकर राष्ट्रगीत का गायन किया। इस अवसर पर श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी ने उपस्थितों को राष्ट्रीय पर्व की बधाई देकर संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान परिसर में मौजूद विदेशी प्रतिनिधियों के देशों और भारत के बीच के रिश्तों के इतिहास पर प्रकाश डाला। इसके बाद उन्होंने संस्थान द्वारा भविष्य में किये जाने वाले प्रयासों तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में भारत के स्वालंबी बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की प्रतिबद्धता के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद समारोह में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका संचालन **निम्समे** के संकाय सदस्य जी. जयकर राव ने किया। इस कार्यक्रम में सुश्री गौरवी ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया तथा कर्मचारी दल के सदस्यों ने सामूहिक गीत का गायन किया। अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों ने भी अपने -अपने देशों की कविताएँ तथा संगीत प्रस्तुत किये।

गणतंत्र दिवस समारोह

निम्समे परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को पारम्परिक ढंग से उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे चरण में शामिल सभी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य सहभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर महानिदेशक महोदय ने अपने भावपूर्ण संबोधन में इस दिन पर आयोजित किये जाने वाले समारोह के महत्व की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने पिछले छह दशकों के दौरान देश की हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए संस्थान के योगदान और लक्ष्य के बारे में भी जानकारी दी।

इसके बाद महानिदेशक ने राष्ट्रध्वज फहराया, जिसके बाद सभी ने उसे सलामी देते हुए राष्ट्रगीत का गायन किया। तत्पश्चात समारोह में विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिनमें राष्ट्रीय सहभागियों और **निम्समे** परिवार के सदस्यों ने भारतीय देशभक्तिपरक गीत तथा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किये। इस समारोह के दौरान सभी को अल्पाहार दिया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुके सभी को स्मृतिचिह्न भेंट किये गये।

अन्य गतिविधियाँ

आतंकवाद विरोधी दिवस

संस्थान में आतंकवाद विरोधी दिवस 21 मई 2015 को मनाया गया। निम्समे परिवार के सभी सदस्य संस्थान के कमरा संख्या 205 में सुबह 11.00 बजे एकत्रित हुए इस अवसर पर परामर्शदाता प्रशासन ने उपस्थितों को युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर रखने के साथ ही आम लोगों को होनेवाली परेशानियों की जानकारी देते हुए राष्ट्र को स्वस्थ बनाए रखने में आतंकवाद और हिंसा कितनी घातक है इस बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर महानिदेशक ने सभा में उपस्थित सभी कर्मचारियों को पहले हिन्दी में तथा बादमें अंग्रेज़ी में शपथ दिलाई, जिसमें जन समूह को आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ जागने पर ज़ोर दिया गया था। राष्ट्रगीत गान के बाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

30 अक्तूबर 2015 को निम्समे परिवार के सभी सदस्य राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए नये प्रशिक्षण भवन में एकत्रित हुए। केंद्र सरकार ने 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस घोषित किया है, जिसे संस्थान द्वारा पहली बार मनाया गया। 31 अक्तूबर को अवकाश होने से ससंस्थान द्वारा यह दिवस 30 अक्तूबर को मनाया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने इस आयोजन के महत्व की जानकारी दी। इसके बाद महानिदेशक महोदय ने सभी कर्मचारियों को हिन्दी और अंग्रेज़ी में एकता शपथ दिलायी, जिसमें देश के सभी लोगों के बीच एकता को महत्व दिया गया था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

हर वर्ष अक्तूबर माह में देशभर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष यह सप्ताह 26 अक्तूबर से 30 अक्तूबर 2015 तक मनाया गया। **निम्समे** में भी यह सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष का विषय 'प्रतिबंधात्मक सतर्कता सुशान का उपकरण' रखा गया था। इस सप्ताह के अंतर्गत संस्थान परिसर के सभी प्रमुख स्थानों पर बैनर प्रदर्शित किये गये । संस्थान के महानिदेशक श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी ने 26 अक्तूबर 2015 को सुबह 11.00 बजे संस्थान के नये प्रशिक्षण भवन स्थित लघु सभागृह में केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा तैयार की गई शपथ दिलाई। 30 अक्तूबर 2015 को (31 अक्तूबर अवकाश का दिन होने के कारण) सतर्कता विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके बाद शाम को उद्यम विकास स्कूल के निदेशक के हाथों सभी को नगद पुरस्कार प्रदान किये गये।

राष्ट्रीय एकता दिवस

निम्समे परिसर में 19 से 25 नवम्बर 2015 के दौरान कौमी एकता सप्ताह (राष्ट्रीय एकता सप्ताह) मनाया गया। इस सप्ताह के अंतर्गत 19 नवम्बर को सुबह 11.00 बजे नये प्रशिक्षण भवन स्थित लघु सभागृह में सभी कर्मचारी एकत्रित हुए। इस अवसर पर निम्समे के मुख्य प्रसासनिक अधिकारी डॉ. जी.पी. वल्लभ रेड्डी ने कौमी एकता सप्ताह के महत्व के बारे में जानकारी दी। महानिदेशक ने सभी एकत्रित कर्मचारियों को पहले हिन्दी में तथा उसके बाद अंग्रेज़ी में शपथ दिलायी।

इस शपथ में सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता तथा सभी देशवासियों के बीच अपनेपन की भावना पर ज़ोर दिया गया था। सप्ताह के अंतिम दिन 24 नवम्बर को (25 नवम्बर गुरुनानक जयंती के कारण अवकाश का दिन होने से) दोपहर 3.30 से सायं 4.30 बजे तक भाषाई सद्भाव दिवस। सांस्कृतिक एकता दिवस विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के बाद विजेताओं को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के हाथों नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संविधान दिवस

निम्समे द्वारा 26 नवम्बर 2015 को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर **निम्समे** परिवार के सभी सदस्य सुबह 11.00 बजे संस्थान के नये प्रशिक्षण भवन में स्थित लघु सभागृह में एकत्रित हुए, जहाँ पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने 'संविधान दिवस' के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दविस के मद्देनज़र संस्थान के सभी प्रमुख स्थानों पर हिन्दी और अंग्रेज़ी में बैनर प्रदर्शित किये गये थे।

इस कार्यक्रम में महानिदेशक ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना प्रथम हिन्दी में तथा बाद में अंग्रेज़ी में वाचन किया। मंत्रालय द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पाठ की प्रतियाँ संस्थान परिसर के सभी प्रमुख स्थानों पर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की गई।

महिला दिवस मनाया गया

निम्समे द्वारा मातृभक्ति मासिक पत्रिका, डॉ. राजेश्वरी चैरिटेबल फाउंडेशन और हेवन होम सोसाइटी का सहयोग से 8 मार्च 2016 को सायं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में महिला उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों की प्रतिनिधियों तथा छात्राओं के साथ कुल 50 महिलाओं ने भाग लिया। हेवन सोसाइटी की समन्वयक सुश्री तेजस्विनी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं का स्वागत किया।

तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। फोकस-5 की सुश्री गीता वेंकटेसन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। फोकस-5 की सुश्री गीता वेंकटेसन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

डॉ. एल फातिमा, फेमी केयर हॉस्पिटल्स, डॉ. महालक्ष्मी, सहायक डीन, गृह विज्ञान विभाग, सुश्री प्रसुन्ना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एस. मशरूम एग्रीटेक, सुश्री उषा, संस्थापक, गैर सरकारी संगठन 'अभया' एवं सामाजिक कार्यकर्ती के अलावा श्रीमती वी. स्वप्ना, सहायक संकाय सदस्य, उद्यम प्रबंधन स्कूल, **निम्समे** तथा अन्य गणमान्य महिलाएँ इस कार्यक्रम में उपस्थित थीं। इस अवसर पर अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने महिला दिवस के औचित्य की जानकारी देते हुए महिलाओं के सशक्तीकरण के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। श्रीमती स्वप्ना ने **निम्समे** के महिला अध्ययन प्रकोष्ठ की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को **निम्समे** की वेबसाइट पर महिलाओं के लिए उपलब्ध योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

अतिथि दीर्घा

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने **निम्समे** द्वारा संचालित सूचना प्रौद्योगिकी - आधारित उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षितों में से 8 को प्रस्ताव पत्र हस्तांतरित किये। इन प्रशिक्षितों को बहुराष्ट्रीय कंपनी पोलारिस ने **निम्समे** द्वारा 3 मार्च 2016 को सूचना प्रौद्योगिकी - आधारित उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षितों के लिए आयोजित जॉब मेले में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर चुना गया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री महोदय ने उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यक्रमों से महिलाओं को स्वावलंबी बनने में काफी सहयोग मिल रहा है। इससे वे या तो वैतनिक रोज़गार अथवा स्वरोज़गार प्राप्त करने में सफल हो रही हैं। संस्थान परिसर में आयोजित इस जॉब मेले में कुल 262 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें से 75 उम्मीदवारों को इस मेले में भाग ले चुके 11 नियोक्ता व्यवसाय प्रतिष्ठानों की ओर से छह विभिन्न व्यवसायों के लिए आयोजित किये जाने वाले चयन के दूसरे चरण के लिए चुना गया।

निम्समे परिसर में मा. मंत्रीजी ने सेन्डॉक भवन के ग्रंथालय का दौरा कर ग्रंथालय में संग्रहित पुस्तकों का अवलोकन किया और संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों पर भी नज़र डाली। इसके बाद उन्होंने सहयोगी संगठनों की ओर से आयोजित सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में लगाये सभी स्टॉलों का बारीकी से निरीक्षण कर संबंधित व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों के साथ उनके उत्पादों। सेवाओं के बारे में बातचीत की।

- महानिदेशक ने सामजिक एकता और आर्थिक साधिकारिता मंत्री श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन (सांसद) के साथ 24 सितम्बर 2015 को संस्थान के मंडल कक्ष में बैठक कर दौरे पर आये मंत्रीजी के साथ श्री बोयराम्बोली बोईराझसिंह, स्थायी सचिव, सामाजिक एकता तथा आर्थिक साधिकारिता मंत्रालय, मॉरिशस सरकार भी उपस्थित थे। इन गणमान्य अतिथियों के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान के अधिकारी भी थे। इस बैठक में संस्थान के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

- श्री सी.पी. ठाकुर के नेतृत्व वाली संसदीय समिति ने भी 30 एवं 31 जनवरी 2016 को निम्समे का दौरा किया। इस अवसर पर महानिदेशक ने श्री ठाकुर के नेतृत्व में आयी समिति को संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देने के साथ ही वार्षिक लेखा की भी विस्तृत जानकारी दी।

- हाल ही में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव, भारत सरकार के रूप में नियुक्त हुए श्री. के. के. जालान, भा.प्र.से. ने 16 मार्च 2016 को **निम्समे** के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे चरण के विदाई समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान का दौरा किया।

इस अवसर पर सहभागियों को संबोधित करते हुए श्री. के. के. जालान ने विदेश मंत्रालय के आईटीईसी कार्यक्रम को धन्यवाद दिये। उन्होंने बरसों पुराने कार्यक्रमों के दृष्टिकोण 'नो व्हेयर' से लेकर अब तक के 'नाऊ हेयर' और 'एवरी व्हेयर' के रूप में साझेदारों की चेतना परिवर्तन के दौर से गुज़रने की बात कही।

जब वे संस्थान में पहली बार पधारे, तब वे यहाँ के किसी से भी परिचित नहीं थे और यहाँ का सब कुछ उन्हें अनोखा महसूस हो रहा था, लेकिन जिस दिन वे यहाँ से विदा हुए, तब उन्हें **निम्समे** के हर कोने और पहलु की जानकारी हुई थी और यहाँ के हर किसी के चेहरे पर उन्हें मुस्कान नज़र आ रही थी।

विदाई समारोह के बाद श्री. के. के. जालान ने मंडल कक्ष में सभी संकाय सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अनुसंधान और विकास के बारे में चर्चा के साथ ही सूचना-प्रौद्योगिकी में **निम्समे** के भाग लेने और उससे मूल्य बढ़ाने के बारे में चर्चा की। इससे पहले **निम्समे** के कर्मचारी संघ ने सचिव से अतिथि कक्ष में मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

- डॉ. अनूप के. पुजारी, भा.प्र.से. भारत सरकार ने 15 सितम्बर 2015 को दोपहर संस्थान का दौरा किया। उनका यह दौरा दो दिवसीय हैदराबाद दौरे का एक हिस्सा था। डॉ. पुजारी का **निम्समे** का यह पहला दौरा था।

अपने इस दौरे में सचिव महोदय ने संस्थान के चार जारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्राष्ट्रीय सहभागियों के साथ पृथक रूप से बातचीत की और एनएमडीसी के प्रशिक्षार्थियों के साथ भी कक्षा में मुलाकात की। तत्पश्चात उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों और उसके बाद एनएमडीसी के सहभागियों के साथ आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित किया।

- श्री एस.एन. त्रिपाठी, भा.प्र.से., संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्योग) ने 9 मई 2015 को निम्समे परिसर का दौरा कर मंडल कक्ष में आयोजित कल्पना सृजन बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक और संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक का विषय संस्थान परिसर के विस्तार के लिए रिक्त भूमि के उपयोग का बेहतर तरीका था।

श्री मनोज जोशी, संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्योग), भारत सरकार ने 14 जनवरी 2016 को निम्समे का दौरा किया। संस्थान परिसर का दौरा करते समय महानिदेशक महोदय ने संयुक्त सचिव को विभिन्न ब्लॉक, अकादमिक स्कूलों, कक्षों सम्मेलन सभागृहों, आईपीएफसी, कम्प्यूटर लैब, कुलसचिव के कार्यालय, ग्रंथालय तथा मंडल कक्ष और अतिथि-गृह भवन समूह की कार्यप्रणलियों और सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

हर स्थान पर संयुक्त सचिव महोदय ने उत्साह के साथ संबंधित अधिकारियों से स्थितियों के बारे में बातचीत की। इसके बाद महानिदेशक महोदय ने मंडल कक्ष में सभी संकाय सदस्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक को अतिथि महोदय ने संबोधित किया और संस्थान की गतिविधियों और सकारात्मक तथा उत्साहपूर्ण प्रयासों के बारे में चर्चा की।

- श्री ए.के. झा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं आयुक्त खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने 6 - 10 जुलाई 2016 को आयोजित क्लस्टर विकास अनुकूलन कार्यक्रम के अवसर पर संस्थान का दौरा किया। इस कार्यक्रम का आयोजन खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के नोड़ल अधिकारियों के लिए किया गया था।

- डॉ. के. गोपाल, भा.प्र.से., विकास आयुक्त (हस्त शिल्प) ने 10 फरवरी 2016 को निम्समे स्थित पारम्परिक पेंटिंग संसाधन केंद्र की गतिविधियों की जानकारी ली और शिल्पी समुदाय के साथ बातचीत की।

  कलाकारों तथा विद्यार्थियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान डॉ. गोपाल ने पेंटिंग की प्रक्रियाओं, डिज़ाइनों की विशेषताओं तथा बाज़ार के रुझानों के बारे में पूछताछ की और सुझाव दिया कि कलाकारों को पेंटिंग के स्थापित विषयों के बजाए बाज़ार में मौजूद मांग के अनुसार चित्रकारी और पेंटिंग पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने बाज़ार विस्तार के लिए व्यवहार्य सुझाव दिये, जिनका पालन कर कलाकार अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। उन्होंने अभिनव सृजनात्मकता के लिए प्रमुख शिल्पियों द्वारा पारम्परिक पेंटिंगों में अपनायी जाने वाली तकनीकियों, नित्य प्रयोगों और शैलियों के बारे में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अभिनवता और सृजनात्मकता पर ध्याम केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने पारम्परिक चित्रकारी के संस्थान केंद्र में प्रदर्शित पेंटिंगों की विभिन्न शैलियों भी काफी ध्यानपूर्वक अवलोकन किया तथा केंद्र द्वारा पारम्परिक पेंटिंग के बारे में खरीदी तथा संकलित की गयी पुस्तकों और प्रलेखनों की जानकारी प्राप्त की।

- राष्ट्रीय कर्ण बधिर एवं दिव्यांग संस्थान के वरिष्ठतम संकाय सदस्य के साथ सात सदस्यीय एक प्रतिनिधि दल ने 24 अप्रैल 2015 को संस्थान का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कुलसचिव के साथ संस्थान की गतिविधियों के बारे में बातचीत कर कहा कि राष्ट्रीय कर्ण बधिर एवं दिव्यांग संस्थान के सहयगो से **निम्समे** अनुसंधान अध्ययनों को अंजाम दे सकता है और उन्हें कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से मदद पहुँचा सकता है।

- महानिदेशक महोदय ने एप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय रोज़गार योग्यता कार्यक्रम (एनईसीएपी) के बारे में एक परस्पर चर्चात्मक बैठक की अध्यक्षता किया। इस बैठक में संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ दि टीम लीज़ स्किल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के एक प्रतिनिधि दल ने भाग लिया, जिनमें श्री सुमीत कुमार, उपाध्यक्ष, श्री कुणाल प्रताप, सहायक महा-प्रबंधक, श्री शिवानंद पाटील, प्रबंधक और श्री कपिल कुमार श्रीवास्तव, प्रबंधक (व्यापार विकास) शामिल थे।

- इस अवसर पर **निम्मसे** के सहयोग से टीम लीज़ द्वारा बेरोज़गार युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ एप्रेंटिसशिप प्रारूप के बारे में भी चर्चा की गई।

- सुश्री एवा माजुरिन, अधिकारी, उद्यमिता और लघु तथा मध्यम उद्योग प्रबंधन प्रशिक्षण, जिनेवा, स्वीट्ज़रलैण्ड ने 17 अप्रैल 2015 को श्री चंद्रा रेड्डी, एपीआईटीसीओ, आईएलओ समन्वयक के साथ **निम्समे** का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने महानिदेशक श्री चंद्रशेखर रेड्डी एवं संकाय सदस्यों के साथ चर्चा की।

- आर्मी आर्डिनेंस कॉर्पस के लेफ्टनेंट कर्नल, मनान कंदारी ने 27 अप्रैल 2015 को **निम्समे** के महानिदेशक श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी के साथ कुलसचिव डॉ. एन. श्रीलक्ष्मी से मुलाकात की। उन्होंने महानिदेशक से आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्पस के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में स्थान परिवर्तन के बारे में **निम्समे** द्वारा आयोजित किये जाने वाले पहले 16 दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

- श्री उन्नीन कुट्टी, कार्यकारी निर्देशक, केआईईडी, एर्नाकुलम ने महानिदेशक से 1 जून 2016 को मुलाकात कर चर्चा की।

- डॉ. बी. आर अग्रवाल, निदेशक आईटीएजी बिजिनेस सोल्यूशन्स लिमिटेड, कोलकाता ने 27 जुलाई 2015 को महानिदेशक महोदय से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य संयुक्त गतिविधियों के लिए धरातल की खोज करना था।

- आईएल एण्ड एफएस के वरिष्ठ अधिकारियों ने 28 जुलाई को महानिदेशक महोदय से मुलाकात की। इस अवसर पर की गई चर्चा में मुख्य रूप से देश के विभिन्न स्थानों पर स्फूर्ति योजना के कार्यान्वनयन के लिए तकनीकी एजेंसी के रूप में आईएल एण्ड एफएस के तौर-तरीके रहा।

- कोलकाता से पधारे यूनाइटेड नेशन्स कान्फरेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट-एम्प्रेटेक प्रोग्राम फॉर इंडिया के राष्ट्रीय निदेशक श्री अरनब चक्रबर्ती ने 12 अगस्त 2015 को महानिदेशक से मुलाकात कर उनके साथ मंत्रणा की।

- श्री हेमेंद्रकुमार शर्मा, निदेशक (डीपीए-2) तथा श्री जे.एन. माझी, उप-सचिव (टीसी), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने 26 अगस्त 2015 को **निम्समे** के महानिदेशक से मुलाकात की। इन दोनों प्रमुख हस्तियों ने यहाँ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में समीक्षा करने के उद्देश्य से यह दौरा किया।

- महानिदेशक ने 26 सितम्बर 2015 को श्री के. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. जी.यू.के. राव भी उपस्थित थे। इस बैठक में खास तौर पर **निम्समे** की गतिविधियों के बारे में चर्चा की गई।

- श्री रीचर्ड ओलिवर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अमेरिकन सेंटीनल यूनिवर्सिटी ने 19 नवम्बर 2015 को **निम्समे** का दौरा किया और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तीसरे चरण का उद्घाटन किया।

- श्री अरुण कुमार साहू, भा.वि.से. संयुक्त सचिव (डीपीए- 3), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने 10 दिसम्बर 2015 को आईटीईसी स्वर्ण महोत्सव के संदर्भ में संस्थान का दौरा किया। इस समारोह का आयोजन संस्थान परिसर में कलांगण में किया गया था। वे इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

- डॉ. बी. येरम राजू, अर्थशास्त्री, जोखिम प्रबंधन विशेषज्ञ एवं एएससीआई, हैदराबाद के पूर्व अध्ययन विभाग के डीन ने 6 जनवरी 2016 को अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के तीसरे चरण के आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

महानिदेशक महोदय के दौरे

- नई दिल्ली में 30 जुलाई 2015 को खादी एवं ग्रामोद्योग विकास आयोग और एनएसडीसी के बीच आपसी समझौते के संदर्भ में संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्यम), सू.ल.म.उ. मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में हिस्सा लिया।

- संस्थान परिसर में आईएसबी में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में बेहतर नित्य प्रयोगों के बारे में आयोजित कार्यशाला में श्री सुरेंद्रनाथ त्रिपाठी, भा.प्र.से., अवर सचिव, सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हिस्सा लिया।

- राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की ओर से रक्षा मंत्रालय के सहयोग से बैंगलुरू में आयोजित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम डीईएफ एक्सपो -2015 में हिस्सा लिया।

- प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता योजना के अंतर्गत वर्ष 2015-16 में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में नई दिल्ली में 14 दिसम्बर 2015 को आयोजित समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता संयुक्त सचिव, सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार ने की।

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का दौरा किया और और 20 जनवरी 2016 को आयोजित संयुक्त बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें माननीय सू.ल.म.उ. मंत्रीजी तथा मॉरीशस के सू.ल.म.उ. मंत्री भी उपस्थित थे। मा. मंत्रीजी तथा सचिव महोदय ने इस बैठक में **निम्समे** की गतिविधियों का खास तौर पर उल्लेख किया और उनसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षणों, कार्यकारी विकास कार्यक्रमों, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा अध्ययनों के लिए **निम्समे** की सेवाएँ खास तौर पर प्राप्त करने का अनुरोध किया।

- हैदराबाद स्थित होटल नोवाटेल में 20 मार्च 2016 को आयोजित ग्लोबल स्टार्टअप नामक कार्यशाला में भाग लिया। कोवे संस्था की ओर से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मा. सू.ल.म.उ. मंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली ने किया।

- मंत्रालय के अधीन स्थित सभी कार्यालयों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मा. मंत्रीजी ने की।

- 24-28 मार्च 2016 के दौरान देवरिया-गोरखपुर (उ.प्र.) में :
- **निम्समे** की ओर से आयोजित जॉब मेले के प्रबंधों की समीक्षा की और मेले में भाग लिया। इस जॉब मेले में मा. सू.ल.म.उ. मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अनुबंध

अनुबंध - I

शासी परिषद के सदस्य

अ.क्र.	नाम	पता	पदनाम
1.	श्री कलराज मिश्र	मा. मंत्री, सू.ल.म.उ. मंत्रालय भारत सरकार, उद्योग भवन नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष
2.	श्री के.के. जालान भा.प्र.से.	सचिव, भारत सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	उपाध्यक्ष
३.	श्री एस.एन. त्रिपाठी भा.प्र.से.	अपर सचिव तथा विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, मौलाना आज़ाद रोड नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
4.	सुश्री भारती सिहाग भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सू.ल.म.उ. मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
5.	श्री मनोज जोशी भा.प्र.से.	संयुक्त सचिव (ल. एवं. म. उद्योग) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
6.	श्री बी.एच. अनिल कुमार, भा.प्र.से.	संयुक्त सचिव, (कृषि एवं ग्रामीण उद्योग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य पदेन सदस्य
7.	डॉ. राधाकृष्णन चेयरमैन	कयर बोर्ड, कयर हाउस, एम.जी. रोड एर्नाकुलम, कोच्ची - 682 016, केरल	
8.	श्री शिवाजी चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) सू.ल.म.उ. विकास केंद्र सी-11, जी-ब्लॉक, बांद्रा, कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051	पदेन सदस्य
9.	श्री एस.के. झा मुख्य कार्यकारी अधिकारी	खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई - 400056	पदेन सदस्य
10.	श्री रविंद्रनाथ	चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम एन.एस.आई.सी. भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली - 110020	पदेन सदस्य
11.	डॉ. सुनील शुक्ला निदेशक	भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (अहमदाबाद एयरपोर्ट और इंदिरा ब्रिज मार्ग से), भाट डाक घर-382428 गांधी नगर, गुजरात	पदेन सदस्य

12.	प्रधान सचिव वाणिज्य विभाग	वाणिज्य, उद्योग एवं रोज़गार विभाग मध्य प्रदेश, भोपाल	मनोनीत सदस्य
13.	मुख्य प्रबंध निदेशक	आंध्रा बैंक, डॉ. पट्टाभि भवन, 5-9-11, सैफाबाद, हैदराबाद- 500004	मनोनीत सदस्य
14.	अध्यक्ष	दि एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) कार्पोरेट कार्यालय, कम्युनिटी सेंटर, जमरुदपुर, कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली - 110048	मनोनीत सदस्य
15.	अध्यक्ष	तमिलनाडु स्मॉल एंड टाइनी इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन (टांस्टिया), नं. 10. जीएसटी रोड, गुंडी, चेन्नई - 600002	मनोनीत सदस्य
16.	अध्यक्ष	उद्योग संघ, मध्यम प्रदेश, इंदौर	मनोनीत सदस्य
17.	अध्यक्ष	सेवा, विक्टोरिया गार्डन के सामने भद्रा, अहमदाबाद	मनोनीत सदस्य
18.	मुख्य महाप्रबंधक	ग्रामीण, गैर कृषि क्षेत्र, नाबार्ड आरटीसी क्रॉस रोड, हैदराबाद	मनोनीत सदस्य
19.	श्री विजय महाजन	बेसिक्स - माइक्रो फाइनांस लाइवलीहुड इंस्टिट्यूट बेसिक्स मुख्यालय, एस्केंट टॉवर्स, तीसरा माला, रोड नं. 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500034	मनोनीत सदस्य
20.	श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी महानिदेशक	राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045	सदस्य सचिव

अनुबंध - II

कार्यपालक समिति के सदस्य

अ.क्र.	नाम	पता	पदनाम
1.	श्री के.के. जालान आईएएस	सचिव, भारत सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष
2.	एस. एन. त्रिपाठी भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, मौलाना आज़ाद रोड़, नई दिल्ली - 110011	उपाध्यक्ष
3.	सुश्री भारती सिहाग भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
४.	श्री मनोज जोशी भा.प्र.से.	संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्योग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
५.	श्री बी.एच. अनिल कुमार, भा.प्र.से.	संयुक्त सचिव (कृषि एवं ग्रामीण उद्योग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
६.	अध्यक्ष	अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश स्मॉल इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन (फेप्सिया) इंडस्ट्रियल एस्टेट, सनतनगर, हैदराबाद - 500018	मनोनीत सदस्य
७.	अध्यक्ष	कन्फेडरेशन ऑफ वूमेन एंटरप्रेन्युअर्स (कोवे) म.नं. 6-3-657, एफ 1, कपाडिया लेन सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद	मनोनीत सदस्य
८.	महानिदेशक	राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यापार विकास संस्थान (निस्बड), ए-23, सेक्टर 62, संस्थागत क्षेत्र, फेस-2, नोएडा- 203301 (उ.प्र)	मनोनीत सदस्य
९.	श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी	महानिदेशक, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045	सदस्य सचिव

अनुबंध - III

सूचना आदि प्राप्त करने के लिए शिकायतों के लिए नोडल अधिकारी तथा जन-सूचना अधिकारी के पते

शिकायतों के समाधान के लिए :

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
निम्समे, यूसुफगुड़ा
हैदराबाद - 500045
फोन नं. 040-23608544/विस्तारित क्र. 203
फैक्स नं. 040- 23608547
वेबसाइट : www.nimsme.org
ई-मेल : cao@nimsme.org

सूचना एवं सुविधा काउंटर

1. तल मंज़िल, सेन्डॉक भवन, **निम्समे**
   फोन नं. 040 - 23608544/विस्तारित क्र. 235
2. तल मंज़िल, नया प्रशिक्षण भवन, **निम्समे**
   फोन नं. 040 - 23608544/विस्तारित क्र. 217 / 260
3. 'एफ' ब्लॉक (तल मंज़िल), अतिथि गृह भवन समुदाय, **निम्समे**
   फोन नं. 040-23608544/ विस्तारित क्र. 270 / 280
4. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम

जन सूचना अधिकारी का पता

सहायक कुलसचिव
निम्समे, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045
फोन. नं. 040 - 2360544 विस्तारित क्र. 270 / 280
फैक्स नं. 040 - 23608547

अनुबंध - IV

महानिदेशक और संकाय दल

महानिदेशक

संस्थान परिसर की गतिविधियों और संस्थान में पढ़ने वाले सहभागियों के कल्याण के बारे में वर्तमान निवासी महानिदेशक श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी बारीकी से निगराणी कर रहे हैं।

श्री एम. चंद्रशेखर रेड्डी ने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के साथ उद्यमिता के बारे में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण किया है और क्लस्टर विकास के बारे में यूनिडो प्रमाणन प्राप्त किया है। श्री रेड्डी ने उद्यमिता विकास और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास के बारे में कई लेख भी लिखे हैं और वे सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों के बारे में पुस्तकों के प्रकाशन से भी जुड़े रहे हैं। उनकी पसंदीदा क्षेत्रों में उद्यमिता विकास, क्लस्टर विकास, बीडीएस मॉड्यूल, नवाचार के अवसर, व्यापार परियोजना और प्रबंधन शामिल हैं।

संकाय

उद्यमिता विकास स्कूल (सेड)

डॉ. जी.यू.के. राव

डॉ. जी.यू.के. राव संकाय सदस्य और उद्यम विकास स्कूल के प्रभारी निदेशक हैं और औद्योगिक नियोजन और विकास केंद्र तथा नीति अनुसंधान केंद्र के प्रमुख हैं।

डॉ. जी.यू.के. राव खास तौर पर क्षेत्रीय नियोजन, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास, मात्रात्मक विश्लेषण, संभाव्यता अध्ययन और अन्य लोगों में परियोजना सूत्रीकरण हैं। उन्होंने कई अनुसंधान अध्ययनों में भाग लेने के साथ कई अनुसंधान अध्ययनों और परियोजनाओं का नेतृत्व भी किया है। खास तौर पर प्रभाव अध्ययन, परियोजना मूल्यांकन और औद्योगिक संभाव्यता सर्वेक्षण भी पूरे किये हैं। डॉ. राव ने कई दीर्घावधि और अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय किया है। उन्होंने अनुसंधानकर्ताओं को मार्गदर्शन करने के अलावा अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में अतिथि व्याख्यान भी दिये हैं।

डॉ. जी. पी. वल्लभ रेड्डी

डॉ. जी.पी. वल्लभ रेड्डी संकाय सदस्य और प्रभारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हैं। उन्होंने वाणिज्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के अलावा सांख्यिकी में स्नातकोत्तर उपाधि, औद्योगिक संबंध और कार्मिक प्रबंधन (आईआरपीएम) तथा प्रशिक्षण और विकास में डिप्लोमा की उपाधि भी प्राप्त की है।

डॉ. रेड्डी के विशेषज्ञता के क्षेत्रों में संभाव्यता अध्ययन और स्वरोज़गार कार्यक्रम रहे हैं। उनका महत्वपूर्ण योगदान अनुसंधान और परामर्श कार्यक्रमों के साथ मूल्यांकन (समवर्ती और पश्च), परियोजना मूल्यांकन, प्रभाव अध्ययन, औद्योगिक संभाव्यता सर्वेक्षण, बड़े और मध्यम उद्योगों का अध्ययन तथा कई राज्यों के औद्योगिक विकास के लिए आधारभूत संरचना की पहचान के क्षेत्र में रहा है। ड़. रेड्डी ने प्रशिक्षण तथा अनुसंधान और अन्य गतिविधियों का पर्यवेक्षण भी किया है।

जे. कोटेश्वर राव

श्री जे. कोटेश्वर राव उद्यम विकास स्कूल के सहायक संकाय सदस्य हैं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जे.एन.टी.यू.), हैदराबाद से एम.टेक (पर्यावरणीय अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पर्यावरणीय निगराणी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास, रसायन एवं भेषज उद्योगों में पर्यावरणीय मुद्दों, पुनरपरिनिर्धारण (रीसेटलमेंट) और पुनः प्रतिष्ठा, ठोस, खतरनाक और जैव

चकित्सकीय व्यर्थ सामग्री प्रबंधन, क्लस्टर विकास के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यक्रमों तथा अन्य क्षेत्रों से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया है।

के. सूर्यप्रकाश गौड़

श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ को मैकेनिकल इंजीनियरिंग और प्लास्टिक इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त है। श्री गौड़ ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए उद्यमिता, कौशल विकास और क्लस्टर विकास के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। वे लघु और मध्यम उद्यम विकास प्राधिकरण (एसएमीडीए) मॉरिशस द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों के अलावा खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग,कयर बोर्ड तथा झारखंड, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों से भी संलग्न रहे हैं। क्लस्टर विकास के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के सहायक संकाय सदस्य के तौर पर उनके रुचिपूर्ण विषयों में क्लस्टर विकास, सूक्ष्म और लघु व्यापार विकास रहे हैं।

एन.आर. प्रसाद रेड्डी

मध्य प्रदेश के इंदौर विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त श्री एन.आर. प्रसाद रेड्डी उद्यम विकास स्कूल के परामर्शदाता हैं। वे अल्प निवेश की परियोजनाओं की तैयारी और कृषि उद्योगों की रूपरेखा तैयार करने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने में निपुण हैं। केंद्र में श्री रेड्डी अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के क्षेत्र में कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने, उनका समन्वय करने तथा संचालन करने के बारे में मदद करते हैं।

श्री विवेक कुमार

श्री विवेक कुमार उद्यम विकास स्कूल के परामर्शदाता संकाय हैं। वे कंप्यूटर एप्लिकेशन्स और व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्राप्त कर चुके हैं। श्री विवेक कुमार को माइक्रो-फाइनांस, सूक्ष्म उद्योगों और स्वसहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण गरीबी उन्मूलन का गहरा अनुभव है। सम्प्रति वे निम्समे के उद्यम विकास स्कूल के एनजीओ नेटवर्क (एन 3) में कार्य कर रहे हैं। श्री विवेक कुमार ने आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय (एचयूपीए), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यशालाओं का संचालन किया है। उन्होंने जन-निजी भागीदारी के माध्यम से 1396 भारतीय औद्योगिक संस्थानों के उन्नयन योजना के अंतर्गत आईएमसी सदस्यों के लिए अनुकूलन कार्यशाला का संचालन किया है।

उद्यम सूचना एवं संचार स्कूल (एसईआईसी)

दिब्येन्दू चौधरी

डॉ. दिब्येन्दू चौधरी संकाय सदस्य हैं और उद्यम सूचना एवं संचार स्कूल के प्रभारी हैं। वे उद्यम प्रबंधन स्कूल के भी संकाय सदस्य हैं। डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने बैंगलोर विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के बारे में बी.ई. की उपाधि प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (वपिणन प्रबंधन) की उपाधि कोलकाता स्थित प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (भारत) से उत्तीर्ण किया है और भारतीय समाज कल्याण एवं व्यापार प्रबंधन संस्थान (आईआईएसडब्ल्यूबीएम), कोलकाता से स्नातकोत्तर डिप्लोमा (व्यवस्था प्रबंधन) उत्तीर्ण किया है। वे बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पचेसिंग एंड सप्लाई मैनेजमेंट (आईएफपीएसएम), ऑस्ट्रिया के अंतर्गत आईआईएसडब्ल्यूबीएम और भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान (आईआईएमएम) के सदस्य हैं। वे उत्तर उड़ीसा विश्वविद्यालय से विपणन प्रबंधन में पीएचडी कर रहे हैं। वे इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन (आईएसटीई) और हाइयर एजुकेशन फोरम (एचईएफ) के आजीवन सदस्य हैं।

उद्यम प्रबंधन स्कूल

श्री जी. जयकर राव

श्री जी. जयकर राव गुट्टी को व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त हुई है और वे विपणन तथा मानव संसाधन प्रबंधन के भी विशेषज्ञ हैं। उन्होंने व्यापार नीतिशास्त्र और कार्पोरेट गवर्नेंस के बारे में कई पुस्तकों का लेखन और सहलेखन किया है। उन्हें भारत में कई सॉफ्टवेयर कंपनियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में व्यापार और प्रबंधन परामर्श के बारे में पेशेवर रहस्योद्घाटन क्षमता प्राप्त है। संकाय सदस्य के रूप में उन्होंने अध्यापन और प्रशिक्षण में सुधार के तरीकों पर ध्यान दिया।

वी. स्वप्ना

श्रीमती वी. स्वप्ना उद्यमिता प्रबंधन स्कूल के बौद्धिक संपदा अधिकार की सहायक संकाय सदस्य हैं। उन्हें उन्हें वस्त्र प्रौद्योगिकी में उस्मानिया विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि हुई है तथा नलसार विश्वविद्यालय से पेटेंट कानून के बारे में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त हुआ है। उन्हें वस्त्र उत्पादन, रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, नैनो प्रोद्योगिकी, ट्रेडमार्क और व्यवसाय डेटाबेस के बारे में पेटेंट विश्लेषण का गहरा अनुभव प्राप्त है। श्रीमती स्वप्ना ने नवीनतम तकनीकी खोज, अवैधकरण, संचालन स्वायत्तता (एफटीओ), प्रतिस्पर्धी परिदृश्य और नवीनता मूल्यांकन के लिए विभिन्न परियोजनाओं का संचालन किया है। उन्हें वाणिज्यीक पेटेंट, ट्रेडमार्क और व्यापार डेटाबेस की भी जानकारी है।

टी. वेंकटेश्वर रेड्डी

श्री टी. वेंकटेश्वर रेड्डी उद्यम प्रबंधन स्कूल के औद्योगिक ऋण और वित्तीय सेवाओं के केंद्र (सी-आईसीएफएस) में परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नागार्जुना विश्वविद्यालय से वाणिज्य की स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है और वित्तीय लेखा परीक्षा, परियोजना मूल्यांकन, और संचालन पूँजी, वित्तापूर्ति और प्रबंधन के बारे में विशेषज्ञता प्राप्त की है। श्री रेड्डी बीमार इकाइयों के केस स्टडी और प्राथमिकतावाले क्षेत्रों के लिए निगराणी मानदंड के बारे में अहम योगदान दिया है।

अनुबंध - V

सेवानिवृत्ति

अ.क्र.		कर्मचारी का नाम	पदनामसेवा निवृत्ति तिथि
1.	श्री पी. उदय शंकर	निदेशक, उ. प्र. स्कूल	30.04.2015
2.	डॉ. एन. श्रीलक्ष्मी	सहायक संकाय	31.05.2015
3.	श्री मो. नईमुद्दीन खान	सहायक कंपोज़िटर	30.06.2015
4.	श्री एम.वी. विजय प्रकाश	सहायक कंपोजिटर	30.06.2015
5.	श्री उपेंद्र कुमार मौर्य	सहायक संकाय सदस्य	31.08.2015
6.	श्री मकसूद अली	बहुकार्य परिचर	30.09.2015
7.	श्री बीडीपी रंगाराव	अधीक्षक	31.12.2015
8.	श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़	सहायक संकाय सदस्य	संविदा आधार पर नियुक्ति अवधि पूर्ति
9.	श्रीमती ग्लोरी स्वरूपा	सहायक संकाय सदस्य	संविदा आधार पर नियुक्ति अवधि पूर्ति

अनुबंध - VI

स्थापना से लेकर कार्यनिष्पादन संकेतक (1962-2016)

वर्ष	प्रशिक्षण		अनुसंधान और परामर्श	शिक्षा	
	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या	परियोजनाओं की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1962-63	03	80	01		
1963-64	06	159	02		
1964-65	09	223	01		
1965-66	12	199	01		
1966-67	14	189	06		
1967-68	15	186	06		
1968-69	14	156	06		
1969-70	14	314	04		
1970-71	22	313	12		
1971-72	23	394	12		
1972-73	39	881	17		
1973-74	45	1,932	14		
1974-75	42	2,078	04		
1975-76	61	1,666	14		
1976-77	76	1,319	15		
1977-78	103	1,634	19		
1978-79	62	1,324	10		
1979-80	79	1,189	11		
1980-81	63	1,234	13		
1981-82	59	1,199	14		
1982-83	92	1,426	09		
1983-84	78	995	13		
1984-85	70	987	16		
1985-86	66	1,158	22		
1986-87	97	1,772	18		
1987-88	85	1,484	16		
1988-89	86	1,397	09		
1989-90	92	1,515	06		

वर्ष	प्रशिक्षण		अनुसंधान और परामर्श	शिक्षा	
	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या	परियोजनाओं की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1990-91	61	1,254	07		
1991-92	114	1,358	06		
1992-93	110	1,938	04		
1993-94	113	2,011	03		
1994-95	57	715	02		
1995-96	42	756	06		
1996-97	66	1,141	05		
1997-98	88	1,597	11		
1998-99	559	23,094	09	01	07
1999-2000	238	8,257	09	26	853
2000-01	164	4,687	14	33	1216
2001-02	164	4,740	11	45	1192
2002-03	382	16,592	23	33	809
2003-04	611	37,434	33	32	619
2004-05	241	7,948	20	39	834
2005-06	242	9,014	23	37	626
2006-07	213	6,852	21	21	383
2007-08	157	5,312	47	11	276
2008-09	187	8,799	68	23	79
2009-10	215	10,702	76	14	863
2010-11	676	22,242	91		
2011-12	698	25,079	74		
2012-13	1406	47,840	12		
2013-14	1354	43,287	10		
2014-15	2162	72,696	9		
2015-16	1994	**61,888**	**24**		
Total	**13,719**	**4,54,636**	**909**	**315**	**7,757**

अनुबंध - VII

मार्च 2016 तक संचालित कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पूर्व विद्यार्थियों का विवरण

अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या	अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या
1.	अफगानिस्तान	465	30.	क्रोएशिया	01
2.	अल्जेरिया	15	31.	क्यूबा	18
3.	एंडीगुआ और बारबुड़ा	13	32.	चेक गणराज्य	02
4.	एंगोला	04	33.	जिबूती	02
5.	अर्जेंटीना	01	34.	डोमिनिका	02
6.	अर्मेनिया	24	35.	डोमिनिक गणराज्य	01
7.	अजरबैजान	02	36.	इक्वाडोर	15
8.	बांग्लादेश	511	37.	इजिप्त	118
9.	बारबाडोस	12	38.	अल सल्वाडोर	19
10.	बेलारूस	05	39.	इरिट्रिया	08
11.	बेलिझ	10	40.	एस्टोनिया	04
12.	बेनिन	08	41.	इथियोपिया	232
13.	भूटान	148	42.	फिजी	59
14.	बोलिविया	03	43.	गैबॉन	02
15.	बोत्सवाना	42	44.	गाम्बिया	33
16.	ब्राज़िल	08	45.	जॉर्जिया	14
17.	ब्रुनेई	05	46.	घाना	411
18.	बुल्गारिया	02	47.	ग्रीस	01
19.	बुर्किनाफासो	12	48.	ग्वाटेमाला	10
20.	बुरुंडी	09	49.	गिनी	10
21.	कम्बोडिया	102	50.	गिनी बिसाऊ	01
22.	कैमरून	08	51.	गुयाना	65
23.	केप वेर्डे	02	52.	हैती	02
24.	चिली	12	53.	होंडुरास	05
25.	चीन	02	54.	भारत	03
26.	कोलम्बिया	05	55.	इंडोनेशिया	172
27.	कोमोरोस	01	56.	ईरान	61
28.	कोस्टारिका	19	57.	इराक	202
29.	आइवरी कोस्ट	56	58.	जमैका	05

अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या	अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या
59.	जापान	01	91.	पाकिस्तान	04
60.	जॉर्डन	72	92.	फिलीस्तीन	20
61.	कज़ाकस्तान	137	93.	पनामा	11
62.	कीनिया	197	94.	पापुआ न्यू गिनी	45
63.	किरबाती	03	95.	पेरुग्वे	04
64.	कोरिया	28	96.	पेरू	10
65.	किर्गिस्तान	51	97.	फिलीपीन्स	239
66.	लाओ पीडीआर	74	98.	पोलैण्ड	04
67.	लेबनान	01	99.	रोमानिया	03
68.	लेसोथ	27	100.	रूस	82
69.	लाइबेरिया	33	101.	रवांडा	12
70.	लीबिया	04	102.	सामोआ	12
71.	लिथुआनिया	16	103.	सऊदी अरेबिया	02
72.	मैसेडोनिया	04	104.	सेनेगल	35
73.	मेडागास्कर	59	105.	सेशेल्स	15
74.	मालावी	151	106.	सिएरा लियोन	113
75.	मलेशिया	210	107.	सिंगापुर	05
76.	मालदीव	73	108.	सोलोमन द्वीप	25
77.	माली	13	109.	सोमालिया	11
78.	माल्टा	05	110.	दक्षिण अफ्रीका	100
79.	मॉरिशस	200	111.	दक्षिण सुडान	03
80.	मेक्सिको	20	112.	श्रीलंका	546
81.	मंगोलिया	72	113.	सेंट किट्स और नेविस	01
82.	मोरक्को	21	114.	सेंट लूसिया	08
83.	मोज़ाम्बिक	11	115.	सेंट विन्सेंट	02
84.	म्यांमार	326	116.	सुड़ान	329
85.	नामीबिया	29	117.	सूरीनाम	23
86.	नेपाल	160	118.	स्वाझीलैण्ड	22
87.	निकारागुआ	10	119.	सिरियाई अरब गणराज्य	136
88.	नाइजर	44	120.	तज़ाकिस्तान	67
89.	नाइजीरिया	303	121.	तंजानिया	323
90.	ओमान	94	122.	थाईलैण्ड	168

अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या	अ.क्र.	देश	प्रशिक्षितों की कुल संख्या
123.	तिमोर लेस्ते	03	134.	संयुक्त राज्य अमेरिका	15
124.	टोगो	17	135.	उज्बेकिस्तान	137
125.	टोंगा	07	136.	वानुअतु	02
126.	त्रिनिनाद एवं टोबैगो	24	137.	वेनेज़ुएला	05
127.	ट्यूनिशिया	21	138.	वियतनाम	127
128.	तुर्की	20	139.	यमन	131
129.	तुर्कमेनिस्तान	08	140.	ज़ैरे (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य)	22
130.	तुवालु	01			
131.	युगांडा	352	141.	जाम्बिया	197
132.	संयुक्त अरब अमीरात	01	142.	ज़िम्बाब्वे	171
133.	यूक्रेन	06		**कुल**	**9080**

वित्तीय विवरण

स्वामी एवं शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंट

फोन नं. 27533960, मोबाइल. 984903960
ई-मेल :
1-3-1036/ 3/ 12-13
होटल मेरिओट के समीप
कवाड़ीगुड़ा रोड़
सिकंदराबाद - 500080
तेलंगाना राज्य

संदर्भ क्र.

दिनांक : 24 नवंबर 2016

स्वतंत्र लेखा परीक्षण प्रतिवेदन

1. वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट :

हमने राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045, तेलंगाना (संस्थान) संलग्न वित्तीय विवरणों की जाँच-पड़ताल की है, जिसमें 31 मार्च 2016 तक की बैलेंस शीट और समाप्त वर्ष के दौरान हुई आय तथा व्यय के साथ महत्वपूर्ण लेखा परीक्षण नीतियों और अन्य विश्लेषणत्मक जानकारी शामिल है।

2. वित्तीय विवरणों के बारे में प्रबंधन का उत्तरदायित्वः

भारत में आम तौर पर मान्यता प्राप्त लेखा परीक्षण सिद्धांतों के साथ ही लेखा परीक्षण के मानकों के अनुरूप संस्थान की वास्तविक स्थिति तथा वित्तीय परफारमेंस को प्रस्तुत करने वाले ये वित्तीय विवरण तैयार का उत्तरदायित्व पूरी तरह संस्थान के प्रबंधन का ही होता है। इस उत्तरदायित्व में लागु अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समुचति लेखा अभिलेखों का रखरखाव करना, संस्थान की संपत्ति सुरक्षित रखने तथा धोखाधड़ी का पता लगाने और उनकी रोकथाम के उपाय करने, अनियमितताओं की पहचान करने, समुचित लेखांकन नीतियों को लागु करने, विश्वसनीय तथा उत्तरदायितापूर्ण वित्तीय विवरण और प्रस्तुतियाँ तैयार करने के लिए परिपूर्ण लेखा अभिलेखों का सृजन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उचित निर्णय करने एवं पर्याप्त अंतर्गत वित्तीय नियंत्रणों की योजना बनाने, उनका कार्यान्वयन तथा रखरखाव करने की जिम्मेदारी शामिल होती है, ताकि संस्थान की परिसंपत्तियों की रक्षा की जा सके और घोटालों अथवा त्रुटियों और अन्य अनियमितताओं की समय पर पहचान की जा सके।

3. लेखा परीक्षकों की ज़िम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व लेखा परीक्षण के आधार पर तैयार किये गये इन वित्तीय विवरणों के बारे में हमारी राय प्रकट करना है। हमने हमारा लेखा परीक्षण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेट्स संस्थान द्वारा अंकेक्षण संबंधी तैयार किये गये मानकों का अनुपालन करते हुए किया है। इन मानकों के अनुसार हमें नैतिक आवश्यकताओं और योजना का अनुपालन करते हुए लेखा परीक्षण करना ज़रूरी है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि ''संस्थान'' द्वारा प्रस्तुत वित्तीय विवरण गलत जानकारी से पूरी तरह मुक्त है।

लेखा परीक्षण के अंतर्गत वित्तीय विरण में उल्लेखित राशि और किये गये प्रकटीकरणों के बारे में प्रमाण प्राप्त करने के लिए एक प्रक्रिया पूर्ण करनी होती है। चयनित प्रक्रिया लेखा परीक्षक के विवेक पर निर्भर होती है, जिसमें घोटालों अथवा त्रुटियों के कारण वित्तीय विवरणों में शामिल किये गये झूठे विवरणों से युक्त सामग्री की जोखिमों का मूल्यांकन भी शामिल होता है। इन जोखिमों का मूल्यांकन करते समय लेखा परीक्षक संस्थान द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए उपयोग में लाये गये संबंधित अंतर्गत नियंत्रणों तथा वित्तीय बयानों की शुद्ध प्रस्तुति पर भी विचार करता है, ताकि लेखा परीक्षण प्रक्रिया को ऐसी समुचित रूपरेखा बनाई जा सके, जो परिस्थिति के अनुरूप हो।

लेखा परीक्षण में लेखांकन के लिए उपयोग में लायी गई नीतियों की सटीकता और प्रबंधन द्वारा लगाये गये लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगति का मूल्यांकन करने के साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति के लिए आवश्यक मूल्यांकन भी करना होता है।

जारी..2.

SWAMY & SESHADRI CHARTERED ACCOUNTANTS SECUNDERABAD

हमारा मानना है कि हमें प्राप्त हुए लेखा प्रमाण वित्तीय विवरणों के के बारे में हामारे लेखा परीक्षण दृष्टिकोण को मज़बूत आधार प्रदान करने के लिए उपयुक्त और पर्याप्त हैं।

4. उचित अभिप्राय के आधार

(1) संस्थान को प्राप्त सेवाओं के बारे में समय-समय पर प्रस्तुत किए जाने वाले बिलों के आधार पर आय की पहचान करने वाली एक प्रणाली शुरू करना आवश्यक है। जब कभी उपयोग में लायी गई/ खर्च की गई अनुदान राशि और अन्य प्राप्तियाँ आय के रूप में स्वीकार की गई हैं।

(2) देनदारियाँ, लेनदारियाँ, प्राप्त पेशगियाँ/ भुगतान की गई पेशगियाँ पुष्टी/ मिलान और समायोजन से संबंधित हैं और वित्तीय परिणामों के बारे में दिये गये वक्तव्यों पर उनके प्रभाव का हमने विचार नहीं किया है।

(3) संस्थान द्वारा संचालित कार्यक्रमों से संबंधित प्रणालियों/ प्रक्रियाओं को और अधिक मज़बूत करना आवश्क है। समय पर बिलों की प्राप्ति और परामर्श सेवाओं, सेवा शुल्कों तथा अवधि समाप्त होने पर सेवामुक्त किए जाने वाले कर्मचारियों को दिये जाने वाले लाभ से संबंधित स्रोत पर ही कर कटौती (टीडीएस) के अनुपालन में खामियाँ पाई गई हैं।

(4) अंतर्गत लेखा परीक्षण का दायरा और अधिक बढ़ाकर विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में किए जाने वाले खर्च तथा अंतर्गत लेखा परीक्षण के अवलोकनों का अनुपालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

(5) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार संस्थान की भौतिक संपत्तियों की जाँच इस वर्ष के दौरान की गई है। हालाँकि इस बार में दस्तावेज़ों के साथ पुस्तिका दस्तावेज़ों का मिलान नहीं किए जाने से इससे संबंधित अंतर/ जालसाज़ी और वित्तीय परिणामों के बारे में किए गए कथनों पर उनके परणिामों के बारे में हम किसी भी प्रकार की राय नहीं दे सकते।

(6) संस्थान (नियोक्ता) द्वारा अधिकतम 15000/- रुपए तक का वेतन प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारियों भविष्य निर्वाह निधि के अंशदान संस्थान के भविष्य निर्वाह निधि नियम (निसिएट की कार्यपालक समिति की दिनांक 22/07/1963 की बैठक में किए गए अनुमोदन के अनुसार १२ प्रतिशत तक सीमित रखे बिना शात-प्रतिशत किया गया है। कर्मचारियों की संख्या के अनुसार विस्तृत गणन सूची की उपलब्धता के अभाव में वित्तीय परिणामों के विवरण पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में हम आकलन नहीं कर सकते।

(7) टिप्पणी क्र. 25 (2.1 और 2.2) में दिए गए संदर्भ के अनुसार सेवा निवृत्ति के बारे में देय उपादान 176.86 लाख और अवकाश के नगदीकरण से संबंधित 146.93 लाख रुपए के भुगतान के बारे में प्रावधान संस्थान के कार्याचरण लेखा दस्तावेज़ों में किया गया है, परंतु वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर उसका विचार नहीं किया गया है और वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर उसे निर्धारित नहीं किये जाने से हम उसकी सत्यता बताने में असमर्थ हैं।

(8) (क) टिप्पणी क्र. 25 (4 (ख)) में दिए गए संदर्भ के अनुसार केंद्रीय सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा शुल्क आयुक्त ने वर्ष 2004-05 से 2014-15 तक की अवधि के केंद्रीय उत्पाद और सेवा शुल्क कर के रूप में 2617.95 लाख रुपए और वर्ष 2004-05 से 2008-09 तक के वर्षों के जुर्माने के रूप में 388.05 लाख रुपए का भुगतान करने की माँग की है। अतिरिक्त वर्ष 20015-16 के बारे में माँग अभी तक प्राप्त नहीं होने की बात कही गई है, जो पूर्व के मूल्यांकन और गणना के अनुसार लगभग 663.42 करोड़ रुपए तक रहने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त वित्त अधिनियम 1994 की धारा 75, धारा 76 और धारा 77 के अनुसार वर्ष 2009-10 से 2015-16 तक की अवधि संबंधी ब्याज और जुर्माना राशि की भी माँग की जाने की संभावना है।

केंद्रीय सीमाशुल्क उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अपीलीय न्यायाधिकरण, बैंगलुरू के अंतरिम आदेश (एमआईएससी आदेश क्र. 22475/ 2014) के अनुसार संस्थान को सहभागियों से मिलने वाले शिक्षा शुल्क से देय सेवा शुल्क का भुगतान करना चाहिए। इस प्रकार के शुल्क पर वर्ष 2004-05 से 2015-16 तक की अवधि के सेवा कर की राशि 214.18 लाख तक होती है। संस्थान द्वारा इस उद्देश्य के लिए किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया है।

जारी..3.

संस्थान ने इस बारे में मा. केंद्रीय सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर न्यायाधिकरण, बैंगलूरु के समक्ष अपील की है। हालाँकि इस विषय और इसके गुणों तथा दायर की गई अपील तथा एक निश्चित समय सीमा के भीतर यह हो सकता है, इस बारे में संस्थान ने कानूनविदों की राय अभी तक नहीं ली है।

इसके समान उद्देश्य के बारे में किसी भी प्रकार के प्रावधान के अभाव में हम इससे संबंधित ब्याज, जुर्माने सहित सेवा कर अधिनियम में किये गए प्रावधानों के तहत अपराधों के बारे में उत्तरदायित्व, जो आने वाले समय में उभर सकता है, के बारे में हम किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं।

(ख) परामर्शदाताओं, और साझेदार संस्थाओं को किए गए भुगतान प्रत्येक मामले में सेवा कर निर्धारित सीमा से अधिक हैं। कुछ मामलो में उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों में सेवा कर क्रमांक होने के बावजूद भी सेवाकर पृथक रूप से नहीं लगाया गया है।इस पहलु पर आने वाले समय में सेवाकर की मांग किये जाने की संभावना है।

(ग) संस्थान को 1281.89 लाख रुपए मैसर्स आंध्र प्रदेश भवन और निर्माण कर्मी कल्याण बोर्ड द्वारा प्राप्त हुए हैं, जिस पर सेवा शुल्क लागु है, और वह प्राप्त किये जाने के बारे में स्वीकृत अभिस्वीकृति भी की गई है। इसके अतिरिक्त मैसर्स तेलंगाना भवन और अन्य निर्माण कर्मी कल्याण बोर्ड से भी 79.68 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं और उस पर भी 14.5 प्रतिशत सेवा शुल्क लागु है, जो ''संस्थान'' द्वारा वसूल किया गया है। हालाँकि ''संस्थान'' द्वारा वसूले किए गए सेवा शुल्क का सेवा कर विभाग को भुगतान नहीं किया गया है। फलस्वरूप सेवा कर के रूप में लगभग 172.43 लाख रुपए का भुगतान करना संस्थान का उत्तरदायित्व बनता है, लेकिन इसके बारे में लेखा दस्तावेज़ों में किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया है।

(घ) ''संस्थान'' द्वारा आंध्र प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों में कार्यरत कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाह्य एजेंसियों की सेवाएँ ली गई थी। इस बारे में बोर्ड से प्राप्त राशि संस्थान और बाह्य स्रोत एजेंसी के बीच 10:90 के अनुपात में बाँट ली गई।

जहाँ एक ओर मंजूरी पत्र के अनुसार बोर्ड से प्राप्त राशि में 14.5 प्रतिशत सेवा शुल्क शामिल है, वहीं दूसरी ओर ''संस्थान'' ने प्राप्त राशि 10.90 के अनुपात में विभाजित की है, जो सीधे तौर पर संस्थान को 4.5 प्रतिशत का नुकसान है।

(9) (क) परिवहन भत्ते के बारे में जैसे कि टिप्पणी क्र. 25 (4(क)) में कहा गया है, 6,40,861/- कर्मचारियों को देने हैं, यह मामला मा. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय (तेलंगाना), के समक्ष विचाराधीन है, इस बारे में ''संस्थान'' के पास किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं । दस्तावेज़ों / पत्रों के अभाव तथा लेखा में इससे संबंधित किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया जाने से हम आने वाले समय में इसके भुगतान के बारे में संस्थान पर आने वाली अंतिम जिम्मेदारी और इसका संस्थान के वित्तीय विवरणों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं।

(ख) जैसा कि टिप्पणी 25 (4) में बताया गया है, मा. शहरी दीवानी न्यायालय, हैदराबाद में मैसर्स रामनाथम एंड राव, चर्टर्ड अकाउंटेट, सिकंदराबाद द्वारा मुकदमा दायर किया गया है और उसके बारे में न्यायालय ने 8,18,203 रुपए की राशि के साथ 6% ब्याज मुकदमा दायर किये जाने की तिथि से अदा करने के बारे में डिक्री आदेश दिया है, लेकिन अभी तक मूल राशि के बारे में मामला न्यायलय के विचाराधीन है और इस बारे में ''संस्थान'' ने मा. उच्च न्यायालय में अपील की है। संस्थान द्वारा कार्यपालक समिति की दि. 03.11.2015 को आयोजित बैठक में दिये गये के निर्देशों के अनुसार न्यायालय के बाहर किसी भी तरह का आपसी निपटारा नहीं किये गया है। इसके अतिरिक्त इस बारे में किसी भी तरह के प्रावधान के अभाव में हम भविष्य में संस्थान पर इससे संबंधित आने वाला अंतिम उत्तरदायित्व और उसके वित्तीय विरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में किसी भी तरह की टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं है।

(10) ''संस्थान'' अपने नाम पर मौजूद स्थिर संपत्ति के बारे में मूल दस्तावेज़ जाँच के लिए हमें प्रस्तुत करने की स्थिति में नहीं हैं। यह बताया गया है कि संस्थान के स्वामित्व वाली 107 एकड़ 22 गुण्टे भूमि में से 58 एकड़ 2 गुण्टे भूमि अवैध कब्जेदारों द्वारा

जारी..4.

हथियाई गई है। संस्थान ने बताया है कि उसने अवैध कब्जेदारों द्वारा हथियाई गई भूमि फिर से प्राप्त करने के लिए दीवाणी न्यायालय में एक मुकदमा दायर करने के साथ ही अन्य अथक प्रयास किए, और न्यायालय द्वारा संस्थान के पक्ष में सकारात्मक फैसला सुनाया जाने के बावजूद हैदराबाद के ज़िलाधिकारी की सलाह पर वह भूमि दोबारा प्राप्त नहीं की जा सकी। इसी कारण यह कहा जाता है कि संस्थान के पास वास्तव में मात्र 49 एकड़ और 20 गुण्टे भूमि मौजूद है।

अभिप्राय

हमारी राय और हमें उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरणों और सूचनाओं के आधार पर उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामलों के परिणामों के अलावा उपरोक्त वित्तीय विवरण लागु अधिनियम और विनियमों के अनुसार आवश्यक जानकारी प्रदान करता है, जो सही और स्वच्छ चित्र प्रस्तुत करने के साथ ही 31 मार्च 2016 तक के संस्थान के मामलों के बारे में भारत में आम तौर पर मान्यता प्राप्त लेखा परीक्षण के सिद्धांतों के समरूप आय और व्यय की सूचनाएँ उपलब्ध कराता है।

5. हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(क) उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामलों के परिणामों के अतिरिक्त हमने लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक सभी प्रकार की जानकारी हमारे ज्ञान और विश्वसनीयता के अनुसार प्राप्त की है।

(ख) हमारी राय म उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामलों के अतिरिक्त संस्था द्वारा लेखा के बारे में कानून के अनुसार आवश्यक सभी पुस्तकें ''संस्थान'' द्वारा रखी गई हैं और हमारे परीक्षण के दौरान वह सभी पुस्तकें पाई गई हैं।

(ग) इस रिपोर्ट में निहित तुलन-पत्र और आय तथा व्यय खाते का लेखा दस्तावेज़ लेखा संबंधी उन पुस्तकों में उल्लेखित प्रणाली से मेल खाते हैं।

(घ) हमारी राय में, उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामलों के अतिरिक्त ''संस्थान'' का तुलन-पत्र और आय तथा व्यय लेखा-जोखा लेखा परीक्षण के मानकों से मेल खाता है।

(ङ) हमारी राय में उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामले संस्थान के कामकाज पर विपरीत परिणाम डाल सकते हैं।

(च) हमारे नज़रिये और हमें दिये गए स्पष्टीकरणों और दी गई सूचनाओं के आधार पर उपरोक्त वित्तीय परिणामों के साथ संलग्न अनुसूचियाँ उपरोक्त उचित अभिप्राय के आधार अनुच्छेद में स्पष्ट किये गये मामलों को छोड़कर अधिनियम के अनुसार संबंधित मामले में आवश्यक सही जानकारी और स्वच्छ चित्र प्रस्तुत करने वाली सूचनाएँ प्रदान करती हैं और वह भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षण सिद्धांतों से मेल खाती हैं।

(1) 31 मार्च 2016 तक की ''संस्थान'' की गतिविधियों से संबंधित तुलन-पत्र के बारे में ।

(2) उपरोक्त तिथि पर समाप्त वित्त वर्ष के दौरान हुई आय और व्यय के विवरण तथा अतिरिक्त राशि के बारे में।

कृते स्वामी और शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंट
(फर्म पंजीकरण क्र. 003913 एस)

SWAMY & SESHADRI CHARTERED ACCOUNTANTS SECUNDERABAD

बी. कृष्णा स्वामी
साझेदार
सदस्यता क्र. 019096

स्थान : सिकंदराबाद

तुलन-पत्र

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045
31 मार्च 2016 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

		राशि (रु. में)	
विवरण	**अनुसूची**	**2015-16**	**2014-15**
समूह / पूँजी और देनदारियाँ			
समूह / पूँजी निधि	1	61165535	61165535
संचित निधियाँ और अधिशेष	2	328043435	259223356
निर्धारित राशि / दान निधियाँ	3	12348039	6139549
ज़मानती ऋण और उधार राशियाँ	4	0	0
गैर ज़मानती ऋण और उधार राशियाँ	5	0	0
विलम्बित ऋण देनदारियाँ	6	0	0
वर्तमान ऋण और प्रावधान	7	233924158	281499190
कुल		**635481167**	608027630
परिसंपत्तियाँ			
स्थिर परिसंपत्तियाँ	8	28326578	26457413
निवेशित-निर्धारित / दान निधियाँ			
एमईएनटी निधि	9	0	
निवेश - अन्य	10	0	0
मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण और पेशगियाँ	11	607154589	581570217
विविध खर्च			0
(लौटाई अथवा समायोजित नहीं की गई राशि)			0
कुल		**635481167**	608027630
महत्वपूर्ण लेखापरीक्षण नीतियाँ	24		
लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	25		

हस्ता./-
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

हस्ता./-
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ता./-
महानिदेशक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक :

हमारी समान तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते स्वामी और शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंट
हस्ता./-
बी. कृष्णा स्वामी
साझेदार

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500045
31 मार्च 2016 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट)

		राशि (रु. में)	
विवरण	**अनुसूची**	**2015-16**	**2014-15**
(क) आय			
बिक्री और सेवाओं से प्राप्त आय	12	0	0
अनुदान / रियायतें	13	447304629	570225959
शुल्क / ग्राहक शुल्क	14	10160958	9424598
निवेशों से प्राप्त आय	15	0	0
(निर्धारित राशि से किए गए निवेश / अंतरित			
दान निधियों / निधियों से प्राप्त आय)			
रॉयल्टी, प्रकाशनों से प्राप्त आदि से प्राप्त आय	16	867914	1366286
अर्जित ब्याज	17	32749350	24068773
अन्य आय	18	498730	152340
उपयोग में लाई गई / लाई जा रही	19	0	0
संपत्ति में वृद्धि / (गिरावट)			
कुल (क)		491581581	605237956
(ख) खर्च			
स्थापना पर आई लागत	20	46899218	49738099
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	374028562	467593566
अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि	22	0	0
ब्याज / बैंक शुल्क	23	57000	41134
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में उल्लेखित अवधि संबंधी			
वर्षांत तक शुद्ध योग)		1776722	2011359
कुल (ख)		422761502	519384158
अतिरिक्त आय से अधिक हो रही शेष निधि			
खर्च (क-ख)		68820079	85853798
अतिरिक्त : पूर्व अवधि आय / (-) व्यय			0
शुद्ध आय		**68820079**	**85853798**
विशेष संचय निधि में स्थानांतरित (प्रत्येक का		0	0
विवरण दें)		68820079	85853798
सामान्य संचय निधि में स्थानांतरित		0	0
पूँजी निधि में स्थानांतरित	24		
लेखा के लिए टिप्पणियाँ	25		

हस्ता./-
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

हस्ता./-
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ता./-
महानिदेशक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक :

हमारी समान तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते स्वामी और शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंट
हस्ता./-
बी. कृष्णा स्वामी
साझेदार

31 मार्च 2016 को तक का तुलन-पत्र की आधार अनुसूचियाँ

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
अनुसूची - 1 संचय । पूंजी निधि				
वर्ष की प्रारंभिक जमा	61165535		61165535	
अतिरिक्त : संचय। पूँजी निधि के प्रति अंशदान				
अतिरिक्त। (हटाई गई) : शुद्ध आय की शेष निधि।	0	61165535	0	61165535
आय तथा व्यय खाते से स्थानांतरित (व्यय)				
वर्षांत के समय शेष जमा		**61165535**		**61165535**
अनुसूची - 2 – भंडार और अधिशेष :				
1. संचित पूँजी :				
अंतिम खाते के अनुसार	783139		783139	
वर्ष के दौरान जोड़ी गई राशि			0	
कटौती : वर्ष के दौरान की गई कटौती		783139	0	783139
2. पुनर्मूल्यांकन संचय :				
अंतिम खाते के अनुसार			0	
वर्ष के दौरान जोड़ी गई राशि			0	
कटौती : वर्ष के दौरान की गई कटौती			0	0
3. विशेष संचय :				
अंतिम लेखा के अनुसार	1248585		1248585	
वर्ष के दौरान जोड़ी गई राशि	0		0	
कटौती : वर्ष के दौरान की गई कटौती	0	1248585	0	1248585
4. सामान्य संचय :				
अंतिम लेखा के अनुसार	257191632		171337834	
वर्ष के दौरान जोड़ी गई राशि / की गई की गई कटौती	68820079		85853798	
		326011711		257191632
कुल		**328043435**		**259223356**

अनुसूची 3 - निर्धारित / अक्षय निधि	**निधि अनुसार खंडन**				
	2015-16				**2014-15**
	Capital	**Recurring**	**Activities**	**Total**	
क) निधि का प्रारंभिक शेष राशि	0	1069734	5069815	6139549	12143086
ख) निधि में जोड़ी गई राशि					
1. गतिविधि के लिए मंत्रालयों से प्राप्त अनुदान	0	0	183666521	183666521	113830499
2. सूलमउ मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	0	0	243044944	243044944	275502305
3. किए गए निवेश से प्राप्त आय	0	0	0	0	0
4. जोड़ी गई अन्य राशि : मंत्रालयों के पास बकाया राशि		0	26801654	26801654	174889618
कुल (क+ख)	**0**	**1069734**	**458582934**	**459652668**	**576365508**
ग) उपयोगिता / निधि के लक्ष्य के प्रति किये गये व्यय					
1. पूँजीगत व्यय					
स्थिर आस्तियाँ :					
- पॉली ग्रीन हाउस	0	315553	0	315553	50164
- आरसीटीपी (उपायुक्त, हस्तशिल्प) परियोजना	0	0	0	0	2958188
कुल ग (1)	**0**	**315553**	**0**	**315553**	**3008352**
2. राजस्व व्यय					
- कार्यक्रम और परियोजनाएँ	0	0	446989076	446989076	566315607
- बकाया राशि के बारे में समायोजन			0	0	902000
कुल ग (2)	**0**	**0**	**446989076**	**446989076**	**567217607**
कुल (ग)	**0**	**315553**	**446989076**	**447304629**	**570225959**
वर्ष के अंत के समय तक की शुद्ध जमा राशि (क+ ख+ ग)	**0**	**754181**	**11593858**	**12348039**	**6139549**

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
अनुसूची 4 - प्रत्याभूत ऋण और उधारियाँ :				0
1. केंद्र सरकार				0
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थानें				
क. मियादी ऋण	0		0	
- उपचित ब्याज और बकाया	0		0	
ख. अन्य ऋण (स्पष्ट करें)	0		0	
- उपचित ब्याज और बकाया	0	0	0	0
4. अन्य संस्थाएँ और एजेंसियाँ	0		0	
5. अन्य डिबेंचर और बाँड		0		0
6. अन्य (स्पष्ट करें)		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 5 - अप्रत्याभूत ऋण और उधारियाँ				
1. केंद्र सरकार		0		0
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)				0
3. वित्तीय संस्थानें				0
4. बैंक :				
क. मियादी ऋण		0		0
ख. अन्य ऋण (स्पष्ट करें)		0		0
5. अन्य संस्थानें और एजेंसियाँ		0		0
6. अन्य डिबेंचर और बाँड		0		0
7. अन्य (स्पष्ट करें)		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 6 - विलंबित ऋण देनदारियाँः				
क) पूँजीगत उपकरणों के मालबंधन और अन्य संपत्तियों से सुरक्षित				
स्वीकृतियाँ		0		0
ख) विविध ऋणदाता		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 7 – वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान				
क. वर्तमान देनदारियाँ				
1. स्वीकृतियाँ		0		0
2. विविध ऋणदाता				
क) ऋणदाता	4367884		0	
ख) अन्य	9798806	14166690	8897890	8897890
3. प्राप्त पेशगियाँ				
4. उपचित ब्याज परंतु बकाया नहीं होंः				
क) प्रत्याभूत ऋण / उधारियाँ	0			
ख) गैर ज़मानती ऋण / उधारियाँ	0			
5. वैधानिक देनदारियाँ				
क) अतिदेय	0			
ख) अन्य	0		0	
6. अन्य वर्तमान देनदारियाँ : बकाया खर्च		187446490	0	238464219
कुल (क)		**201613180**		**247362109**

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
ख. प्रावधान				
1. कर के लिए		0		0
2. उपादान	18613009		19366381	
अतिरिक्त : प्रावधान	3467903		4002403	
कटौती : आरबीएफसी के लिए किया गया भुगतान	4462742	17618170	4755775	18613009
3. सेवानिवृत्ति / दावे	0	0		0
4. अर्जित आवकाश नकदीकरण	15524072		14570112	
अतिरिक्त : प्रावधान	2392730		2696006	
कटौती : आरबीएफसी के किया गया भुगतान	3223994	14692808	1742046	15524072
5. ट्रेड वारंटियाँ / दावे		0		0
6. अन्य (स्पष्ट करें)		0		0
कुल (ख)		**32310978**		**34137081**
कुल (क+ख)		**233924158**		**281499190**
अनुसूची 9 - निश्चित / अक्षय निधियों में से निवेश				
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		0		0
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		0		0
3. शेयरों में		0		0
4. डिबेंचरों और बाँडों में		0		0
5. सहायक बैंकों और संयुक्त उपक्रमों में		0		0
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाना चाहिए)		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 10 - निवेश - अन्य				
१. सरकारी प्रतिभूतियों में		0		0
२. अन्य अनमोदित प्रतिभूतियों में		0		0
३. शेयरों में		0		0
४. डिबेंचरों और बाँडों में		0		0
५. सहायक बैंकों और संयुक्त उपक्रमों में		0		0
६. अन्य (स्पष्ट किया जाना चाहिए)		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ ऋण, पेशगियाँ आदि				
क. वर्तमान परिसंपत्तियाँ				
1. माल सूचियाँ :				
क) संग्रह और अतिरिक्त सामग्रियाँ		0		0
ख) खुले उपकरण		0		
ग) उपयोग के लिए रखी गई वस्तुएँ		0		
तैयार सामग्री		0		
जारी कार्य		0		
कच्ची सामग्री		0		
2. विविध देनदार	38071080		185383211	
क) छह माह से अधिक अवधि से बकाया ऋण	0		0	
ख) अन्य		38071080		185383211
3. सक्रिय नगदी शेष राशि (चेक / ड्राफ्ट और पेशगियों सहित)		50210		38417
4. बैंक में जमा राशि				

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
क) शेड्यूल्ड बैंकों में :				
- चालु खातों में	84919255		20529107	
- जमा खातों में (मार्जिन मनी के साथ)	381819844		353095400	
- बचत खातों में	77012008	543751107	6060688	379685195
ख) गैर शेड्यूल्ड बैंकों में :				
- चालु खातों में		0	0	0
- जमा खातों में (मार्जिन मनी के साथ)		0	0	0
- बचत खातों में		0	0	0
5. डाक घर- बचत खातों में				0
कुल		**581872397**		**565106823**
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि (जारी)				
ख. ऋण, पेशगियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ				
1. ऋण :				
क) कर्मचारी	116815		146115	
ख) गतिविधियों में संलग्न अन्य संस्थाएँ। उस संस्था के समान अन्य				
लक्ष्य	0		0	
ग) अन्य (स्पष्ट करें)	0	116815	0	146115
2. नगद रूप से वसूली योग्य पेशगियाँ और अन्य राशि अथवा				
प्राप्य होने योग्य मूल्यः				
क) पूँजी निधि पर	6916012		6511866	
ख) पूर्व भुगतान	0		0	
ग) अन्य	4254817	11170829	3549959	10061825
3. उपचित ब्याज :				
क) निश्चित की गई राशि। अक्षय निधि से किये गये निवेश पर	0		0	
ख) अन्य - निवेश पर	2310620		146410	
ग) ऋणों और पेशगियों पर	194786		210386	
घ) अन्य (जारी नहीं की गई बकाया राशि सहित)	0	2505406	0	356796
4. निर्माणाधीन परियोजनाओं पर हुआ व्यय				
5. आयकर / स्रोत पर की गई कर कटौती		11489142		5898658
कुल (ख)		**25282192**		**16463394**
कुल (क+ख)		**607154589**		**581570217**
अनुसूची 12 - बिक्री / सेवाओं से प्राप्त आय				
1) बिक्री से प्राप्त आय				
क) तैयार सामग्री की बिक्री	0		0	
ख) कच्ची सामग्री की बिक्री	0		0	
ग) रद्दी की बिक्री	0		0	0
2) सेवाओं से प्राप्त आय				
क) मजदूरी और प्रक्रिया शुल्क				
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएँ : पूर्ण परियोजनाएँ	0		0	
जारी परियोजनाएँ	0		0	
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली	0		0	
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण / संपत्ति)	0		0	
च) अन्य (स्पष्ट करें)	0	0	0	0
कुल		**0**		**0**

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
अनुसूची 13 - अनुदान। आर्थिक सहाय्य				
वसूल नहीं होने वाले अनुदान और प्राप्त आर्थिक सहाय्य				
1) केंद्र सरकार	304515366		0	
2) राज्य सरकार (राज्य सरकारें)	131433943		0	
3) सरकारी एजेंसियाँ / मंत्रालय / विभाग, राज्य सरकार के विभाग	11355320		570225959	
4) संस्थान / कल्याण बोर्ड	0		0	
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन	0		0	
6) अन्य (स्पष्ट करें)	0	447304629	0	570225959
कुल		**447304629**		**570225959**
अनुसूची 14 - शुल्क / ग्राहक शुल्क				
1) प्रवेश शुल्क	0		0	
2) वार्षिक शुल्क	803429		752568	
3) संगोष्ठी / कार्यक्रम शुल्क	9357529		8672030	
4) परामर्श शुल्क	0		0	
5) अन्य : शैक्षिक कार्यक्रम	0	10160958	0	9424598
कुल		**10160958**		**9424598**
	से निवेश		**निवेश - अन्य**	
अनुसूची 15 - निवेश से प्राप्त आय	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**	**2014-15**
(निश्चित की गई / अक्षय निधि से स्थानांतरित निधि पर प्राप्त ब्याज)				
1) ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	0		0	
ख) अन्य बॉंड / डिबेंचरों पर	0	0	0	0
2) लाभांश :				
क) शेयरों पर	0		0	
ख) म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	0	0	0	0
3) किराए		0		0
4) अन्य (स्पष्ट करें)		0		0
कुल		**0**		**0**
निश्चित की गई / अक्षय निधि को स्थानांतरित		**0**		**0**
अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से प्राप्त आय	**2015-16**		**2014-15**	
1) रॉयल्टी से प्राप्त आय	0		0	
2) प्रकाशनों से प्राप्त आय	0		0	
3) अन्य : आधारभूत सुविधाएँ	867914	867914	1366286	1366286
कुल		**867914**		**1366286**
अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज				
1) मियादी जमा राशि पर				
क) शेड्यूल्ड बैंकों के साथ	30765036		21343451	
ख) गैर शेड्यूल्ड बैंकों के साथ	0		0	
ग) संस्थानों के साथ	0		0	
घ) अन्य	0	30765036	0	21343451
2) बचत खातों पर :				
क) शेड्यूल्ड बैंकों के साथ	1897261		2682538	
ख) गैर शेड्यूल्ड बैंकों के साथ	0		0	

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
ग) संस्थानों के साथ		0		0
घ) अन्य	87053	1984314	0	2682538
3) ऋणों पर :				
क) कर्मचारी / कर्मचारी दल	0			
ख) अन्य	0	0	10096	10096
4) देनदारियों और अन्य प्राप्य निधियों पर अर्जित ब्याज	0			32688
कुल		**32749350**		**24068773**
अनुसूची 18 - अन्य आय				
1) संपत्तियों की बिक्री / पर प्राप्त लाभ				
क) स्वामित्व की संपत्तियाँ	0		0	
ख) अनुदान के बिना अथवा निःशुल्क प्राप्त की गई संपत्तियाँ	0		0	
2) संपादित निर्यात प्रोत्साहन	0		0	
3) विविध सेवाओं के लिए शुल्क	0		0	
4) विविध प्रकार की आय	498730	498730	152340	152340
कुल		**498730**		**152340**
अनुसूची 19 - उपयोग में लायी गई वस्तुओं में बढ़ोतरी / (गिरावट)				
जारी कार्य और सामग्री				
क) समाप्ति समय का भंडार				
- तैयार सामग्री			0	
- जारी कार्य			0	0
ख) कमी : आरंभिक भांडार				
- तैयार वस्तुएँ				0
- जारी कार्य			0	0
शुद्ध बढ़ोतरी / (गिरावट) (क-ख)		**0**		**0**
अनुसूची 20 - स्थापना व्यय				
क) वेतन और दैनिक भत्ते	33433178		36995987	
ख) पेशगियाँ और बोनस	3650459		1779601	
ग) भविष्य निर्वाह निधि में अंशदान	3541378		3651567	
घ) अन्य निधियों में अंशदान (स्पष्ट करें)	0		0	
ङ) कर्मचारियों के कल्याण पर खर्च	491070		512970	
च) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ पर खर्च	5783133	46899218	6797974	49738099
कुल		**46899218**		**49738099**
अनुसूची 21 - अन्य स्थापना कार्य आदि				
क) विज्ञापन और प्रचार	1117653		45573	
ख) मंत्रालय के प्रकाशन	1799700		1074150	
ग) निविदा दस्तावेज़ खरीदी	63360		0	
घ) विद्युत और ऊर्जा	3612541		3693572	
ङ) जल शुल्क	4861218		4854575	
च) मरम्मत और रखरखाव	4621520		2886576	
छ) किराया, दर और कर	1064304		1140964	
ज) सक्रिय वाहनें और रखरखाव	877852		1197784	
झ) डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार शुल्क	946956		1121738	
ञ) स्टेशनरी की छपाई	1974115		2371349	

राशि (रु. में)

विवरण	2015-16		2014-15	
ट) यात्रा और परिवहन शुल्क	1570491		2435151	
ठ) आईएसओ प्रमाण-पत्र शुल्क	130165		245738	
ड) ग्राहक शुल्क व्यय (सदस्यता)	46795		131267	
ढ) शुल्क संबंधी खर्च (सेन्डॉक)	1620926		1217998	
ण) लेखा परीक्षण शुल्क	380501		254751	
त) सांविधिक लेखा परीक्षण शुल्क	45600		45600	
थ) अतिथ्य व्यय	11116053		11308737	
द) व्यापार विकास खर्च	323766		113513	
ध) अप्राप्य शेष निधि की समाप्ति	0		31791482	
न) संसदीय समिति की बैठक पर खर्च	165890			
		36339406		**65930518**
क) गतिविधि व्यय - राष्ट्रीय घोषित कार्यक्रम	3323709		4032652	
राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	302397563		370688551	
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	20063306		23022552	
संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	663870		225738	
अन्य कार्यक्रम	0		0	
परामर्श परियोजनाएँ	10773400		3073503	
		337221848		**401042996**
(कक) प्राप्त अनुदान से संबंधित गतिविधियाँ		0		0
(कख) अन्य : विधि संबंधी व्यय		14000		222906
राजभाषा (हिन्दी) का कार्यान्वयन		160391		160873
संचालन समिति / शासी परिषद / संस्था की बैठकों पर हुआ व्यय		292917		236273
कुल		**374028562**		**467593566**
अनुसूची 22 - अनुदान, रियायत आदि पर व्यय				
क) संस्थानों / संगठनों को दिये गये अनुदान		0		0
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई रियायतें		0		0
कुल		**0**		**0**
अनुसूची 23 - ब्याज				
क) मियादी ऋण पर	0		0	
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक शुल्कों के साथ) : बैंक शुल्क	57000		41134	
ग) अन्य (स्पष्ट करें)	0	57000		41134
कुल		**57000**		**41134**

अनुसूची 24

महत्वपूर्ण लेखा परीक्षण नीतियाँ

1. लेखा परीक्षण की परिपाटी

वित्तीय विवरणों का सृजन ऐतिहासिक मूल्य परिपाटी, किये गये कथन और लेखा परीक्षण की सटीक पद्धति के आधार पर किया गया है।

2. वस्तु -सूची का मूल्यांकन

वस्तू-सूची का मूल्यांकन बाज़ार में उपलब्ध न्यूनतम मूल्य अथवा कीमत के आधार पर किया गया है।

3. स्थिर परिसंपत्तियाँ

स्थिर परिसंपत्तियों की जानकारी आंतरिक माल भाडे, चुंगी और कर तथा अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक एवं प्रत्यक्ष खर्चों सहित मूल्य के अनुसार दी गई है / अनुदान से हटकर सृजित संपत्तियाँ कुल संपत्तियों के अंकित मूल्य में से कटौती के रूप में दर्शायी गई हैं।

4. अवमूल्यन

संपत्तियों के बारे में अवमूल्यन : भवनों के अलावा पुस्तकों, नियतकालिकों का मूल्य निर्धारण सीपीडब्ल्यूडी नियमों के अनुसार अंकित मूल्य के आधार पर किया गया है और शेष संपत्तियों का अवमूल्यन आयकर अधिनियम 1961 में दिये गये मूल्यों के अनुसार किया गया है। सड़कों और प्रहरी दीवारों को भूमि के हिस्से के रूप में माना गया है और इसी कारण उनके लिए किसी भी प्रकार के अवमूल्यन का प्रावधान नहीं किया गया है।

5,000/- रुपए अथवा उससे कम मूल्य की संपत्तियों के लिए पूरी तरह अवमूल्यन मुहैया किया गया है।

5. सरकारी अनुदान

सरकार द्वारा आवर्ती गतिविधियों के लिए प्राप्त राजस्व अनुदान आय के रूप में बढ़ोतरी के आधार पर लेखांकित किया गया है।

विशिष्ट स्थिर संपत्तियों के बारे में प्राप्त अनुदान संबंधित संपत्ति के अंकित मूल्य के अनुसार कुल मूल्य में से कटौती के रूप में दर्शाया गया है।

अनुसूची 25

लेखा के बारे में टिप्पणियाँ

1. अनुदान

1.1 वित्त वर्ष के दौरान संचालित विभिन्न गतिविधियों के लिए अलग-अलग मंत्रालयों से 2,68,01,654/- रुपए प्राप्त हुए।

1.2 प्राप्य राशियों के साथ आवर्ती और खर्च नहीं की गई निधि वर्ष 2014-15 से अग्रेषित की गई तथा वित्त वर्ष के दौरान अनावर्ती अनुदान के साथ खर्च नहीं की गई अनुदान राशि पूर्व वर्ष से अग्रेषित की गई, व्यय की गई राशि तथा अगले वर्ष अग्रेशित की गई व्यय रहित राशि निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है :

अनुदान का स्वरूप	राशि रु.	व्यय रु.	व्यय रहित रु.
(क) आवर्ती अनुदान			
गतिविधियों और परियोजनाओं के लिए	45,85,82,934	44,69,89,076	1,15,93,858
(ख) अनावर्ती अनुदान :			
2. पॉली ग्रीन हाउस	10,69,734	3,15,553	7,54,181

2. सेवानिवृत्ति लाभ

2.1 कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यू संबंधी लाभ के बारे में देनदारियाँ संस्थान की कार्यप्रणाली के अनुसार दिखाई गई है।

2.2 कर्मचारियों को संचित अवकाश लाभ कार्यप्रणाली के आधार पर तथा इस मान्यता के परिकलन आधार पर किया गया है कि संस्थान की कार्यप्रणाली के अनुसार वे हर वर्ष के अंत में वे लाभ प्राप्त करने के हकदार हैं।

2.3 कार्यपालक समिति द्वारा 1 फरवरी 2010 को आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय का पालन करते हुए कर्मचरियों की सेवानिवृत्ति लाभ से संबंधित निधि एक पृथक खाते में स्थानांतरित की गई है और उसके प्रबंधन ''रिटायरमेंट बेनिफिट फंड'' (आरबीएफ) नामक समिति द्वारा किया जा रहा है।

3. अन्य

भूमि में 43 एकड़ 8 गुंटे का क्षेत्र शामिल है, जो निजी तौर पर लोगों से आंध्र प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रति एकड़ 4000/- के मूल्य पर खरीदी गई थी। हालाँकि बाद में शहरी दीवाणी न्यायालय ने बढ़ाकर 12000/- प्रति एकड़ कर दिया था तथा इसके अनुसार अतिरिक्त 8000/- रुपए प्रति एकड़ की राशि संस्थान द्वारा न्यायालय में जमा की गई। यह अतिरिक्त राशि भूमि के मूल्य के रूप में पूँजीगत की गई थी। हालाँकि इस बारे में संस्थान द्वारा की गई अपील पर विचार करते हुए केंद्र सरकार के निर्देश पर मा. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने भूमि का शुल्क प्रति एकड़ 2000/- रुपए से कम करते हुए प्रति एकड़ 10,000/- रुपए निर्धारित किया। मा. उच्च न्यायालय ने विशेष उप ज़िलाधिकारी को भी निर्देश दिये कि जिन पक्षकारों को पले ही प्रति एकड़ 12,000/- की दर से भूमि के मूल्य का भुगतान किया जा चुका है, उनसे प्रति एकड़ 2000/- वसूल कर संबंधित राशि संस्थान को सौंपी जाए।

4. आकस्मिक देनदारियाँ

(क) कर्मचारियों को देय परिवहन भत्ते से संबंधित पूर्व वर्ष की 6,40,861/- रुपए की राशि के बारे में किसी भी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि यह मामला अभी मा. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पास विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त 13.101992 से परिवहन भत्ता रोक दिये जाने के बारे में सूचित किया जा चुका है।

(ख) केंद्रीय सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर आयुक्त द्वारा वर्ष 2004-15 से 2008-09 तक की अवधि संबंधी 3,88,03,987 रुपए का भुगतान करने संबंधी माँग 28.4.2010 को प्राप्त हुई। इस बारे में वित्त अधिनियिम 1994 की धारा 86 (1) के अंतर्गत सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी), बैंगलुरु के पास एक अपील की गई है। अस अपील 18 जुलाई 2012 को पीठ द्वारा सुनवाई की गई। पीठ ने सौंपे गए तथ्यों पर विचार करते हुए संस्थान को 15.00 लाख रुपए की राशि जमा करने का एक अंतरिम आदेश दिया जिसके अनुसार निर्देशित राशि संस्थान द्वारा जमा की गई है। संस्थान के वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011-12, 2012-13 तथा 2013-14 में भी कर अदा करने के बारे में सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है-

2004-05 to 2008-09	(5 वर्ष)	रु. 7,76,03,987	मा. सीईएसटीएटी के निर्देशों के अनुसार जुर्माना राशि सहित 15 लाख रुपए अग्रिम तौर पर जमा किए गए।
2009-10		रु. 77,81,726	मा. सीईएसटीएटी, बैंगलुरू के आदेशों के अनुसार 10 लाख रुपए अग्रिम तौर पर जमा किए गए।
2010-11		रु. 2,25,04,306	मा. सीईएसटीएटी, बैंगलुरु के आदेशानुसार 30 लाख रुपए अग्रिम तौर पर जमा किए गए।
2011-12		रु. 2,74,98,243	यह मामला सीईएसटीएटी, बैंगलुरु के पास की गई अपील की तहत विचाराधीन है।
2012-13	कारण बताओ नोटिस दि. 23.05.2014	रु. 4,15,33,085	मा. सीईएसटीएटी, बैंगलुरू के आदेशों के अनुसार 31,14,981/- जमा किए गए।
2013-14	कारण बताओ नोटिस	रु. 5,19,58,407	मा. सीईएसटीएटी, बैंगलुरु के आदेशानुसार 38,96,880/- जमा किए गए।
2014-15	कारण बताओ नोटिस दि. 26.04.2016	रु. 7,17,20,664	प्रधान आयुक्तालय, सेवा कर, हैदराबाद की कारण बताओ नोटिस के अनुसार उपरोक्त आदेश की अभी पुष्टी होनी है, इसी कारण संस्थान को अभी तक अधिकारिक आदेश नहीं मिला है।
	कुल	**30,06,00,418**	

वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दी गई सलाह के अनुसार चूँकि यह मामला अभी विचाराधीन है, इसी कारण सेवा कर दावों के बारे में अभी तक किसी भी प्रकार का खाता नहीं खोला गया है और इस पर संभवतः देनदारी की स्वीकृति के रूप में अमल किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त मा. सीईएसटीएटी, बैंगलुरु के समक्ष की गई अपील के निपटारे के आधार पर यदि सेवा कर के लिए संपूर्ण देनदारी का भुगतान करना हो, तो उसके बारे में समीक्षा की जाएगी और वित्त वर्ष 2016-17 के लिए मुहैया की जाएगी।

ग) मैसर्स रामनाथम एंड राव, चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा संस्थान के पूर्व सांविधिक लेखा परीक्षक ने संस्थान को आयकर से छूट की अवधि को विस्तारित करने के मामले में आदेश प्राप्त करने, जो विस्तार पूर्व में किया गया है के ऐवज में 8,18,203/- रुपए शुल्क की मांग करते हुए एक मुकदमा दायर किया था। ज़िला दीवाणी न्यायालय ने इस मामले में उनके पक्ष में

डिक्री वर्ष 2010, ओ.एस. क्र. 2507 जारी की थी। हालाँकि संस्थान ने इसके विरोध में मा. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की है। जिसके अनुसार मा. उच्च न्यायालय ने 2015 के सीसीएएमपी क्र. 210 में 2015 के सीसीएएमपी 290 में अंतरिम निर्देश जारी किया कि पूर्व में जारी किया गया स्थगनादेश मात्र इसी शर्त के साथ अमल में लाया जाए, कि प्रतिवादी (निम्समे) ट्रायल कोर्ट के समक्ष निर्णय में उल्लेखित राशि का एक-तिहाई हिस्से के साथ लागत की राशि जमा करें। तदनुसार दि. 14.8.2015 को चालान के माध्यम से मा. न्यायालय के समक्ष 3,18,525.33 रुपए जमा किए गए।

५. पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ

1) संविदाओं का अनुमानित मूल्य पूँजी खाते में निष्पादित करना शेष है और वह (शुद्ध पेशगियों के लिए) मुहैया नहीं की गई है। (पूर्व वर्ष में यह शून्य रुपए थी)

2) 'बी' ब्लॉक के व्यापक नवीनीकरण कार्य वर्ष 2015-16 के दौरान शुरू किया गया।

6. वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण और पेशगियाँ

प्रबंधन के दृष्टिकोण में वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण और पेशगियों का तुलन-पत्र में दर्शायी गई राशि के प्रतिशत के कम से कम समान, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में प्राप्ति मूल्य की हैं।

7. कराधान

आयकर अधिनियम 1961 के तहत किसी भी तरह की कर योग्य आय नहीं होने के मद्देनज़र आयकर के बारे में किसी भी तरह का प्रावधान करने के बारे में विचार नहीं किया गया।

8. लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक

लेखा परीक्षकों के अनुसार

- कराधान मामले	शून्य रु.	
- प्रबंधन सेवाओं के लिए	शून्य रु.	
- प्रमाणीकरण के लिए	45,600	रु. (सेवा शुल्क सहित)

9. 31 मार्च 2016 तक के तुलन-पत्र के भीतरी हिस्से से तथा इस तिथि को समाप्त वर्ष के आय और व्यय के अनुसार 1 से 25 तक की अनुसूचियाँ संलग्न की गई हैं।

10. पूर्व वर्ष से संबंधित आंकड़े आवश्यकता के अनुसार पुनरसमूहीकृत। पुनरव्यवस्थित किए गए हैं।

हस्ता./-	हस्ता./-	हस्ता./-
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	महानिदेशक

कृते स्वामी एवं शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंटस
(फर्म पंजी. क्र. 003913 एस)

स्थान : हैदराबाद
दिनांक :

बी. कृष्णा स्वामी
साझेदार
सदस्यता क्र. 019096

स्थिर परिसंपत्तियाँ 8 (ख)

परिसंपत्तियों का नाम	कुल खंड				मूल्यह्रास				कुल	पूँजी निधि	अनुदान के खाते का				कुल (9+10+13)	31.3.2016 तक शुद्ध खंड	31.3.2015 तक शुद्ध खंड
	1.04.2015 तक	जमा / समायोजन	बिक्री / समायोजन	कुल	1.04.2015 तक	दर %	वर्ष के लिए	समायोजन			समायोजन						
											तक 31.3.2015	वर्ष 2015-16	समायोजन	कुल			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)
निम्समे का आधुनिकीकरण																	
भवन	20243215	80950	0	20324165	889715	2.50	32961		922676	18115993	0	0		0	19038669	1285496	1237507
ए ब्लॉक	282377			282377	73449	2.50	5223		78672	0	0	0		0	78672	203705	208928
बी. ब्लॉक	1675990	0		1675990	13944	2.50	349		14293	1648067	0	0		0	1662360	13630	13979
सी ब्लॉक	4195945	0		4195945	117614	2.50	20891		138505	742686	2500000			2500000	3381191	814754	835645
डीईएफ ब्लॉक	20347745			20347745	242903	2.50	0		242903	20104841	0	0		0	20347744	1	1
डीईएफ ब्लॉक अतिरिक्त मंज़िल	33560307	0		33560307	5808	2.50	1362		7170	0	33500000			33500000	33507170	53137	54499
सुरक्षा ब्लॉक	509207			509207	8505	2.50	0		8505	500701	0	0		0	509206	1	1
प्रशिक्षण भवन	38225437	0		38225437	1512477	2.50	131240		1643717	14270000	17193356			17193356	33107073	5118364	5249604
कर्मचारियों के आवास	636520	20700	0	657220	118569	2.50	9572		128141	59508	96260			96260	283909	373311	362183
वीआईपी अतिथि गृह	84032			84032	1050	2.50	0		1050	82981	0	0		0	84031	1	1
सेन्डॉक भवन	2521117			2521117	109933	2.50	12162		122095	1777664	147044			147044	2046803	474314	486476
नालियाँ एवं मलजल निकास	358222			358222	4478	0.00	0		4478	353743	0	0		0	358221	1	1
बोरवेल / पम्पसेट	490108	40000		530108	52670	2.50	10588		63258	53921	0	0		0	117179	412929	383517
बाहरी नालियाँ	514157			514157	1875	0.00	0		1875	512281	0	0		0	514156	1	1
भीतरी सड़कें	6060480			6060480	0	0.00	0		0	3171750	2308000			2308000	5479750	580730	580730
आधारभूत सुविधाएँ	3546465		0	3546465	0	0.00	0		0	1158784	0	0		0	1158784	2387681	2387681
भू-परिदृश्य	4430730	0		4430730	597156	2.50	44986		642142	2034143	0	0		0	2676285	1754445	1799431
फर्निचर और जुड़नार	7366804	174727		7541531	1493922	10.00	120756		1614678	2740825	2099222	0		2099222	6454725	1086806	1032835
बिजली उपकेंद्र	8286287	0		8286287	788950	2.50	507		789457	7420314	56728	0		56728	8266499	19788	20295
उपकरण	4984640	38448		5023088	2170006	15.00	88274		2258280	2264590					4522870	500218	550044
छात्रावास के उपकरण	2378032	1010635		3388667	507914	15.00	234025		741939	738269	582320	0		582320	2062528	1326139	549529
वर्गीचे के उपकरण	116666	0		116666	34596	15.00	11991		46587	2129		0		0	48716	67950	79941
सभागृह	51000			51000	10821	0.00	0		10821	40178					50999	1	1
कैंटीन सुविधाएँ	587435	0	0	587435	134114	10.00	36305		170419	90267		0		0	260686	326749	363054
दृक-श्रव्य उपकरण	712600			712600	230724	0.00	0		230724	481875					712599	1	1
सौर ऊर्जा प्रणाली	1353593			1353593	485446	60.00	23		485469	868109					1353578	15	38
वातानुकूलन उपकरण	2570461	192679		2763140	481196	15.00	71780		552976	417497	1385912			1385912	2356385	406755	285856
ईपीएबीएक्स	1578830			1578830	71524	25.00	52		71576	1507101					1578677	154	206
डीईएफ प्रथम तल	13464427	46710		13511137	517535	2.50	21925		539460	8223407	3893179			3893179	12656046	855091	830306
प्रहरी दीवार	4555069	0	0	4555069	8569	2.50	5693		14262	4318791					4333053	222016	227709
भोजन कक्ष	7702015			7702015	739942	2.50	29570		769512	5779270					6548782	1153233	1182803
सीआरएमए परियोजना	63960	0		63960	0		0		0	0	63960			63960	63960	0	0
आरसीटीपी परियोजना	532802	0		532802	0		0		0	0	532802			532802	532802	0	0
जिम्नेज़ियम	345195	0		345195	0	2.50	0		0	0	345195			345195	345195	0	0
पॉली ग्रीन हाउस	459946	0		459946	0	0.00	0		0	0	459946	0		459946	459946	0	0
फुटबॉल कोर्ट	387893	0		387893	19793	2.50	9203		28996	0	0	0		0	28996	358898	368100
मोटर वाहन	944111	0		944111	261991	15.00	102318		364309			0			364309	579802	682120
जल परिशोधन संयत्र	437408	0		437408	43741	10.00	39367		83108						83108	354300	393667
पार्किंग शेड और पदचालन मार्ग	2523993	1788312		4312305	63100	2.50	106230		169330					0	169330	4142975	2460893
कुल	**199085221**	**3393161**	**0**	**202478382**	**11814030**		**1147354**	**0**	**12961384**	**99479685**	**65163924**	**0**	**0**	**65163924**	**177604993**	**24873391**	**22627583**

परिसंपत्तियों का नाम	कुल खंड				मूल्यह्रास				कुल	पूँजी निधि	अनुदान के खाते का समायोजन				कुल (9+10+13)	31.3.2016 तक शुद्ध खंड	31.3.2015 तक शुद्ध खंड
	1.04.2015 तक	जमा । समायोजन	बिक्री । समायोजन	कुल	1.04.2015 तक	दर %	वर्ष के लिए	समायोजन			तक 31.3.2015	वर्ष 2015-16	समायोजन	कुल			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)
सेन्डॉक का उन्नयन																	
उपकरण	3335751	0		3335751	1240198	15	14576		1254774	1531420	466959			466959	3253153	82598	97174
फर्निचर और जुड़नार	792299	0		792299	159754	10	12118		171872	218821	292547	0		292547	683240	109059	121177
दूरसंचार / टेलेक्स	116597	0		116597	49073	25	0		49073	67523	0	0		0	116596	1	1
नलकूप	99139	0		99139	0	0	0		0	99138	0	0		0	99138	1	1
पुस्तकें	4934504	56887	27811	4963580	513722	7.5	43159		556881	2645334	1256878	0		1256878	4459093	504487	518570
पत्र-पत्रिकाएँ	3794747	38070		3832817	645970	7.5	89630		735600	843758	1148019	0		1148019	2727377	1105440	1157000
कम्प्यूटर	16283017	157343		16440360	9550828	60	324947		9875775	3266334	3081619	0		3081619	16223728	216632	384236
कम्प्यूटर उन्नयन	950954	0		950954	704840	60	3		704843	79136	166973	0		166973	950952	2	5
प्रिंटर और कम्प्यूटर	302667	28237		330904	236462	60	17681		254143	19754	45219	0		45219	319116	11788	1232
कमप्यूटर टेबलें	543759	0		543759	182849	10	23473		206322	126182	0	0		0	332504	211255	234728
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	2287308	0		2287308	1374333	60	64154		1438487	584771	221280	0		221280	2244538	42770	106924
इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशनें	1925915	0		1925915	0	0	0		0	917165	1008750	0		1008750	1925915	0	0
सर्वर	1424607	0		1424607	260910	60	1618		262528	1080200	80800	0		80800	1423528	1079	2697
नेटवर्किंग	1438478	0		1438478	632031	60	38010		670041	322502	420595	0		420595	1413138	25340	63350
वेबसाइट	389118	0		389118	0	0	0		0	352443	36675	0		36675	389118	0	0
उपभोज्य वस्तुएँ	743579	0		743579	154766	0	0		154766	243925	344888	0		344888	743579	0	0
बार कोडिंग	59500	0		59500	0	0	0		0	59500	0	0		0	59500	0	0
बैंडविड्थ	1388009	0		1388009	555227	100	0		555227	0	832782	0		832782	1388009	0	0
कुल	**40809948**	**280537**	**27811**	**41062674**	**16260963**		**629371**		**16890334**	**12457906**	**9403984**	**0**		**9403984**	**38752224**	**2310450**	**2687095**
अनुसूची 8 (क) कुल	**36892552**	**0**		**36892552**	**26439948**		**0**		**26439948**	**9669419**	**0**	**0**		**0**	**36109367**	**783185**	**783185**
कुल योग	**276787721**	**3673698**	**27811**	**280433608**	**54514941**		**1776722**		**56291666**	**121607010**	**74567908**	**0**	**0**	**74567908**	**252466584**	**27967026**	**26097863**
जारी कार्य																	
लघु एवं मध्यम उद्यम विश्वविद्यालय - पीई	359552		0	359552	0		0		0	0	0	0	0	0	0	359552	359552
बी- ब्लॉक	0	0		0	0				0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल डब्ल्यूआईपी	**359552**	**0**		**359552**	**0**		**0**		**0**	**0**	**0**	**0**		**0**	**0**	**359552**	**359552**
कुल योग	**277147273**	**3673698**		**280793160**	**54514941**		**1776722**		**56291666**	**121607010**	**74567908**	**0**	**0**	**74567908**	**252466584**	**28326578**	**26457415**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद
31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ और भुगतान

	राशि (रु.)			राशि (रु.)	
प्राप्तियाँ	**2015-16**	**2014-15**	**भुगतान**	**2015-16**	**2014-15**
1. शुरुआती जमा			**1. व्यय**		
(क) सक्रिय नगदी	38417	147550	**(क) स्थापना पर व्यय**		
(ख) बैंक में जमा राशियाँ			(1) भुगतान और पेशगियाँ	33705566	36898298
(1) भारतीय स्टेट बैंक येल्लारेड्डी गुड़ा	30537	31155	(2) भविष्य निर्वा निधि में योगदान	3609979	3711967
(2) आंध्रा बैंक	12903813	387756	(3) सेवा में अर्जित अवकाश का नगदीकरण	86303	280735
(3) आंध्रा बैंक, एस. आर. नगर	97158	719126	(4) पेशगियाँ और बोनस	214148	832737
(4) भारतीय स्टेट बैंक, बल्कमपेट	5415120	104854	(5) कर्मचारी कल्याण	487450	252270
(5) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	1870490	1797856	(6) चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	307348	
(6) देना बैंक	211988	0	(7) सेवानिवृत्ति पर अर्जित अवकाश का नगदीकरण	3223994	1840521
(ग) जमा खातों में	20529106	3040747	(8) मत्यु-सह-सेवानिवृत्ति उपादान	4385242	4755775
(1) आंध्रा बैंक, श्रीनगर कॉलोनी शाखा	102520400	40000000	(9) शिक्षा शुल्क	402903	0
(2) स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, पंजागुट्टा	15000000	15000000	**कुल 1 (क)**	**46422933**	**48572303**
(3) आंध्रा बैंक, एस.आर. नगर शाखा	70000000	30000000	**(ख) प्रशासकीय व्यय**		
(4) एसबीआई बल्कमपेट	20000000	20000000	(1) यात्रा खर्च	1091048	1807788
(5) इंडियन बैंक, श्रीनगर कॉलोनी	80000000	0	(2) कार्यपालक समिति/शासी परिषद/संस्था की बैठकों पर व्यय	201662	197674
(6) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	10000000	10000000	(3) लेखा परीक्षण शुल्क (अंतर्गत लेखा परीक्षण के साथ)	325541	121631
(7) आंध्रा बैंक श्रीनगर कॉलोनी	575000	575000	(4) विज्ञापन और प्रचार	942292	0
(8) करूर वैश्य बैंक, एस.आर. नगर शाखा	25000000	25000000	(5) रिक्त भूमि पर खर्च	484228	0
(9) बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कूकटपल्ली शाखा	20000000	20000000	(6) मरम्मत और रखरखाव	2922779	2144102
(10) देना बैंक	10000000	0	(7) आईएसओ प्रमाण-पत्र	130165	
(घ) बचत खातों में :	353095400	160575000	(8) वैधानिक व्यय	12600	184480
(1) भारतीय स्टेट बैंक, येल्लारेड्डीगुड़ा	1264809	466205	(9) कार्यालयीन खर्च और स्टेशनरी	953688	920544
(2) भारतीय स्टेट बैंक, बल्कमपेट	4786335	30601168	(10) बैंक शुल्क	57000	41134
(3) आंध्रा बैंक (इग्नू)	9544	9544	(11) संपत्ति कर	1064304	1140964
कुल (ख)	**6060688**	**31076917**		0	0
			राजभाषा (हिन्दी) का कार्यान्वयन	267111	23260
कुल 1	**379723611**	**194840214**	**कुल 1 (ख)**	**8452418**	**6581577**

	राशि (रु.)			राशि (रु.)	
प्राप्तियाँ	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
2. प्राप्त अनुदान					
(क) भरत सरकार द्वारा			**(ग) गतिविधियों पर व्यय**		
1. टीओटी/ ईडीपीएस/ ईएसडीपीएस के लिए सूलमउ मंत्रालय से	243044944	275502305	(1) राष्ट्रीय घोषित कार्यक्रम	5979423	6941180
2. सामाजिक न्याय और साधिकारिता मंत्रालय	1325000	1325000	(2) अंतर्राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	24703587	14957196
3. महानिदेशक रोज़गार और प्रशिक्षण, श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय	0	598000	(3) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	16458077	18409332
4. डीएसआईआर	0	360000	(4) संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	210911	161634
5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	1785000	2691000	(5) अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएँ	2251135	436373
6. अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार	0	12391000	(6) शैक्षिक कार्यक्रम	1874700	978250
7. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार	20063098	30221628	(7) ए.डी.पी. निर्माण (श्रमिकों पर खर्च)	59886805	33146349
8. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	970000	160000	(8) डीआईसीसीआई-एपीआईआईसी का औद्योगिक परिसर पर संयुक्त कार्यक्रम	0	146810
9. श्रम आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार	121272420	31647540	(9) राज्य आईएएस स्टडी सर्कल (अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा प्रायोजित	0	6000000
10. श्रम आयुक्त, तेलंगाना सरकार	0	11160000			
11. केवीआईसी, मुंबई, सूलमउ मंत्रालय	1226559	2391967	**कुल 1 (ग)**	**111364638**	**81177124**
12. विकास आयुक्त (हथकरघा)	0	3092000	**(घ) सामान्य अत्यावश्यक सेवाएँ**		
13. अरुणाचल प्रदेश सरकार	30000	0			
14. विकास आयुक्त सूलमउ मंत्रालय, भारत सरकार	0	465000	(1) व्यापार विकास व्यय	265270	86769
15. आंध्र प्रदेश सरकार	875700	1647275	(2) फोटो और वीडियो शुल्क	10285	79938
16. असम सरकार	0	150000	(3) जेरॉक्स शुल्क	638486	730814
17. बिहार सरकार	0	3186000	(4) डाक शुल्क और टेलेग्राम	63196	209189
18. प. बंगाल सरकार	270000		(5) विद्युत शुल्क	3399734	3357770
19. कर्नाटक सरकार	225000	1930000	(6) जल शुल्क	4442529	4442750
20. केरल सरकार	2568000	2538000	(7) गृह व्यवस्था व्यय	1967259	1750288
21. मध्य प्रदेश सरकार	0	225000	(8) देखभाल व्यय	6285970	7516748
22. मेघालय सरकार	0	1302000	(9) छपाई और जिल्दसाज़ी शुल्क	2303165	2560576
23. महाराष्ट्र सरकार	165000	0	(10) सेन्डॉक व्यय	22780	3574
24. ओडिशा सरकार	1200000	346960	(11) सीसीआईटी व्यय	1405352	1267334
25. तेलंगाना सरकार	149500		(12) अन्य सदस्यता शुल्क	46795	131267
26. उत्तर प्रदेश सरकार	140000	60000	(13) दूरसंचार	408873	442229
27. कृषि मंत्रालय	0	80000	(14) वाहन किराया शुल्क	711965	893748
28. पर्यावरण और वन मंत्रालय	9000	171000			

	राशि (रु.)			राशि (रु.)	
प्राप्तियाँ	**2015-16**	**2014-15**	**भुगतान**	**2015-16**	**2014-15**
29. निफ्टेम	2000000	2192510	**कुल 1 (घ)**	**21971659**	**23472994**
30. सीडीसी	0	75000	**कुल 1**	**188211648**	**159803998**
31. एनएमडीसी	6869100	2468540			
32. आंध्र बैंक से अनुदान	227500				
33. एपकॉब	9000			0	
34. बांग्लादेश	1176997				
35. केनरा बैंक	45000				
36. छत्तीसगढ़	57000				
37. कयर बोर्ड	1364790				
38. उद्योग आयुक्त (हिमाचल प्रदेश)	45000				
39. कार्पोरेशन बैंक	63000				
40. उद्योग निदेशक	452880				
41. ईसीआईएल	12000				
42. गिझ, नेपाल	1452000				
43. तमिलनाडु	15000				
44. आईओबी	18000				
45. सूलमउ मंत्रालय की परियोजनाएँ	6250000				
46. जल संसाधन एवं नदी विकास मंत्रालय	9000				
47. एनबीसीएफडीसी	609377				
48. एसबीआई	15000				
49. सिंगरेणी कोलरीज़	550000				
50. आरजीएनआईवाईडी	0	4410000			
कुल 2 (क)	**416559865**	**392787725**			
(ख) राज्य सरकारों से :					
1. बीएचईएल	0	50000	**2. विभिन्न परियोजनाओं के लिए**		
2. औषधी वनस्पती नर्सरी के लिए आं.प्र.सरकार	0	0	**प्राप्त निधि से व्यय**		
3. आं.प्र. सरकार	1115880	357445	1. आरसीटीपी (विकास आयुक्त, हस्तशिल्प की परियोजना)	30000	199330
4. श्रम आयुक्त, आं.प्र. सरकार	0	12932420	2. आईपीएफसी	56407	0
5. आरडीएनआईवाईडी	6615000		3. मूल्यांकन पर अध्ययन, विकास आयुक्त	0	0
कुल 2 (ख)	**7730880**	**13339865**	4. मुबारकपुर हथकरघा क्लस्टर	176	16983

	राशि (रु.)			राशि (रु.)	
प्राप्तियाँ	2015-16	2014-15	भुगतान	2015-16	2014-15
(ग) अन्य स्रोतों से			5. एनबीसीएफडीसी	41527	0
1. ओएनजीसी	15000	0	6. बाराबंकी हथकरघा क्लस्टर	178895	156409
2. एनटीपीसी	24000	653400			
कुल 2 (ग)	**39000**	**653400**			
कुल 2	**424329745**	**406780990**	**कुल 2**	**307005**	**372722**
3. प्राप्त ब्याज					
(क) बैंक खातों पर	32374524	23878874			
कुल 3	**32374524**	**23878874**			
4. अन्य आय					
(क) गतिविधियों से					
(1) राष्ट्रीय घोषित कार्यक्रम	2021000	945000			
(2) राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	152800	30000			
(3) संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	325952	376635			
(4) सहयोगात्मक संगोष्ठियाँ/ कार्यशालाएँ	0	0			
(5) अनुसंधान/ परामर्श परियोजनाएँ	0	30000			
(6) सहयोगात्मक कार्यक्रम	4023614	2030975			
(7) अंतर्राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	0	0			
(8) राष्ट्रीय कार्यक्रम - सूचना एवं प्रौद्योगिकी	1282000	3036000			
(9) आईपीएफसी सदस्यता	178600	120000			
कुल 4 (क)	**7983966**	**6568610**			
(ख) अन्य			**3. स्थिर परिसंपत्तियों और जारी**		
(1) ग्रंथालय सदस्यता शुल्क	758154	696618	**पूँजीगत कार्यों पर खर्च**		
(2) ग्राहक शुल्क/ प्रकाशनों की बिक्री	47075	50950	**स्थिर परिसंपत्तियों की खरीदी**		
(3) आधारभूत सुविधाएँ	851856	555371	(1) फर्निचर	174727	484304
(4) रद्दी की बिक्री	309400	46640	(2) उपकरण	38448	0
(5) उपचित आय	833560	3769450	(3) छात्रावास के उपकरण	55762	0
(6) पदों के लिए आवेदन शुल्क	110	9000	(4) प्रिंटर	28237	0
(7) सदस्यता शुल्क	0	5230	(5) नियतकालिक	38070	99644

प्राप्तियाँ	राशि (रु.) 2015-16	राशि (रु.) 2014-15	भुगतान	राशि (रु.) 2015-16	राशि (रु.) 2014-15
(8) साझेदार संस्थाओं से आवेदन शुल्क	8000	42500	(6) पुस्तकें	29076	200186
(9) परिसर लीज़	0	0	(7) कम्प्यूटर	0	283500
(10) उपचित ब्याज	146410	0	(8) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	0	202248
			(9) एयरकंडीशनर्स	124311	336300
			(10) बोरवेल-पंप सेट	40000	300095
			(11) भवनें	0	880137
			(12) पार्किंग शेड	1738412	2523993
			(13) जल संयत्र	0	365455
कुल 4 (ख)	**2954565**	**5175759**	**कुल 3**	**2267043**	**5675862**
			4. अन्य भुगतान		
(1) एनआईएफटीईएम	1185600		(1) बकाया व्यय	48779345	24128871
(2) एमईए	14562264	29511844	(2) जमा निधि (निविदाओं में भागीदारी)	364860	220227
(3) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	6337000	0	(3) देय डीसीआरजी	0	0
(4) डीएसटी	855000	0	(क) देय ईईएल	0	98475
(5) एनएमडीसी	41000	0	(4) कर्मचारियों के दिये गये ऋण और पेशगियाँ		
(6) ए.पी.बी. एंड ओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी टी.एस.	7968000	0	(1) त्यौहार पेशगी	139500	159750
(7) उत्तर प्रदेश सरकार	30000	0	(2) यात्रा पेशगी	1716227	801690
(8) विकास आयुक्त (सूलमउ)	0	126300	(3) अस्थाई पेशगी	2079993	1872155
(9) डीएसआईआर	36500	0	(5) कोर्ट एटेचमेंट	32670	40970
(10) प. बंगाल सरकार	795000	0	(6) एलटीसी पेशगी	79242	59636
(11) बीएचईएल	150000		(7) सेवा कर न्यायाधिकरण के पास जमा निधि	0	4000000
(12) सीडीएस	90000		(8) ऋणदाताओं को किया गया भुगतान	0	403530
(13) डाइटी	189000		(9) शुल्क से की गई टीडीएस कटौती	4629427	2141762
(14) सू.ल.म.उ. मंत्रालय	131549945		(10) कोर्ट अपीलों के लिए जमा की गई निधि	318525	
(15) रक्षा मंत्रालय	20000		(11) ईएमडी / सुरक्षा जमा	1342988	4594000
(16) भारतीय डिज़ाइन संस्थान	225702		(12) देय डीए बकाया राशि	307125	342579
(17) एपीबी एंड सीडब्ल्यूडब्ल्यूबी ए.पी.	825060		(13) परामर्शदाताओं को देय मुआवज़ा	8082500	6211501
कुल	**164860071**	**29638144**	(14) आपूर्तिकर्ताओं से की गई टीडीएस कटौती	20695514	3452593

प्राप्तियाँ	राशि (रु.) 2015-16	2014-15	भुगतान	राशि (रु.) 2015-16	2014-15
(1) समूह बीमा	287153		(14) पुराने चेक	822407	
कुल 4 (ग)	**165147224**	**29638144**			
कुल 4	**176085755**	**41382513**	**कुल 4**	**89390323**	**48527739**
5. अन्य प्राप्तियाँ			**5. एजेंसियों को भुगतान**		
(क) कर्मचारियों से वसूले गए ऋण और पेशगियाँ :			1. स्वायत्त कार्यक्रमों की एजेंसियाँ	122081708	51694661
			2. साझेदार संस्थान	77331874	31137028
(1) अध्ययन यात्रा पेशगी	85059	0	**कुल 5**	**199413582**	**82831689**
(2) अस्थाई पेशगी	94248	68130	**6. समाप्ति के समय शेष**		
(3) यात्रा पेशगी	105636	113449	(क) मौजूद नगदी	50210	38417
(4) कार्यक्रम पेशगी	229016	202574	(ख) बैंक में जमा		
(ख) विविध देनदार			(1) एसबीआई, येल्लारेड्डीगुड़ा	30537	30537
			(2) आंध्रा बैंक	71540915	12903813
			(3) आंध्रा बैंक, एस.आर. नगर	1712802	97158
(ग) पुराने चेक	94000	3963460	(4) एसबीआई, बल्कमपेट	8912533	5415120
			(5) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	1946267	1870490
			(6) देना बैंक	776201	211988
(ग) अन्य			(ग) जमा खातों में		
(1) पुस्तकें	129800	0	(1) आंध्रा बैंक, श्रीनगर कॉलोनी शाखा	101244844	102520400
(2) जमा	310087	306565	(2) एसबीएच, पंजागुट्टा शाखा	25000000	15000000
(3) रोके गए वेतन	0	27685	(3) आंध्रा बैंक, एस.आर. नगर शाखा	60000000	70000000
(4) एलटीसी पेशगी	11363	17602	(4) एसबीआई, बल्कमपेट	60000000	20000000
(5) आय पर आयकर की प्रतिपूर्ति	398960	335352	(5) इंडियन बैंक, श्रीनगर कॉलोनी	50000000	80000000
(6) कामराजर पोर्ट लि.	7032210		(6) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	10000000	10000000
(7) ईएमडी / सुरक्षा जमा	1536752	5018213	(7) आंध्रा बैंक, श्रीनगर कॉलोनी शाखा	575000	575000
(7) अग्रिम तौर पर प्राप्त शिक्षा शुल्क/ समायोजन	850152		(8) करूर वैश्य बैंक, एस. आर. नगर शाखा	55000000	25000000
			(9) बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कूकटपल्ली शाखा	0	20000000
			(10) देना बैंक	20000000	10000000
			(घ) बचत खातों में		
कुल 5	**10877283**	**10053030**	(1) एसबीआई, येल्लारेड्डीगुड़ा	2766919	1264809

प्राप्तियाँ	राशि (रु.) 2015-16	राशि (रु.) 2014-15	भुगतान	राशि (रु.) 2015-16	राशि (रु.) 2014-15
			(2) एसबीआई, बल्कमपेट	74235545	4786335
			(3) आंध्रा बैंक (इग्नू)	9544	9544
			कुल 6	**543801317**	**379723611**
कुल	**1023390918**	**676935621**	**कुल**	**1023390918**	**676935621**

हस्ता./-
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

हस्ता./-
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ता./-
महानिदेशक

स्थान : हैदराबाद
दिनांक :

हमारी समान तिथि की रिपोर्ट के अनुसार
कृते स्वामी और शेषाद्री
चार्टर्ड अकाउंटेंट
हस्ता./-
बी. कृष्णा स्वामी
साझेदार

54 वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2015-16

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्सmे)
(सू.ल.म.उ. मंत्रालय भारत सरकार का संगठन, आईएसओ **9001-2008** प्रमाणित)
NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES (ni-msme)
(An organisation of Ministry of MSME Govt. of India, An ISO 9001-2008 Certified)
यूसुफगुडा, हैदराबाद - **500045.** तेलंगाना.
Yousufguda, Hyderabad - 500045. Telangana.

To facilitate the growth of
entrepreneurial culture and
the development of MSMEs

CONTENTS

1. Overview
Background 1
Major Milestones: Training 2
Outstanding Research & Consultancy 3
Clientele 4

2. Management of the Society
Organisational Structure 5
Statutory Meetings 5
Organogram 6
Commitment to Quality of Public Services 7
Thrust areas 7
Activities 8
Schools of Excellence 9
Intellectual Growth Facilities 9
Staff Strength 10

3. Accomplishments: 2015-16
Overall Performance 11
Training 12
Research and Consultancy 28
Documentation and Publications 31

4. Implementation of Official Language 32

5. Citizens' Charter & RTI Act 34

6. Swachh Bharat 35

7. National Festivals and other Events
National Festivals 37
Other Events 39

8. Visitors Gallery 42

9. Annexures
I Members of Governing Council 49
II Members of Executive Committee 51
III Addresses of Officials 52
IV Team of Faculty 53
V Staff Retirements 56
VI Performance Indicators since Inception 57
VII Alumni of International Participants 59

10 Financial Statements
1. Auditors Report 63
2. Balance Sheet as act 31st March 2016 67
3. Income & Expenditure Accounts 68
4. Receipts and Payments Accounts 82

OVERVIEW

BACKGROUND

Origin: Following the recommendations of the Working Group on the Third Five Year Plan for Small Scale Industries, the Government of India decided to set up the *"Central Industrial Extension Training Institute (CIETI)"* in Delhi in October 1960 as a Department of Central Government under the Ministry of Commerce and Industry. At the time of its establishment, the main objective of CIETI was to provide training to the personnel of the Central Small Industries Organisation as well as of the Department of Industries of the State Governments.

Conversion into Society: In the year 1962, CIETI was shifted to Hyderabad and converted into an autonomous Society registered under the Hyderabad Societies Registration Act with the name *"Small Industry Extension Training (SIET) Institute".* All the functions of the CIETI were taken over by the SIET Institute and the CIETI ceased to function with effect from 30th June 1962.

Centre of Excellence: Taking cognizance of SIET's unremitting efforts in the development of small enterprises, in 1984 UNIDO recognized SIET as an institution of excellence under its **Centre of Excellence Scheme** and extended aid to it.

National status and change in the name: SIET was renamed as National Institute of Small Industry Extension Training (**nisiet**) with effect from 30th August 1984. Pursuant to the enactment of MSME Act 2006, the Institute was again renamed as National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**) with effect from 11th April, 2007.

Since its launch as a training organization for enterprises and entrepreneurs, **ni-msme** has widened the scope of activities to include consultancy, research, extension and IT services. MSMEs and executives have benefitted from programmes, workshops and seminars on contemporary themes organized at **ni-msme**.

Over the years, **ni-msme** has expanded its reach to embrace the entire developing world. So far, over 142 developing countries have benefited from its efficacy, knowledge and resources. The programmes are globally compatible and upgraded regularly in keeping with contemporary requirements. Around 300 executives across the world participate in and benefit from take away fairs and potentials every year. The Institute is associated with prestigious world bodies such as UNIDO, UNESCO, ILO, Commonwealth Fund for Technical Cooperation (CFTC), United Nations Children's Fund (UNICEF), Afro-Asian Rural Reconstruction Organization (AARRO) and ARB Bank (Ghana) and GIZ. The Institute's collaborative efforts with various international organisations and institutions make its endeavors more result-oriented.

The infrastructure and facilities at **ni-msme** are of international standards. They reflect the natural excellence that qualifies every activity and attribute of the Institute. **ni-msme** has embraced technology for efficiency and adaptability to keep abreast with the present scenario. Its state-of-the-art facilities, pleasant environs, proven methodologies that are supported by a modern academic infrastructure, experienced faculty, expert consultants and resource persons give it an edge. Above all, the Institute's decades of experience, acknowledged by a contemporary and creative outlook, have made such exclusive services possible. **ni-msme** is widely recognized as one amongst the world's best for its felicitators of training, research and extension.

ni-msme Charter: Initially, the Institute's primary objective was the training of trainers (ToT). Today, in light of advanced technological developments and dynamism in the domestic economy, the Institute's role has been expanded and broadened. Currently **ni-msme** is involved in consultancy, research, extension and information services apart

from training. The onset of IT has appropriated the broadened vistas of **ni-msme**:

- Focused attention on topic specification issues through conferences, seminars and programmes, with special emphasis on need-based programmes
- Paradigm shift in client-driven approach and innovative interventions
- Evaluation studies and publications

With its focus on enterprise and entrepreneurs, **ni-msme** has constantly focused on emerging global and national trends in enterprise development and assisted MSMEs in facing current challenges. **ni-msme** pioneered in conducting programmes globally and its dynamics in innovative studies has paved recognition as the world's leading training, research and extension enablers. **ni-msme** has been instrumental in conducting several outstanding research and consultancy studies.

MAJOR MILESTONES

Training Programmes

- Organised the First Executive Laboratory in India (1964).
- Conducted the First International Training Programme in Small and Medium-Sized Enterprises (SME) Development (1967).
- B2B Transactions with Uganda, Namibia, South Africa, Bhutan, Nigeria, Sudan, Cameroon and Ghana (2000 – 2007).
- International programmes for Bank of Ghana (2006-08).
- All-time record of 28 international executive development programmes, five of them specially for African countries (2007-08).
- National workshop on MSME Cluster Development conducted in New Delhi (2008).
- Outreach programme for African women executives as a fore-runner to the India-Africa Forum Summit (2008).
- International programmes for Bangladesh Small & Cottage Industries Corporation (BSCIC) (2008-09).
- Programmes under ATI Scheme of the Ministry of MSME (2009-10).
- Skill Up-gradation Training Programmes for Registered Building & Other Construction Workers (2012-13).
- International Training Programmes on Food Processing for Africans under India-Africa Forum Summit (2012-13).
- NIFTEM Programmes (2013-14).
- International Workshop on Natural Dyes (2013-14).
- International conference on Stress Management (2014-15).
- EDPs for SC/ST of NER Youth (2014-15).
- Entrepreneurship Training for Retiring Soldiers (Defence Personnel) and Resettlement Training on Supply Chain Management (SCM) for JCOs/OR (2015-16).
- Entrepreneurship/Career Oriented Training on Solar Energy (2015-16).
- Capacity Building of Women Entrepreneurs/ Farmers of Bangladesh in Floriculture (2015-16).
- Training of Trainers on Non-Tariff Barriers (NTB) and Non-Tariff Measures (NTM) Environment in SAARC countries at Colombo (Srilanka), Dhaka (Bangladesh) and Bhutan (Nepal) (2015-16).
- International Conference: Skills 2015 (2015-16).
- Preparation of Training Manual: Non-tariff Measures and Non-tariff Barriers in the SAARC Region (2015-16).

Others

- Established an Information Centre, the Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC) (1971)
- Assisted the Tanzanian Government in establishing Small Industries Development Organization (SIDO) (1974)
- Established a Branch Regional Centre at Guwahati (1979)
- Achieved self–sufficiency (2001-02)

- Establishment of Intellectual Property Rights Facilitation Centre (IPFC) (2009)
- Celebrated Golden Jubilee (2013-14)

OUTSTANDING RESEARCH AND CONSULTANCY STUDIES

- Conducted a Pioneering Research Study in Achievement Motivation in association with Prof. David McClelland when conducting the Kakinada Experiment (1964).
- Developed the Concept of Appropriate Technologies in Indian Industry (1969).
- Prepared case studies and video documentaries on Science and Technology (S&T) entrepreneurs (1986).
- Developed the first computerised software package on SIMSIM (1987)
- Project Appraisal and Evaluation (CAPE) (1996)
- UNESCO Chair (1997)
- Techno-economic feasibility studies in Textiles and Handicrafts Sector of Arunachal Pradesh (2001)
- Study on identification of projects for specific resource base in North Eastern Region (2003)
- Vision document for empowering women in Mauritius (2003)
- Project profiles on SMEs for Mauritius (2004)
- Information requirements of SMEs (2005)
- Hand-holding, monitoring, implementation of MSME Clusters (2004-07)
- Hand-holding of Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Handlooms, Handicrafts Clusters (2006 onwards)
- Evaluation study of ongoing schemes of NBCFDC in the State of Tamil Nadu (2008)
- Evaluation of NBCFDC Schemes in the Union Territory of Puducherry, Goa and Kerala (2009-10)
- Evaluation of the functioning of innovative and experimental programmes on schools run by Bhagavatula Charitable Trust (BCT) under Rajiv Vidya Mission, Andhra Pradesh in Visakhapatnam District (2009-10)
- Evaluation Study for more effective implementation of schemes under Ambedkar Hast Shilp Vikas Yojana (AHVY) (2009-10)
- Preparation of Training Modules for Ministry of Housing & Urban Poverty Alleviation (MHUPA), GoI (2009-10)
- Execution of research studies sponsored by the MHUPA, GoI (2009-10)
- Resource Centre for Traditional Paintings in Handicrafts (2010-11)
- Cluster Resource-cum-Monitoring Agency for 37 Clusters in A.P. and 24 Clusters in Kerala (2010-11)
- Evaluation of the Scheme "Export Promotion (Training Programmes on Packaging for Exports)" sponsored by the DC(MSME) (2013-14)
- Capacity Development of Business Membership Organisations (BMO) in India - Part of the MSME Umbrella Programme of GIZ (2013-14)
- Evaluation of Pochampally Handloom Centre sponsored by DC(Handlooms)(2013-14)
- Evaluation Study for Re-engineering and Restructuring of DIC, Department of MSME, Government of Odisha (2014-15)
- Baseline Survey on skill development for sustainable income generation in Dantewada district, Chattisgarh, NMDC-CSR (2014-15)
- 100% Physical Verification of PMEGP Units financed in the States of Assam, Kerala, Lakshadeep and Telangana (2014-16)
- Study on Revitalisation for DICs and RICs in Odisha State (2014-16)
- Project for Development student tracking system through web based software Application for APCET (2015-16)
- Study of Employee Satisfaction and Organisation Climate for NMDC (2015-16)
- Preparation of Detailed Project Report of Gadwal Handloom Park (2015-16)
- Conducting Diagnostic Study on Murmura cluster in Gondia district, Nagpur under KRDP Clusters Programme of KVIC (2015-16)
- Soft Interventions for Harihara Khadi Cluster,

Davangere (Karnataka), Kothkur Ikat Handloom Weaving Cluster, Nalgonda (Telangana), Pedana Kalamkari Block Printing Cluster, Pedana (Andhra Pradesh), Kondapalli Wood Craft Cluster, Vijayawada (Andhra Pradesh), Pembarthi Metalware Cluster, Warangal (Telangana), and Ieeza Gadwal Silk Cluster, Mahboobnagar (Telangana) (2015-16)

- Evaluation Study of Training Schemes of NBCFDC in Haryana, Himachal Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh (2015-16)

The following table lists the total number of programmes conducted, the number of participants trained and the number of research and consultancy projects executed from the period 1962-63 to 2015-16.

Table 1: Total programmes conducted between 1962-63 to 2015-16	
No. of Training Programmes	14,034
No. of Participants Trained	4,62,393
Research and Consultancy Projects	909

The number of participants trained includes 9,133 executives from 142 developing countries, who attended the international programmes conducted exclusively for the nominees sponsored under TCS Co-Plan and ITEC/SCAAP of the Ministry of Finance and Ministry of External Affairs, respectively, in addition to those sponsored by international funding agencies.

INSTITUTE'S CLIENTELE

Table 2: Key Clients of ni-msme	
Central Ministries/Departments	**State Governments**
Ministry of MSME Ministry of Commerce & Industry Ministry of Food Processing Industries Ministry of External Affairs Ministry of Finance Ministry of Housing and Urban Development Ministry of Textiles Ministry of Social Justice and Empowerment Ministry of Minority Affairs Ministry of Information Technology Ministry of Environment and Forests National Backward Classes Finance & Development Corporation	Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Chattisgarh, Karnataka, Kerala, Odisha, Madhya Pradesh, Maharashtra, Meghalaya, Sikkim, Tamil Nadu, Telangana, Uttar Pradesh, West Bengal and Andaman & Nicobar. **State Boards/Autonomous Bodies** Building & Other Construction Workers' Welfare Board of Andhra Pradesh Industrial Development Corporations Finance Corporations Rajeev Gandhi National Institute for Youth Development
Banks	**Corporations**
Reserve Bank of India Small Industrial Development Bank of India NABARD EXIM Bank All nationalized banks and commercial banks	HDFC CARE Hospitals NMDC HPCL NTPC **NGos:** BASIX, APMAS, Industries Associations
Educational Institutions	**International Organisations**
Krishi Vigyan Kendras Jana Shikshan Sansthan	GIZ, AARDO, IAFS, ARB Bank of Ghana, BSCIC, ILO, UNIDO

MANAGEMENT OF THE SOCIETY

ORGANISATIONAL STRUCTURE

ni-sme was constituted by the Government of India under Rule 3 of the Rules and Regulations of the Society. The affairs of the Society are managed, administered, directed and controlled through the Governing Council constituted by Government of India as per Rule 22 (a & b) of Rules and Regulations of the Society.

Shri Kalraj Mishra, Hon'ble Union Cabinet Minister of MSME, GoI is the President of the Society and Chairman of the Governing Council of **ni-msme**. The Secretary to the GoI, Ministry of MSME is the Vice-President of the Society, Vice-Chairman of the Governing Council and Chairman of the Executive Committee. The Additional Secretary to the GoI & Development Commissioner (MSME) is the Vice-Chairman of the Executive Committee. Mr. M. Chandrasekhar Reddy is the Director General of the Institute. The list of Members of Governing Council and Executive Committee is provided in the **Annexure I and II**, respectively. The Director General is the academic and executive head of **ni-msme**. He functions under the guidance of the Governing Council and the Executive Committee. Academic activities are organized through different academic Schools of Excellence; and the Chief Administrative Officer is the head of overall administration and general administrative matters under the guidance of the Director General.

STATUTORY MEETINGS

Governing Council & AGM

The 9th meeting of Governing Council was held on 8th January, 2016 at New Delhi. The meeting was chaired by Shri Kalraj Mishra, Hon'ble Minister of MSME, Govt. of India, Ex-officio Chairman of the Governing Council; and President, **ni-msme** Society. Other members who had attended were: Dr. Anup K. Pujari, IAS, Secretary to Govt. of India, Ministry of MSME, ex-officio Vice Chairman (GC) and Vice-Chairman of **ni-msme** Society; Dr. Bharati S. Sihag, IAS, AS & FA; Shri Surendranath Tripathi, IAS, AS & DC (MSME); Shri B.H. Anil Kumar, IAS, JS (ARI); Shri Manoj Joshi, IAS, JS (SME); Shri A.K. Jha, IES, CEO, KVIC; Shri Ravindra Nath, CMD, NSIC, Shri P. Satyanarayana, CGM, Rural Non-Farm Sector, NABARD; and Shri Ramesh Dharmaji, CGM, representing CMD, SIDBI, Lucknow.

Shri T. Srinivasa Rao, DGM, Andhra Bank, New Delhi, representing CMD, Andhra Bank, Hyderabad; Shri Hemant Mehtani, ex-President, Association of Industries, Indore, Madhya Pradesh; and Shri Anup Kumar, Basix Micro Finance, Livelihood Institute, Hyderabad are the nominated members attended the meeting.

Executive Committee

As mandated, the members of the Executive Committee met periodically to review the action taken on the previous decisions and take decisions for further improvement of the Institute's activities as well as its infrastructure. The 17th meeting of Executive Committee was held on 3rd November, 2015 at Hyderabad.

ni-msme ORGANISATIONAL STRUCTURE

Organogram

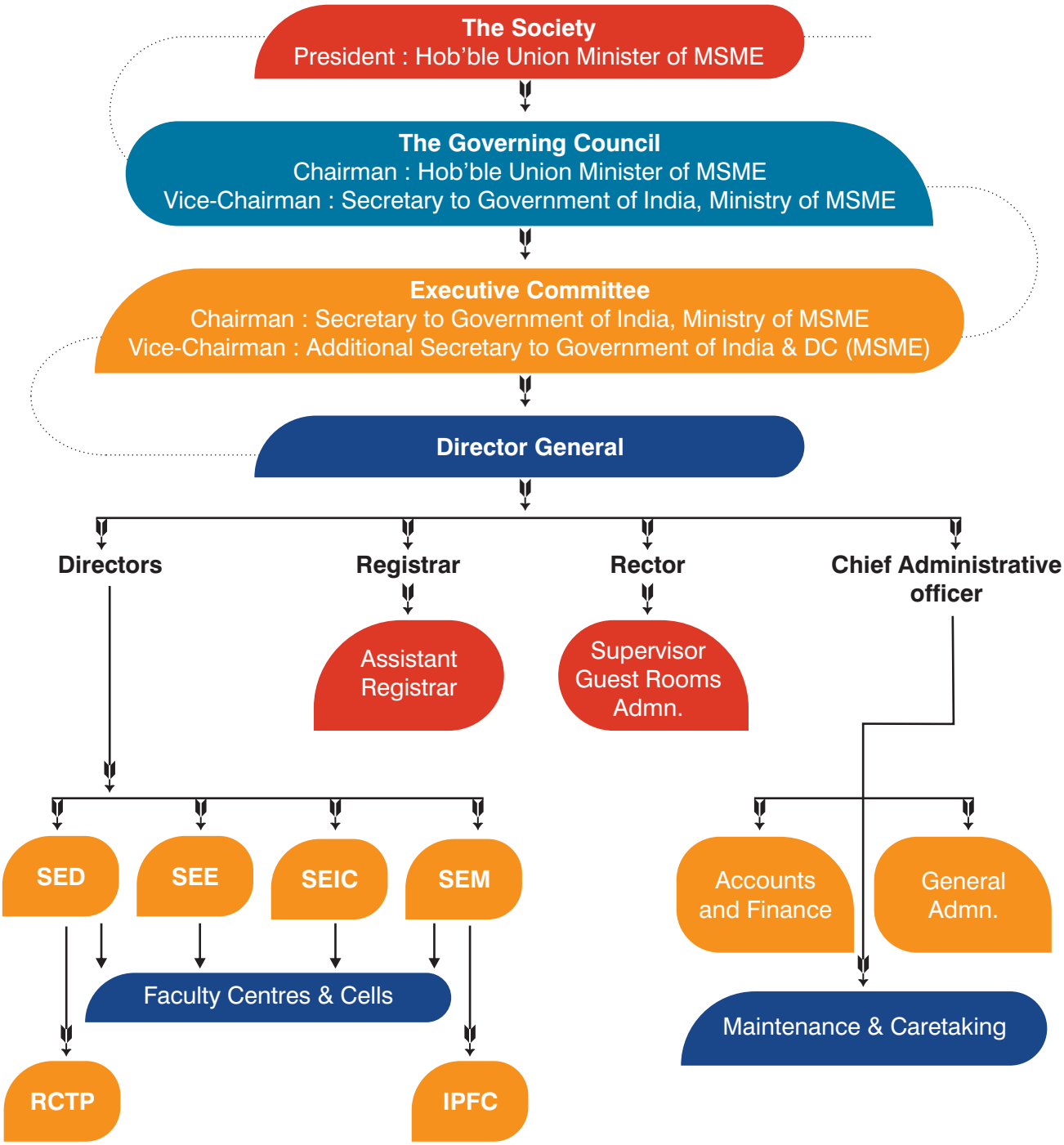

COMMITMENT TO QUALITY OF PUBLIC SERVICES

The objectives of the Institute are to conduct training programmes or seminars and workshops for national and international executives, for employees of all MSME service providers. It undertakes and executes research and consultancy projects for the development and promotion of enterprises, offers skill-based training programmes for youth and also provides information relating to MSME to citizens and clients.

The Institute is committed to provide efficient assistance, with transparency and courtesy to citizens and MSMEs. The Institute maintains the highest degree of confidentiality with respect to personal and business information disclosed to it by stakeholders when conducting programmes or projects and reviewing policies.

Grievance Cell

To bring about transparency and to enable setting up of an effective Public Grievance Redress and Monitoring System, **ni-msme** has set up a Grievance Cell and Information and Facilitation Counters. The state of public grievances serves as a barometer to gauge the efficiency and effectiveness of the administrative processes and policies of the Institute and the Grievance Cell, and the Counters form important components of the machinery set up to facilitate the timely redressal of public grievances. Complaints may be lodged at the Grievance Cell and information may be sought from the Facilitation Counters. The addresses are indicated in Annexure-III.

THRUST AREAS

Keeping in line with the national objective of economic development through industrialisation and based on the expertise available, **ni-msme** has identified following thrust areas that require prominence and exploration.

- Entrepreneurship Development
- Technology Upgradation and Transfer
- Policy Issues
- NGO Networking
- Environment Concerns
- Cluster Development
- Skill Development
- Management Consultancy
- Quality Management Services
- Financial Services
- Information Services
- Intellectual Property Rights (IPR)

Enterprise promotion and entrepreneurship development being the central focus of **ni-msme's** functions, the Institute has developed competencies in the following areas:

- Enabling enterprise creation
- Capacity building for enterprise growth and sustainability
- Creation, development and dissemination of enterprise knowledge
- Diagnostic and development studies for policy formulation

The promotion and development of MSMEs involve a wide range of activities that must be taken up properly and at the right time. **ni-msme** ensures that entrepreneurs benefit from its experience and can contribute to the growth and prosperity of their enterprises. **ni-msme** conducts a wide range of activities: Trainings, surveys, studies, consulting, counselling, IT services, besides bringing out regular publications for national and international participants.

The spectrum of the Institute's endeavours is shown below:

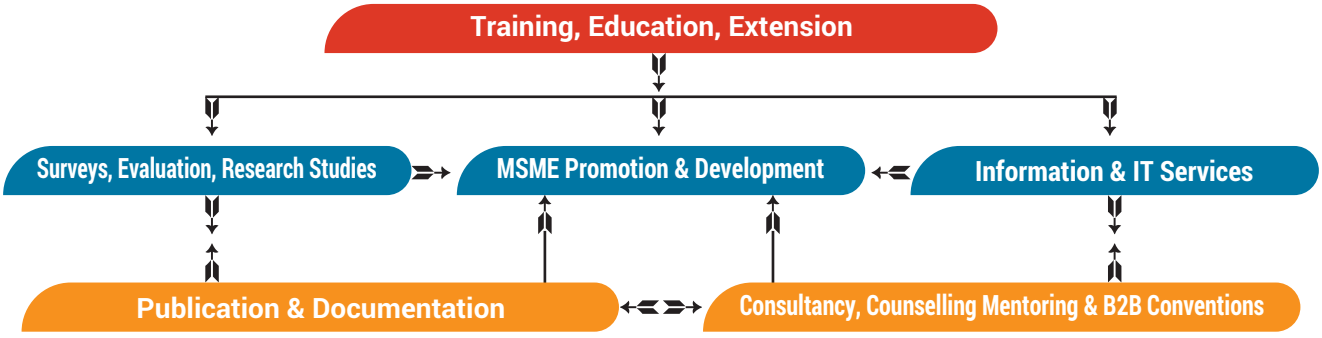

ACTIVITIES

The activities of the Institute, as is mentioned in the earlier Chapter, are broadly (a) Training, (b) Research and Consultancy, (c) Information Services. The training is for national and international executives/entrepreneurs through Announced and Sponsored programmes and also the Seminars and Workshops.

ni-msme also has been implementing the Scheme of Assistance to Training Institutes of the Ministry since 2009-10. The scheme envisaged training the youth through the Entrepreneurship and Skill Development Programmes in different identified and approved trades besides conducting Training of Trainers (ToTs) for the trainers involved in conducting these programmes.

NATIONAL PROGRAMMES

Announced: **ni-msme** offers and conducts regular training programmes for the development of MSMEs within India and in other developing countries. The regular programmes in different disciplines vary from one week to two weeks to suit the requirements of client organisations. The Institute conducts IT programmes for educated, unemployed youth to develop their IT skills. IT programmes are also conducted for the benefit of employees or executives of sponsoring organisations.

Sponsored: Special training programmes are also conducted at the request of client organisations, as per their needs. Programmes are conducted either on-campus or off-campus. Entrepreneurs or industrialists are tapped for the customised, off-campus programmes sponsorsed by or initiated by Small Industry Associations of different districts or states or organisations, at locations preferred by those organisations.

INTERNATIONAL PROGRAMMES

Long-term programmes are offered and conducted to suit the needs of developing countries. At the request of sponsoring organisations such as CFTC, Ministry of External Affairs (MEA), ILO and UNIDO, Bangladesh Small & Cottage Industries Corporation (BSCIC), ARB Bank (Ghana), and GIZ, customised programmes are also arranged.

SEMINARS AND WORKSHOPS

Seminars and workshops are refresher programmes for top executives and officials that address contemporary topics of relevance to the MSME sector.

RESEARCH AND CONSULTANCY

ni-msme has long and considerable experience in conducting research studies, which have contributed significantly to accomplishing the Institute's objectives. The research projects taken up so far are multifaceted and deal with micro and macro aspects of small enterprise management, extension, development and promotion.

With a long experience in conducting a wide variety of studies related to assessment, evaluation, impact, problem identification, diagnostic and problem solving approaches, behavioural aspects, marketing and other managerial aspects, modernisation, technology transfer and so on, **ni-msme** continues to serve its clientele through its research activities.

INFORMATION AND LIBRARY SERVICES

ni-msme's SENDOC has been suitably strengthened to provide a comprehensive database on domestic as well as international business opportunities, trade enquiries, regulatory systems, etc., that are of value to MSME entrepreneurs. Such database services are also offered on-line to MSME associations in India.

The Institute's Library services are utilised by a large number of members during the working hours, but also before and after office hours.

PUBLICATIONS

ni-msme publishes the research quarterly SEDME as part of its academic activities. The Institute also publishes books and manuals related to different aspects of MSMEs, which supplement the training inputs. Besides, it also brings out a monthly news bulletin emulating activities of the previous month.

SCHOOLS OF EXCELLENCE

The activities of **ni-msme** are executed through four Schools of Excellence with each School having under it theme focused Centres and Cells. **ni-msme's** team of Faculty is given at Annexure-IV. The four Schools are indicated in the following table:

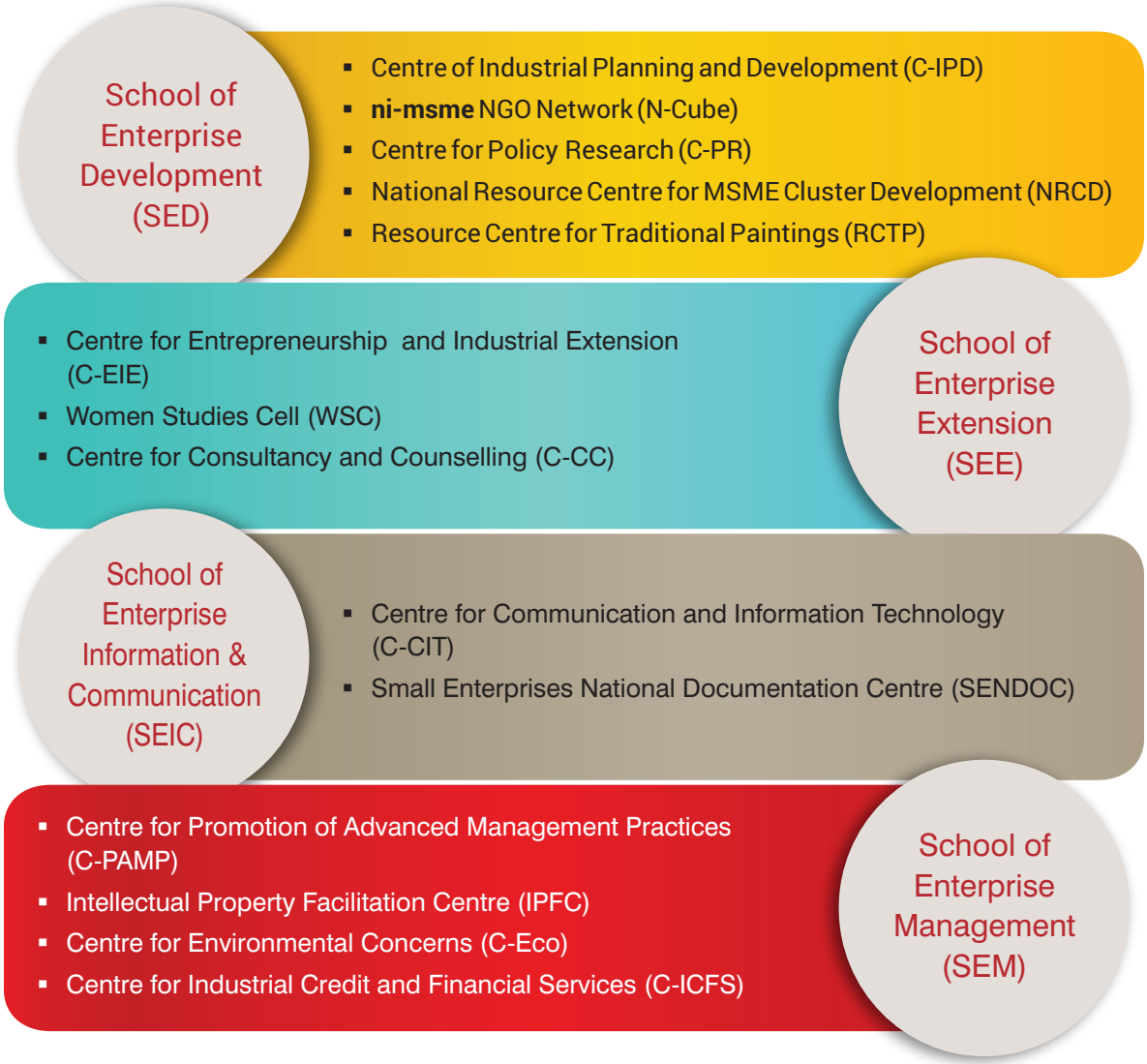

INTELLECTUAL GROWTH FACILITIES

Since its inception, **ni-msme** has been rendering services to MSMEs. **ni-msme's** intellectual activities are pursued by its four schools of excellence, through their eleven existing centres, which also include two theme focused cells devoted to specific disciplines.

The schools themselves are inter-disciplinary in nature, focusing on training, research, consultancy, education, extension and IT services in their areas of expertise for the benefit of client organisations, entrepreneurs, association leaders, government officers, bureaucrats, public–private–partnership (PPP) company executives, trainers and others.

Infrastructural facilities in Nature's Lap: Infrastructure provides the framework for better and efficient functioning of an organisation. **ni-msme's** facilities are spread over many hectares of sylvan surroundings and are ranked among the best in the world. Apart from the facilities for teaching and training, the Institute provides an excellent library that offers internet facility with round-the-clock reference-cum-reading rooms. Spacious and ultra-modern air-conditioned classrooms and conference halls, with state-of-the-art instructional

and functional gadgets, computers with specific software for cutting edge IT courses; advanced laptops and other instructional tools make learning at **ni-msme** a pleasant pursuit. The infrastructure at the Institute includes:

- Auditorium : 350 persons capacity
- Conference Hall : 125 persons capacity
- 18 Lecture Halls : 30-40 persons capacity (each)
- Faculty work-stations with support services

Guest Room Complex: The Institute's clean and comfortable guest rooms, with modern amenities on par with international standards, can accommodate over 260 guests. The hostel complex has clean and hygienic dining facilities, serving appetising cuisines that make the complex a home away from home for the participants. The hospitality wing has the following features:

- Multi-cuisine mess with three dining halls
- Accommodation - 140 rooms that can accommodate up to 280 persons
- Guests and participants are accommodated in air-conditioned or non air-conditioned rooms.
- Suites for VIPs and dignitaries
- All rooms are equipped with TV, wi-fi and telephone facilities.

Closed circuit cameras: CC cameras with a limited set of monitors are located at some strategic points on the **ni-msme** campus for surveillance.

Sports and games: **ni-msme** has a jogging track and a gym within the campus for the use of participants. The Institute also has facilities for playing tennis and football (outdoor games); and for indoor games: badminton, table tennis, chess and caroms in the campus.

Medical Care: A visiting physician is available in the campus at fixed time and also available 24/7 on call and attends the health issues.

Recreational Facilities: The amphitheatre Kalangan provides an ideal platform for staging entertainment concerts and to show-case the creative talents of the participants.

Musings is another outdoor location within the campus, set amidst tall trees beside a pond that is best suited for get-togethers. **Utsav** is a wonderful location for outdoor or indoor meetings and social gatherings. The Herbal Vista, which houses medicinal and aromatic plants, is well maintained and visitors can soak in the natural ambience.

Water Treatment Plant: A water treatment plant has been installed on the top floor of the canteen. The plant is intended to meet the requirement of the water in all the buildings located in the campus to supply pure drinking water to the national and international participants and the staff of the Institute.

Parking: Two new facilities have been added to the campus infrastructure by way of a covered walkway connecting the New Training Building and the dining block, and a covered parking space for four wheelers and two wheelers. Coincidentally, the ground at the premises was also graded and leveled to suit the contour of the land.

STAFF STRENGTH

The staff strength of the Institute as on 31st March, 2016 is given in the table below. The retirements from the services of the Institute during the year are given in **Annexure-V.**

Table 3: Staff strength as on 31st March, 2016

	Sanctioned strength	Posts filled	Posts vacant
A	23	08	15
B	06	04	02
C	96*	54	42
Total	125	66	59

*One post was abolished as advised by the Ministry.

ACCOMPLISHMENTS: 2015-16

OVERALL PERFORMANCE

Since its inception as the Small Industry Extension Training Institute, it was depending on the Government of India for meeting its annual recurring and non-recurring expenditure.

Pursuant to the recommendations of the 5th report of the Expenditure Reforms Commission and the directives from the Government of India, the Institute examined new sources of income, which helped the Institute to become self-sufficient. As a result, the Institute has been meeting its recurring expenditure on its own every year since 2001-02. However, grants for specific purposes for meeting expenditure such as one time grant and financial assistance at pre-determined hourly rates for conducting entrepreneurship and skill development programmes under the Scheme of Assistance to Training Institutions (ATI) of the Ministry are also extended.

ni-msme conducts training programmes under the ATI Scheme also as approved and allotted by the Ministry in each year in addition to its own training activity besides undertaking research and consultancy studies, etc. The activities accomplished during the year comparing with previous year are indicated in the following table:

Table 4: Activities

Activity	2015 - 16			2014 - 15		
	Progs	Trainees	Income (Rs. in lakhs)	Progs	Trainees	Income (Rs. in lakhs)
(a) Programmes under ATI Scheme	1075	31874	2430.45	1599	47136	4070.52
(b) **Non-ATI**						
1.National Programs	862	27267	1463.58	488	21585	1248.65
2.International Progs.	21	357	395.70	17	351	439.40
3.Seminars and Workshops	36	2390	67.29	58	3624	15.65
4.Research and Consultancy	24	--	210.88	09	--	14.76
5.Others	--	--	347.91	--	--	263.40
Sub-Total (b): Non-ATI	**943**	**30014**	**2485.36**	**572**	**25560**	**1981.86**
Grand Total	**2018**	**61888**	**4915.81**	**2171**	**72696**	**6052.38**

Programmes

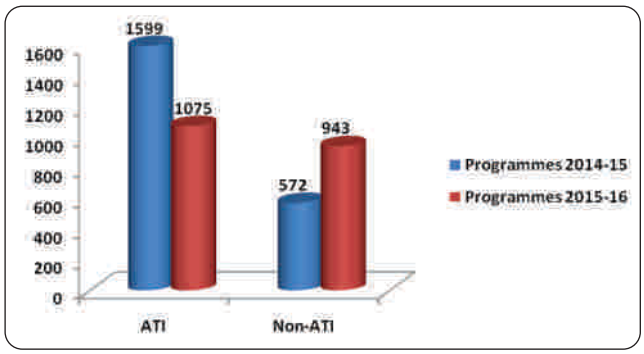

Participants

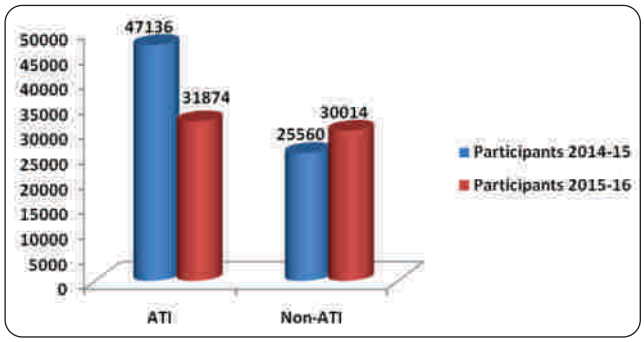

In the year 2015-16, the total number of trainings conducted was 2,018 with a total of 61,888 participants, compared to 2,171 programmes and 72,696 participants during 2014-15. The decrease in the number of programmes and participants over previous year was mainly due to the lower number of programmes under ATI scheme of the Ministry during 2015-16.

Financial performance: The Institute generated a total income of Rs.4915.81 lakhs from various activities compared to the previous year in 2014-15 of Rs.6052.38 lakhs. This decrease is due to the decrease in the number of entrepreneurship and skill development programmes under ATI Scheme of the Ministry over the previous year. However, the **non-ATI** activities registered an increase of 65% while the income from the same increased by 24% during the year.

Income through activities

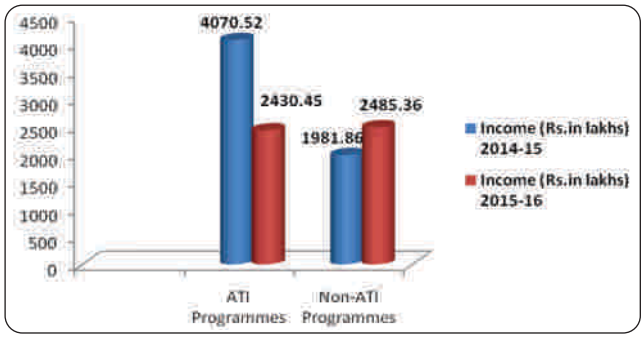

Overall Performance

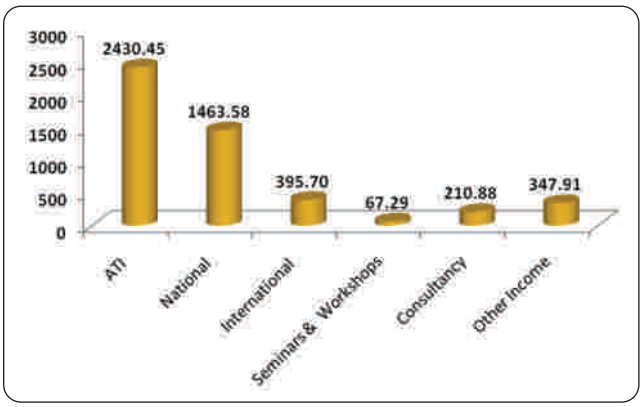

TRAINING

Activities executed: As many as 864 national programmes, 36 seminars and workshops and 21 international programmes and 1075 programmes under the ATI Scheme of the Ministry were conducted during the year. A few of them are indicated in the following paragraphs.

NATIONAL PROGRAMMES

Induction Training Programmes for Kerala Officials

- A six-week programme of induction training in MSME Promotion for Industry Extension Officers of the Government of Kerala was conducted at the Institute from 20 April to 31 May, 2015. Thirty executives of the Kerala state attended the programme.

- A 4-week programme of Induction Training for 30 Industry Extension Officers of Government of Kerala was organised during 4-29 January 2016, at the campus.

Training on MSME for the officials of Govt. of West Bengal

A one-week refresher training programme on MSME for the state industries officials of West Bengal was organized during 1-5 February 2016. The programme was sponsored by the Directorate of MSME, Govt. of West Bengal. From different districts of the state, 15 officers had participated in the programme. The coverage of topics included the themes of MSME policies of India and West Bengal, schemes of DC (MSME), personal effectiveness, cluster development, export marketing, project appraisal, TQM and ISO standards, restructuring of DICs and intellectual property rights.

Executive Development Programme for the managers of Coir Board

A 2-day Executive Development Programme for the Managers of Coir Board, was organized during 25-26 September 2015, at the Institute. It was attended by 37 senior officials. The programme focused on taking stock of current strategies for promotion and development of coir industry and find out ways for internalisation of coir products with new innovative marketing strategies, apart from development of soft skills.

Entrepreneurship Development sponsored by Department of Science & Technology (DST) programmes

During the year 3 Faculty Development Programmes on Entrepreneurship Development; 4 Women Entrepreneurship Development Programmes; and 3 Technology based Entrepreneurship Development Programmes were conducted on different dates at different places.

Programmes for the officials of Department of Public Enterprises, Government of Karnataka at different places in the country

(a) Crisis Management through Effective Leadership Skills at Kolkata

A one-week training programme was conducted in Kolkata on Crisis Management through Effective Leadership Skills during 15-19 February 2016. In all, 16 participants were trained through this programme.

(b) Training in CSR, Corporate Governance and RTI at Puducherry

A one-week programme of training in Corporate Social Responsibility, Corporate Governance and RTI Planning and Practices in Puducherry, was conducted during 8-12 March 2016. Nine participants had attended the programme.

PROGRAMMES FOR NMDC

1. **ni-msme** had organised a one-week training programme in Managerial Entrepreneurship at the Institute campus during 29 June – 4 July 2015. The programme was sponsored by NMDC and customised for their middle level executives for acquiring managerial and entrepreneurship skills. In all, 26 executives, viz. Deputy General Managers, Assistant General Managers, Senior Managers, Managers and Deputy Managers had attended the programme.

2. Another batch of 25 executives of NMDC from their offices at Bacheli, Kirandul, Donimalai, Panna, Nagarnar and the corporate office was conducted during 14 – 19 September 2015.

3. Seven-day induction training for newly recruited executives of NMDC was conducted from 24–30 September 2015. A total of 79 new recruits of NMDC had gone through the induction training at the Institute campus.

4. Another batch of 89 executives was trained during 2-4 November 2015. Mr. Narendra Kothari, C&MD (NMDC) was the Chief Guest of the inaugural event, held on the 2nd. In his address, at the outset, he congratulated all trainees for clearing the rigorous recruitment selection procedure.

5. Third batch consisting of 27 executives was trained during 20 – 22 January, 2016.

Training for Executives of Singareni Collieries

(a) Programme on project appraisal and financial analysis for the executives

A three-day customised programme on project appraisal and financial analysis for the executives of Singareni Collieries was conducted during 03 -05 September, 2015. The main focus was on financial aspects, sensitivity analysis, cost volume profit analysis, and financial appraisal including reporting, future planning, prospecting, long term future planning, etc., to make the project viable.

(b) Corporate Governance and RTI Act

A 2-day campus programme on Corporate Governance and RTI Act was conducted during 12-

13 February 2016. Public Information Officers of the Collieries, numbering 23, had attended the programme.

Training in Recycling of Wastes at Port Blair

A one-week training programme on "Recycling of Wastes in SME Sector", during 4-9 May 2015 was conducted in South Andaman, sponsored by the Directorate of Industries, Middle Point, Port Blair, A&N Administration. Mr. Anand Prakash, IAS, Chief Secretary, A&N Administration and the chief guest stressed on the need for systematic disposal of wastes to make the Islands garbage-free. The training programme was aimed at devising a system which would make disposal of wastes profitable, and urged the participants to derive maximum benefit from the training.

Recycling of Wastes in SME Sector

One-week campus training on Recycling of Wastes in SME Sector during 23-27 November 2015 was conducted. It was sponsored by the Department of Public Enterprises, Govt. of Karnataka. The objective of the programme was to create awareness among the stakeholders and community about the need for recycling of wastes, which pose risks to human health and environment if not disposed scientifically.

Executive Development Programme for Coir Board officials

A two-day residential programme "Executive Development for Coir Board Officials" was organized on 6 & 7 June 2015. As many as 37 officials took part in the programme.

Orientation Programme on Cluster Development

A one-week Orientation Programme on Cluster Development at the campus was conducted during 6-10 July 2015. The programme was for the benefit of the nodal officers of KVIC, and placed special focus on SFURTI. A total of 32 officials from the Divisional Offices of KVIC in various states had attended the programme.

Current Requirements in Environmental Impact Assessment: Process and Procedures

A 3-day Professional Development Programme on current requirements in Environmental Impact Assessment (EIA)-Process & Procedures was organised at the campus during 20 -22 July2015.

Twenty nine participants representing development agencies, consultancy firms, etc., from the states of Maharasthra, Tamil Nadu, Meghalaya, Delhi and Port Blair (A&N Islands) attended the programme.

Resettlement Training on Supply Chain Management

- A 16-week training in SCM for the JCOs/OR - army officials was conducted at AOC, Secunderabad from 5 May to 21 August, 2015. Maj. Gen. Rajni Kant Jagga, VSM, GOC 54 Infantry Division graced the occasion as Chief Guest, and Dr. Sri Lakshmi was the Guest of Honour, while Brig. Dalip Singh, Commandant, AOC Centre, Secunderabad was the convener. 40 army officials attended the programme.

- The second, and last batch in the series of Supply Chain Management programmes was conducted for the JCOs/OR of Indian army from 4 January - 22 April, 2016. The programme was attended by 23 army officials of the Directorate General of Resettlement, Ministry of Defence, Govt. of India.

Specialised Skill Up-gradation Training Programmes for Construction Workers in Andhra Pradesh

As many as 611 Specialised Skill Up-gradation Training Programmes for Building and Construction Workers at different districts: Ananthapur, East Godavari, Kurnool, Prakasham, and Guntur in Andhra Pradesh were conducted. In all, 18431 workers were benefited. Andhra Pradesh Building & Other Construction Workers Board sponsored these programmes.

Free Coaching for SC & OBC students sponsored by the Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India

A total of 50 SC/OBC candidates were trained in each coaching training in computer programme, and coaching in entrance examinations for civil services sponsored by Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India.

Entrepreneurship/Career Oriented Programme in Solar Technology:

Eight programmes were conducted by the Institute. In view of increased pressure on energy use and the rapid depletion of conventional energy sources as a consequence, renewable energy sector throws open a wide range of attractive opportunities for entrepreneurship and employment generation in the MSME sector. Of the several areas of renewable energy, solar technology is finding particular favour among investors. Our Prime Minister Mr. Narendra Modi has observed that renewable energy especially solar energy is "moving from megawatt to gigawatt". Keeping this shift in energy markets in mind, the Institute conducted eight programmes at different locations during the year as indicated in the following table:

S.No.	Conducted dates	No. of Participants attended	Programme conducted Location
1	30-10-2015 to 01-11-2015	19	Hyderabad, Telangana State
2	20-11-2015 to 22-11-2015	20	Hyderabad, Telangana State
3	18-12-2015 to 20-12-2015	41	Bangalore, Karnataka State
4	09-01-2016 to 11-01-2016	17	Gurgaon, Haryana State
5	15 to 17 January 2016	20	Mumbai, Maharashtra State
6	20 – 21 Feb 2016	28	New Delhi
7	20 – 21 Feb 2016	21	Mumbai, Maharashtra State
8	27 – 28 Feb 2016	27	New Delhi

Programmes under ATI Scheme of the Ministry

The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises promotes the development of micro and small enterprises in the country with the objective of creating self-employment opportunities and upgrading relevant skills of current and potential entrepreneurs. In order to encourage new entrepreneurs and promote the establishment of new enterprises, the Ministry has been implementing various schemes and programmes.

Under such schemes, the Ministry launched the "Assistance to Training Institutions", during the last quarter of 2009-10 to ensure that young entrepreneurs are encouraged and equipped to take up new ventures. This was to be achieved by imparting entrepreneurship and skill development through national level Entrepreneurship Development Institutes. The **ni-msme** being the national level Institute has played a major role as 'Apex Institution' of the Ministry, in the implementation of this scheme.

The Ministry approved and allotted 1,075 programmes against which 321 programmes were actually conducted through Partner Institutions covering 9,275 beneficiaries, and 754 programmes covering 22,599 beneficiaries by the Institute itself. As against the total financial assistance involved of Rs.2430.45 lakhs, the Ministry released assistance of Rs.2430.45 lakhs.

Programmes and Beneficiaries: The number of programmes conducted, the participants trained and the number of trainees who achieved self-employment or managed to find wage employment, since 2009-10 to 2015-16, are listed in the following table.

Program (in numbers)	Trainees (in numbers)	Year	Achievement (success rate)				
			Wage employed		Self employed		Overall
			No.	%	No.	%	%
07	170	2009-10	-	-	-	-	-
411	11,166	2010-11	3,041	27.23	2,619	23.46	50.68
536	15,390	2011-12	3,219	21.00	3,091	20.00	41.00
972	28,443	2012-13	7,394	26.00	5,398	19.00	45.00
1,045	30,910	2013-14	8,111	26.24	8,781	28.41	54.65
1,599	47,136	2014-15	10,358	21.97	6,358	13.49	35.46
1,075	31,874	2015-16	13,632	42.80	6,093	19.10	61.88

Job Melas: As many as 83 Job Melas were conducted during the year by **ni-msme** itself and by the Partner Institutes at different places.

The broad details are indicated in the following table:

State	No. of Job Melas conducted	No. of Employers	No. of candidates attended	No. of candidates attended
Andhra Pradesh	13	74	6613	1218
Telangana	4	103	9937	3434
Tamilnadu	4	28	996	148
Karnataka	4	29	2768	1489
Maharashtra	5	27	2148	910
Odisha	10	136	2994	676
Kerala	42	348	24379	6397
Uttar Pradesh	1	27	3779	802
Total	**83**	**772**	**53614**	**15074**

A two-day Mega Job Mela at Davanagere (Karnataka) during 23-24 August, 2015 in coordination with District Administration of Davanagere and the Department of Employment and Training, KVTSDC, Bengaluru. Hon'ble Union Minister of MSME, Shri Kalraj Mishra was the Chief Guest while the Hon'ble Minister of State for Heavy Industries and Public Enterprises, Govt. of India, Shri G.M. Siddeshwara presided over the event. The chief guest, in his address, invited the applicants to use the government schemes to start up own enterprises in Davanagere and become job givers.
Hon'ble Union Minister of MSME, Shri Kalraj Mishra had graced the 2-day job mela at Deoria (U.P.) organized on 26 & 27th March, 2016. This was the first event of this kind held in Deoria.

A job fair was conducted in the campus during 19-20 March, 2016 in association with its knowledge partner Jobsdialong, sponsored by BHEL, Hyderabad.

e-Learning

ni-msme has made available an opportunity to undergo training through a dedicated portal, viz. **e-Learning** platform. The e-Learning Modules made available are in different professions such as fashion designing, Bakery Products, Basic Tailoring and Embroidery Skills, Basics of Web Designing, Cosmetology and Beautician, Introduction to computers, Matrix of Employability, White Button Mushroom Cultivation, etc. This site is mainly targeted at women entrepreneurs, and acts as a platform where they may learn these courses and start their career from home. These courses will be updated annually. The interested candidates have to register themselves, and are not required to possess any qualification for learning the course(s) they are interested in. If the candidate is registered in one course but desirous of enrolling into another, he or she may access another course through the same user account, i.e. the same login and password and learn the courses that are available free of cost.

Progress achieved: A total of 5,079 candidates enrolled during the year and 4,051 completed their courses as on 31st March, 2016. The break-up of candidates enrolled and completed are indicated in the table below:

Table 5: Break-up of candidates enrolled in e-learning system

S.No.	Name of the Course	Total Enrolled	Total completed
01.	White Button Mushroom Cultivation	317	266
02.	Matrix of Employability	845	726
03.	Introduction to Computers	1219	951
04.	Basic Tailoring & Embroidery Skills	123	79
05.	Bakery Products	685	583
06.	Basics of Web Designing	1192	995
07.	Cosmetology and Beautician	647	419
08.	Becoming a Hotel Receptionist	03	03
09.	Computer Hardware & Networking	05	04
10.	Tally ERP.9	11	07
11.	CAD with Pro-E	03	02
12.	Retail Management	06	03
13.	Computer Numerical Control-(CNC)	06	03
14.	Two-Wheeler Maintenance and Repair	07	04
15.	Food Processing	05	02
16.	Fashion Designing	05	04
	Total	**5079**	**4051**

INTERNATIONAL PROGRAMMES

ni-msme has been conducting several international training programmes, facilitating value-addition to foreign promoters and officials, concerned with MSMEs through training, research, consultancy, extension and information services.

The executive development programmes offered are structured for various professionals in the developing countries, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India, under Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC)/ Special Commonwealth Assistance for Africa Programme (SCAAP)/Afro-Asian Rural Development Organisation (AARDO)/Technical Cooperation Scheme of Colombo Plan (TCS of Colombo Plan). These programmes are of 8 to 12 weeks duration, set over four phases.

The programmes offered to the international participants during the year were as follows:

I Phase International Programmes (12 weeks) from 10 August to 30 October, 2015

1. Communication Skills in English and Promotion of Micro Small and Medium Enterprises (EPMSMEs)

2. Communication Skills in English and Tourism and Hospitality Management (ETHM)

There were 40 delegates who attended these two programmes under different fellowships, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India.

II Phase-II International Programmes (8 weeks)

1. Capacity Building programme for providing Alternate Livelihood Opportunities for the poor (CBALO); and

2. Enterprise Development through Micro Finance (EDMF).

There were 15 delegates attended in these two programmes under the fellowships awarded by the Ministry of External Affairs, Government of India.

III Phase International programmes (8 weeks)

1. Empowerment of Women through Enterprises (EWE);

2. Training Methods and Skills for Managers (TMSM);

3. Total Quality Management & ISO 9001: 2008/14001/22000/27000 & Six Sigma (TQM);

4. SME Financing – Approaches and Strategies (SMEFAS); and

5. Innovative Strategies for SME Development (ISSD).

A total of 99 delegates took part in these five programmes. All these delegates were sponsored by the Ministry of External Affairs under ITEC/ SCAAP/TCS Colombo Plan and AARDO fellowships.

IV Phase of International Programmes (8 weeks)

1. Promotion of Micro Enterprises (POME);

2. Planning and Promotion of Agro and Food Enterprises (PAFE);

3. ToT in Entrepreneurship & Skill Development (ToT-ESD); and

4. Tourism and Hospitality Management (THM).

In all, 77 delegates from different countries were sponsored under the fellowships awarded by the Ministry of External Affairs, Government of India.

EXCLUSIVE INTERNATIONAL PROGRAMMES

Training in Floriculture for Bangladesh Farmers

A two-week international programme was organised during 9-22 September 2015 at the campus. Sponsored by the Agricultural Value Chain Project, DAI, USAID, Bangladesh, the programme was designed to focus more on practical aspects through exposure visits, keeping the concept sessions in classrooms to the necessary minimum.

A total of 10 participants attended the programme and an interpreter was recruited exclusively for this batch. Exposure visits were arranged for the group to various floriculture firms, nurseries, green houses, tissue culture units, non-flowering ornamental plants farms in Karnataka and Maharashtra.

The group had interaction with the officials as well as with the farmers growing various types of flowers like gerbera, rose, marigold, jasmine, carnation and lilium. Apart from visiting the firms, they were exposed to international wholesale flower market, quarantine centre for exporting the products in Bengaluru, and flower markets in Pune and Hyderabad.

ToT Module on Non-Tariff Measures Environment in the SAARC Region

The module was supported by the Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ), which acts on behalf of the Bundes ministerium für wirtschaftlische Zusammenarbeit und Entwicklung [(BMZ) German Federal Ministry for Economic Cooperation and Development].

The Federation of Chambers of Commerce and Industry of Sri Lanka (FCCISL), in collaboration with the SAARC Trade Promotion Network in Kathmandu, Nepal, had successfully conducted the Training of Trainers Programmes on Non-Tariff Barriers (NTBs) and Non-Tariff Measures (NTMs) Environment in the SAARC Region at --Colombo, Sri Lanka during 7-10 December, 2015 and during 29 February – 1 March, 2016.

Dhaka, Bangladesh during 10 – 13 January, 2016 and during 15 – 16 March, 2016

Bhutan, Nepal during 7 – 10 March, 2016 and during 26 – 27 March, 2016

The objective of conducting the module was to impart knowledge to the public and private sectors on overcoming challenges to trade within the region so that they would be able to organise future training programmes, workshops and seminars to promote trade among SAARC countries, to which FCCISL could extend its support. The programme provided the trainees with knowledge on prevailing NTBs and NTMs environment in the SAARC Region and also created the platform to enhance their soft skills with a view to developing their capacity to be a better trainer in the future.

SPECIAL INTERNATIONAL PROGRAMME ON IPR

Organised a 3-week special international training programme on Intellectual Property as a Tool to Enhance Competitiveness of Micro, Small and Medium Enterprises (IPC MSMEs), during 21st December 2015 to 8th January, 2016, at the Institute campus, under the TCS Colombo Plan of the Ministry of External Affairs.

The programme was attended by 9 officials working in intellectual property offices and SME organisations of Bangladesh, Sri Lanka and Malaysia. The content included the themes of intellectual property and rights, utility and importance, documentation and procedures for effective implementation.

ITEC CELEBRATION AT CAMPUS

ni-msme had organised the Golden Jubilee celebration of ITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) at Kalangan in the Institute campus on the evening of 10 December 2015. Mr. Arun Kumar Sahu, IFS, Jt. Secretary, Ministry of External Affairs, GoI was the Chief Guest on the occasion. Around 99 participants from 34 countries attending the third phase of international executive development training programmes had participated in the event.

The ITEC Golden Jubilee celebration took off with the Chief Guest Mr. Sahu lighting the lamp and addressing the gathering. Highlighting the importance of ITEC programme, he outlined its objectives which address the needs of the developing countries and shares the Indian experience with other countries for mutual benefit. He also appreciated the efforts of **ni-msme** in organising the training programmes.

GLIMPSES OF THE CELEBRATION

SEMINARS AND WORKSHOPS

ni-msme conducted 36 seminars and workshops on different subjects for the benefit of MSME stakeholders, service providers, entrepreneurs and the officials in the industries departments of different States, etc. A few of these are indicated below:

National workshop on "Revamped SFURTI"

National workshop on "Revamped SFURTI" was organised jointly by **ni-msme** and Coir Board, at the Institute campus on 8th May, 2015.

Mr. Surendra Nath Tripathi, IAS, Jt. Secretary (SME) & Chairman-Coir Board was the Chief Guest of the workshop. In the inaugural address, he said: Clustering of coir industries in villages is a strategy to enhance the artisans' income by giving them professional inputs. The village artisan is a multi crafted person doing multiple jobs – a bit of this, a bit of that. However, the products should harmonise with their skill-sets and way of doing things. The idea is to help the village coir artisans, who are central to the scheme, to face the markets. Convergence should include schemes as well as knowledge. Businessman's flexibility in making profit should converge on SFURTI. Convergence is better understood, and trust is better built, through money language. The cluster should become self-reliant by the end of scheme period.

IP Awareness for MSMEs

A workshop on IP Awareness for MSME entrepreneurs was conducted on 30th June 2015 at the Institute campus.

The workshop was attended by 32 delegates comprising of prospective as well as practicing entrepreneurs. The objective of the workshop was to introduce the entrepreneurs to IP concepts and components and to create awareness among them on methods of protecting their IP and leveraging it in terms of profits.

World Youth Skills Day

World Youth Skills Day was celebrated at the Institute on the 15th of July, with great enthusiasm. A get-together was arranged on the occasion with the successful entrepreneurs, who had been trained in the Institute's ESDPs and had started up own ventures.

Workshop on Lean Manufacturing Scheme

A one-day workshop on Implementation of Lean Manufacturing Competitiveness Scheme (LMCS), was organized on 8th September 2015 at the campus. The event was conducted in association with Boon Management Consultants Pvt. Ltd. (BMCPL), Mumbai. The main objective of the workshop was to create awareness about the scheme among the entrepreneurs, and to help them implement it by providing technical services. About 50 entrepreneurs from the Hyderabad Printing Cluster and the Sircilla Textile Cluster participated in the workshop.

International Conference on Skills

SKILLS 2015 - the Third International Conference on Life Skills & Livelihood Skills - Realizing and Sustaining Clean India was organised at the campus for two days on 19 and 20 November, 2015. Over 200 delegates from eight countries had participated in the conference.

Workshop on NSQF Compliance

A workshop on National Skills Qualifications Framework (NSQF) was organised at the Institute on 4th November 2015, which was attended by 25 representatives of 22 Partner Institutions besides 13 faculty members, consultants and coordinators from **ni-msme**. The workshop took off with welcome address of Mr. G. Jayakar Rao, Faculty Member, **ni-msme**.

Dr. G. P. Vallabh Reddy, CAO, **ni-msme** opened the proceedings. He highlighted the need for NSQF for the Partner Institutions as well as for **ni-msme**, while emphasising the level of framework from 1-10.

Ms. Monika Mishra of NSDA, Government of India, New Delhi addressed the participants in a detailed session on NSQF Compliance and the role of NSDA. She explained through a presentation the concept of NSQF landscape that includes Type of Qualifications, Accreditation Learning Outcome, RPL, Performance Criteria, Industry Validation, Job Role and Qualification Register. After her talk she answered questions from the delegates and gave appropriate clarifications. **ni-msme** proposed to be an accrediting body and the same will be corresponded to NSDA. **ni-msme** plans to file its own qualification requirements for all the trades under the ATI scheme. A core team has to be put together for the purpose. The programme concluded with the vote of thanks by Mr. Jayakar Rao.

Workshop on Hazardous Waste Management

The School of Enterprise Development (SED) of **ni-msme** had conducted a two-day workshop on "Industrial Waste Management in SME Sector" during 29- 30 December 2015. The workshop was sponsored by the Department of Scientific and Industrial Research (DSIR), Ministry of Science & Technology, under the scheme of Access to Knowledge for Technology Development and Dissemination (A2K+) programme.

The workshop was designed with the aim of creating awareness among the small entrepreneurs regarding the need for using suitable equipments/plants for the treatment and disposal of wastes generated by their industries.

Workshop on Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP)

A two-day workshop on Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) was organised at the campus during 18-19 January 2016. Seventeen participants from Maharashtra, Odisha, Himachal Pradesh, Chhattisgarh, Telangana and Andhra Pradesh took part in the workshop.

Orientation on Entrepreneurship and Business Opportunities for Retirees of EME Depot Battalion, Ministry of Defence, Govt. of India

- One-day Orientation programmes were conducted on 13 April, 2015, 13 May, 12 June and 10 July, 2015 for the benefit of retired army officials.
- Two-day workshops on entrepreneurship were also organized on 14 & 15 April, 2015; 14 & 15 May, 2015; 15 & 16 June, 2015 and 15 & 16 July, 2015. In each workshop about 20-30 retired army officials were participated.

Participation in Exhibitions & Fairs

MSME DEF Expo

This expo is a new initiative organised with a view to creating a vibrant Defence industrial base with focus on private industries. This fair would enable utilisation as well as consolidation of the national manufacturing base in areas such as ship building, engineering and metallurgy, automotives, electronics, avionics and telecommunications.

The MSME DEF EXPO 2015 is the showcase event to promote the products and services of MSME sector to domestic and international companies in the areas of Defence, Aviation, Aerospace and Homeland Security Systems. The event was organised by National Small Industries Corporation (NSIC), enabled by the support of the Ministry of MSME, and the Govt. of Karnataka. KVIC, Kalpakruthi, **ni-msme** and STPI were the supporting partners of the expo. The event was conducted at Bangalore, capital city of Karnataka during 10 to 12 December 2015 at White Orchid Convention Centre, Manyatha Tech Park.

The expo was inaugurated by Mr. Kalaraj Mishra, hon'ble Minister for MSME, Govt. of India. Other distinguished persons who participated in the inauguration and visited the **ni-msme** stall included Mr. Manoj Joshi, IAS, Jt. Secretary (SME); Mr. Ravindranath, CMD, NSIC; Mr. P. Ravi Kumar, General Manager (South Zone), NSIC; the State Minister from the Department of Industries and Commerce of Karnataka.

International Trade Fair (IITF)

The 35th India International Trade Fair (IITF 2015) held during 14th to 27th November at Pragathi Maidan, New Delhi, was inaugurated by the President of India on the 14th. The MSME Expo-2015 at Hall No. 7ABC was inaugurated by Mr. Kalaraj Mishra, Union Minister of MSME. Mr. Giriraj Singh, Minister of State for MSME; Mr. Anup K. Pujara, Secretary (MSME) to Govt. of India; Mr. Surendra Nath Tripathi, AS&DC (MSME), other government officials and Director General of **ni-msme** also attended the inauguration.

The Institute had also actively participated in the Expo by putting up a stall. The distinguished personages who visited the **ni-msme** stall included the Minister and officials of MSME, and other ministries.

Thousands of people including officials, NGO representatives, entrepreneurs and students visited the **ni-msme** stall and our faculty provided the necessary information related to MSMEs. The stall also displayed the publications of **ni-msme**.

The theme of IITF 2015 was "Make in India". The main aim was to highlight India's achievements, socio-economic development, export potential, to provide a platform for business transactions, product launches and test marketing, as also to open new avenues for transfer of technology to our neighboring countries and to explore joint venture possibilities. The **ni-msme** stall was managed by Mr. Janapareddy Ravinder and Mr. R. Naga Rajesh, coordinators for **ni-msme**.

CONSULTANCY

ni-msme executed twenty four projects - 14 related to the evaluation studies, etc. and 10 on cluster development activity sponsored by different Ministries and Organisations in 2015-16. Some of them are highlighted below:

Evaluation Studies

Evaluation of Schemes of NBCFDC implemented in the States of Haryana, Himachal Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh

This program required the evaluation of candidates trained by apparel training and design centres under skill development training programme of NBCFDC under corporate social responsibility initiatives by Power Finance Corporation in the states of Haryana, Himachal Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh.

The project was sponsored by National Backward classes Financial and Development Corporation, New Delhi. The study has been covered four states viz. Haryana, Himachal Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh. The total number of 2700 candidates were trained by the apparel training institutes located in the different parts of the four states.

The study covered a sample of 2025 trainee candidates, 189 trained from PSQC course, 430 trained from GCT Course, 229 trained from SOT Course, 41 trained from SSOT course and 1136 trained from SOB+ A Course. A major chunk of beneficiaries of the five training courses conducted by the ATDC opted to go in for sewing machine operation (Basic & Advance) course. This throws¬ light on the aptitude of trainees in understand the basics of apparel manufacture so that they may significantly enhance employment opportunities for themselves after the completion of training. Out of the trained candidates 53.4% of those trained could get wage employed while 28.9% others could get self-employed. With only 17.7% are remaining unemployed, it speaks volumes almost success of the NBCFDC funded scheme. The study was completed and the repost submitted to NBCFDC.

100% Physical Verification of PMEGP units for 2011-12 and 2012-13 in the state of Assam

The study was sponsored by State Director, Khadi & Village Industries Commission, Guwahati, Assam. The total number of beneficiaries under PMEGP represents for the study is 9,835. Systematically the team attempted to do the physical verification on survey for collecting the required information from the list of beneficiaries provided by the three development institutions viz., DIC, KVIB and KVIC for the year 2011-12 & 2012-13 and covered all the 27 districts of the state.

In Assam state, on physical verification of PMEGP units financed during the year 2011-12 & 2012-13, it has been observed that the implementation of the scheme was done in a better manner and the scheme could generate employment opportunities in rural areas. It may also be noted that the state nodal agencies of KVIC and other implementing agencies such as KVIB, DIC and Banks have done a commendable job in identifying beneficiaries and approving the project and sanctioning the financial assistance. The study was completed and the report was submitted to KVIC, Assam. The study was coordinated by Dr G P Vallabh Reddy and Mr. N R Prasad Reddy, Faculty, School of Enterprise Development.

100% Physical Verification of PMEGP Units in the State of Telangana

The KVIC in the State of Telangana has entrusted the Institute the project for conducting verification of PMEGP units financed by KVIC/KVIB and DICs in the state of Telangana.

Cluster Development Activities

ni-msme in implementation of Revamped SFURTI

ni-msme has been providing technical services for implementation of Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI) scheme for promotion and development of traditional industry clusters since 11th Five year plan period. In addition to KVIC and Coir Board, the Ministry has designated **ni-msme** as Nodal Agency for the implementation of the scheme. Now **ni-msme** is playing role of both nodal agency and technical agency.

ni-msme as Nodal Agency

To start with **ni-msme**, has empanelled six Technical Agencies namely IL&FS Clusters Initiatives Ltd, Foundation for MSME Clusters, Grant Thornton India LLP, APITCO Ltd, Maharashtra Centre for Entrepreneurship Development and Apex Cluster Development Services Pvt. Ltd. **ni-msme** had organized workshops on Revamped SFURTI inviting key stakeholders at Hyderabad for the benefit of Andhra Pradesh and Telangana States in association with KVIC and State Governments and also at Maharashtra Centre for Entrepreneurship Development, Aurangabad. In order to identify potential clusters, invite views from various stakeholders and also consent from State Governments, a State Level Screening Committee (SLSC) was constituted for Andhra Pradesh, Telangana, Punjab, Uttar Pradesh, Bihar and Maharashtra States.

As Nodal Agency, **ni-msme** has identified 59 clusters through Technical Agencies, Implementing Agencies and other stakeholders. **ni-msme** had submitted PPRs for 8 clusters located in Andhra Pradesh and Telangana through IL&FS where as 5 Clusters in Punjab State by Grant Thorton to Scheme Steering Committee. In total five clusters were approved by the Ministry. Presently 3 clusters in Uttar Pradesh, 8 clusters in Telangana and 7 clusters in Andhra Pradesh are under active consideration and preparation of diagnostic study reports/ detailed project reports are under progress.

ni-msme as Technical Agency

Khadi & Village Industries Commission (KVIC) has assigned four clusters namely Harihara Khadi clusters in Karnataka, Srikalahasti Kalamkari crafts cluster, Jonnada Food Processing Cluster and Haripalem Mesta & Palm Products cluster in Andhra Pradesh to provide technical services by **ni-msme.**

The Ministry has approved Harihara Khadi clusters and Srikalahasti Kalamkari crafts cluster in which capacity building Programmes were under progress.

In case of Jonnada Food Processing Cluster and Haripalem Mesta & Palm Products cluster, the Diagnostic Study Reports were under preparation. The faculty of **ni-msme** had conducted focused group meetings with artisans, officials of state government and KVIC to elicit requisite information.

Coir Board has assigned two clusters in Maharashtra namely Pendur and Sawanthwadi and four clusters in Andhra Pradesh namely Chittor, Vishakhapatnam, Vijayanagaram and West Godavari to **ni-msme**. In addition to the above, **ni-msme** was also working on assessing potentiality of another eight coir clusters in the state of Andhra Pradesh. The Ministry had approved three projects, namely, Sawanthwadi and Pendur coir clusters in Maharashtra and Vishakhapatnam coir cluster in Andhra Pradesh.

Revamped SFURTI Clusters

The Institute has been providing technical services for implementation of Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI) for promotion and development of traditional industry clusters since 11th Five year plan period. In addition to KVIC and Coir Board, the Ministry has designated **ni-msme** as Nodal Agency for the implementation of the scheme. Now **ni-msme** is playing role of nodal as well as technical agency.

As Nodal Agency

To start with, six Technical Agencies namely IL&FS Clusters Initiatives Ltd, Foundation for MSME Clusters, Grant Thornton India LLP, APITCO Ltd, Maharashtra Centre for Entrepreneurship

Development and Apex Cluster Development Services Pvt. Ltd. were selected. **ni-msme** has organized workshops on Revamped SFURTI inviting key stakeholders at Hyderabad for the benefit of Andhra Pradesh and Telangana States in association with KVIC and State Governments and also at Maharashtra Centre for Entrepreneurship Development, Aurangabad. In order to identify potential clusters, take views from various stakeholders and also consent from State Governments, a State Level Screening Committee (SLSC) was constituted for Andhra Pradesh, Telangana, Punjab, Uttar Pradesh, Bihar and Maharashtra States.

As Nodal Agency, 59 clusters were identified through Technical Agencies, Implementing Agencies and other stakeholders. Has submitted PPRs for 8 clusters located in Andhra Pradesh and Telangana through IL&FS where as 5 Clusters in Punjab State by Grant Thorton to Scheme Steering Committee.

In total the Ministry has approved five clusters. Presently 3 clusters in Uttar Pradesh, 8 clusters in Telangana and 7 clusters in Andhra Pradesh are under active consideration and preparation of diagnostic study reports/detailed project reports were under progress.

As Technical Agency

Khadi & Village Industries Commission (KVIC) has assigned **ni-msme** four clusters namely Harihara Khadi clusters in Karnataka, Srikalahasti Kalamkaricrafts cluster, Jonnada Food Processing Cluster and Haripalem Mesta & Palm Products cluster in Andhra Pradesh to provide technical services. The Ministry has approved Harihara Khadi clusters and Srikalahasti Kalamkaricrafts cluster in which capacity building Programmes are under progress and also initiated for establishment of common facility centers. In case of Jonnada Food Processing Cluster and Haripalem Mesta & Palm Products cluster, the Diagnostic Study Reports are under preparation. The faculty of **ni-msme** has conducted focused group meetings with artisans, officials of state government and KVIC to elicit requisite information.

Coir Board has assigned two clusters in Maharashtra namely Pendur and Sawanthwadi and four clusters in Andhra Pradesh namely Chittor, Vishakhapatnam, Vijayanagaram and West Godavari to ni-msme. In addition to the above, **ni-msme** is assessing potentiality of another eight coir clusters in the state of Andhra Pradesh. The Ministry has approved three projects namely Sawanthwadi and Pendur coir clusters in Maharashtra and Vishakhapatnam coir cluster in Andhra Pradesh.

DPR for Gondia Murmura Cluster

Khadi & Village Industries Commission (KVIC) has given the task of preparing Detailed Project Report (DPR) to **ni-msme** for Murmura Cluster at Gondia, under the Khadi Reform and Development Programme (KRDP) programme of KVIC. There are around 4,000 artisans in the cluster area and it is expected to support 700 artisans under the proposed project. The artisans are concentrated in and around Gondia in more than 40 villages, located at 2 to 10 km. from Gondia. The artisans, mostly women belonging to tribal communities, are active, dynamic and eagerly looking for support from the Government. The DPR was prepared in consultation with the officials of KVIC, Nagpur. The requisite information was collected through field investigators by visiting artisan workplaces and also conducted village level meetings to elicit information from the artisans.

Based on the problems areas, a few interventions were suggested which include creating awareness on cluster strategy, sensitizing on manufacturing of value added products, organising exposure visit to Sindhudurg Food Processing cluster, promotion of self-help groups for common procurement, production and marketing, organsing skill development training, deployment of technical and financial consultants to review the production process for process and product improvement apart from creation of common facility centre and distribution of tools.

DPR of Gadwal Handloom Park

The Department of Handlooms & Textiles, Government of Telangana has assigned the task of preparing Detailed Project Report (DPR) for Gadwal Handloom Park to National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises (**ni-msme**), Hyderabad. The park helps in improving quality and

productivity apart from enhancing social-economic conditions of the weaver community. In order to identify critical bottlenecks two meetings were organized, one with the representatives of handloom societies namely Priyadarshini Mahila Handloom Weaver's Cooperative Society Limited; Gadwal Handloom Weavers Co-operative Society; Sri Raja Rajeshwari Mixed Fabrics Handloom Weavers Co-operative Society Limited and another with weavers at Gadwal. As per the issues identified during filed investigation, suggestions given by the officials, weavers and cluster experts, the Detailed Project Report (DPR) has been prepared and submitted to the Government of Telangana.

DOCUMENTATION AND PUBLICATIONS

ni-msme has a Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC) to provide a comprehensive database on domestic as well as international business opportunities, trade enquiries, regulatory systems, etc., that are of value to MSME entrepreneurs. Such database services are also offered on-line to MSME associations in India.

The Institute's Library services are utilized not only by the Faculty of the Institute but also by a large number of members during the working hours as also before and after office hours.

Information Resource Base

Books: Books and other institutional publications form major source of information. During the period under report, **ni-msme** had added a total of 160 books and other documents to its collection.

Periodicals: **ni-msme** has subscribed to 50 Indian and foreign journals during the year. 25 journals were received on exchange and complimentary basis and about 15 newsletters are received from different institutions/organizations.

Hindi Section: **ni-msme** maintains a separate collection of Hindi books for the benefit of participants and staff.

PUBLICATIONS

ni-msme publishes a research quarterly SEDME journal in addition to the monthly news Bulletin relating to the activities executed in the month.

ni-msme also publishes books for the Ministry of MSME. The publications brought out during the year were:

	Title
1	MSME Schemes (English & Hindi)
2	MSME at a Glance (English & Hindi)
3	Framework for Revival and Rehabilitation of MSME (English & Hindi)
4	Udyog Aadhar (English & Hindi)
5	Youth Empowerment Schemes (English & Hindi)

Mobile APP

Dr. Anup K. Pujari, IAS, Secretary to Govt. of India, Ministry of MSME inaugurated a Mobile App made by C-DAC, Hyderabad during his visit in November. Dr. Bharati S. Sihag, IAS AS & FA, Ministry of MSME and Mr. Surendra Nath Tripathi, Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) were also present among others.

MSME mobile apps can be downloaded using below links.
a.MSE Schemes : https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cdac.msme_schemes
b. MSME Project Profiles
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cdac.nimse_projectProfiles

IMPLEMENTATION OF OFFICIAL LANGUAGE

As per the directions of Department of Official Language of Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, various activities were conducted by **ni-msme** for implementation of Official Language policy.

Sl. No.	Date	Details of the programes
1.	15 April 2015	A work-shop was conducted on the subject 'Utilization of IT Tools for work in Hindi'. Shri Shriram singh Shekhavat, Asst. Director, Hindi Teaching Scheme, Hyderabad was the Subject Expert. who enlightened about I.T. tools to participants.
2.	14 May 2015	Model Examination for the employees nominated for the Hindi Training Courses Praveen and Pragya and conclusion of Hindi Training Classes was arranged. Smt. Tarun Shekhavat, Lecturer Hindi Teaching Scheme conducted the Model Examination.
3.	15 June 2015	A work-shop was conducted on the subject 'Utilization of Mantra Software for facilitation in Translation'. Shri Dibyendu Chaudhuri, Faculty Member was the subject expert, who guided in the matter.
4.	14 July 2015	Programme on 'Guidance regarding proforma of Monthly Compilation of Data in respect of Implementation of Official Language Hindi' was conducted for the employees of the Institute. Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator conducted the programme.
5.	14 August 2015	Awareness Session on the subject 'Adminstrative Terminology' was conducted. Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator given the guidance regarding Official Terminology and it's utilization.
6.	14 September 2015	Rajbhasha week was inaugurated on occasion of Hindi Day. Various programmes and competitions were conducted during week 14th to 18th September 2015.
7.	14 October 2015	Workshop on the subject 'Hindi Type writing : basic fundamentals and precautions' was conducted. Shri Rajesh Kumar varma, Asst. Director Hindi Teaching Scheme, given guidance as Subject Expert.
8.	14 November 2015	Model Examination was conducted for the employees nominated for Pragya Course during the month of June to December 2015 by Hindi Teaching Scheme.
9.	14 December 2015	Practice session was conducted in the computer laboratory of SENDOC building in premises of the Institute for the employees nominated for Hindi Typewriting Correspondence course. Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator conducted the session.
10.	14 January 2016	A special programme was conducted in New Training Building on the 'Targets set for the year 2015-16 by Official Language Dept'. Dr. Shirish Kulkarni was conducted the programme .

11.	15 February 2016	Special Session was conducted on the subject 'Hindi Noting and Drafting' in Room No. 104 of New Training Building. Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator given the information regarding Basics of Hindi Noting and Drafting. He also informed to write more Notes and Drafts as per the directions of Ministry of MSME.
12.	14 March 2016	Hindi Day was celebrated and workshop was conducted on the subject 'Utilization of easy, simple and congenital Hindi in Official Work'. Dr. Arun Kumar Ingle, Chief Manager, State Bank of India, Local Head Office, Hyderabad was participated in the workshop as subject expert.

An Official Language Implementation Committee was constituted. The quarterly meetings of the committee were held on 13 May, 02 September, 05 November, 2015 and 11 February, 2016.

'Rajbhasha Saptah' was celebrated from 14 September to 18 September, 2015. During Rajbhasha Week, various programmes and competitions were conducted in which all the employees of the Institute participated. Exhibition of Hindi Books was also arranged during the week.

CITIZENS' CHARTER & RIGHT TO INFORMATION ACT

ni-msme Citizens' Charter

As specified in the Result Framework Document (RFD), Sevottam Compliant Citizens' Charter, a Sevottam Compliant Grievance Redress Mechanism is mandatory. Accordingly, a Citizens' Charter has been adopted for the Institute and the same can be viewed at the Institute's website.

The objectives of the Institute are to conduct training programmes or seminars and workshops for national and international executives, for employees of all MSME service providers. It undertakes and executes research and consultancy projects for the development and promotion of enterprises, offers skill-based training programmes for youth and also provides information relating to MSME to citizens and clients.

Right to Information Act

For information under the Right to Information (RTI) Act, 2005, citizens may approach the Public Information Officer (RTI) located in the New Training Building (Ground Floor: Assistant Registrar's Office), **ni-msme**, Yousufguda, Hyderabad 500 045 on any working day.

During the year 2015-16, the Institute received 28 applications. Of these 28 applications, 27 were disposed off duly furnishing replies.

SWACHH BHARAT

In consonance with the national cleanliness campaign, **ni-msme** observed "Swachhta Abhiyan" from 25th September to 31st October 2015. As part of it, the Institute displayed banners at prime locations in the office. The cleaning tasks executed this month consisted of the following:

Before **After**

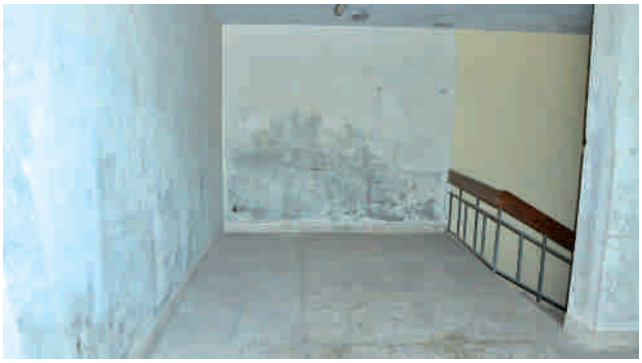

Cleaning the stack areas in the 1st and 2nd floors of SENDOC building by way of removing used papers/books, etc., including packing materials and the accumulated dust; A special drive to clean the campus by deploying additional labourers to clear up the dry leaves and broken dry twigs; Weeding out the timed out records, after dusting and arranging in order in the records room, to be consigned to flames after careful examination of their usefulness; Removing the cobwebs in the sections/cupboards.

Enviro Friendly Activities

The sprawling campus of the Institute with its stretches of well-pruned green carpets lined with majestic trees has become a favourite habitat for a wide range of homing as well as migratory birds – peacocks, peahens, cuckoos, doves, pigeons, parrots and other kinds of small colourful birds – pleasing alike the national and international participants, campus residents, employees and visitors with their enchanting frolics and engaging chirrups.

With a view to hosting the winged creatures in comfort, an old protean shaped pond that fell into disuse has been rescued and renovated. This step adds an elegant look to the campus while assuaging the thirst of the birds. The Director General inaugurated the charming addition on the 13th of July, during which event all the employees were present. With the same spirit of enthusiasm, the eroded west-side compound wall was repaired and restored to good condition through plastering and snowcem whitewash, for about a stretch of 461 ft.

NATIONAL FASTIVALS AND OTHER EVENTS

NATIONAL FESTIVALS

69th INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

The Institute celebrated the 69th Independence Day on the 15th of August, with conventional joie de vivre. The Director General hoisted the tricolour while the assemblage watched. Every member of **ni-msme** family and their kith and kin present joined voice in rendering the National Anthem. The DG greeted the gathering and addressed them briefly. His speech focused on shared history between India and the countries of the foreign delegates on the campus. Further he spoke about the Institute's endeavours for the near future and its commitment to working towards achieving the Prime Minister's vision of a self-reliant India through its activities in the MSME domain.

A cultural itinerary followed, anchored by Mr. Jayakar Rao Gutty of **ni-msme**. Miss Gauravi performed an item of Indian classical dance, and other members of staff recited songs. The international delegates too presented poems and music of their respective countries.

Republic Day Celebrations

The Republic Day was celebrated with traditional fervour and festive gaiety on 26th January in the **ni-msme** campus. All the international delegates attending the fourth phase of executive development training programmes as well as participants of the national programmes and members of **ni-msme** family attended the ceremony.

The Director General in his emotional speech narrated the significance of the ceremony and its date. Then he talked about the progress of the country in the last six and half decades, as also about the Institute's contribution to MSME sector and its endeavours.

After the Director General hoisted the flag, the National Anthem was sung and everybody saluted the flag. Cultural items were presented afterwards, in which Indian patriotic songs and dance items were rendered by national participants and **ni-msme** members. The international delegates too took part in the festivities by rendering the lilting tunes of their native cultures.

Refreshments were served all round and those who took part in the cultural calendar were presented with mementos.

OTHER EVENTS

Anti-Terrorism Day

The observance of Anti-Terrorism Day on 21st May 2015 was organised at the Institute. All the members of the **ni-msme** family gathered in Room No.205 of the New Training Building of the Institute at 11.00 a.m. The Con (Admn.) enlightened the gathering about the importance of Anti-Terrorism Day, being observed to wean the youth away from terrorism and the cult of violence by highlighting the sufferings of common people and showing as to how it is harmful to the national well-being.

The Director General administered a pledge to the assemblage of employees in Hindi, followed by the English version, which emphasises the mass awakening against terrorism and violence. The meet was dispersed after rendering the National Anthem.

Rashtriya Ekta Divas

On 30th October 2015, all the members of **ni-msme** family had gathered in the New Training Building to observe the Rashtriya Ekta Divas. The central government has declared 31st October, the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel as the Rashtriya Ekta Divas, which is being observed for the first time this year. In view of 31st being a holiday, **ni-msme** observed the event on the 30th. The Chief Administrative Officer explained the importance of the occasion. The Director General administered to the employees the ekta pledge, which emphasises the need for unity among all peoples of the country, in Hindi and English separately.

Vigilance Awareness Week

Every year in October, the country observes Vigilance Awareness Week. This year it was observed from 26th October 2015 to 31st October. **ni-msme** too observed the week. The theme for this year was "Preventive Vigilance as a tool of Good Governance". As part of the observance, the Institute displayed banners at prime locations in the campus. Mr. M. Chandrasekhar Reddy, Director General administered the pledge to all the employees of **ni-msme** on 26th October 2015 at 11.00 a.m., as stipulated by the Central Vigilance Commission, in the Mini Conference Hall of the New Training Building. An essay writing competition was held on the subject of vigilance on 30th October (31st being a holiday). Later in the evening, the winners were awarded cash prizes, given away by Director (SED).

National Integration Week

The "Quami Ekta Week" (National Integration Week) was observed in the Institute campus from 19th to 25th November 2015. All members of the **ni-msme** family assembled in the Mini Conference Hall of the New Training Building of **ni-msme** on the 19th, at 11.00 a.m. The Chief Administrative Officer of the Institute elucidated about the significance of "Quami Ekta Week". The Director General administered the pledge of integration to the gathering of employees, first in Hindi, followed by the English version. The pledge emphasises the spirit of communal harmony, national integration and sense of belonging among the people of the country. An essay writing competition on the subject of Linguistic Harmony Day/Cultural Unity Day was held on the last day of observance, i.e., on the 24th (25th being a Public Holiday on account of Guru Nanak's Birthday), from 3.30 p.m. to 4.30 p.m. After the competition, the winners were awarded cash prizes, given away by the Chief Administrative Officer.

Constitution Day

The "Constitution Day" was observed at **ni-msme** on 26th November 2015. All the members of the **ni-msme** family gathered in the Mini Conference Hall of the New Training Building of the Institute at 11.00 a.m. The Chief Administrative Officer of the Institute enlightened the gathering about the importance of the "Constitution Day". Banners in bilingual form were prepared and displayed at important spots in the campus.

The Director General read out the Preamble to the Constitution to the assemblage of employees first in Hindi, followed by the English version. The text of the Preamble received from the Ministry was also displayed in noticeable locations of the campus.

Women's Day Celebrated

The International Women's Day was celebrated at **ni-msme** on the evening of 8th March 2016, in association with Matrubhakthi Maasa Patrika, Dr. Rajeswari Charitable Foundation and Heaven Home

Society. A total of 50 women including entrepreneurs, representatives of NGOs, students and the female employees of **ni-msme** had attended the celebration. Ms. Tejaswani, co-ordinator of the Heaven Home Society welcomed the gathering, which was followed by lamp lighting. The invocation was rendered by Mrs. Geeta Venkatesan of FOCUS-5.

Dr. L. Fahmida Banu, Femi care hospital; Dr. Mahalakshmi, Associate Dean, Home Science Department; Mrs. Prasunna, CEO of S. Mushroom Agri-tech; Mrs. Usha, Founder of the NGO Abhaya; Mrs. Varalakshmi, social worker; and. Mrs. V.Swapna, Associate Faculty Member, SEM of **ni-msme** were among the dignitaries present. Sharing their experiences, they highlighted the importance of Women's Day and spoke about female empowerment. Mrs. Swapna highlighted the activities and achievements of the Women Studies Cell of **ni-msme**. She suggested that the women go through the MSME schemes available on the **ni-msme** website for the benefit of women entrepreneurs.

VISITORS GALLERY

- Mr. Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of State for MSME had handed over letters of offer to 8 of the trainees of IT-based ESDPs organised by **ni-msme**. These trainees were selected by the multi-national company Polaris as part of their outsourcing programme at the job mela conducted by **ni-msme** on 3rd March 2016 at the Institute campus, for the trainees of IT-based ESDPs it had organised.

Speaking on the occasion, the Minister expressed happiness that the ESDPs are benefiting women to become independent, either through waged placements or through self-employment. A total of 262 trainees had attended the interviews at the campus job mela, of whom 75 candidates in over half-dozen trades have been shortlisted for the second round of screening by 11 employer firms who participated in the mela.

While at the campus, the Minister had visited the SENDOC library, viewed the books in the stack area and glanced through the Institute's publications. He gave some suggestions to improve the library and its services. Then he viewed the exhibition of MSE products set up by the partner institutions. Making sure to visit every stall, he interacted with the entrepreneurs regarding their products/services.

- The Director General had a meeting with His Excellency Mr. Prithvirajsing Roopun (MP), Hon'ble Minister of Social Integration and Economic Empowerment on 24th September 2015 in the Board Room. Mr. Boyramboli Bojrazsingh, Permanent Secretary, Ministry of Social Integration and Economic Empowerment, Govt. of Mauritius was also with the visiting Minister. The dignitaries were accompanied by an official of NIRD. All faculty were present in the meeting.

- Parliamentary Committee headed by Shri C.P. Thakur visited Hyderabad on 30 and 31 January, 2016. The Director General made a presentation of annual accounts and the activities of the Institute to the Committee chaired by Shri Thakur on 30 January, 2016.

- Dr. K.K. Jalan, IAS, recently appointed as Secretary (MSME) to Govt. of India visited the campus on 16th March 2016, as the Chief Guest of the valedictory function of the phase-IV international training programmes of **ni-msme**.

Addressing the participants on the occasion, Dr. Jalan conveyed thanks to ITEC programme of the Ministry of External Affairs (MEA). He connected the age-old Indian outlook with the vision of the programmes – starting out with "NOWHERE" and proceeding to "NOW HERE" and "EVERY WHERE" as the spirit of the participants goes through stages of transformation.

When they arrive on the first day they do not know anybody and find everything strange; on the day they depart leave the campus, they know every nook and corner of **ni-msme** campus and are on smiling terms with everyone.

After the valediction, Dr. Jalan met the faculty in the board room, where the discussion was focused on the theme of MSME research and development, and how **ni-msme** can take part in IT and add value to it. Earlier, the **ni-msme** Employees Union met the Secretary in the guest room to pay their respects.

- Dr. Anup K. Pujari, IAS, Secretary to Govt. of India, Ministry of MSME had visited the Institute on the afternoon of 15 September, 2015. The visit was part of his 2-day tour to Hyderabad. This is Dr. Pujari's first visit to **ni-msme**.

During the visit the Secretary interacted separately with the four groups of international participants attending the four on-going training programmes, and met the batch of NMDC trainees in the classroom too. He then addressed the gathering of the international participants and later with NMDC participants.

- Mr. S.N. Tripathi, IAS, Jt. Secretary (SME) during his visit to the campus chaired an idea generating meeting on 9 May 2015, held in the board room. The Director General and the faculty members had attended. The point of discussion was the best way of utilising the open land for extension campus of the Institute.

Mr. Manoj Joshi, Joint Secretary (SME), Govt. of India was at **ni-msme** on 14th January 2016. While touring round, the Director General apprised the Joint Secretary about the facilities and functions in the various blocks - the academic schools, class-rooms, conference halls, IPFC, computer lab, Registrar's office, library, as well as board room and the guest-room complex.

At every point, Mr. Joshi enthusiastically interacted with the functionaries regarding the status, condition, capacity and purpose of the particular section or facility, and thoroughly acquainted himself with the Institute's activities. The Director General convened a meeting in the board room with all the faculty members attending. The visiting dignitary addressed them and had discussions regarding the Institute's activities and endeavours, which continued on a positive and encouraging note.

- Mr. A.K. Jha, Chief Executive Officer & Commissioner, KVIC in connection with Orientation Programme on Cluster Development held during 6-10 July, 2016. The programme was for the benefit of the nodal officers of KVIC.

- Dr. K. Gopal, IAS, Development Commissioner (Handicrafts) had visited the campus on 10 February, 2016 to get familiarised with the activities of the Resource Centre for Traditional Paintings (RCTP), housed at **ni-msme**, as also to interact with the craft community.

During his interaction with the artists and students, Dr. Gopal had enquired about the painting process, design features and market trends, and suggested that the artists should turn their attention to market driven themes instead of painting the established themes. Further, he had given practicable tips on market expansion so that they could improve their income. He discussed about the practices, styles and techniques adopted by master craftsmen in working on their traditional paintings and motivated the students to focus on innovation and creativity. He studied the paintings of different styles displayed at the RCTP with keen attention, took note of the books and documentation on traditional paintings that the RCTP has procured and compiled.

- A seven-member delegation comprised of senior-most faculty members of the National Institute of Hearing and Handicap visited the campus on 24 April 2015. They interacted with Registrar regarding the activities of the Institute and stated that **ni-msme** can take up research studies in collaboration with NIHH and help them with skill development programmes.

- The Director General chaired an interactive meet on National Employability through Apprenticeship Programme (NETAP). All the faculty of the Institute along with a delegation from the Team Lease Skill University, Hyderabad comprised of Mr. Sumit Kumar, Vice President; Mr. Kunal Pratap, Associate GM; Mr. Shivanand Patil, Manager; and Mr. Kapil Kumar Shrivastava, Manager-BD.

- The possibility of Team Lease associating with **ni-msme** in skill development programmes for the unemployed youth, embedded with the apprenticeship model, was also discussed.

- Ms. Eva Majurin, Officer, Entrepreneurship and SME Management Training, SME, Geneva, Switzerland visited ni-msme on 17th April 2015 along with APITCO, ILO Coordinator Mr. Chandra Reddy. She interacted with Mr. M. Chandrasekhar Reddy, Director General, and members of the faculty.

- Lt. Col. Manan Kandari of the AOC called on the Director General on 27th April 2015, accompanied by Registrar Dr. N. Srilakshmi. He invited the DG to the inaugural function on 5 May, 2015 of the first 16-week programme of Resettlement Training in Supply Chain Management that **ni-msme** is conducting for the AOC.

- Mr. Unneen Kutty, Executive Director, KIED, Ernakulam called on the Director General on 1st June, 2016 and held discussions.

- Dr. B.R. Agarwal, Director, ITAG Business Solutions Ltd., Kolkata called on the Director General on 27th July 2015. The aim was to explore ground for joint activities.

- On the 28th of July, four senior officials of IL&FS called on the Director General. Their discussions focused on the modalities of IL&FS enlisting as Technical Agency so that SFURTI can be implemented in different locations across the country.

- Arnab Chakraborty, National Director, UNCTAD-Empretec Programme for India from Kolkata called on Director General on 12 August, 2015 and had deliberations.

- Mr. Hemendra Kumar Sharma, Director (DPA-II); and Mr. J.N. Majhi, Dy. Secretary (TC) - both of the Ministry of External Affairs - called on the Director General on 26th August 2015. The two dignitaries were here to review the activities concerned with the Institute's international training programmes.

- The Director General had a meeting with Mr. K Srinivas, Joint Secretary, Ministry of Agriculture, Govt. of India on 26th September 2015. Dr. G.U.K. Rao was also present in the meeting. The discussions focused on the activities of **ni-msme**.

- Mr. Richard Oliver, Chief Executive Officer, American Sentinel University visited the campus on 19 November, 2015 and inaugurated the Phase-III International Programmes.

- Shri Arun Kumar Sahu, IFS, Joint Secretary (DPA-II), Ministry of External Affairs, Govt. of India visited the Institute on 10 December, 2015 in connection with the ITEC Golden Jubilee Celebrations organized at Kalangan in the campus. He was the Chief Guest of the function.

- Dr. B. Yerram Raju, Economist & Risk Management Specialist and formerly Dean of Studies at ASCI, Hyderabad was the chief guest for the valedictory function of Phase-III International Programmes on 6 January, 2016

The Director General's Visits

- Attended meeting at New Delhi held on 30 July, 2015 in connection with an MoU between KVIC and NSDC in Udyog BhaWan under the chairmanship of Joint Secretary (SME), Ministry of MSME.

- Attended along with Shri Surendra Nath Tripathi, IAS, Addl. Secretary, Min of MSME, a two-day Workshop on Best Practices in Agriculture & the Allied Sectors held at ISB Campus.

- Participated in the MSME DEFEXPO-2015 exhibition at Bangalore conducted by NSIC, Bangalore in collaboration with the Ministry of Defence.

- Attended the Review meeting, relating to the progress of the training programmes under ATI Schemes during 2015-16, held on 14 December, 2015 at New Delhi. The meeting was chaired by the Joint Secretary (SME), Ministry of MSME.

- Visited the Ministry of MSME and attended the Joint Committee Meeting (JCM) held on 20 January, 2016 in which the Hon'ble Minister for MSME; and Minister of MSME, Mauritius Government present. The Hon'ble Minister and the Secretary highlighted the activities of **ni-msme** and requested Mauritius Minister to avail the services of **ni-msme** specially in the development of trainers, executive development programmes, EDPs and studies related to MSME sector.

- Participated in Global Start up Workshop at Hotel Novotel, Hyderabad, organized on 20 March, 2016 by COWE which was inaugurated by the Hon'ble Minister of MSME, GoI, New Delhi, who was the Chief Guest.

- Attended a meeting of all the CEOs of local offices under the Ministry. The meeting was chaired by the Hon'ble Minister.

- In Deoria-Gorakhpur (UP) during 24-28 March, 2016:
- Reviewed the arrangements and attended the Job Mela conducted by **ni-msme**. Shri Kalraj Mishra, Hon'ble Minister of MSME, GoI, Delhi was the Chief Guest for the event.

ANNEXURES

ANNEXURE-I

Members of Governing Council

Sl.No.	NAME	ADDRESS	DESIGNATION
1	Mr. Kalraj Mishra	Hon'ble Minister of MSME Government of India, Udyog Bhawan, New Delhi 110 011	Chairman
2	Mr. K.K. Jalan, IAS	Secretary to the Government of India Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India Udyog Bhawan, New Delhi 110 011	Vice-chairman
3	Mr. S.N. Tripathi, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India, Nirman Bhawan, Moulana Azad Road, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
4	Ms. Bharati Sihag, IAS	Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India Udyog Bhawan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
5	Mr. Manoj Joshi, IAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India Udyog Bhawan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
6	Mr. B. H. Anil Kumar, IAS	Joint Secretary (Agro & Rural Industries), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India Udyog Bhawan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
7	Dr.Radhakrishnan Chairman	Coir Board, Coir House, M.G. Road Ernakulam, Kochi-682 016, Kerala	Ex-Officio Member
8	Shri Shivaji Chairman & Managing Director	Small Industries Development Bank of India (SIDBI), MSME Development Centre, C-11, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-400 051	Ex-Officio Member
9	Shri S.K. Jha Chief Executive Officer	Khadi & Village Industries Commission Gramodaya, 3, Irla Road, Vile Parle (West), Mumbai 400 056	Ex-Officio Member
10	Mr.Ravindranath Chairman & Managing Director	National Small Industries Corporation, NSIC Bhawan, Okhla Industrial Estate New Delhi110 020	Ex-Officio Member
11	Dr. Sunil Sukhla Director	Entrepreneurship Development Institute of India, (via Ahmedabad Airport & Indira Bridge) P.O. Bhat 382428, Dist. Gandhinagar, Gujarat	Ex-Officio Member
12	Principal Secretary Dept. Of Commerce	Industries & Employment, Government of Madhya Pradesh Bhopal	Nominated Member

13	CMD	Andhra Bank, Dr.Pattabhi Bhavan, 5-9-11, Saifabad, Hyderabad-500004	Nominated Member
14	President	The Associated Chambers of Commerce and Industry of India, ASSOCHAM Corporate Office, Community Centre, Zamrudpur, Kailash Colony, New Delhi 110048	Nominated Member
15	President	Tamil Nadu Small & Tiny Industries Association (TANSTIA) No.10, G. S. T. Road, Guindy Chennai 600002	Nominated Member
16	President	Association of Industries Madhya Pradesh Indore	Nominated Member
17	President	SEWA, Opp.Victoria Garden, Bhadra Ahmedabad 380001	Nominated Member
18	Chief General Manager	Rural, Non-Farm Sector, NABARD, RTC X-Rods Hyderabad	Nominated Member
19	Shri Vijay Mahajan	BASIX-Microfinance Livelihood Institute BASIX Head Office, Ascent Towers, 3rd Floor, Road No.10, Banjara Hills, Hyderabad500034	Nominated Member
20	Mr. M. Chandrasekhar Reddy Director General	National Institute For Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), Yousufguda, Hyderabad 500045	Member-Secretary

ANNEXURE-II

Members of Executive Committee

Sl.No.	NAME	ADDRESS	DESIGNATION
1	Mr. K.K. Jalan, IAS	Secretary to the Government of India Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi 110 011	Chairman
2	Mr. S.N. Tripathi, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India, Nirman Bhavan, Moulana Azad Road, New Delhi 110 011	Vice - Chairman
3	Ms.Bharati Sihag, IAS	Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
4	Mr. Manoj Joshi, IAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India Udyog Bhavan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
5	Mr. B. H. Anil Kumar, IAS	Joint Secretary (Agro & Rural Industries) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Government of India Udyog Bhavan, New Delhi 110 011	Ex-Officio Member
6	President	President Federation of Andhra Pradesh Small Industries Association (FAPSIA), Industrial Estate, Sanathnagar Hyderabad-500 018	Nominated Member
7	President	Confederation of Women Entrepreneurs (COWE) H. No. 6-3-657 F1, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad	Nominated Member
8	Director General	National Institute for Entrepreneurship & Small Business Development (NIESBUD), A-23, Sector-62, Institutional Area, Phase II, NOIDA-203 301 (U.P.)	Nominated Member
9	Mr. M. Chandrasekhar Reddy	The Director General, National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**) Yousufguda, Hyderabad – 500 045	Member Secretary

ANNEXURE-III

The addresses of Nodal Officer for grievances and Public Information Officer for soliciting information, etc.

For redressing grievances:

Chief Administrative Officer
ni-msme, Yousufguda
Hyderabad 500 045
Tel. 040-23608544/Extn. 203
Fax No. 040-23608547
Website: www.nimsme.org
E-mail: cao@nimsme.org

Information and Facilitation Counters

1. Ground floor of SENDOC building, **ni-msme**
   Tel. 040-23608544/Extn. 235
2. Ground floor of New Training building, **ni-msme**
   Tel. 040-23608544/Extn. 217/260
3. 'F' Block (Ground floor), Guest Room Complex, **ni-msme**
   Tel. 040-23608544/Extn. 270/280
4. Right to Information (RTI) Act

Address of Public Information Officer

Assistant Registrar
ni-msme, Yousufguda, Hyderabad 500 045
Tel. 040-23608544 Extn. 270/280
Fax No. 040-23608547

ANNEXURE-IV

Director General and Team of Faculty

Director General

The campus activities and the welfare of participants visiting the Institute are closely monitored by the present Residential Director General, Mr. M. Chandrasekhar Reddy.

Mr. Chandrasekhar Reddy has a Master's degree in Economics and a Post Graduate Diploma in Entrepreneurship and UNIDO Certification on Cluster Development. Mr. Reddy has contributed several articles in the area of entrepreneurship development and MSME cluster development and is involved in the publication of books on various themes related to MSMEs. The areas of interest include entrepreneurship development, cluster development, BDS models, innovation opportunities, business projects and management.

Faculty

School of Enterprise Development (SED)

Dr. G. U. K. Rao

Dr. G. U. K. Rao is the Faculty Member and Director I/c of SED and Head of C-IPD, and also Head of C-PR of the Institute.

Dr. G. U. K. Rao has expertise spanning across subjects such as regional planning, promotion of agro and food processing industries, development of small and micro enterprises, quantitative analysis, feasibility studies and project formulation among others. He has led and participated in a number of research studies and projects, especially impact studies, project evaluation and industrial potential surveys. Dr. Rao has coordinated many long-term and short-term training programmes. He guides research scholars and delivers guest lectures in his areas of expertise.

Dr. G. P. Vallabh Reddy

Dr. G. P. Vallabh Reddy is the Faculty Member and Chief Administrative Officer I/c. He has a Doctoral Degree in Commerce, a Masters Degree in Statistics, a Post-Graduate Diploma in IRPM and a Diploma in Training and Development.

Dr. Reddy's areas of specialisation are feasibility studies and self-employment programmes. His major contribution in the fields of research and consultancy includes programme evaluation (concurrent and posterior), project evaluation, impact studies, industrial potential surveys, study of large and medium industries and identification of infrastructure needs for industrial development for several states. Dr. Reddy supervises training and research and other activities.

J. Koteswara Rao

Mr. J. Koteswara Rao is the Associate Faculty Member at SED. He is an M.Tech (Environmental Engineering) from Jawaharlal Nehru Technological University (JNTU), Hyderabad. He organises training programmes, seminars and workshops and associates with research work in the areas of Environmental Monitoring Science and Technology Entrepreneur Development, Environmental Issues in Chemical and Pharmaceutical Industries, Resettlement and Rehabilitation, Solid, Hazardous and Bio-Medical Waste Management, Cluster Development and other areas.

K. Suryaprakash Goud

Mr. K. Suryaprakash Goud has a Bachelor's Degree in Mechanical Engineering and Master's Degree in Plastic Engineering. Mr. Goud has organised training programmes in the areas of entrepreneurship, skill development and cluster development for national and international delegates. He was involved in research and consultancy projects sponsored by Small and Medium Enterprises Development Authority (SMEDA), Mauritius, Khadi and Village Industries Commission (KVIC), Coir Board and the governments of Jharkhand, Uttar Pradesh, Tamil Nadu and Andhra Pradesh. As an Associate Faculty Member in National Resource Centre for Cluster Development, his areas of interest include innovation, entrepreneurship, cluster development, NGOs, micro and small business development.

N. R. Prasad Reddy

Mr. N. R. Prasad Reddy, with a Master's Degree in Statistics from Indore University, is a Consultant (SED). He specialises in the preparation of profiles for low investment projects and planning and promotion of agro industries. At the Centre, Mr. Reddy helps design, coordinate and conduct programmes in the domains of research, training and consultancy.

Vivek Kumar

Mr. Vivek Kumar is a Consultant faculty in SED. He holds twin master's degrees - Master's in Computer Applications and Master's in Business Administration. Mr. Kumar has varied experience in micro-finance, micro-enterprises and rural poverty alleviation through SHGs and presently works with the ni-msme NGO Network (n3) of SED. Mr. Kumar has organised workshops on Urban Poverty Alleviation sponsored by Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation (HUPA), Government of India. He has conducted orientation workshops for IMC members under the scheme upgradation of 1396 ITIs through PPP.

School of Enterprise Communication and Information (SEIC)

Dibyendu Choudhury

Prof. Dibyendu Choudhury is Faculty Member and in-charge of SEIC. He is also a faculty member at SEM. Prof. Choudhury has a B.E. degree in Electronics Engineering from Bangalore University, PGDBM (Marketing Management) from Management & Technological Institute (India), Calcutta, and PGDBM (Systems Management) from Indian Institute of Social Welfare and Business Management (IISWBM), Calcutta. He is a Fellow of Management from IISWBM & Indian Institute of Materials Management (IIMM) under the Board of International Federation of Purchasing and Supply Management (IFPSM), Austria and currently pursuing his Ph.D from North Orissa University on Marketing Management. He is a Life Member of the Indian Society for Technical Education (ISTE) and Higher Education Forum (HEF).

School of Enterprise Management (SEM)

G. Jayakar Rao

Mr. Jayakar Rao Gutty, has a Master's Degree in Business Administration with a specialisation in Marketing and Human Resource Management. He has authored and co-authored many articles in management, in the areas of business ethics and corporate governance. He has professional exposure into international markets with business and management consulting to various software companies in India. As a faculty member, he focuses on techniques to improve teaching and training.

V. Swapna

Mrs. V. Swapna is an Associate faculty member in IPR of the School of Enterprise Management. She has a Bachelor's Degree in Textile Technology from Osmania University and has PG diploma in Patents Law from Nalsar University. She has experience in patent analytics in a wide range of industries: textiles, chemical,

biotechnology, healthcare, nanotechnology, energy and others. Mrs. Swapna has handled projects for state-of-the-art search, Invalidation, Freedom to Operate (FTO), Competitive Landscape and Novelty Assessment. She has knowledge of commercial patents, trademark and business databases.

T. Venkateswara Reddy

Mr. T. Venkateswara Reddy works as a Consultant in the Centre for Industrial Credit and Financial Services (C-ICFS) of SEM. He holds a Master's Degree in Commerce from Nagarjuna University and has specialised in Financial Accounting, Project Appraisal and Working Capital Financing and Management. Mr. Reddy has contributed to case studies of sick units and on monitoring measures for advances to the priority sectors.

ANNEXURE-V

Retirement from service

S.No.	Name of Employee	Designation	Date of Retirement
01.	Sri P.Udayshanker	Director, SEM	30.04.2015
02.	Dr.N.Srilakshmi	Faculty Member	31.05.2015
03.	Shri Mohd. Nayeemuddin Khan	Assistant Compositor	30.06.2015
04.	Shri M.V. Vijaya Prakash	Assistant Compositor	30.06.2015
05.	Shri Upendra Kumar Maurya	Associate Faculty Member	31.08.2015 (Resignation)
06.	Shri Maqsoodali	MTA	30.09.2015
07.	Shri B.D.P. Ranga Rao	Superintendent	31.12.2015
08.	Shri K. Surya Prakash Goud	Associate Faculty Member	Conclusion of Contract appointment
09.	Smt. Glory Swaroopa	Associate Faculty Member	Conclusion of Contract appointment

ANNEXURE-VI

Performance Indicators Since Inception (1962-2016)

Year	Training		Research and Consultancy	Educational	
	No. of Programmes	No. of Participants	No. of Projects	No. of Programmes	No. of Participants
1962-63	03	80	01		
1963-64	06	159	02		
1964-65	09	223	01		
1965-66	12	199	01		
1966-67	14	189	06		
1967-68	15	186	06		
1968-69	14	156	06		
1969-70	14	314	04		
1970-71	22	313	12		
1971-72	23	394	12		
1972-73	39	881	17		
1973-74	45	1,932	14		
1974-75	42	2,078	04		
1975-76	61	1,666	14		
1976-77	76	1,319	15		
1977-78	103	1,634	19		
1978-79	62	1,324	10		
1979-80	79	1,189	11		
1980-81	63	1,234	13		
1981-82	59	1,199	14		
1982-83	92	1,426	09		
1983-84	78	995	13		
1984-85	70	987	16		
1985-86	66	1,158	22		
1986-87	97	1,772	18		
1987-88	85	1,484	16		
1988-89	86	1,397	09		
1989-90	92	1,515	06		

Year	Training		Research and Consultancy	Educational	
	No. of Programmes	No. of Participants	No. of Projects	No. of Programmes	No. of Participants
1990-91	61	1,254	07		
1991-92	114	1,358	06		
1992-93	110	1,938	04		
1993-94	113	2,011	03		
1994-95	57	715	02		
1995-96	42	756	06		
1996-97	66	1,141	05		
1997-98	88	1,597	11		
1998-99	559	23,094	09	01	07
1999-2000	238	8,257	09	26	853
2000-01	164	4,687	14	33	1216
2001-02	164	4,740	11	45	1192
2002-03	382	16,592	23	33	809
2003-04	611	37,434	33	32	619
2004-05	241	7,948	20	39	834
2005-06	242	9,014	23	37	626
2006-07	213	6,852	21	21	383
2007-08	157	5,312	47	11	276
2008-09	187	8,799	68	23	79
2009-10	215	10,702	76	14	863
2010-11	676	22,242	91		
2011-12	698	25,079	74		
2012-13	1406	47,840	12		
2013-14	1354	43,287	10		
2014-15	2162	72,696	9		
2015-16	1994	**61,888**	**24**		
Total	**13,719**	**4,54,636**	**909**	**315**	**7,757**

ANNEXURE-VII

Alumni of Participants for Executive Development Training Programmes till March 2016

S.No.	Country	No. of persons Trained	S.No.	Country	No. of persons Trained
1.	Afghanistan	465	30.	Croatia	01
2.	Algeria	15	31.	Cuba	18
3.	Antigua and Barbuda	13	32.	Czech, Republic	02
4.	Angola	04	33.	Djibouti	02
5.	Argentina	01	34.	Dominica	02
6.	Armenia	24	35.	Dominican Republic	01
7.	Azerbaijan	02	36	Ecuador	15
8.	Bangladesh	511	37	Egypt, Arab Rep. of	118
9.	Barbados	12	38	El Salvador	19
10.	Belarus	05	39.	Eritrea	08
11.	Belize	10	40.	Estonia	04
12.	Benin	08	41.	Ethiopia	232
13.	Bhutan	148	42.	Fiji	59
14.	Bolivia	03	43.	Gabon	02
15.	Botswana	42	44.	Gambia, The	33
16.	Brazil	08	45.	Georgia	14
17.	Brunei	05	46	Ghana	411
18.	Bulgaria	02	47	Greece	01
19.	Burkina Faso	12	48.	Guatemala	10
20.	Burundi	09	49.	Guinea	10
21.	Ca mbodia	102	50.	Guinea Bissau	01
22.	Cameroon	08	51.	Guyana	65
23.	Cape Verde	02	52.	Haiti	02
24.	Chile	12	53.	Honduras	05
25.	China	02	54.	India	03
26.	Colombia	05	55.	Indonesia	172
27.	Comoros	01	56.	Iran, Islamic Rep. of	61
28.	Costa Rica	19	57.	Iraq	202
29.	Cote D'Ivoire (Ivory Cost)	56	58.	Jamaica	05

S.No.	Country	No. of persons Trained	S.No.	Country	No. of persons Trained
59.	Japan	01	91.	Pakistan	04
60.	Jordan	72	92.	Palestine	20
61.	Kazakhstan	137	93.	Panama	11
62.	Kenya	197	94.	Papua New Guinea	45
63.	Kiribati, Rep. of	03	95.	Paraguay	04
64.	Korea	28	96.	Peru	10
65.	Kyrgyzstan	51	97.	Philippines, The	239
66.	Lao PDR	74	98.	Poland	04
67.	Lebanon	01	99.	Romania	03
68	Lesotho	27	100.	Russia	82
69.	Liberia	33	101.	Rwanda	12
70.	Libya	04	102.	Samoa	12
71.	Lithuania	16	103.	Saudi Arabia	02
72.	Macedonia	04	104.	Senegal	35
73.	Madagascar	59	105.	Seychelles	15
74.	Malawi	151	106.	Sierra Leone	113
75	Malaysia	210	107	Singapore	05
76.	Maldives	73	108	Solomon Islands	25
77	Mali	13	109.	Somalia	11
78.	Malta	05	110.	South Africa	100
79	Mauritius	200	111.	South Sudan	03
80.	Mexico	20	112	Sri Lanka	546
81.	Mongolia	72	113.	St. Kitts & Nevis (WI)	01
82.	Morocco	21	114.	St. Lucia (WI)	08
83.	Mozambique	11	115.	St. Vincent (WI)	02
84.	Myanmar	326	116.	Sudan	329
85.	Namibia	29	117.	Suriname	23
86.	Nepal	160	118.	Swaziland	22
87.	Nicaragua	10	119.	Syrian Arab Rep.	136
88.	Niger	44	120.	Tajikistan	67
89.	Nigeria	303	121.	Tanzania	323
90.	Oman	94	122.	Thailand	168

S.No.	Country	No. of persons Trained	S.No.	Country	No. of persons Trained
123.	Timor Leste	03	134.	USA	15
124.	Togo	17	135.	Uzbekistan	137
125.	Tonga	07	136.	Vanuatu	02
126.	Trinidad & Tobago	24	137.	Venezuela	05
127.	Tunisia	21	138.	Vietnam	127
128.	Turkey	20	139.	Yemen	131
129.	Turkmenistan	08	140.	Zaire (Democratic Republic of Congo)	22
130.	Tuvalu	01			
131.	Uganda	352	141.	Zambia	197
132.	United Arab Emirates	01	142.	Zimbabwe	171
133.	Ukraine	06		**Total :**	**9080**

FINANCIALS

SWAMY & SESHADRI
CHARTERED ACCOUNTANTS

Ph.: 27533960, Cell: 9849032960
ernail: bkswamyca@gmaiLcom
1-3-1036/3/12-13,
Near Hotel Marriott,
Kavadiguda Road,
Secunderabad - 500 080.
Telangana State.

Ref No.

Date : 24 Nov 2016

INDEPENDENT AUDITORS REPORT

1. Report on the Financial Statements:

We have audited the accompanying financial statements of **National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (ni-msme),** Yousufguda, Hyderabad-500045, Telangana ("the Institute"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2016 and the statement of Income and Expenditure for the year then ended and a summary of Significant Accounting Policies and other explanatory information.

2. Management Responsibility for the Financial Statements:

"The Institute's Managing Committee" is responsible for the preparation of these financial statements that give true and fair view of the financial position and financial performance of "the Institute" in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the applicable Accounting standards. This responsibility includes the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the applicable Act, for safeguarding the assets of the Society and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statement that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

3. Auditors' Responsibility:

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements of "the institute" are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend upon our judgment, including the assessment of the risks of materials misstatement of the financial statement, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, we consider internal control relevant to "the Institute's" preparation and fair presentation of the financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances.
An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Contd..2.

4. Basis for Qualified Opinion :

(I) The Institute needs to introduce a system of recognizing income, based on Bills raised periodically, of its services completed. Grants and other Receipts are taken as income, as and when stated to be utilized/spent.

(ii) Balances appearing under Debtors, creditors, advances received/paid are subject to confirmation./reconciliation and consequential adjustments, the impact which on these financial statements are not quantifiable by us.

(iii) Internal Controls systems & procedures are to be further strengthened in respect of programs executed by "the Institute", There are shortcomings in timely obtaining of the Bills and compliances to deductions of tax at source in payments of consultancy charges, service charges and terminal benefits of retiring employees.

(iv) The scope of Internal audit coverage needs to be enhanced, particularly in the areas of expenditure incurred on various programs and also timely compliances of the internal audit observations.

(v) According to the information and explanations given to us, physical verification of the assets of "the Institute" were carried out during the year. However in the absence of the reconciliation between the physical records and book records, we are not in position to comment on the differences/ discrepancies and their impact on the financial statements.

(vi) The Institute's (Employer's) contribution to provident fund is being made at 100% equal to the contribution of the employees, not restricting it to 12% of maximum wages of Rs.15000/- (i.e Rs. 1800/-), as per clause 24 of the Employees provident fund rules of the Institute (approved at the EC meeting of NISIET, dated 22/07/1963). In the absence of detailed calculation employee wise, the impact of which on these financial statements are not quantifiable by us.

(vii) As referred in Note 25 (2.1 & 2.2), the liability towards gratuity payable of Rs. 176 18 Lacs and Leave encashment of Rs. 146.93 Lacs, are provisions made in the accounts as per workings of the Institute. As the same is not determined based on an actuarial valuation, we are unable to verify the correctness of the same.

(viii) (a) As referred in Note 25 (4(b)) the demand from Commissioner of Customs, Central Excise and Service Tax is for Rs.2617.95 Lacs, towards payments of Service Tax for the period from 2004-05 to 2014-15 and Rs.388.05 Lacs as penalties for the year from 2004-05 to 2008-09. Also demands for the 2015-16 is stated to have been not received, which amount would be around Rs. 663.42 Crores, as per earlier assessment calculations. Further demand of interest, penalties etc also would arise for the period from 2009-10 to 2015-16, as per provision of section 75, section 76 and section 77 of the Finance Act 1994.

As per the interim order of the "Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal, South Zone Bench, Bangalore, (Misc. order No.22475/2014)," "the institute" should deposit the service tax payable, on the fee received from the participants in training programmes. The service tax payable on such fees for the period from 2004-05 to 2015-16 would work out to Rs.214.18 Lacs. No payments nor provision for the same has been made in the accounts, by "the institute".

" The Institute" has filed appeals before Hon'ble Customs; Excise & Service tax Appellate Tribunal, Bangalore. However an opinion of legal expert on the subject and its merits & filing of appeals and whether the same within the time frame, have not been obtained by "the institute".

In the absence of any provision for the same in the accounts, we are not in a position to comment on the ultimate liability payable along with interest, penalties and other offences as per the provisions of service tax, that may arise at any later date. This liability will have adverse effect on the functioning of the institute and sizeable impact on the financial statements

Contd..3.

(b) Payments made to Consultants and Partners institutions, are more than the threshold limits of Service tax limit, in each of the case. The Bills furnished by them in certain cases although contains the Service tax registration number, the service tax component is not charged separately. There is possibility of service tax liability claims arising on this aspect at any future date.

(c) "The Institute" has received Rs. 1281.89 Lacs from M/s A.P.Building & Other construction workers welfare Board, on which service tax as applicable have been acknowledged collected. Further Rs. 79.68 Lacs from M/s Telangana Building and Other Construction Workers Welfare Board, have also been received where in service tax of 14.5% also has been collected by the institute. However no corresponding payments has been made by the Institute to the Service tax department on these collections, which liability is around Rs.172.43 Lacs. No provision of the same is also made in the accounts.

(d) The institute has appointed outsourced agencies, for carrying out the training programme of "A.P. Building and other Cnstruction Worker Welfare Board". The amount received from the board has been shared between "the institute" and the outsourced agency in the ratio of 10:90.

Whereas the amount received from the Board includes service tax component of 14.5% to be paid, as per their letter of sanction, however the institute has shared the program amount in the ratio of 10:90, wherein there is straight loss of 4.5% to the institute, apart from the other administrative expenditure.

(ix) (a) As referred in Note 25 (4a)) regarding conveyance allowance of Rs.6,46,861/- payable to employees, which matter is stated to be pending for final judgment in the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh/(Telangana), no documents/papers are stated to be available with "the Institute". In the absence of any documents/papers and no provision for the same in the accounts, we are not in a position to comment on the ultimate liability that may arise at a later date and its impact on the financial statements.

(b) As referred in Note 25(4©)regarding decree order of Hon'ble II Judge, City Civil Court, Hyderabad in respect of suit filed by M/s Ramanatham & Rao, Chartered Accountants, Secunderabad, for amount of Rs. 8,18,203/- with 6% interest from the date of suit, still the date of realization of principle sum adjudicated, "The Institute" has preferred an appeal before the Hon'ble High Court. No out of court settlement has been made by the Institute inspite of EC's direction in its meeting held on 03.11.2015. Further in the absence of any provision for the same, we are not in a position to comment on the ultimate liability that may arise at a later date and its impact on the financial statements.

(x) The institute has not been able to furnish for our verification, records of original copies of the documents of landed properties held in its name. It is stated that out of total landed area of 107 Acres Guntas 22 owned by "the Institute", encroachments have been identified to extent of Acres 58 and Guntas 2. "The Institute" is stated to have made relentless efforts including civil suit in the competent court of law, though secured positive verdict in favor of "the Institute", but could not regain the encroached land due to law and order problems as per the advice of District collector, Hyderabad. Hence it is stated that "the Institute" is ultimately in actual possession of land area of Acre 49 and Guntas 20 only.

Opinion

In our opinion and to be best of our information and according to the explanations given to us, *except for the effects of the matters described in the Basis for Qualified Opinion Paragraph above*, the aforesaid financial statements give the information required by the applicable Acts and regulations, in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of "the institute" as at 31st March 2016, and its excess of income over expenditure for the year ended on that date.

SWAMY & SESHADRI CHARTERED ACCOUNTANTS SECUNDERABAD

Contd..4.

5. Further we report that:

(a) *Except for the matters described in the Basis for Qualified opinion paragraph,* we have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(b) *Except for the matters described in the Basis for Qualified opinion paragraph*, in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Society so far as it appears from our examination of those books.

(c) The Balance sheet and income and' expenditure account dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(d) In our opinion, the Balance Sheet and Income & expenditure account comply with the Accounting standards *except as stated in basis of qualified opinion para.*

(e) *The matters described in the Basis for Qualified opinion paragraph above, in our opinion may have an adverse effect on the functioning of "the institute"*

(f) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements together with schedules attached, give the information required by the Act, in the manner so required and give a true and fair view, *except as stated in basis of qualified opinion para*, in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

(i) In the case of the Balance Sheet, of the State of affairs of "the institute" as at 31st March 2016,

(ii) In the case of the statement of Income and Expenditure, of the surplus for the year ended on that date.

For SWAMY AND SESHADRI,
Chartered Accountants
(Firm Registration No: 003913S)

SWAMY & SESHADRI CHARTERED ACCOUNTANTS SECUNDERABAD

B. Krishna Swamy
Partner
Membership No: 019096

Place: Secunderabad

BALANCE SHEET

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2016

		(Amount in ₹)	
DESCRIPTION	**Schedule**	**2015-16**	**2014-15**
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CORPUS / CAPITAL FUND	1	61165535	61165535
RESERVES AND SURPLUS	2	328043435	259223356
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	12348039	6139549
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0	0
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0	0
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0	0
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	233924158	281499190
TOTAL		**635481167**	608027630
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	28326578	26457413
INVESTMENTS-EARMARKED/ENDOW-			
MENT FUNDS	9	0	
INVESTMENTS - OTHERS	10	0	0
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES	11	607154589	581570217
MISCELLANEOUS EXPENDITURE			0
(to the extent not written off or adjusted)			0
TOTAL		**635481167**	608027630
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
NOTES TO ACCOUNTS	25		

Sd/-
Admn. & Accounts Officer

Sd/-
Chief Administrative Officer

Sd/-
Director General

Place : Hyderabad
Date :

As per our report of even date

For SWAMY AND SESHADRI,
Chartered Accountants
Sd/-
B. Krishna Swamy
Partner

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2016

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	Schedule	2015-16	2014-15
(A) INCOME			
Income from Sales / Services	12	0	0
Grants / Subsidies	13	447304629	570225959
Fees / Subscriptions	14	10160958	9424598
Income from Investments	15	0	0
(Income from Investments from earmarked/ endowment funds transferred to /Funds)			
Income from Royalty, Publications, etc.	16	867914	1366286
Interest Earned	17	32749350	24068773
Other Income	18	498730	152340
Increase/(decrease) in stock of finished goods and works-in-progress)	19	0	0
Total (A)		491581581	605237956
(B) EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	46899218	49738099
Other Administrative Expenses, etc.	21	374028562	467593566
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0	0
Interest/Bank charges	23	57000	41134
Depreciation (Net Total at the year-end- corresponding to Schedule 8)		1776722	2011359
Total (B)		422761502	519384158
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		68820079	85853798
Add: Prior period income/(-) Expenditure			0
Net income		**68820079**	**85853798**
Transfer to Special Reserve (Specify each)		0	0
Transfer to General Reserve		68820079	85853798
Transfer to Capital Fund		0	0
Significant Accounting Policies	24		
Notes To Accounts	25		

Sd/-
Admn. & Accounts Officer

Sd/-
Chief Administrative Officer

Sd/-
Director General

Place : Hyderabad
Date :

As per our report of even date
For SWAMY AND SESHADRI,
Chartered Accountants
Sd/-
B. Krishna Swamy
Partner

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2016

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
SCHEDULE 1 - CORPUS / CAPITAL FUND:				
Balance as at the beginning of the year	61165535		61165535	
Add: Contributions towards Corpus / Capital Fund				
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred	0	61165535	0	61165535
from the Income and Expenditure Account				
BALANCE AS AT THE YEAR - END		**61165535**		**61165535**
SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS:				
1. Capital Reserve:				
As per last Account	783139		783139	
Addition during the year			0	
Less: Deductions during the year		783139	0	783139
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account			0	
Addition during the year			0	
Less: Deductions during the year			0	0
3. Special Reserves:				
As per last Account	1248585		1248585	
Addition during the year	0		0	
Less: Deductions during the year	0	1248585	0	1248585
4. General Reserve:				
As per last Account	257191632		171337834	
Addition/Less: Addition during the year	68820079		85853798	
		326011711		257191632
TOTAL		**328043435**		**259223356**

SCHEDULE 3 - EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	FUND-WISE BREAK UP				
	2015-16				2014-15
	Capital	Recurring	Activities	Total	
a) Opening balance of the funds	0	1069734	5069815	6139549	12143086
b) Additions to the funds:					
i.Grants from Ministries for Activities	0	0	183666521	183666521	113830499
ii.Grants from Ministry of MSME	0	0	243044944	243044944	275502305
iii. Income from investments made	0	0	0	0	0
iv. Other additions:Grants due Ministries		0	26801654	26801654	174889618
TOTAL (a+b)	**0**	**1069734**	**458582934**	**459652668**	**576365508**
c) Utilisation / Expenditure towards objectives of funds					
I. Capital Expenditure					
Fixed Assets:					
- Poly Green House	0	315553	0	315553	50164
- RCTP (DC(Handicrafts) Project	0	0	0	0	2958188
Total c(I)	**0**	**315553**	**0**	**315553**	**3008352**
ii. Revenue Expenditure					
- Programmes & projects	0	0	446989076	446989076	566315607
- Adjustment against dues			0	0	902000
Total c(ii)	**0**	**0**	**446989076**	**446989076**	**567217607**
TOTAL (c)	**0**	**315553**	**446989076**	**447304629**	**570225959**
NET BALANCE AS AT THE YEAR-END (a+b-c)	**0**	**754181**	**11593858**	**12348039**	**6139549**

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWINGS:				0
1. Central Government				0
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions				
a. Term Loans	0		0	
- Interest accrued and due	0		0	
b. Other Loans (Specify)	0		0	
- Interest accrued and due	0	0	0	0
4. Other Institutions and Agencies		0		0
5. Debentures and Bonds		0		0
6. Others (Specify)		0		0
TOTAL		**0**		**0**
SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:				
1. Central Government		0		0
2. State Government (Specify)				0
3. Financial Institutions				0
4. Banks:				
a. Term Loans		0		0
b. Other Loans (Specify)		0		0
5. Other Institutions and Agencies		0		0
6. Debentures and Bonds		0		0
7. Others (Specify)		0		0
TOTAL		**0**		**0**
SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES:				
a) Aceptances secured by hypothecation of capital equipment and				
other assets		0		0
b) Others		0		0
TOTAL		**0**		**0**
SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS				
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances		0		0
2. Sundry Creditors:				
a) Creditors	4367884		0	
b) Others	9798806	14166690	8897890	8897890
3. Advances Received				
4. Interest accrued but not due on:				
a) Secured Loans / borrowings	0			
b) Unsecured Loans / borrowings	0			
5. Statutory Liabilities:				
a) Overdue	0			
b) Others	0		0	
6. Other current Liabilities: Outstanding expenses		187446490	0	238464219
TOTAL (A)		**201613180**		**247362109**

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
B. PROVISIONS				
1. For Taxation		0		0
2. Gratuity	18613009		19366381	
Add: Provision	3467903		4002403	
Less: Paid to RBFC	4462742	17618170	4755775	18613009
3. Superannuation / Pension	0	0		0
4. Earned Leave Encashment	15524072		14570112	
Add: Provision	2392730		2696006	
Less: Paid to RBFC	3223994	14692808	1742046	15524072
5. Trade Warranties / Claims		0		0
6. Others (Specify)		0		0
TOTAL (B)		**32310978**		**34137081**
TOTAL (A + B)		**233924158**		**281499190**
SCHEDULE 9 - INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
1. In Government Securities		0		0
2. Other approved Securities		0		0
3. Shares		0		0
4. Debentures and Bonds		0		0
5. Subsidiaries and Joint Ventures		0		0
6. Others (to be specified)		0		0
TOTAL		**0**		**0**
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS				
1. In Government Securities		0		0
2. Other approved Securities		0		0
3. Shares		0		0
4. Debentures and Bonds		0		0
5. Subsidiaries and Joint Ventures		0		0
6. Others (to be specified)		0		0
TOTAL		**0**		**0**
SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.				
A. CURRENT ASSETS:				
1. Inventories:				
a) Stores and Spares		0		0
b) Loose Tools		0		
c) Stock-in-trade		0		
Finished Goods		0		
Work-in-progress		0		
Raw Materials		0		
2. Sundry Debtors:	38071080		185383211	
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	0		0	
b) Others		38071080		185383211
3. Cash balances in hand (including cheques / drafts and imprest)		50210		38417
4. Bank Balances:				

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
a) with Scheduled Banks:				
- On Current Accounts	84919255		20529107	
- On Deposit Accounts (includes margin money)	381819844		353095400	
- On Savings Accounts	77012008	543751107	6060688	379685195
b) With non-Scheduled Banks:				
- On Current Accounts		0	0	0
- On Deposit Accounts (includes margin money)		0	0	0
- On Savings Accounts		0	0	0
5. Post Office-Savings Accounts				0
TOTAL (A)		**581872397**		**565106823**
SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)				
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS:				
1. Loans:				
a) Staff	116815		146115	
b) Other Entities engaged in activities/ objectives similar to				
that of the Entity	0		0	
c) Other (specify)	0	116815	0	146115
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for				
value to be received:				
a) On Capital Account	6916012		6511866	
b) Prepayments	0		0	
c) Others	4254817	11170829	3549959	10061825
3. Income Accrued:				
a) On Investments from Earmarked / Endowment Funds	0		0	
b) On Investments - Others	2310620		146410	
c) On Loans and Advances	194786		210386	
d) Others (includes income due unrealised - Rs.)	0	2505406	0	356796
4.Expenditure on Projects under progress				
5. Incometax / TDS		11489142		5898658
TOTAL (B)		**25282192**		**16463394**
TOTAL (A + B)		**607154589**		**581570217**
SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES / SERVICES				
1) Income from Sales				
a) Sale of Finished Goods	0		0	
b) Sale of Raw Material	0		0	
c) Sale of Scraps	0		0	0
2) Income from Services				
a) Labour and Processing Charges				
b) Professional / Consultancy Services: Projects completed	0		0	
Projects in progress	0		0	
c) Agency Commission and Brokerage	0		0	
d) Maintenance Services (Equipment / Property)	0		0	
e) Others (Specify)	0	0	0	0
TOTAL		**0**		**0**

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
SCHEDULE 13 - GRANTS / SUBSIDIES				
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)				
1) Central Government	304515366		0	
2) State Government (s)	131433943		0	
3) Government Agencies Ministries/Deptts., State Deptts.	11355320		570225959	
4) Institutions / Welfare Bodies	0		0	
5) International Organisations	0		0	
6) Others (Specify)	0	447304629	0	570225959
TOTAL		**447304629**		**570225959**
SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTIONS				
1) Entrance Fees	0		0	
2) Annual Fees / Subscriptions	803429		752568	
3) Seminar / Programme Fees	9357529		8672030	
4) Consultancy Fees	0		0	
5) Others:Educational Programmes	0	10160958	0	9424598
TOTAL		**10160958**		**9424598**

	Investment from		Investment - Others	
SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**	**2014-15**
(Income on Invest. from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)				
1) Interest				
a) On Govt. Securities	0		0	
b) Other Bonds / Debentures	0	0	0	0
2) Dividends:				
a) On Shares	0		0	
b) On Mutual Fund Securities	0	0	0	0
3) Rents		0		0
4) Others (Specify)		0		0
TOTAL		**0**		**0**
TRANSFERRED TO EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		**0**		**0**

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	2015-16		2014-15	
1) Income from Royalty	0		0	
2) Income from Publications	0		0	
3) Others:Infrastructure facilities	867914	867914	1366286	1366286
TOTAL		**867914**		**1366286**
SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED				
1) On Term Deposits:				
a) with Scheduled Banks	30765036		21343451	
b) With Non-Scheduled Banks	0		0	
c) With Institutions	0		0	
d) Others	0	30765036	0	21343451
2) On Savings Accounts:				
a) with Scheduled Banks	1897261		2682538	
b) With Non-Scheduled Banks	0		0	

(Amount in ₹)

DESCRIPTION	2015-16		2014-15	
c) With Institutions		0		0
d) Others	87053	1984314	0	2682538
3) On Loans:				
a) Employees / Staff	0			
b) Others	0	0	10096	10096
4) Interest on Debtors and Other Receivables	0			32688
TOTAL		**32749350**		**24068773**
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME				
1) Profit on Sale / disposal fo Assets:				
a) Owned assets	0		0	
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	0		0	
2) Export Incentives realised	0		0	
3) Fees for Miscellaneous Services	0		0	
4) Miscellaneous Income	498730	498730	152340	152340
TOTAL		**498730**		**152340**
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED				
GOODS & WORK IN PROGRESS				
a) Closing Stock				
- Finished Goods			0	
- Work-in-progress			0	0
b) Less: Opening Stock				
- Finished Goods				0
- Work-in-progress			0	0
NET INCREASE / (DECREASE) [a-b]		**0**		**0**
SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPENSES				
a) Salaries and Wages	33433178		36995987	
b) Allowances and Bonus	3650459		1779601	
c) Contribution to Provident Fund	3541378		3651567	
d) Contribution to Other Fund (Specify)	0		0	
e) Staff Welfare Expenses	491070		512970	
f) Expenses on Employees Retirement and Terminal Benefits	5783133	46899218	6797974	49738099
TOTAL		**46899218**		**49738099**
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.				
a) Advertisement and Publicity	1117653		45573	
b) Publications for Ministry	1799700		1074150	
c) Tender Documents Purchase	63360		0	
d) Electricity and power	3612541		3693572	
e) Water charges	4861218		4854575	
f) Repairs and maintenance	4621520		2886576	
g) Rent, Rates and Taxes	1064304		1140964	
h) Vehicles Running and Maintenance	877852		1197784	
I) Postage, Telephone and Communication Charges	946956		1121738	
j) Printing and Stationary	1974115		2371349	

(Amount in ₹)

DESCRIPTION		2015-16		2014-15	
k) Travelling and Conveyance Expenses		1570491		2435151	
l) ISO Certificate Charges		130165		245738	
m) Subscription Expenses (Memberships)		46795		131267	
n) Expenses on Fees (SENDOC)		1620926		1217998	
o) Audit fee		380501		254751	
p) Statutory Audit fee		45600		45600	
q) Hospitality Expenses		11116053		11308737	
r) Business Development Expenses		323766		113513	
s) Irrecoverable Balances Written-off		0		31791482	
t)Parliamentary Committee meeting Exp		165890			
			36339406		**65930518**
A) Activity expences-	National announced programmes	3323709		4032652	
	National sponsored programmes	302397563		370688551	
	International programmes	20063306		23022552	
	Seminar&Workshops	663870		225738	
	Other programmes	0		0	
	Consultancy projects	10773400		3073503	
			337221848		**401042996**
(aa) Projects against grants			0		0
(ab) Others:Legal expenses			14000		222906
Implementation of Official Language (Hindi)			160391		160873
EC/GC/Society meeting Expenses			292917		236273
TOTAL			**374028562**		**467593566**
SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.					
A) Grants given to Institutions/ Organisations			0		0
b) Subsidies given to Institutions / Organisations			0		0
TOTAL			**0**		**0**
SCHEDULE 23 - INTEREST					
a) On Fixed Loans		0		0	
b) On Other Loans (including Bank Charges): Bank charges		57000		41134	
c) Others (Specify)		0	57000		41134
TOTAL			**57000**		**41134**

SCHEDULE 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. ACCOUNTING CONVENTION

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting.

2. INVENTORY VALUATION

Inventories are valued at lower of market price or cost basis.

3. FIXED ASSETS

Fixed assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses relating to acquisition. Assets created out of grants are shown as a deduction from the gross value of the asset concerned in arriving at its book value.

4. DEPRECIATION

Depreciation in respect of the Assets: Buildings, Books and Periodicals has been charged on written down value at the rates as prescribed by CPWD Rules and the rest of the assets are depreciated at the rates prescribed by Income Tax Act, 1961. Roads, compound walls are treated as part of land and no depreciation is provided.

Assets valuing Rs.5,000/- or less each are provided full depreciation.

5. GOVERNMENT GRANTS

Revenue grants received from Government towards recurring activities are accounted as Income on accrual basis.

Grants related to specific fixed assets are shown as a deduction from the Gross value of the asset concerned in arriving at its book value.

SCHEDULE 25

NOTES TO ACCOUNTS

1. GRANTS

1.1. An amount of Rs.2,68,01,654/- was to be received from different Ministries for various activities executed during the year.

1.3. Recurring including amounts receivable and unspent carried forward from 2014-15 & non-recurring grants received during the year including unspent grant brought forward from previous year, expenditure incurred and unspent balance carried to next year are indicated as below:

Nature of grant	Amount Rs.	Expenditure Rs.	Unspent Rs.
(a) Recurring grant :			
1. For activities and projects	45,85,82,934	44,69,89,076	1,15,93,858
(b) Non-recurring grant :			
2. Polygreen House	10,69,734	3,15,553	7,54,181

2. RETIREMENT BENEFITS

2.1. Liability towards gratuity payable on death / retirement of employees is provided on accrual basis, as per workings of the Institute.

2.2. Provision for accumulated leave encashment benefit to the employees is made on accrual basis and computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end, as per workings of the Institute.

2.3. Pursuant to the decision taken by the Executive Committee in the 5th meeting held on 1st February, 2010, accumulations under the fund relating to the Employees retirement benefits were transferred to the separate fund account and the same is administered by a Committee called "Retirement Benefits Fund (RBF) Committee."

3. OTHERS

Land includes an area of 43 acres 8 guntas acquired from private parties at the rate of Rs.4,000/- per acre as directed by the Government of Andhra Pradesh. However, it was enhanced to Rs.12,000/- per acre by the City Civil Court and the differential amount of Rs.8,000/- per acre was deposited into the court by the Institute. This additional amount was capitalized as part of the cost of land. However, on appeal preferred by the Institute before the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh, on the advice of the Government of India, the High Court reduced the rate per acre by Rs.2,000/- to Rs.10,000/- per acre. The Hon'ble High Court also directed the Special Deputy Collector to collect the differential amount of Rs.2,000/- per acre (totaling to Rs.1,17,648) from various parties to whom the amounts were paid earlier and make over the same to the Institute.

4. CONTINGENT LIABILITIES

(a) No provision was made for Rs.6,40,861/- pertains to earlier year towards liability for conveyance allowance payable to employees as the matter is pending for final judgment in the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh. Further, notice was given to the employees for discontinuance of conveyance allowance with effect from 13.10.1992.

(b) Disputed demand from the Commissioner of Customs, Central Excise and Service Tax for Rs.3,88,03,987/- towards payment of service tax for the period from 2004-05 to 2008-09 was received on 28.4.2010. In this connection, an Appeal U/s 86(1) of the Finance Act, 1994 was filed before South Bench of the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal, Bangalore. The Appeal was heard by the Bench 18th July, 2012. The Bench considering the submitted facts passed an interim order directing the Institute to deposit an amount of Rs.15.00 lakh and the same was deposited. The Institute has also received demand notices for the years 2009-10, 2010-11,2011-12,2012-13,and 2013-14 for payment of tax as indicated below:

2004-05 to 2008-09	(5 years)	Rs. 7,76,03,987	Including penalty. Rs.15 lakhs were pre-deposited as per order of Hon'ble CESTAT, Bangalore.
2009-10		Rs. 77,81,726	As per the Hon'ble CESTAT, Bangalore orders, Rs.10 lakhs were pre-deposited.
2010-11		Rs. 2,25,04,306	As per the Hon'ble CESTAT, Bangalore orders, Rs.30 lakhs were pre-deposited.
2011-12		Rs. 2,74,98,243	Case is before Hon'ble CESTAT, Bangalore in appeal.
2012-13	Show Cause Notice dated 23-05-2014	Rs. 4,15,33,085	As per the Hon'ble CESTAT, Bangalore orders, Rs.31,14,981/-were pre-deposited.
2013-14	Show Cause Notice dated	Rs.5,19,58,407	As per the Hon'ble CESTAT, Bangalore orders, Rs.38,96,880/-were pre-deposited.
2014-15	Show Cause Notice dated 26-04-2016	Rs.7,17,20,664	As per the Show cause notice from Office of the Principal Commissioner of Service tax, Hyderabad, the above order is yet to be confirmed, since the institute has not yet received OIO.
	Total	**Rs.30,06,00,418**	

As advised by the senior Advocate no provision on A/c of Service Tax claims have been made lest it will be construed as admission of Liability. Further based on the disposal of the Appeal before the CESTAT, Bangalore the total Liability on account of Service Tax if any will be reviewed and provided for in the Financial Year 2016-17.

c) M/s. Ramanatham & Rao, Chartered Accountants and former Statutory Auditors of the Institute filed a suit claiming a fee of Rs.8,18,203/- towards their charges for the services rendered in the matter of obtaining extension orders relating to the exemption of the income of the Institute from the Income Tax as has been extended earlier. The City Civil Court in the O.S.No.2507 of 2010 passed decree in their favour. However, the Institute has contested before the Hon'ble High

Court. The Hon'ble High Court passed an interim direction in CCAMP 290 of 2015 in CCAMP No.210 of 2015 that the interim stay earlier granted is made absolute on condition of respondent (ni-msme) depositing 1/3rd of decretal amount plus costs before the trail court. Accordingly, an amount of Rs.3,18,525.33 was deposited in the Hon'ble Court vide challan on 14.8.2015.

5. CAPITAL COMMITMENTS

(i) Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) was Rs.Nil (Previous year Rs.Nil).

(ii) The work of extensive renovation of B' Block was taken up during the year 2015-16. The cost of value being of Rs.44.84 lacs is remain as committed liability. Since no payment to the contractor was released as on 31.3.2016.

6. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

7. TAXATION

In view of there being no taxable income under Income-tax Act 1961, no provision for Income Tax has been considered necessary.

8. REMUNERATION TO AUDITORS

As Auditors

- Taxation matters Rs. Nil
- For Management services Rs. Nil
- For certification Rs.45,600/- (including ST)

9. Schedules 1 to 25 are annexed to and Form an integral part of the Balance Sheet as at 31st March 2016 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

10. Corresponding figures for the previous year have been regrouped / rearranged, wherever necessary

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Admn. & Accounts Officer	Chief Administrative Officer	Director General

For Swamy & Seshadri
Chartered Accountants
(Firm Regn. No.003913S)

Place : Hyderabad
Date :

B. Krishna Swamy
Partner
Membership No. 019096

FIXED ASSETS 8(b) - FIXED ASSETS

Name of the Asset	Gross Block				Depreciation				Total	Capital Fund	Adjustment on account of Grants				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2016	Net Block as on 31.3.2015
	As on 1.04.2015	Additions/ Adjustment	Sale/ Adjust-ment	Total	As on 1.04.2015	Rate%	For the year	Adjust-ment			Upto 31.3.2015	For 2015-16	Adjust ment	Total			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)
Modernisation of ni-msme																	
Buildings	20243215	80950	0	20324165	889715	2.50	32961		922676	18115993	0	0		0	19038669	1285496	1237507
A Block	282377			282377	73449	2.50	5223		78672	0	0	0		0	78672	203705	208928
B Block	1675990	0		1675990	13944	2.50	349		14293	1648067	0	0		0	1662360	13630	13979
C Block	4195945	0		4195945	117614	2.50	20891		138505	742686	2500000			2500000	3381191	814754	835645
DEF Block (Gr.Floor)	20347745			20347745	242903	2.50	0		242903	20104841	0	0		0	20347744	1	1
DEF Block (addl.floor)	33560307	0		33560307	5808	2.50	1362		7170	0	33500000			33500000	33507170	53137	54499
Security Block	509207			509207	8505	2.50	0		8505	500701	0	0		0	509206	1	1
Training Building	38225437	0		38225437	1512477	2.50	131240		1643717	14270000	17193356			17193356	33107073	5118364	5249604
Staff Quarters	636520	20700	0	657220	118569	2.50	9572		128141	59508	96260			96260	283909	373311	362183
VIP Guest House	84032			84032	1050	2.50	0		1050	82981	0	0		0	84031	1	1
SENDOC Building	2521117			2521117	109933	2.50	12162		122095	1777664	147044			147044	2046803	474314	486476
Ducts & Drains	358222			358222	4478	0.00	0		4478	353743	0	0		0	358221	1	1
Borewell/Pumpset	490108	40000		530108	52670	2.50	10588		63258	53921	0	0		0	117179	412929	383517
External Drainage	514157			514157	1875	0.00	0		1875	512281	0	0		0	514156	1	1
Internal Roads	6060480			6060480	0	0.00	0		0	3171750	2308000			2308000	5479750	580730	580730
Infrastructure	3546465		0	3546465	0	0.00	0		0	1158784	0	0		0	1158784	2387681	2387681
Landscaping	4430730	0		4430730	597156	2.50	44986		642142	2034143	0	0		0	2676285	1754445	1799431
Furniture & Fixtures	7366804	174727		7541531	1493922	10.00	120756		1614678	2740825	2099222	0		2099222	6454725	1086806	1032835
Electric Sub-Station	8286287	0		8286287	788950	2.50	507		789457	7420314	56728	0		56728	8266499	19788	20295
Equipment	4984640	38448		5023088	2170006	15.00	88274		2258280	2264590					4522870	500218	550044
Hostel Equipment	2378032	1010635		3388667	507914	15.00	234025		741939	738269	582320	0		582320	2062528	1326139	549529
Garden Equipment	116666	0		116666	34596	15.00	11991		46587	2129		0		0	48716	67950	79941
Auditorium	51000			51000	10821	0.00	0		10821	40178					50999	1	1
Canteen Facilities	587435	0	0	587435	134114	10.00	36305		170419	90267		0		0	260686	326749	363054
A.V. Equipment	712600			712600	230724	0.00	0		230724	481875					712599	1	1
Solar System	1353593			1353593	485446	60.00	23		485469	868109					1353578	15	38
Air Conditioners	2570461	192679		2763140	481196	15.00	71780		552976	417497	1385912			1385912	2356385	406755	285856
EPABX	1578830			1578830	71524	25.00	52		71576	1507101					1578677	154	206
DEF I Floor	13464427	46710		13511137	517535	2.50	21925		539460	8223407	3893179			3893179	12656046	855091	830306
Compound Wall	4555069	0	0	4555069	8569	2.50	5693		14262	4318791					4333053	222016	227709
Dining Halls	7702015			7702015	739942	2.50	29570		769512	5779270					6548782	1153233	1182803
CRMA Project	63960	0		63960	0		0		0	0	63960			63960	63960	0	0
RCTP Project	532802	0		532802	0		0		0	0	532802			532802	532802	0	0
Gymnasium	345195	0		345195	0	2.50	0		0	0	345195			345195	345195	0	0
Poly Green House	459946	0		459946	0	0.00	0		0	0	459946	0		459946	459946	0	0
Football Court	387893	0		387893	19793	2.50	9203		28996	0	0	0		0	28996	358898	368100
Moto vehicle	944111	0		944111	261991	15.00	102318		364309			0			364309	579802	682120
Water plant	437408	0		437408	43741	10.00	39367		83108						83108	354300	393667
Parking shed&walk way	2523993	1788312		4312305	63100	2.50	106230		169330					0	169330	4142975	2460893
TOTAL	**199085221**	**3393161**	**0**	**202478382**	**11814030**		**1147354**	**0**	**12961384**	**99479685**	**65163924**	**0**	**0**	**65163924**	**177604993**	**24873391**	**22627583**

Name of the Asset	Gross Block				Depreciation				Total	Capital Fund	Adjustment on account of Grants				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2016	Net Block as on 31.3.2015
	As on 1.04.2015	Additions/ Adjustment	Sale/ Adjust-ment	Total	As on 1.04.2015	Rate%	For the year	Adjust-ment			Upto 31.3.2015	For 2015-16	Adjust ment	Total			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)
Upgradation of SENDOC																	
Equipment	3335751	0		3335751	1240198	15	14576		1254774	1531420	466959			466959	3253153	82598	97174
Fur. & Fix.	792299	0		792299	159754	10	12118		171872	218821	292547	0		292547	683240	109059	121177
Telephone/ Telex	116597	0		116597	49073	25	0		49073	67523	0	0		0	116596	1	1
Borewell	99139	0		99139	0	0	0		0	99138	0	0		0	99138	1	1
Books	4934504	56887	27811	4963580	513722	7.5	43159		556881	2645334	1256878	0		1256878	4459093	504487	518570
Periodicals	3794747	38070		3832817	645970	7.5	89630		735600	843758	1148019	0		1148019	2727377	1105440	1157000
Computers	16283017	157343		16440360	9550828	60	324947		9875775	3266334	3081619	0		3081619	16223728	216632	384236
Computers Upgradation	950954	0		950954	704840	60	3		704843	79136	166973	0		166973	950952	2	5
Printers for Computers	302667	28237		330904	236462	60	17681		254143	19754	45219	0		45219	319116	11788	1232
Computer Tables	543759	0		543759	182849	10	23473		206322	126182	0	0		0	332504	211255	234728
Computer Software	2287308	0		2287308	1374333	60	64154		1438487	584771	221280	0		221280	2244538	42770	106924
Electronic Publications	1925915	0		1925915	0	0	0		0	917165	1008750	0		1008750	1925915	0	0
Servers	1424607	0		1424607	260910	60	1618		262528	1080200	80800	0		80800	1423528	1079	2697
Networking	1438478	0		1438478	632031	60	38010		670041	322502	420595	0		420595	1413138	25340	63350
Website	389118	0		389118	0	0	0		0	352443	36675	0		36675	389118	0	0
Consumables	743579	0		743579	154766	0	0		154766	243925	344888	0		344888	743579	0	0
Bar Coding	59500	0		59500	0	0	0		0	59500	0	0		0	59500	0	0
Bandwidth	1388009	0		1388009	555227	100	0		555227	0	832782	0		832782	1388009	0	0
TOTAL	**40809948**	**280537**	**27811**	**41062674**	**16260963**		**629371**		**16890334**	**12457906**	**9403984**	**0**		**9403984**	**38752224**	**2310450**	**2687095**
Schedule 8(a) Total	**36892552**	**0**		**36892552**	**26439948**		**0**		**26439948**	**9669419**	**0**	**0**		**0**	**36109367**	**783185**	**783185**
GRAND TOTAL	**276787721**	**3673698**	**27811**	**280433608**	**54514941**		**1776722**		**56291666**	**121607010**	**74567908**	**0**	**0**	**74567908**	**252466584**	**27967026**	**26097863**
Works-in-progress:																	
SME University-PE	359552		0	359552	0		0		0	0	0	0	0	0	0	359552	359552
B-BLOCK	0	0		0	0				0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total WIP	**359552**	**0**		**359552**	**0**		**0**		**0**	**0**	**0**	**0**		**0**	**0**	**359552**	**359552**
GRAND TOTAL	**277147273**	**3673698**		**280793160**	**54514941**		**1776722**		**56291666**	**121607010**	**74567908**	**0**	**0**	**74567908**	**252466584**	**28326578**	**26457415**

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES, HYDERABAD 500045
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 2016

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
I. OPENING BALANCES			**I. EXPENSES**		
(a) Cash in hand	38417	147550	**(a) Establishment Expenses:**		
(b) Bank balances:			(i) Pay and allowances	33705566	36898298
(1) SBI, Yellareddyguda	30537	31155	(ii) Contribution to EPF	3609979	3711967
(2) Andhra Bank	12903813	387756	(iii) EL encashment in service	86303	280735
(3) Andhra Bank, S.R.Nagar	97158	719126	(iv) Allowances and Bonus	214148	832737
(4) SBI, Balkampet	5415120	104854	(v) Staff welfare	487450	252270
(5) IDBI, Jubilee Hills	1870490	1797856	(vi) Medical Reimbursement	307348	
(6) Dena Bank	211988	0	(vii) Encashment of EL on superannuation	3223994	1840521
(c) In deposits accounts	20529106	3040747	(viii) Death-cum-Retirement Gratuity	4385242	4755775
(1) Andhra Bank, Srinagar Colony Branch	102520400	40000000	(ix) Tution fee Reimbursement	402903	0
(2) SBH,Panjagutta	15000000	15000000	**Total I(a)**	**46422933**	**48572303**
(3) Andhra Bank, S.R.Nagar Branch	70000000	30000000	**(b) Administrative Expenses:**		
(4) SBI, Balkampet	20000000	20000000	(i) Travelling expenses	1091048	1807788
(5)Indian Bank, Srinagar Colony	80000000	0	(ii) EC/GC/Society meeting expenses	201662	197674
(6) IDBI, Jubilee Hills	10000000	10000000	(iii) Audit Fees (including internal audit)	325541	121631
(7) Andhra Bank, Srinagar Colony	575000	575000	(iv) Advertisement & Publicity	942292	0
(8) Karur Vysya Bank,S.R.Nagar Br.	25000000	25000000	(v) Vacant land exp	484228	0
(9) Bank of Maharastra,Kukatpally Br	20000000	20000000	(vi) Repairs and Maintenance	2922779	2144102
(10) Dena Bank	10000000	0	(vii) ISO certificate charges	130165	
(d) In Savings accounts:	353095400	160575000	(viii) Legal Expenses	12600	184480
(1) SBI, Yellareddyguda	1264809	466205	(ix) Office expenses and stationery	953688	920544
(2) SBI, Balkampet	4786335	30601168	(x) Bank charges	57000	41134
(3) Andhra Bank (iGNOU)	9544	9544	(xi) Property Tax	1064304	1140964
Total I (b)	**6060688**	**31076917**		0	0
			Implementation of Official Language (Hindi)	267111	23260
Total I	**379723611**	**194840214**	**Total I(b)**	**8452418**	**6581577**

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
II. GRANTS RECEIVED					
(a) From Government of India:			**(c) Activity Expenses:**		
1.M/o.MSME for ToTs/EDPs/ESDPs	243044944	275502305	(i) National Announced Programmes	5979423	6941180
2.M/o.Social justice & Empowerment	1325000	1325000	(ii) National Sponsored Programmes	24703587	14957196
3.DGE&T, M/o.Labour & Employment	0	598000	(iii) International Programmes	16458077	18409332
4.DSIR	0	360000	(iv) Seminar and Workshops	210911	161634
5.Deptt.of Science & Technology	1785000	2691000	(v) Research & Consultancy Projects	2251135	436373
6.M/o.Minority Affairs,Goi	0	12391000	(vi) Educational Programmes	1874700	978250
7.Ministry of External Affairs	20063098	30221628	(vii) S.D.P Construction Workers Exp	59886805	33146349
8.Ministry of Defence	970000	160000	(viii)DICCI-APIIC joint programme on industrial cam	0	146810
9.Labour Commissioner, Govt.of A.P	121272420	31647540	(ix)Rau"s IAS Study Circle(Spon.by Min.of minority)	0	6000000
10.Labour Commissioner, Govt.of T.S	0	11160000			
11.KVIC, Mumbai, M/o.MSME	1226559	2391967	**Total I(c)**	**111364638**	**81177124**
12.DC(Handlooms)	0	3092000	**(d) Comon Essential Services:**		
13.GOVT OF ARUNACHALPRADESH	30000	0			
14.M/o MSME ,DC MSME	0	465000	(i) Business development expenses	265270	86769
15.M/o Govt of Andhra Pradesh	875700	1647275	(ii) Photo and video charges	10285	79938
16.GOVT OF ASSAM	0	150000	(iii) Xerox charges	638486	730814
17. GOVT OF BIHAR	0	3186000	(iv) Postage and telegrams	63196	209189
18. GOVT OF WEST BENGAL	270000		(v) Electricity charges	3399734	3357770
19.GOVT OF KARNATAKA	225000	1930000	(vi) Water charges	4442529	4442750
20.GOVT OF KERALA	2568000	2538000	(vii) House keeping expenses	1967259	1750288
21.GOVT OF M.P	0	225000	(viii) Catering charges	6285970	7516748
22.GOVT OF MEGHALAYA	0	1302000	(ix) Printing and binding charges	2303165	2560576
23.GOVT OF MAHARASTRA	165000	0	(x) SENDOC expenses	22780	3574
24.GOVT OF ODISHA	1200000	346960	(xi) CCIT expenses	1405352	1267334
25.GOVT OF TELANGANA	149500		(xii) Membership with others	46795	131267
26.GOVT OF U.P	140000	60000	(xiii) Telephones	408873	442229
27.M/o.Agriculture	0	80000	(xiv) Vehicles hire charges	711965	893748
28.M/o. MoEF	9000	171000			

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
29.Niftem	2000000	2192510	**Total I(d)**	**21971659**	**23472994**
30.CDC	0	75000	**TOTAL I**	**188211648**	**159803998**
31.NMDC	6869100	2468540			
32.Grant from Andhra Bank	227500				
33.APCOB	9000			0	
34.Bangladesh	1176997				
35.Canara Bank	45000				
36.Chattisgarh	57000				
37.Coir Board	1364790				
38.Commissioner of Industries,H.P	45000				
39.Corporation Bank	63000				
40.Director of Industries	452880				
41.ECIL	12000				
42.GIZ,Nepal	1452000				
43.Tamilnadu	15000				
44.IOB	18000				
45.M/o.MSME Projects	6250000				
46.M/o.Water Resource River Development	9000				
47.NBCFDC	609377				
48.S.B.I	15000				
49.Singareni collaries	550000				
50.RGNIYD	0	4410000			
Total II(a)	**416559865**	**392787725**			
(b) From State Governments:			**II. PAYMENTS MADE AGAINST FUNDS**		
1.BHEL	0	50000	**FOR VARIOUS PROJECTS**		
2.Govt. of A.P. for Herbal Nursery	0	0			
3.Govt. of A.P.	1115880	357445	1. RCTPaintings (DC Handicrafts Project)	30000	199330
4.Labour Commissioner, Govt. of A.P.	0	12932420	2. IPFC	56407	0
5.RGNIYD	6615000		3.Study on evalution DC(MSME)	0	0
Total II(b)	**7730880**	**13339865**	4. Mubarakpur Handloom Cluster	176	16983

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
(c) From Other Sources			5. NBCFDC	41527	0
1.ONGC	15000	0	6. Barabanki Handloom Cluster	178895	156409
2.NTPC	24000	653400			
Total II(c)	**39000**	**653400**			
Total II	**424329745**	**406780990**	**TOTAL II**	**307005**	**372722**
III. INTEREST RECEIVED					
(a) On Bank Accounts	32374524	23878874			
Total III	**32374524**	**23878874**			
IV. OTHER INCOME					
(a) From Activities:					
(i) National Announced Programmes	2021000	945000			
(ii) National Sponsored Programmes	152800	30000			
(iii) Seminars and Workshops	325952	376635			
(iv) Collaborative Seminars/Workshops	0	0			
(v) Research/Counsultancy Projects	0	30000			
(vi) Collaborative Programs	4023614	2030975			
(vii) International Sponsored Programmes	0	0			
(viii) National Programmes - IT	1282000	3036000			
(ix) IPFC MEMBERSHP	178600	120000			
Total IV (a)	**7983966**	**6568610**			
(b) Others			**III.EXPENDITURE ON FIXED ASSETS AND**		
(i) Library Membership Fee	758154	696618	**CAPITAL WORKS-IN-PROGRESS**		
(ii) Subscription/sale of publications	47075	50950	**Purchase of Fixed Assets:**		
(iii) Infrastructure services	851856	555371	(i) Furniture	174727	484304
(iv) Sale of scrap	309400	46640	(ii) Equipment	38448	0
(v) Accrued income	833560	3769450	(iii) Hostel Equipment	55762	0
(vi) Application fee for posts	110	9000	(iv) Printers	28237	0
(vii) Membership Fee	0	5230	(v) Periodicals	38070	99644

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
(viii) Application Fee from Partner Institutions	8000	42500	(vi) Books	29076	200186
(ix) Premises Lease	0	0	(vii) Computers	0	283500
(x) Accrued Interest	146410	0	(viii) Computer software	0	202248
			(ix) AIRCONDITIONERS	124311	336300
			(x) BOREWELL-PUMP SETS	40000	300095
			(xi) BUILDING	0	880137
			(xii) PARKING SHED	1738412	2523993
			(xiii) WATER PLANT	0	365455
Total IV (b)	**2954565**	**5175759**	**Total III**	**2267043**	**5675862**
			IV. OTHER PAYMENTS		
(i) NIFTEM	1185600		(1) Outstanding expenses	48779345	24128871
(ii) MEA	14562264	29511844	(2) Deposits (Participation in Tenders)	364860	220227
(iii) M/o.Minority Affairs	6337000	0	(3) DCRG payble	0	0
(iv) DST	855000	0	(a)EEL payble	0	98475
(v) NMDC	41000	0	(4) Loans and Advances given to Staff:		
(vi)A.P.B&OCWWB T.S	7968000	0	(i) Festival Advance	139500	159750
(vii) Govt of Uttarpradesh	30000	0	(ii) Tour advance	1716227	801690
(viii) DC (MSME)	0	126300	(iii) Temporary Advance	2079993	1872155
(ix) DSIR	36500	0	(5) Court attachment	32670	40970
(x) Govt of Westbengal	795000	0	(6) LTC Advance	79242	59636
(xi) BHEL	150000		(7) Deposit with Service Tax Tribunal	0	4000000
(xii) CDC	90000		(8) Payment to Creditors	0	403530
(xiii) Deity	189000		(9) TDS deducted from fee	4629427	2141762
(xiv) M/o.MSME	131549945		(10) Deposit for Court Appeals	318525	
(xv) M/o.Defence	20000		(11) EMD/Security Deposits	1342988	4594000
(xvi) National Institute of Design	225702		(12) DA arrears Payable	307125	342579
(xvii) A.P.B&OCWWB A.P	825060		(13) Consultants Remuneration Payable	8082500	6211501
Total	**164860071**	**29638144**	(14) TDS from suppliers	20695514	3452593

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
(I) Group Insurance	287153		(15) Stale cheques	822407	
Total IV(c)	**165147224**	**29638144**			
Total IV	**176085755**	**41382513**	**TOTAL IV**	**89390323**	**48527739**
V. OTHER RECEIPTS			**V. PAYMENTS TO AGENCIES**		
(a) Loans and Advances recovered from Staff:			1. Agencies of APEX Programmes	122081708	51694661
			2. Partner Institutions	77331874	31137028
(i) Study Tour advance	85059	0	**TOTAL V**	**199413582**	**82831689**
(ii) Temporary advance	94248	68130	**VI. CLOSING BALANCES**		
(iii) Tour advance	105636	113449	(a) Cash in hand	50210	38417
(iv) Programme Advance.	229016	202574	(b) Bank balances:		
(b) Sundry creditors:			(1) SBI, Yellareddyguda	30537	30537
			(2) Andhra Bank	71540915	12903813
			(3) Andhra Bank, S.R.Nagar	1712802	97158
(C) Stale cheques	94000	3963460	(4) SBI, Balkampet	8912533	5415120
			(5) IDBI, Jubilee Hills	1946267	1870490
			(6) Dena Bank	776201	211988
(c) Others:			(c) In deposits accounts		
(i) Books	129800	0	(1) Andhra Bank, Srinagar Colony Branch	101244844	102520400
(ii) Deposits	310087	306565	(2) SBH,Panjagutta Br.	25000000	15000000
(iii) Withheld Salaries	0	27685	(3) Andhra Bank, S.R.Nagar Branch	60000000	70000000
(iv) LTC Advance	11363	17602	(4) SBI, Balkampet	60000000	20000000
(v) Refund of Income Tax on income	398960	335352	(5)Indian Bank, Srinagar Colony	50000000	80000000
(vi) Kamarajarport LTD.,	7032210		(6) IDBI, Jubilee Hills	10000000	10000000
(vii) EMD/Security deposit	1536752	5018213	(7) Andhra Bank, Srinagar Colony	575000	575000
(viii) Fee Received in Advance/adjustble	850152		(8) Karur Vysya Bank,S.R.Nagar Br.	55000000	25000000
			(9) Bank of Maharastra,Kukatpally Br	0	20000000
			(10) Dena Bank	20000000	10000000
			(d) In Savings accounts:		
TOTAL V	**10877283**	**10053030**	(1) SBI, Yellareddyguda	2766919	1264809

	(Amount Rs.)			(Amount Rs.)	
RECEIPTS	**2015-16**	**2014-15**	**PAYMENTS**	**2015-16**	**2014-15**
			(2) SBI, Balkampet	74235545	4786335
			(3) Andhra Bank (IGNOU)	9544	9544
			TOTAL VI	**543801317**	**379723611**
TOTAL	**1023390918**	**676935621**	**TOTAL**	**1023390918**	**676935621**

Sd/-
Admn. & Accounts Officer

Sd/-
Chief Administrative Officer

Sd/-
Director General

Place : Hyderabad
Date :

As per our report of even date

For SWAMY AND SESHADRI,
Chartered Accountants
Sd/-
B. Krishna Swamy
Partner

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)
(सू.ल.म.उ. मंत्रालय भारत सरकार का संगठन, आईएसओ **9001-2008** प्रमाणित)
NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES (ni-msme)
(An organisation of Ministry of MSME Govt. of India, An ISO 9001-2008 Certified)
यूसुफगुडा, हैदराबाद - **500045.** तेलंगाना.
Yousufguda, Hyderabad - 500045. Telangana.
Tel: 91-40-23608544 - 46, Fax : 91-40-23608547, 23608956
www.nimsme.org, E-mail : registrar@nimsme.org